

UPPSC PRELIMS

QRS

क्विक रिवीजन सीरीज

Last-Minute Revision Notes

इतिहास

प्राचीन • मध्यकालीन • आधुनिक

01 प्रागैतिहास, स्रोत, सिंधु घाटी, वैदिक काल**02** बौद्ध, जैन एवं धार्मिक संप्रदाय**03** समाज, महाजनपद, मौर्य**04** गुप्त, हर्ष, दक्षिण भारत, कला**05** पूर्व-मध्यकाल एवं आक्रमण**06** दिल्ली सल्तनत**07** भक्ति, सूफी एवं मुगल**08** मराठे एवं भारत में यूरोपीय**09** युद्ध, भू-राजस्व, वायसराय, 1857**10** प्रेस, सुधार, प्रारंभिक कांग्रेस, क्रांतिकारी**11** स्वदेशी से गांधी युग तक**12** भारत छोड़ो से स्वतंत्रता तक**13** उत्तर प्रदेश का इतिहास**14** अभ्यास, सारणियाँ एवं विश्व इतिहास**15** पुस्तकें, लेखक एवं साहित्य

विषय-सूची

भारतीय इतिहास के स्रोत: पुरातत्त्व, अभिलेख एवं सिक्के	15
स्रोतों के प्रकार	15
अभिलेख (एपिग्राफी)	15
सिक्के (मुद्राशास्त्र)	16
भूमि-अनुदान एवं ताम्रपत्र	16
पुरातात्विक स्थल एवं सर्वेक्षण	16
प्रागैतिहास एवं सिंधु घाटी सभ्यता	17
स्रोत एवं पुरातत्त्व की मूल बातें	17
पाषाण काल एवं ताम्रपाषाण काल	17
विस्तार एवं कालानुक्रम	17
उत्पत्ति के सिद्धांत	18
प्रमुख स्थल	18
नगर-नियोजन एवं स्थापत्य	19
अर्थव्यवस्था	19
धर्म एवं कला	20
पतन के सिद्धांत	20
पाषाण युग से लौह युग तक: संस्कृतिवार सारणी	21
प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ	21
प्रागैतिहास के स्मरणीय तथ्य	22
वैदिक काल	23
सामान्य परिचय एवं मूल निवास	23
वैदिक साहित्य	23
ऋग्वेद के मंडल	24
ऋग्वेद की नदियाँ	24
ऋग्वैदिक समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था	24
वैदिक धर्म	25
उत्तर वैदिक काल	25
महाकाव्य एवं पुराण	26
वैदिक साहित्य, दर्शन एवं धर्म: एक दृष्टि में	27
वैदिक ग्रंथ	27
छह आस्तिक दर्शन	27
वेदांत के आचार्य	28
बौद्ध धर्म	29
गौतम बुद्ध का जीवन	29
उपदेश	29

बौद्ध संगीतियाँ.....	30
हीनयान एवं महायान	30
ग्रंथ	30
कला, स्थापत्य एवं केंद्र	31
जैन धर्म एवं नास्तिक संप्रदाय.....	32
तीर्थंकर.....	32
महावीर का जीवन.....	32
दर्शन.....	33
संगीतियाँ एवं संप्रदाय	33
ग्रंथ	33
संरक्षक एवं केंद्र	34
आजीवक.....	34
भागवत, शैव एवं शाक्त परंपराएँ.....	35
भागवत / वैष्णव धर्म.....	35
शैव धर्म	35
शाक्त धर्म.....	36
महाजनपद एवं मगध का उत्कर्ष	37
सोलह महाजनपद (छठी शताब्दी ई.पू.).....	37
मगध के राजवंश	38
हर्यक वंश.....	38
नंद वंश.....	38
अर्थव्यवस्था एवं समाज.....	38
प्राचीन समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था: एक दृष्टि में.....	39
वर्ण, आश्रम एवं संस्कार.....	39
स्त्रियों की स्थिति.....	39
जनपद, श्रेणियाँ एवं अर्थव्यवस्था.....	39
राजव्यवस्था.....	40
विदेशी आक्रमण एवं मौर्य साम्राज्य	41
फारसी एवं यूनानी आक्रमण.....	41
मौर्य इतिहास के स्रोत	41
चंद्रगुप्त मौर्य (321-297 ई.पू.)	41
बिंदुसार एवं अशोक.....	41
मौर्य प्रशासन.....	42
मौर्य कला	43
पतन.....	43
अशोक के अभिलेख एवं मौर्य राजव्यवस्था (विस्तृत अध्ययन).....	44
लिपि, भाषा एवं वाचन.....	44
प्रमुख शिलालेख	44

मौर्यकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था	44
सांची एवं स्तूप.....	45
अशोक की धम्म-यात्राएँ	45
मौर्योत्तर काल	46
शुंग एवं कण्व.....	46
विदेशी आक्रमणकारी.....	46
रुद्रदामन प्रथम (जूनागढ़ / गिरनार)	46
कुषाण वंश.....	46
तक्षशिला (विश्वविद्यालय).....	47
सातवाहन	47
खारवेल (चेदि वंश, कलिंग).....	47
प्राचीन राजवंश: संस्थापक, राजधानी, स्रोत एवं उल्लेखनीय तथ्य	48
राजवंशों का सार.....	48
प्राचीन इतिहास के स्रोत	49
गुप्त साम्राज्य	50
शासक	50
प्रशासन एवं अर्थव्यवस्था	50
विज्ञान एवं शिक्षा.....	51
दर्शन: छह दर्शन	51
वाकाटक	51
गुप्तकाल के अन्य तथ्य.....	51
न्याय, चार्वाक एवं अन्य	51
हर्ष एवं प्रारंभिक मध्यकालीन उत्तर भारत	53
हर्ष (606-647 ई.).....	53
कन्नौज का त्रिपक्षीय संघर्ष.....	53
दक्षिणी चालुक्य एवं अन्य राजवंश.....	53
शंकराचार्य.....	53
बौद्ध धर्म का पतन	53
भारत के संवत्, वेदांत, यात्री एवं मंदिर स्थापत्य	54
भारत के संवत्.....	54
वेदांत संप्रदाय.....	54
चीनी एवं विदेशी यात्री.....	54
दरबारी एवं राजधानियाँ.....	55
गुहा स्थापत्य.....	55
नागर एवं मध्यकालीन मंदिर.....	55
मंदिर शैलियाँ.....	56
पल्लव एवं चोल (स्थापत्य)	56
बृहत्तर भारत.....	56

प्राचीन भारतीय कला: मूर्तिकला, चित्रकला एवं प्रदर्शनकारी कलाएँ	57
मूर्तिकला की शैलियाँ	57
स्तूप	57
शैलकृत स्थापत्य	58
चित्रकला	58
मृण्मूर्ति एवं धातु कला	58
प्रदर्शनकारी कलाएँ	58
दक्षिण भारत: संगम, पल्लव, चालुक्य एवं चोल	60
संगम काल	60
रोम से व्यापार	60
पल्लव (कांची)	60
बादामी के चालुक्य	61
चोल	61
प्राचीन साहित्य एवं रचनाकार	62
संगम एवं तमिल ग्रंथ	62
संस्कृत साहित्य	62
प्राचीन भारत: कालक्रम तथा विज्ञान, साहित्य एवं शिक्षा	64
प्राचीन कालक्रम	64
विज्ञान एवं गणित	65
शिक्षा केंद्र	65
प्रारंभिक मध्यकालीन भारत: राजपूत एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ	67
त्रिपक्षीय संघर्ष एवं प्रमुख राजवंश	67
प्रमुख तथ्य	67
प्रारंभिक मध्यकाल के अन्य तथ्य	68
प्रारंभिक मध्यकालीन भारत: राजवंशों का विस्तृत अध्ययन	69
पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट	69
राजपूत कुल	69
दक्षिण: चोलों का विस्तृत अध्ययन	70
यादव, होयसल, काकतीय एवं पांड्य	71
अरब, गजनवी एवं गोरी के आक्रमण	72
सिंध पर अरब विजय	72
गजनवी	72
मुहम्मद गोरी	72
दिल्ली सल्तनत I: गुलाम (मामलुक) वंश	74
शासक: एक दृष्टि में	74
कुतुबुद्दीन ऐबक	74
इल्तुतमिश	74

रजिया एवं बलबन	74
दिल्ली सल्तनत II: खिलजी एवं तुगलक	75
खिलजी वंश (1290-1320)	75
तुगलक वंश (1320-1412)	75
सैयद, लोदी एवं विजयनगर साम्राज्य	77
सैयद एवं लोदी वंश	77
विजयनगर साम्राज्य (1336-1672)	77
विजयनगर, बहमनी एवं दक्कन की सल्तनतें: विस्तृत अध्ययन	79
विजयनगर साम्राज्य (1336-1646)	79
बहमनी सल्तनत (1347-1527)	79
उत्तराधिकारी दक्कनी सल्तनतें (1490-1686)	80
अन्य क्षेत्रीय शक्तियाँ	80
सल्तनत का प्रशासन, अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य	81
प्रशासन	81
स्थापत्य	81
भारतीय-इस्लामी स्थापत्य एवं प्रांतीय शैलियाँ	83
भारतीय-इस्लामी स्थापत्य की विशेषताएँ	83
मुगल चित्रकला	84
मध्यकालीन भारत में संगीत	84
सल्तनत कालीन साहित्य, यात्री एवं विविध तथ्य	85
इतिहासकार एवं रचनाएँ	85
अमीर खुसरो	85
फारसी एवं यात्री	85
विविध तथ्य	86
सल्तनत काल के प्रांतीय राज्य	87
जौनपुर (शर्की), कश्मीर, गुजरात	87
बहमनी सल्तनत (1347-1527)	87
दक्षिण भारतीय राज्य	87
भक्ति एवं सूफी आंदोलन	89
भक्ति आंदोलन	89
सूफी सिलसिले	90
भक्ति-सूफी के अन्य तथ्य	90
बाबर, हुमायूँ एवं शेरशाह सूरी	91
बाबर (1526-30)	91
हुमायूँ (1530-40, 1555-56)	91
शेरशाह सूरी (1540-45)	91

महान अकबर (1556-1605)	93
प्रारंभिक जीवन एवं विजयें	93
राजपूत नीति	93
धार्मिक नीति	93
प्रशासन	94
स्थापत्य	94
जहाँगीर एवं शाहजहाँ	95
जहाँगीर (1605-27)	95
शाहजहाँ (1628-58)	95
औरंगजेब एवं मुगल प्रशासन	97
उत्तराधिकार का युद्ध एवं औरंगजेब (1658-1707)	97
मुगल प्रशासन	97
मनसबदारी	98
मुगल अर्थव्यवस्था, समाज एवं व्यापार	99
कृषि अर्थव्यवस्था	99
शिल्प, उद्योग एवं नगर	99
व्यापार एवं व्यापारी वर्ग	99
समाज एवं संस्कृति	100
पतन के सिद्धांत	100
मुगल कला, संगीत एवं साहित्य	101
चित्रकला	101
संगीत	101
रचनाएँ एवं रचयिता	101
सिख धर्म एवं परवर्ती मुगल काल के तथ्य	103
दस सिख गुरु	103
मुगलोत्तर आक्रमण एवं युद्ध	103
विविध	104
मध्यकालीन भारत: कालक्रम एवं त्वरित तुलनात्मक सारणियाँ	105
मध्यकालीन कालक्रम	105
दिल्ली सल्तनत के राजवंश	106
मुगल सम्राट: एक दृष्टि में	106
सूफी सिलसिले	107
मनसबदारी एवं भू-राजस्व: त्वरित तथ्य	107
मराठे एवं मुगल साम्राज्य का विघटन	108
शिवाजी (1627/30-1680)	108
शिवाजी के पश्चात्	108
परवर्ती मुगल	109

मराठा राज्य-व्यवस्था, पेशवा एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ	110
शिवाजी का प्रशासन (अष्टप्रधान)	110
पेशवा काल	110
सिख मिसलें एवं क्षेत्रीय राज्य	111
भारत में यूरोपीयों का आगमन	112
आगमन का क्रम	112
पुर्तगाली	112
डच	112
अंग्रेज	112
फ्रांसीसी एवं आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्विता	113
बंगाल, प्लासी, बक्सर एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ	114
बंगाल के नवाब	114
प्लासी (23 जून 1757)	114
मीर कासिम एवं बक्सर	114
पंजाब - रणजीत सिंह	115
मैसूर	115
गवर्नर एवं नीतियाँ	115
ब्रिटिश विस्तार: आंग्ल-मैसूर, मराठा, सिख युद्ध एवं विलय	116
आंग्ल-मैसूर युद्ध	116
आंग्ल-मराठा युद्ध	116
आंग्ल-सिख युद्ध एवं पंजाब	117
अन्य युद्ध एवं विलय	117
डलहौजी की हड़प नीति (व्यपगत का सिद्धांत)	118
सहायक संधि वाले राज्य एवं कालक्रम	118
गवर्नर-जनरल एवं वायसराय: नीतियाँ एवं सुधार	119
बंगाल के गवर्नर-जनरल (1833 तक)	119
सहायक संधि (वेलेजली)	119
डलहौजी (1848-56)	119
1856 के पश्चात्	120
वायसराय: सुधार, सांस्कृतिक नीतियाँ एवं आर्थिक प्रभाव	121
शीघ्र मिलान - वायसराय / गवर्नर-जनरल एवं घटना	121
धन का निष्कासन एवं भू-राजस्व	121
भू-राजस्व, न्याय-व्यवस्था, सेना, पुलिस एवं सिविल सेवाएँ	123
भू-राजस्व बंदोबस्त	123
न्यायिक व्यवस्था	123
पुलिस	124
सेना	124
सिविल सेवाएँ	124

शिक्षा सुधार (संक्षिप्त कालक्रम)	124
गवर्नर-जनरल एवं वायसराय: संपूर्ण कालानुक्रमिक सारणी	125
बंगाल के गवर्नर एवं गवर्नर-जनरल (1757-1857).....	125
गवर्नर-जनरल एवं वायसराय (1856-1947).....	126
वायसराय-वार शीघ्र जोड़ियाँ.....	128
औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था एवं 1857 का विद्रोह	129
आर्थिक नीति - अतिरिक्त तथ्य.....	129
1857 का विद्रोह - कारण एवं घटनाक्रम.....	129
परिणाम	130
ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव: त्वरित पुनरावृत्ति	131
औपनिवेशिक शोषण के चरण.....	131
अनौद्योगीकरण एवं वाणिज्यीकरण.....	131
आधुनिक उद्योग एवं बैंकिंग.....	132
1857 की असफलता, घोषणा एवं अन्य विद्रोह	133
1857 क्यों असफल हुआ.....	133
रानी की घोषणा (1 नवंबर 1858) - पूर्ण / अपूर्ण.....	133
नागरिक, कृषक एवं जनजातीय विद्रोह	133
1857 का विद्रोह: केंद्र-वार सारणी एवं इतिहास-लेखन	135
केंद्र, नेता एवं ब्रिटिश सेनापति.....	135
कारण संक्षेप में.....	135
विद्रोह का स्वरूप: इतिहासकार	136
परिणाम	136
जनजातीय एवं कृषक आंदोलन - अतिरिक्त तथ्य, तथा औपनिवेशिक शिक्षा.....	137
स्मरणीय अन्य आंदोलन	137
औपनिवेशिक भारत में शिक्षा	138
औपनिवेशिक भारत में प्रेस एवं पत्रकारिता.....	139
प्रेस संबंधी कानून	139
समाचारपत्र एवं संस्थापक	139
प्रेस संबंधी अन्य मिलान.....	140
सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन	141
बंगाल पुनर्जागरण एवं ब्रह्म समाज	141
अन्य सुधार आंदोलन	141
अन्य सुधार तथ्य	142
दलित, पिछड़े वर्ग, महिला एवं जनजातीय सुधार आंदोलन	143
जाति-विरोधी एवं गैर-ब्राह्मण आंदोलन.....	143
महिला सुधार आंदोलन.....	145

जनजातीय एवं अन्य सुधार तथ्य	146
सामाजिक-धार्मिक सुधार संगठन: संस्थापक, वर्ष एवं रचनाएँ	147
सुधार संगठन	147
सुधारक एवं उनकी रचनाएँ	148
कांग्रेस-पूर्व राजनीतिक संगठन एवं आरंभिक INC	149
कांग्रेस-पूर्व संगठन	149
INC की स्थापना	149
INC के अन्य तथ्य	150
नरमपंथी बनाम उग्रपंथी (1885-1905 / 1905-1919)	151
INC के अधिवेशन, अध्यक्ष एवं प्रमुख प्रस्ताव	152
आरंभिक कांग्रेस (1885-1904)	152
उग्रपंथी चरण एवं पुनर्मिलन (1905-1919)	153
गांधी युग (1920-1947)	153
अध्यक्ष: प्रथम एवं कीर्तिमान	155
क्रांतिकारी आंदोलन (भारत)	156
आरंभिक चरण - महाराष्ट्र एवं बंगाल	156
प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् के क्रांतिकारी	156
षड्यंत्र केस एवं क्रांतिकारी मिलान	157
विदेशों में क्रांतिकारी	157
बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन	159
विभाजन (1905)	159
स्वदेशी के नेता एवं विशेषताएँ	159
सूरत विभाजन, मुस्लिम लीग, मॉर्ले-मिंटो सुधार एवं दिल्ली दरबार	160
कांग्रेस अधिवेशन 1905-07	160
मुस्लिम लीग (1906)	160
मॉर्ले-मिंटो सुधार (भारतीय परिषद् अधिनियम 1909)	160
दिल्ली दरबार एवं राजधानी परिवर्तन	160
लखनऊ समझौता, होमरूल लीग एवं आरंभिक गांधी	161
लखनऊ समझौता (दिसंबर 1916)	161
होमरूल लीग (1916)	161
गांधी का प्रारंभिक जीवन एवं दक्षिण अफ्रीका	161
भारत में प्रथम प्रयोग (1917-18)	162
गांधी: विविध तथ्य एवं किसान आंदोलन	163
गांधी - अधिक संभावित तथ्य	163
किसान आंदोलन	163
गांधीवादी आंदोलन एवं कृषक संघर्ष: तुलनात्मक सारणियाँ	165

गांधीवादी सत्याग्रहों की तुलना.....	165
किसान आंदोलन.....	166
श्रमिक एवं श्रमिक संघ.....	166
जनजातीय आंदोलन: शीघ्र संदर्भ.....	167
श्रमिक आंदोलन, रॉलट एक्ट, जलियाँवाला बाग एवं खिलाफत	168
श्रमिक संघ एवं साम्यवादी आंदोलन.....	168
रॉलट एक्ट एवं सत्याग्रह (1919).....	168
जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919).....	169
खिलाफत आंदोलन (1919-22).....	169
असहयोग आंदोलन एवं स्वराज पार्टी	170
असहयोग की ओर.....	170
मोपला विद्रोह (1921).....	170
चौरी-चौरा एवं आंदोलन की वापसी.....	171
स्वराज पार्टी (1923).....	171
साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, पूर्ण स्वराज एवं सविनय अवज्ञा	172
लिबरल फेडरेशन एवं इंडिपेंडेंट पार्टी.....	172
साइमन कमीशन (1927-30).....	172
सर्वदलीय सम्मेलन एवं नेहरू रिपोर्ट (1928).....	172
लाहौर अधिवेशन (दिसंबर 1929).....	172
सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-34).....	173
गांधी-इरविन समझौता, गोलमेज सम्मेलन एवं पूना समझौता	174
सविनय अवज्ञा: क्षेत्रीय तथ्य.....	174
गांधी-इरविन समझौता (दिल्ली समझौता), 5 मार्च 1931.....	174
कराची अधिवेशन (29-31 मार्च 1931).....	174
गोलमेज सम्मेलन (लंदन).....	175
सांप्रदायिक पंचाट (16 अगस्त 1932) एवं पूना समझौता.....	175
समाजवादी, 1937 के मंत्रिमंडल, त्रिपुरी एवं पाकिस्तान की माँग	176
कांग्रेस समाजवादी पार्टी (1934).....	176
1937 के प्रांतीय चुनाव एवं कांग्रेस मंत्रिमंडल.....	176
हरिपुरा एवं त्रिपुरी.....	177
देशी रियासतें.....	177
द्वितीय विश्व युद्ध एवं कांग्रेस.....	177
पाकिस्तान की माँग.....	177
सांप्रदायिकता एवं मुस्लिम राजनीति: कालक्रम	178
भारत में मुस्लिम राजनीति.....	178
हिंदू सांप्रदायिक एवं अन्य समूह.....	179
विभाजन हेतु संवैधानिक प्रस्ताव.....	179

अगस्त प्रस्ताव, क्रिप्स मिशन एवं भारत छोड़ो.....	180
व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940)	180
क्रिप्स मिशन (मार्च 1942)	180
भारत छोड़ो आंदोलन (1942)	180
सी. राजगोपालाचारी फार्मूला, INA एवं कैबिनेट मिशन	182
भारत छोड़ो के पश्चात्	182
सुभाष चंद्र बोस एवं INA	182
कैबिनेट मिशन (1946)	183
संविधान सभा, अंतरिम सरकार एवं स्वतंत्रता.....	184
संविधान सभा	184
अंतरिम सरकार (1946)	184
विभाजन एवं स्वतंत्रता	185
रियासतों का एकीकरण एवं भारत का पुनर्गठन	186
विभाजन एवं स्वतंत्रता	186
एकीकरण के प्रमुख प्रकरण	186
राज्यों का पुनर्गठन	187
संवैधानिक विकास: अधिनियम 1773-1935	188
अवलोकन सारणी	188
परीक्षा हेतु प्रमुख बिंदु	189
सिविल सेवाएँ एवं प्रशासन	189
संवैधानिक सुधार 1858-1935: तुलनात्मक सारणियाँ	190
भारत शासन अधिनियम 1858 से 1935	190
प्रांतीय स्वायत्तता एवं 1937 के चुनाव	190
विधायी मील के पथर	191
स्वतंत्रता संग्राम में उत्तर प्रदेश	192
उत्तर प्रदेश में 1857	192
उत्तर प्रदेश के प्रांत एवं आरंभिक संस्थाएँ	192
उत्तर प्रदेश में क्रांतिकारी गतिविधि	193
उत्तर प्रदेश में गांधीवादी आंदोलन	193
उत्तर प्रदेश: प्राचीन एवं मध्यकालीन विरासत	195
उत्तर प्रदेश के प्राचीन केंद्र	195
उत्तर प्रदेश में मध्यकालीन भक्ति एवं साहित्य	196
उत्तर प्रदेश में मुगलकालीन स्मारक	196
अवध के नवाब एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ	197
आधुनिक भारत: युद्ध, अकाल, उद्धार एवं कालक्रम अभ्यास	198
युद्ध एवं संधियाँ - कालक्रम	198

अकाल एवं आयोग.....	199
किसने कहा? उद्धरण.....	199
व्यक्तित्व संबंधी तथ्य	200
राष्ट्रवादी आंदोलन: कालक्रम एवं संघ अभ्यास.....	201
मुख्य समय-रेखा (गांधी युग से विभाजन तक).....	201
संघ का मिलान	202
अधिक कालक्रम अभ्यास.....	202
स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व	204
महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व: जन्म, मृत्यु एवं संबद्धताएँ.....	204
दल, समितियाँ एवं मिलान अभ्यास.....	207
दल एवं संस्थापक.....	207
समितियाँ एवं आयोग	207
स्मरणीय घटना-क्रम	208
योजनाएँ, समझौते एवं स्वातंत्र्योत्तर तथ्य.....	209
क्रमानुसार संवैधानिक योजनाएँ.....	209
विश्व इतिहास: क्रांतियाँ, युद्ध एवं विचारधाराएँ (आवश्यक तथ्य).....	210
पुनर्जागरण, धर्म-सुधार एवं समुद्री यात्राएँ	210
अमेरिकी क्रांति (1775-83).....	210
फ्रांसीसी क्रांति (1789-99).....	210
औद्योगिक क्रांति.....	211
इटली एवं जर्मनी का एकीकरण	211
रूसी क्रांति (1917)	211
चीनी क्रांतियाँ	211
प्रथम विश्व युद्ध (1914-18).....	212
दो युद्धों के बीच का काल एवं फासीवाद का उदय.....	212
द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45)	212
शीत युद्ध एवं उपनिवेशवाद की समाप्ति.....	213
प्रमुख सारणियाँ: युद्ध, संधियाँ, यात्री, स्मारक एवं उपाधियाँ.....	214
भारतीय इतिहास के महत्त्वपूर्ण युद्ध	214
संधियाँ एवं उनके पक्ष.....	215
विदेशी यात्री	215
दुर्ग, महल एवं स्मारक तथा उनके निर्माता.....	216
प्रसिद्ध उपाधियाँ एवं विशेषण.....	217
प्रसिद्ध नारे	217
आधुनिक भारतीय इतिहास में प्रथम एवं स्वातंत्र्योत्तर कालक्रम	219
भारत में प्रथम (आधुनिक).....	219
स्वातंत्र्योत्तर कालक्रम	220

त्वरित अभ्यास: UPPSC इतिहास के 100 उच्च-संभावना वाले तथ्य	222
प्राचीन (1-30)	222
मध्यकालीन (31-60)	222
आधुनिक (61-100)	223
पुस्तकें, लेखक एवं पत्र-पत्रिकाएँ	225
राष्ट्रवादी एवं स्वतंत्रता संग्राम की पुस्तकें	225
1857 का इतिहास-लेखन	226
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास	226
समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ	226
साहित्य एवं लेखक - त्वरित मिलान	228
राष्ट्रवादी साहित्य	228
मध्यकालीन एवं अन्य साहित्यिक कृतियाँ	229
पारिभाषिक शब्दावली एवं इतिहास-लेखन	230
प्राचीन एवं पूर्व-मध्यकालीन शब्द	230
मध्यकालीन शब्द	230
औपनिवेशिक शब्द	232
आधुनिक भारत का इतिहास-लेखन	232

अध्याय 01

भारतीय इतिहास के स्रोत: पुरातत्त्व, अभिलेख एवं सिक्के

स्रोतों के प्रकार

- **साहित्यिक:** वेद, महाकाव्य, पुराण, बौद्ध (पालि) एवं जैन (प्राकृत) ग्रंथ, संगम साहित्य, अर्थशास्त्र, राजतरंगिणी, हर्षचरित, फारसी इतिवृत्त
- **पुरातात्त्विक:** उत्खनन, स्मारक, मूर्दांड, औजार, मुहरें, अभिलेख, सिक्के
- **विदेशी विवरण:** यूनानी (मेगस्थनीज़, टॉलेमी), चीनी (फाह्यान, ह्वेनसांग, इत्सिंग), अरब (अल-बिरूनी, सुलेमान), वेनिस का (मार्को पोलो)
- प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास के लिए पुरातत्त्व सर्वाधिक विश्वसनीय स्रोत है (लिखित अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं अथवा हड़प्पा लिपि अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है)

शब्द	अर्थ
अभिलेख-विज्ञान (एपिग्राफी)	अभिलेखों का अध्ययन
पुरालेख-विज्ञान (पैलियोग्राफी)	प्राचीन लिपियों एवं हस्तलेखों का अध्ययन
मुद्राशास्त्र (न्यूमिस्मैटिक्स)	सिक्कों का अध्ययन
वृक्ष-वलय कालानुक्रम (डेंड्रोक्रोनोलॉजी)	वृक्षों के वलयों (छल्लों) द्वारा काल-निर्धारण
रेडियो कार्बन (C-14) काल-निर्धारण	जैविक अवशेषों की आयु लगभग 50,000 वर्ष तक ज्ञात करता है (अर्द्ध-आयु 5,730 वर्ष)
तापसंदीप्ति (थर्मोल्यूमिनेसेंस)	मूर्दांड / पकी मिट्टी का काल-निर्धारण
पराग विश्लेषण (पैलिनोलॉजी)	प्राचीन वनस्पति एवं जलवायु का पुनर्निर्माण

अभिलेख (एपिग्राफी)

- **पढ़े गए सबसे प्राचीन अभिलेख:** अशोक के अभिलेख (ब्राह्मी, खरोष्ठी, यूनानी एवं अरामाइक लिपियों में); जेम्स प्रिंसेप ने 1837 में ब्राह्मी लिपि को पढ़ा
- **भारत का सबसे प्राचीन अभिलेख (अपठित):** हड़प्पाई मुहरें; शास्त्रीय संस्कृत का सबसे प्राचीन दीर्घ अभिलेख: रुद्रदामन प्रथम का जूनागढ़/गिरनार अभिलेख (150 ई.); अयोध्या (धनदेव) अभिलेख इससे पूर्व का है, किंतु लघु है
- **अशोक-पूर्व / प्रारंभिक ब्राह्मी के दावे:** पिपरहवा अस्थि-पात्र (सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश; काल-निर्धारण भिन्न-भिन्न, चौथी-तीसरी शताब्दी ई.पू.); महास्थान अभिलेख (बांग्लादेश) मौर्यकालीन है
- **बोगाजकोई अभिलेख (तुर्की, 14वीं शताब्दी ई.पू.):** इसमें वैदिक देवताओं इंद्र, मित्र, वरुण एवं नासत्यों के नाम मिलते हैं (आर्यों के संपर्क का प्रमाण)
- **हेलियोडोरस स्तंभ, बेसनगर (विदिशा):** यूनानी राजदूत हेलियोडोरस का गरुड़ स्तंभ; वह भागवत धर्म का अनुयायी था
- **हाथीगुम्फा अभिलेख:** कलिंग नरेश खारवेल (उदयगिरि, ओडिशा)
- **नासिक अभिलेख:** गौतमीपुत्र सातकर्ण; इलाहाबाद स्तंभ (प्रयाग प्रशस्ति): समुद्रगुप्त, रचयिता हरिषेण
- **ऐहोल अभिलेख:** पुलकेशिन द्वितीय, रचयिता रविकीर्ति (संस्कृत भाषा, कन्नड़ लिपि)
- **मंदसौर अभिलेख:** कुमारगुप्त एवं बंधुवर्मन (रेशम बुनकरों की श्रेणी)
- **उत्तरमेरुर अभिलेख:** परांतक प्रथम (चोल), ग्राम स्वशासन का विवरण
- **गवालियर अभिलेख:** भोज (प्रतिहार)

अभिलेख	शासक / विषय
जूनागढ़ (गिरनार) शैल अभिलेख	रुद्रदामन प्रथम (शक); मौर्यकाल में निर्मित सुदर्शन झील की मरम्मत
इलाहाबाद स्तंभ	समुद्रगुप्त (हरिषेण); अशोक के स्तंभ का पुनः उपयोग
मेहरौली लौह स्तंभ	चंद्र (संभवतः चंद्रगुप्त द्वितीय)
भितरी स्तंभ	स्कंदगुप्त (हूण आक्रमण)
एरण अभिलेख	भानुगुप्त; सती प्रथा का प्रथम साक्ष्य (510 ई.)
ऐहोल अभिलेख	पुलकेशिन द्वितीय (रविकीर्ति)
हाथीगुम्फा	खारवेल

अभिलेख	शासक / विषय
नासिक गुहा अभिलेख	गौतमी बलश्री (गौतमीपुत्र सातकर्ण की माता)
देवपाड़ा अभिलेख	विजयसेन (बंगाल का सेन वंश)
बांसखेड़ा एवं मधुबन ताम्रपत्र	हर्ष
मास्की, गुज्जरा, निचूर, उदेगोलम	अशोक के लघु शिलालेख, जिनमें अशोक का नाम मिलता है

सिकके (मुद्राशास्त्र)

- सबसे प्राचीन सिकके:** आहत (पंचमार्क) सिकके (पुराण / कार्षापण, चाँदी के), छठी शताब्दी ई.पू.; अधिकांशतः चाँदी के, जिन पर सूर्य, वृक्ष, पर्वत आदि चिह्न अंकित किए जाते थे; इन पर लेख नहीं होते थे
- इंडो-ग्रीक शासकों ने सर्वप्रथम व्यक्ति-चित्र एवं लेख (राजाओं के नाम) वाले सिकके जारी किए; कुषाणों ने सर्वप्रथम बड़ी संख्या में स्वर्ण सिकके जारी किए (विम कडफिसेस)
- कुषाण:** बड़ी संख्या में स्वर्ण सिकके (रोमन आदर्श पर); विम कडफिसेस ने प्रथम स्वर्ण सिकके चलाए; कनिष्क के सिककों पर यूनानी, ईरानी एवं भारतीय देवताओं की आकृतियाँ हैं
- सातवाहन:** सीसे के सिकके (पोटिन); जहाज के चिह्न वाले चाँदी के सिकके भी (समुद्री व्यापार का प्रमाण)
- गुप्त:** स्वर्ण दीनार; समुद्रगुप्त के वीणावादक, अश्वमेध एवं धनुर्धारी प्रकार के सिकके; चंद्रगुप्त द्वितीय के चाँदी के सिकके (शक विजय के प्रतीक)
- गुप्तकाल में चाँदी एवं ताँबे के सिकके कम थे; गुप्तोत्तर काल में स्वर्ण सिककों में कमी को आर.एस. शर्मा ने व्यापार एवं नगरों के पतन का सूचक माना है (यह मत विवादित है)
- दिल्ली सल्तनत:** इल्तुतमिश ने चाँदी का टंका एवं ताँबे का जीतल चलाया; मुहम्मद बिन तुगलक ने सांकेतिक (काँसे की) मुद्रा चलाई; शेरशाह ने चाँदी का रुपया (178 ग्रेन) एवं ताँबे का दाम चलाया; अकबर ने मोहर (स्वर्ण), रुपया, दाम तथा इलाही सिकके चलाए
- निधियों (होर्ड) से प्राप्त सिकके राजाओं का काल-निर्धारण करने, व्यापार-मार्गों एवं धातुकर्म की जानकारी देने में सहायक हैं; दक्षिण भारत (अरिकामेडु, कोयंबटूर) में रोमन सिककों की निधियाँ भारत-रोम व्यापार का प्रमाण हैं

भूमि-अनुदान एवं ताम्रपत्र

- भारत में भूमि-दान का सबसे प्राचीन उदाहरण:** सातवाहन (नानाघाट / नासिक); ब्राह्मणों को ब्रह्मदेय एवं अग्रहार अनुदान का व्यापक प्रचलन गुप्त-वाकाटक काल में प्रारंभ हुआ
- प्रभावती गुप्ता के पूना ताम्रपत्र; पल्लव एवं चोल अनुदान प्रशासन का विवरण देते हैं; भूमिच्छिद्र न्याय: करमुक्त भूमि का अधिकार
- भूमि-अनुदानों से राजकोषीय एवं प्रशासनिक छूट (परिहार) प्राप्त होती थी, जो 'भारतीय सामंतवाद' संबंधी बहस की कुंजी है (डी.एन. झा; आर.एस. शर्मा बनाम बी.डी. चट्टोपाध्याय, हरबंस मुखिया)

पुरातात्विक स्थल एवं सर्वेक्षण

घटना / व्यक्ति	विवरण
एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल	सर विलियम जोन्स द्वारा 1784 में स्थापित
जेम्स प्रिंसेप	ब्राह्मी (1837) एवं खरोष्ठी (लासेन के साथ) को पढ़ा
भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण	अलेक्जेंडर कनिंघम (प्रथम महानिदेशक) द्वारा 1861 में स्थापित
कनिंघम	'भारतीय पुरातत्त्व के जनक'; हड़प्पा का प्रथम उत्खनन किया (1853, 1873)
मार्शल (महानिदेशक, 1902-28)	मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के उत्खनन की घोषणा 1924 में
राखालदास बनर्जी	मोहनजोदड़ो की खोज (1922)
दयाराम साहनी	हड़प्पा की खोज (1921)
प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम	1904 (कर्जन)
मॉर्टिमर व्हीलर	उत्खनन-पद्धतियों में सुधार किया; अरिकामेडु, चारसदा, मोहनजोदड़ो; महानिदेशक 1944-48
ब्रस फ़ट	पल्लवरम में पूरापाषाणकालीन औजार की खोज (1863); भारतीय प्रागैतिहास के जनक

- पिपरहवा (सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश), कौशांबी, हस्तिनापुर, अहिच्छत्र, अतरंजीखेड़ा एवं भृंगवेरपुर उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल हैं

अध्याय 02

प्रागैतिहास एवं सिंधु घाटी सभ्यता

स्रोत एवं पुरातत्त्व की मूल बातें

संस्था / व्यक्ति	प्रमुख तथ्य
ASI	1861 में स्थापित; अलेक्जेंडर कनिंघम प्रथम महानिदेशक (भारतीय पुरातत्त्व के जनक)
कर्जन	1901 में ASI का केंद्रीकरण किया; प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904
जॉन मार्शल	महानिदेशक 1902-28; 1924 में सिंधु घाटी सभ्यता की घोषणा विश्व के समक्ष की
रॉबर्ट ब्रूस फ़ूट	भारतीय प्रागैतिहास के जनक; पल्लवरम में प्रथम पुरापाषाणकालीन औजार (1863)
चार्ल्स मैसन	हड़प्पा के टीलों की प्रथम सूचना दी (1826)
कनिंघम	1853 एवं 1856 में हड़प्पा गए; एक मुहर प्राप्त की, परंतु उसके महत्व को नहीं समझ सके

स्मरणीय

हड़प्पा की मुहर (एकशृंगी पशु) प्राप्त होने वाली प्रथम पुरावस्तु थी; इसकी लिपि अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है
पुरातत्त्वविद् 'संस्कृति' शब्द का प्रयोग एक ही क्षेत्र एवं काल में एक साथ मिलने वाली विशिष्ट शैली की वस्तुओं के लिए करते हैं

पाषाण काल एवं ताम्रपाषाण काल

काल	प्रमुख स्थल / तथ्य
पुरापाषाण काल	सोहन घाटी (डी टेरा, 1935); भीमबेटका (रायसेन, मध्य प्रदेश; वी.एस. वाकणकर, 1957; यूनेस्को स्थल)
मध्यपाषाण काल	आदमगढ़ एवं बागोर (पशुपालन के प्राचीनतम प्रमाण); सराय नाहर राय, महदहा, दमदमा (उत्तर प्रदेश; कार्लाइल, 1867-68)
नवपाषाण काल	बुर्जहोम (गर्त-आवास; स्वामी के साथ दफनाया गया कुत्ता); मेहरगढ़ (गेहूँ / जौ, लगभग 7000 ई.पू.); कोलडिहवा (चावल); लहुरादेवा (चावल के प्राचीनतम प्रमाण, 8000-7000 ई.पू., संत कबीर नगर)
नवपाषाण काल (दक्षिण)	संगनकल्लू, पिकलीहल, उदूर के भस्म-टीले
ताम्रपाषाण काल	ताँबा प्रयोग में आने वाली प्रथम धातु; अहाड़-बनास (2100-1500 ई.पू.), नवदाटोली (एच.डी. सांकलिया), जोरवे (दायमाबाद, इनामगाँव, चंदोली, नेवासा), गणेश्वर (ताँबा)
OCP	गेरुए रंग के मृदांद्रांड (ओकर कलर्ड पॉटरी); यह नाम बी.बी. लाल ने हस्तिनापुर (1950-52) में दिया

विस्तार एवं कालानुक्रम

- कांस्य युगीन, आद्य-ऐतिहासिक सभ्यता; लिपि ज्ञात है, किंतु अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है
- C-14 काल-निर्धारण:** 2600-1700 ई.पू. (व्यापक रूप से स्वीकृत); परिपक्व चरण 2300-1900 ई.पू.
- समकालीन सभ्यताएँ:** मेसोपोटामिया (सुमेर; कीलाक्षर लिपि, लेखन का प्राचीनतम रूप), मिस्र (नील नदी)
- क्षेत्रफल लगभग 13 लाख वर्ग किमी, त्रिभुजाकार; मिस्र अथवा मेसोपोटामिया से बड़ा
- सीमाएँ:** उत्तर में मांडा (जम्मू-कश्मीर); दक्षिण में दायमाबाद (महाराष्ट्र); पश्चिम में सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान); पूर्व में आलमगीरपुर (मेरठ, उत्तर प्रदेश)

- मोहनजोदड़ो की जनसंख्या चार प्रजातियों का मिश्रण थी (प्रोटो-ऑस्ट्रेलॉयड, भूमध्यसागरीय, अल्पाइन, मंगोलॉयड)

विद्वान	प्रस्तावित तिथि
जॉन मार्शल	3250-2750 ई.पू.
अर्नेस्ट मैके	2800-2500 ई.पू.
एम.एस. वत्स	3500-2500 ई.पू.
सी.जे. गैड	2350-1700 ई.पू.
मॉर्टिमर व्हीलर	2500-1500 ई.पू.
फेयरसर्विस	2000-1500 ई.पू.

उत्पत्ति के सिद्धांत

विद्वान	मत
ई.जे.एच. मैके	सुमेर से लोगों का प्रवास
व्हीलर, डी.एच. गॉर्डन	सभ्यता का विचार पश्चिम एशिया से आया
अमलानंद घोष	हड़प्पा-पूर्व संस्कृति विकसित होकर हड़प्पा संस्कृति बनी
एम.आर. मृगल	रावी क्षेत्र में विकसित हुई; मेसोपोटामिया से प्रेरणा का खंडन

निर्माता संबंधी मत	विद्वान
आर्य	लक्ष्मण स्वरूप
सुमेरियन	गॉर्डन चाइल्ड, व्हीलर
द्रविड़	राखालदास बनर्जी

प्रमुख स्थल

स्थल	नदी / स्थिति	खोजकर्ता / उत्खननकर्ता	प्रमुख प्राप्तियाँ
हड़प्पा	रावी, साहीवाल (पंजाब, पाकिस्तान)	दयाराम साहनी 1921; एम.एस. वत्स 1926-34; व्हीलर 1946	अन्नागार (दो पंक्तियों में 12 कक्ष), कब्रिस्तान R-37, दुर्ग एवं नगर के टीले
मोहनजोदड़ो	सिंधु, लरकाना (सिंध)	आर.डी. बनर्जी 1922	विशाल स्नानागार, नर्तकी की मूर्ति, पुरोहित-नरेश की मूर्ति, पशुपति मूर्ति, सूती वस्त्र
चन्हूदड़ो	सिंध, मोहनजोदड़ो से 130 किमी दक्षिण	एन.जी. मजूमदार 1931; मैके 1935-36	मनका (मणि) बनाने का कारखाना, लिपस्टिक, बिल्ली का पीछा करता कुत्ता; झूकर एवं झांगर संस्कृति
लोथल	भोगवा, अहमदाबाद (गुजरात)	एस.आर. राव 1954	गोदी (डॉकयार्ड), धान की भूसी, हाथीदाँत का पैमाना, अग्नि-वेदियाँ, युगल शवाधान
कालीबंगा	घग्घर, हनुमानगढ़ (राजस्थान)	टैसीटोरी; ए. घोष; बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर 1960-61	जुता हुआ खेत, अग्नि-वेदियाँ, मृत्तिका-टिकिया पर सींग वाला देवता
धोलावीरा	कच्छ का रण (गुजरात)	आर.एस. बिष्ट 1990-91	तीन भागों में विभाजित नगर, जल-जलाशय, दस चिह्नों वाला सूचना-पट्ट
राखीगढ़ी	घग्घर का मैदान, हिसार (हरियाणा)	-	भारत में सबसे बड़ा हड़प्पाई स्थल

स्थल	नदी / स्थिति	खोजकर्ता / उत्खननकर्ता	प्रमुख प्राप्ति
बनावली	फतेहाबाद (हरियाणा)	आर.एस. बिष्ट	मृत्तिका का हल, मातृदेवी की मूर्तियाँ
सुरकोटदा	कच्छ (गुजरात)	जे.पी. जोशी	घोड़े की अस्थियाँ, मटकों में शवाधान
रोपड़	सतलुज (पंजाब)	वाई.डी. शर्मा 1953-55	स्वतंत्र भारत में उत्खनित प्रथम हड़प्पाई स्थल
आलमगीरपुर	हिंडन, मेरठ (उत्तर प्रदेश)	-	पूर्वी सीमा; वस्त्र के छाप
हुलास	सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)	-	उत्तर हड़प्पाई स्थल
मांडी	मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)	-	हड़प्पाई स्वर्णभूषणों का निधान (2000)
सिनौली	बागपत (उत्तर प्रदेश)	-	उत्तर-दक्षिण दिशा में बने 125 शवाधान
मांडा	चिनाब (जम्मू-कश्मीर)	जे.पी. जोशी	सबसे उत्तरी स्थल
दायमाबाद	प्रवरा, अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)	बी.पी. बोपर्डीकर 1958	काँसे की वस्तुएँ; सबसे दक्षिणी स्थल
रंगपुर	भादर (गुजरात)	-	चावल, बाजरा, ज्वार
भगवानपुरा	कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	जे.पी. जोशी	सरस्वती पर स्थित; उत्तर हड़प्पाई एवं चित्रित धूसर मृन्दांड (PGW) का अतिव्यापन
दाधेरी	फतेहगढ़ साहिब (पंजाब)	-	चित्रित धूसर मृन्दांड

उत्तर प्रदेश के स्थल

आलमगीरपुर (मेरठ), हुलास (सहारनपुर), मांडी (मुजफ्फरनगर), सिनौली (बागपत) कालीबंगा (राजस्थान), लोथल (गुजरात), राखीगढ़ी (हरियाणा) उत्तर प्रदेश में नहीं हैं सोहगौरा (गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) में मौर्यकालीन ताम्रपत्र मिला है; यह हड़प्पाई स्थल नहीं है

नगर-नियोजन एवं स्थापत्य

- जाल (ग्रीड) पद्धति; सड़कें समकोण पर काटती थीं; मुख्य मार्ग लगभग 9-10 मीटर चौड़ा
- पकी ईंटों का अनुपात 4:2:1**; कच्ची ईंटों का भी प्रयोग; कालीबंगा में अलंकृत ईंटें; चन्हूदड़ो में वक्राकार ईंटें
- अधिकांश मकान एकमंजिला; कुछ में सीढ़ियाँ एवं दो मंजिलें थीं
- दुर्ग (पश्चिम में, ऊँचा) एवं निचला नगर (पूर्व में); धोलावीरा तीन भागों में विभाजित था
- पटरों (पट्टियों) से ढकी नालियाँ; घरों में कुएँ एवं स्नानघर
- मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार**: कर्मकांडीय स्नान हेतु; विशाल भवन (70.1 x 23.77 मीटर), संभवतः पुरोहितों का महाविद्यालय
- धोलावीरा**: चट्टान काटकर बनाया गया जलाशय (79 मीटर x 12 मीटर x 7 मीटर); बाँध एवं नहरें
- लोथल**: ईंटों से बना जलाशय, जिसे एस.आर. राव ने गोदी माना

अर्थव्यवस्था

- कृषि**: गेहूँ, जौ, चावल (लोथल, रंगपुर), कपास (विश्व में कपास का प्राचीनतम प्रमाण; यूनानी इसे सिंडन कहते थे)
- मुहरों पर गाय का अंकन नहीं; घोड़े की अस्थियाँ दुर्लभ (सुरकोटदा); लोहे का ज्ञान नहीं
- ताँबा खेतड़ी से; टिन अफगानिस्तान से; लाजवर्द (लापिस लाजुली) बदख़्शाँ से; चाँदी अफगानिस्तान एवं ईरान से; सोना कर्नाटक से
- मुहरें मुख्यतः सेलखड़ी की; बाट 16 के अनुपात में; मेसोपोटामिया से व्यापार (दिलमुन, मगन, मेलूहा)

धातु / पदार्थ	स्रोत
ताँबा	खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान, ओमान
लाजवर्द	बदख़्शाँ
टिन	ईरान, अफगानिस्तान

धातु / पदार्थ	स्रोत
चाँदी	अफगानिस्तान, ईरान
सोना	कर्नाटक
शिलाजीत	हिमालय
गार्नेट (गोमेद-जैसा रत्न)	गुजरात

धर्म एवं कला

- मातृदेवी की उपासना; पशुपति मुहर (मार्शल के अनुसार आद्य-शिव); लिंग एवं योनि के प्रतीक पत्थर
- पीपल वृक्ष, सर्प एवं वृषभ की पूजा; कालीबंगा एवं लोथल में अग्नि-वेदियाँ
- कोई मंदिर नहीं मिला; इसे धर्मनिरपेक्ष सभ्यता माना जाता है
- नर्तकी की मूर्ति:** काँसे की, मोम-साँचा (लुप्त-मोम) विधि से निर्मित, लगभग 10.5 सेमी
- मुहरों पर एकशृंगी पशु (सर्वाधिक), भैंसा, बाघ, गैंडा, हाथी अंकित हैं

पतन के सिद्धांत

कारण	विद्वान
बाढ़	मार्शल, मैके, एस.आर. राव
आर्यों का आक्रमण	गॉर्डन चाइल्ड, व्हीलर, पिगट
जलवायु परिवर्तन	ऑरैल स्टाइन, ए. घोष
भूगर्भीय परिवर्तन	एम.आर. साहनी, लैम्ब्रिक, डेल्स
महामारी	के.ए.आर. केनेडी

स्मरणीय

IIT खड़गपुर का अध्ययन: लगभग 900 वर्षों तक कम वर्षा पतन का कारण बनी
सुमेर: उचित लेखन-प्रणाली विकसित करने वाली प्रथम सभ्यता; मेसोपोटामिया सबसे प्राचीन सभ्यता

अध्याय 03

पाषाण युग से लौह युग तक: संस्कृतिवार सारणी

प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ

चरण	काल	विशेषताएँ	प्रमुख स्थल
निम्न पुरापाषाण काल	20 लाख-1,00,000 वर्ष पूर्व	हस्त-कुठार, विदारणी (क्लीवर), खंडक औजार (अश्यूलियन, सोहन); शिकारी-संग्राहक; कार्टजाइट	अतिरमपक्कम (तमिलनाडु), हुंसगी (कर्नाटक), भीमबेटका, बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश - मिर्जापुर / प्रयागराज), डीडवाना (राजस्थान), पहलगाम (कश्मीर), नर्मदा घाटी (हथनोरा - खोपड़ी)
मध्य पुरापाषाण काल	1,00,000-40,000 वर्ष पूर्व	शल्क (फ्लेक) औजार; खरचनी, वेधनी, बाणाग्र (मूस्टरियन); चर्ट	नेवासा (महाराष्ट्र), भीमबेटका, बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश), लूनी घाटी (राजस्थान)
उच्च पुरापाषाण काल	40,000-10,000 वर्ष पूर्व	फलक (ब्लेड) एवं तक्षणी (ब्यूरिन); होमो सैपियंस; अस्थि औजार; गुहा-चित्रकला का आरंभ	भीमबेटका, रेनीगुंटा (आंध्र प्रदेश), कुर्नूल की गुफाएँ (बिल्लासुरगम), बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश; मातृदेवी की अस्थि-मूर्ति, लोहंदा नाला), बघोर (सीधी, मध्य प्रदेश; पूजा-स्थल)
मध्यपाषाण काल	10,000-6,000 ई.पू.	सूक्ष्मपाषाण (लघु औजार), धनुष-बाण; कृत्ते का प्रारंभिक पालन; बस्तियाँ; शैल-चित्र	बागोर (राजस्थान; पशुपालन का प्राचीनतम प्रमाण), आदमगढ़ (मध्य प्रदेश), लंघनाज (गुजरात), सराय नाहर राय, महदहा एवं दमदमा (प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश; मानव शवाधान, कुछ युगल शवाधान एवं शव के साथ रखी वस्तुएँ), बीरभानपुर (पश्चिम बंगाल)
नवपाषाण काल	7000-1000 ई.पू. (क्षेत्रानुसार भिन्न)	घिसे-चिकने पत्थर की कुल्हाड़ियाँ, कृषि, मृद्भांड, पालतू पशु; हस्तनिर्मित मृद्भांड	मेहरगढ़ (पाकिस्तान; 7000 ई.पू.; गेहूँ, जौ, पशु), बुर्जहोम (कश्मीर; गर्त-आवास, स्वामी के साथ दफनाया गया कुत्ता), गुप्फकराल (कश्मीर), चिरांद (बिहार; अस्थि औजार), कोलडिहवा एवं महगड़ा (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश; 6000 ई.पू. की धान की भूसी), दाओजली हेडिंग (असम), मास्की, ब्रह्मगिरि, पिकलीहल, संगनकल्लू (कर्नाटक), हल्लूर, पैयमपल्ली (तमिलनाडु)
ताम्रपाषाण काल	3000-1000 ई.पू. (ताँबा-पत्थर)	पत्थर के साथ ताँबे के औजार; चित्रित मृद्भांड; ग्रामीण जीवन; लोहे का अभाव; लेखन का अभाव	अहाड़ (राजस्थान), गिलुंड, कायथा (मध्य प्रदेश), नवदाटोली, एरण, मालवा संस्कृति (नवदाटोली), जोरवे संस्कृति (महाराष्ट्र; इनामगाँव, नेवासा, दायमाबाद - काँसे का निधान), सावलदा, प्रभास, रंगपुर (गुजरात), लोथल (उत्तरकालीन), चिरांद (बिहार), पांडू राजार ढिबि (पश्चिम बंगाल)

चरण	काल	विशेषताएँ	प्रमुख स्थल
महापाषाण काल	1000 ई.पू.-300 ई. (प्रायद्वीपीय भारत)	पत्थरों से शवाधान - मेनहिर (स्मारक-स्तंभ), डोलमेन, पेटिका-शवाधान (सिस्ट), केर्न-वृत्त, टोपीकल (छत्र-पाषाण), कुडैकल (टोप-पाषाण); काले-लाल मृद्भांड (BRW)	हल्लूर, ब्रह्मगिरि, मास्की (कर्नाटक); आदिचनल्लूर (तमिलनाडु); जुनापानी (नागपुर); केरल की शैलकृत गुफाएँ; विदर्भ - महुर्झरी, तकलघाट
लौह युग (PGW / NBPW)	1000-300 ई.पू.	लोहे के औजार, हल, घोड़ा; चित्रित धूसर मृद्भांड (गंगा-यमुना दोआब: हस्तिनापुर, अहिच्छत्र, अतरंजीखेड़ा); उत्तरी काले चमकीले मृद्भांड (NBPW, 700-200 ई.पू., मगध; कौशांबी, राजघाट)	अतरंजीखेड़ा (एटा, उत्तर प्रदेश; लगभग 1000 ई.पू. में लोहे का प्राचीनतम प्रमाण), जाखेड़ा (एटा), हस्तिनापुर, अहिच्छत्र, कौशांबी, श्रृंगवेरपुर, राजघाट (वाराणसी), राजगीर, पाटलिपुत्र

प्रागैतिहास के स्मरणीय तथ्य

- खोज:** प्रथम पुरापाषाणकालीन औजार - रॉबर्ट ब्रूस फुट (1863, मद्रास के निकट पल्लवरम); नर्मदा की खोपड़ी (हथनोरा, 1982; अरुण सोनकिया - 'नर्मदा मानव'); लोथल एवं राखीगढ़ी हड़प्पाई स्थल हैं; भीमबेटका - यूनेस्को (2003); भीमबेटका में 750 शैलाश्रय, 400 चित्रित; इनकी खोज वी.एस. वाकणकर (1957) ने की
- कृषि का प्राचीनतम प्रमाण:** मेहरगढ़ (7000 ई.पू.); चावल का प्राचीनतम प्रमाण: कोलडिहवा (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश); कपास का प्राचीनतम प्रमाण: मेहरगढ़ (5000 ई.पू.); पशुपालन का आरंभ: कुत्ता (मध्यपाषाण काल), पशु, भेड़, बकरी; चिरांद (बिहार): गेहूँ, जौ, चावल एवं मसूर (नवपाषाण-ताम्रपाषाण)
- हल्लूर (कर्नाटक):** दक्षिण में लोहे का प्राचीनतम प्रमाण (1200 ई.पू.); ताम्रपाषाण काल - सबसे बड़ा स्थल इनामगाँव (पुणे); जोरवे; जल-निकास; घरों के फर्श के नीचे बच्चों के शवाधान सहित गृह-शवाधान; दायमाबाद - काँसे के गैंडा, हाथी, भैंसा, रथ (हड़प्पा से संबंध)
- गेरुए रंग के मृद्भांड (OCP) की संस्कृति (2000-1500 ई.पू.; गंगा-यमुना दोआब - सैपई (इटावा), बहादराबाद); ताम्र-निधान (गंगा घाटी; बिसौली, राजपुरा, गुंगेरिया)
- काले-लाल मृद्भांड (BRW) - ताम्रपाषाणकालीन अहाड़-बनास; रंगपुर; चमकीले लाल मृद्भांड; चित्रित धूसर मृद्भांड - हस्तिनापुर का उत्खनन बी.बी. लाल (1950-52) ने किया

प्रागैतिहास स्मरण-सूत्र

पुरापाषाण: खंडक / हस्त-कुठार | मध्यपाषाण: सूक्ष्मपाषाण | नवपाषाण: घिसी हुई कल्हाड़ी, कृषि | ताम्रपाषाण: ताँबा + चित्रित मृद्भांड | महापाषाण: पाषाण-शवाधान | लौह युग: PGW, तत्पश्चात् NBPW

अध्याय 04

वैदिक काल

सामान्य परिचय एवं मूल निवास

- 'वेद' = ज्ञान; वैदिक साहित्य श्रुति है; आर्य = श्रेष्ठ (सांस्कृतिक / भाषायी शब्द, प्रजातीय नहीं)
- पूर्व (ऋग्वैदिक) काल 1500-1000 ई.पू.; उत्तर वैदिक काल 1000-600 ई.पू.
- ऋग्वेद सबसे प्राचीन ग्रंथ है; आर्य पशुचारक थे; सिंधु घाटी सभ्यता नगरीय एवं लौह-रहित थी

मूल निवास का सिद्धांत	विद्वान
आर्कटिक क्षेत्र (उत्तरी ध्रुव)	बाल गंगाधर तिलक - द आर्कटिक होम इन द वेदाङ्ग
मध्य एशिया	मैक्समूलर
तिब्बत	स्वामी दयानंद सरस्वती
कश्मीर / हिमालय	एल.डी. कल्ला
ब्रह्मर्षि देश	पी. गंगानाथ झा
सप्त सैधव	ए.सी. दास
देविका प्रदेश	डी.एस. त्रिवेदी
दक्षिणी रूस	गॉर्डन चाइल्ड, नेहरिंग

स्मरणीय

बोगाजकोई अभिलेख (एशिया माइनर, लगभग 14वीं शताब्दी ई.पू.) में इंद्र, वरुण, मित्र एवं नासत्य का उल्लेख है
अवेस्ता (ईरान) की ऋग्वेद से समानता है

वैदिक साहित्य

वेद	ब्राह्मण	प्रमुख तथ्य
ऋग्वेद	ऐतरेय, कौषीतकि	10 मंडल, 1028 सूक्त, 10552 मंत्र; पुरोहित = होतृ / होता; सबसे प्राचीन; पतंजलि: 21 शाखाएँ
सामवेद	पंचविंश (ताण्ड्य)	सबसे छोटा; 1875 मंत्र, जिनमें 75 को छोड़कर शेष ऋग्वेद से लिए गए हैं; भारतीय संगीत का आधार
यजुर्वेद	शतपथ (शुक्ल), तैत्तिरीय (कृष्ण)	गद्यात्मक सूत्र; शुक्ल (वाजसनेयी संहिता, केवल पद्य) एवं कृष्ण (पद्य + गद्य)
अथर्ववेद	गोपथ (एकमात्र)	जादू-टोना, मंत्र, चिकित्सा; आयुर्वेद का उद्गम यहीं से; सभा एवं समिति प्रजापति की पुत्रियाँ

स्मरणीय

ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं सामवेद = त्रयी (वेदत्रयी)
प्रत्येक वेद में क्रम: संहिता - ब्राह्मण - आरण्यक - उपनिषद्
संहिता एवं ब्राह्मण = कर्मकांड; आरण्यक एवं उपनिषद् = ज्ञानकांड
ऋग्वेद में लोहे का अभाव; उत्तर वैदिक ग्रंथों में लोहे का उल्लेख मिलता है

ऋग्वेद के मंडल

मंडल	ऋषि / विषय
2 से 7 (वंश मंडल, सबसे प्राचीन)	गृत्समद (2), विश्वामित्र (3), वामदेव (4), अत्रि (5), भारद्वाज (6), वसिष्ठ (7)
तीसरा	विश्वामित्र द्वारा रचित गायत्री मंत्र, सविता को संबोधित
आठवाँ	कण्व एवं अंगिरस
नौवाँ	सभी 114 सूक्त सोम को समर्पित
दसवाँ	पुरुष सूक्त (शूद्र का प्रथम उल्लेख), नदी स्तुति सूक्त (नदियाँ)

ऋग्वैदिक तथ्य

दाशराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) परुष्णी (रावी) नदी पर हुआ; भरत कुल के सुदास विजयी रहे

पंचजन: यदु, तुर्वसु, द्रुह्य, अनु, पुरु

महिला मंत्र-रचयिता (ब्रह्मवादिनी): लोपामुद्रा, घोषा, अपाला, विश्ववारा, सिकता

लोपामुद्रा अगस्त्य की पत्नी थीं

ऋग्वेद की नदियाँ

प्राचीन नाम	आधुनिक नाम
अस्किनी	चिनाब
विपाशा	ब्यास
परुष्णी	रावी
वितस्ता	झेलम
शुतुद्री	सतलुज
सिंधु	सिंधु
दृषद्वती	घग्घर
क्रभा	काबूल
क्रमु	कुर्रम
गोमती	गोमल
सुवास्तु	स्वात
सदानीरा	गंडक

- सिंधु का उल्लेख सर्वाधिक; इसे हिरण्ययी कहा गया; सरस्वती सर्वाधिक पवित्र: अंबितमा, देवितमा, नदीतमा
- यमुना का उल्लेख तीन बार, गंगा का एक बार
- ब्रह्मर्षि देश (गंगा-यमुना दोआब); मध्य देश (हिमालय-विंध्य); कालांतर में आर्यावर्त
- महानदी:** चित्रोत्पला (महाभारत, मत्स्य पुराण), नीलोत्पला (वायु पुराण)

ऋग्वैदिक समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था

- सबसे छोटी इकाई:** कुल / गृह; पितृसत्तात्मक; गोत्र = गोशाला; वर्ण-व्यवस्था का प्रारंभ पुरुष सूक्त में
- पशु सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति; गाय अध्या (जिसका वध नहीं किया जाना चाहिए); यव = जौ; निष्क = स्वर्ण आभूषण
- पणि = व्यापारी; तक्षा = बढ़ई; कर्मर = धातुकर्मी; अरित्री = नाविक; वास = अधोवस्त्र

- राजतंत्र वंशानुगत; राजन् की सहायता पुरोहित, सेनानी एवं ग्रामणी करते थे
- सभा (वृद्धजनों की, न्यायिक), समिति (सामान्य सभा), विदथ (सबसे प्राचीन सभा)

अधिकारी	भूमिका
पुरोहित	राजा का परामर्शदाता / पुरोहित
सेनानी	सेनाध्यक्ष
ग्रामणी	ग्राम का प्रधान
संगृहीत्री	कोषाध्यक्ष
भागदूध	राजस्व / कर-संग्राहक
अक्षावाप	लेखाधिकारी
सूत	सारथी
पालागल	संदेशवाहक
क्षत्ता	कंचुकी (अंतःपुर का प्रधान)

फसल / शब्द	अर्थ
व्रीहि	चावल
यव	जौ
मुद्ग	मूँग
इक्ष	गन्ना

वैदिक धर्म

- प्रकृति-पूजा; बहुदेववाद; एकाधिदेववाद; यज्ञ केंद्रीय
- इंद्र (पुरंदर) के सर्वाधिक सूक्त (लगभग 250), तत्पश्चात् अग्नि (लगभग 200); वरुण ऋत के संरक्षक (ऋतस्य गोपा); सोम = वनस्पति देवता
- ऋत = ब्रह्मांडीय व्यवस्था; धर्म = कालांतर में आचरण
- बृहस्पति = देवताओं के पुरोहित

वर्ग	देवता
आकाश	वरुण, मित्र, सूर्य, सविता, विष्णु
अंतरिक्ष	इंद्र, रुद्र, मरुत, वायु
पृथ्वी	अग्नि, सोम, बृहस्पति, पृथ्वी

उत्तर वैदिक काल

- केंद्र कुरु-पांचाल (गंगा-यमुना दोआब) की ओर स्थानांतरित; चित्रित धूसर मृन्दांड; लोहा (अतरंजीखेड़ा, जाखेड़ा)
- लोहे का प्राचीनतम प्रमाण: लगभग 1000 ई.पू. (अतरंजीखेड़ा, काली नदी; उत्खननकर्ता आर.सी. गौड़)
- चारों वर्ण कठोर; आश्रम-व्यवस्था: ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास
- चार पुरुषार्थ: धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
- अनुष्ठान: राजसूय, अश्वमेध, वाजपेय; शतपथ ब्राह्मण में पुरुषमेध
- विदेघ माधव अपने पुरोहित गौतम राहूगण के साथ पवित्र अग्नि को पूर्व की ओर ले गए (शतपथ)
- अंग एवं मगध का प्रथम उल्लेख अथर्ववेद में
- गृहस्थ आश्रम में पंच महायज्ञ: ब्रह्म, देव, पितृ, भूत, अतिथि
- सोलह संस्कार: गर्भाधान से अंत्येष्टि तक; उपनयन सर्वाधिक महत्वपूर्ण
- उपनिषद्: मोक्ष की चर्चा सर्वप्रथम; कठ (नचिकेता-यम), मुंडक (सत्यमेव जयते), बृहदारण्यक (तमसो मा ज्योतिर्गमय; याज्ञवल्क्य-गार्गी), छांदोग्य (सत्यकाम जाबाल)
- क्षत्रिय आचार्य: जनक (विदेह), अश्वपति (केकय), प्रवाहण जैवलि (पांचाल), अजातशत्रु (काशी)

क्षेत्र के अनुसार राजा की उपाधि	दिशा
सम्राट्	पूर्व
स्वराट्	पश्चिम
विराट्	उत्तर
भोज	दक्षिण
राजा	मध्य

महाकाव्य एवं पुराण

- महाभारत मूलतः जय (8800 श्लोक) था, तत्पश्चात् भारत, अब शतसाहस्री संहिता (1,00,000 श्लोक)
- गीता में 700 श्लोक; परंपरागत रचयिता व्यास
- पुराण:** 18; पाँच लक्षण: सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर, वंशानुचरित

पुराण	वर्णित राजवंश
विष्णु	मौर्य
वायु	गुप्त
मत्स्य	सातवाहन (आंध्र)

- अस्पृश्यता की अवधारणा ने धर्मशास्त्र काल में निश्चित रूप ग्रहण किया

अध्याय 05

वैदिक साहित्य, दर्शन एवं धर्म: एक दृष्टि में

वैदिक ग्रंथ

ग्रंथ	विषय-वस्तु
ऋग्वेद	10 मंडल, 1028 सूक्त; सबसे प्राचीन; गायत्री मंत्र (3.62); पुरुष सूक्त (10.90); नासदीय सूक्त; वंश मंडल 2-7; विश्वामित्र, वसिष्ठ
सामवेद	संगीतबद्ध मंत्र (साम); भारतीय शास्त्रीय संगीत का उद्गम; अधिकांश मंत्र ऋग्वेद से
यजुर्वेद	यज्ञ-अनुष्ठानों के गद्यात्मक मंत्र; शुक्ल (श्वेत: वाजसनेयी संहिता) एवं कृष्ण (श्याम) यजुर्वेद
अथर्ववेद	जादू-टोना, मंत्र, चिकित्सा; शौनक एवं पैप्पलाद शाखाएँ; लोक-विश्वास
ब्राह्मण	कर्मकांड की व्याख्या; ऐतरेय, शतपथ (याज्ञवल्क्य), पंचविश, तैत्तिरीय
आरण्यक	वन में रचित ग्रंथ; दर्शन, रहस्यवाद
उपनिषद्	108 प्रमुख; 'ब्रह्मविद्या'; बृहदारण्यक, छांदोग्य, केन, ईश, कठ, मुंडक (सत्यमेव जयते), प्रश्न, मांडूक्य (ॐ), तैत्तिरीय, ऐतरेय; मैत्रेयी, गार्गी
वेदांग	शिक्षा (ध्वनि-विज्ञान), कल्प (कर्मकांड), व्याकरण (पाणिनि), निरुक्त (यास्क), छंद (पिंगल), ज्योतिष (लगध)
उपवेद	आयुर्वेद, धनुर्वेद, गंधर्ववेद, शिल्पवेद
सूत्र	श्रौत, गृह्य, धर्म (गौतम, बौधायन, आपस्तंब, वसिष्ठ) - कल्प; शूल्ब सूत्र (ज्यामिति)
स्मृतियाँ	मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य, नारद; धर्मशास्त्र
पुराण	18 महापुराण; पाँच लक्षण (पंचलक्षण); विष्णु, भागवत, मत्स्य, वायु; भागवत पुराण (कृष्ण)
महाकाव्य	रामायण (वाल्मीकि; 7 कांड; 24,000 श्लोक), महाभारत (व्यास; 1,00,000 श्लोक; 18 पर्व; भगवद्गीता भीष्म पर्व में)

- वेद श्रुति (सुने हुए) हैं; स्मृतियाँ (स्मरण किए गए); वैदिक संस्कृत; मैक्समूलर ने ऋग्वेद का संपादन किया (1849-74); जी. बूलर; ऋग्वेद का काल 1500 ई.पू. (मैक्समूलर: 1200 ई.पू.)
- वैदिक देवता:** इंद्र (पुरंदर; सर्वाधिक सूक्त लगभग 250), अग्नि (200), वरुण (ऋत), सोम (9वाँ मंडल), मरुत्, उषा, सविता, पूषन्, अश्विनी कुमार, मित्र, रुद्र; देवियाँ - अदिति, पृथ्वी, सरस्वती
- ऋग्वेद:** दाशराज्ञ युद्ध (परुष्णी / रावी पर सुदास बनाम दस राजा); घोषा, अपाला, लोपामुद्रा महिला ऋषिकाएँ

छह आस्तिक दर्शन

संप्रदाय	प्रवर्तक	मूल विचार
न्याय	गौतम (अक्षपाद)	तर्कशास्त्र; न्यायसूत्र; चार प्रमाण - प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द
वैशेषिक	कणाद	परमाणुवाद; 7 पदार्थ; वैशेषिक सूत्र
सांख्य	कपिल	द्वैतवाद - पुरुष एवं प्रकृति; 25 तत्त्व; सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण); निरीश्वरवादी
योग	पतंजलि	योगसूत्र; अष्टांग योग (8 अंग: यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि)
पूर्व मीमांसा	जैमिनि	कर्म एवं धर्म; वैदिक कर्मकांड; मीमांसा सूत्र; कुमारिल भट्ट एवं प्रभाकर

संप्रदाय	प्रवर्तक	मूल विचार
उत्तर मीमांसा (वेदांत)	बादरायण	ब्रह्मसूत्र; शंकर (अद्वैत), रामानुज (विशिष्टाद्वैत), मध्व (द्वैत), निंबार्क (द्वैताद्वैत), वल्लभ (श्रद्धाद्वैत)

नास्तिक संप्रदाय	प्रवर्तक
चार्वाक (लोकायत)	बृहस्पति; भौतिकवादी; परलोक का निषेध
जैन धर्म	महावीर (24वें तीर्थंकर)
बौद्ध धर्म	गौतम बुद्ध
आजीवक	मक्खलि गोशाल; नियतिवाद (भाग्यवाद)

वेदांत के आचार्य

आचार्य	संप्रदाय / रचना
शंकराचार्य (788-820)	कालड़ी (केरल); अद्वैत; ज्ञान; शृंगेरी, द्वारका, पुरी, बद्रीनाथ (ज्योतिर्मठ) में मठ; ब्रह्मसूत्र, गीता एवं उपनिषदों पर भाष्य; मंडन मिश्र को पराजित किया
रामानुजाचार्य (1017-1137)	श्रीपेरुंबदूर (तमिलनाडु); विशिष्टाद्वैत; श्रीभाष्य; श्रीरंगम; वैष्णव; चोल काल
मध्वाचार्य (1238-1317)	उडुपी (कर्नाटक); द्वैत (द्वैतवाद); पूर्णप्रज्ञ
निंबार्क	द्वैताद्वैत; वंदावन
वल्लभाचार्य (1479-1531)	श्रद्धाद्वैत; प्रष्टिमार्ग; कृष्ण; मथुरा
रामानंद	बनारस; राम-भक्ति
बसवण्णा	लिंगायत (वीरशैव); अनुभव मंटप; कल्याणी (कलचुरि बिज्जल)
चैतन्य (1486-1534)	गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय; अचिंत्य भेदाभेद; नवद्वीप; श्रीकृष्ण
सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीराबाई, गुरु नानक	सगुण एवं निर्गुण भक्ति

अध्याय 06

बौद्ध धर्म

गौतम बुद्ध का जीवन

घटना	विवरण	प्रतीक
जन्म	563 ई.पू., लुंबिनी (कपिलवस्तु के निकट); शाक्य कुल; पिता शुद्धोधन, माता मायादेवी (कोलिय कुल)	कमल एवं वृषभ
महाभिनिष्क्रमण (गृह-त्याग)	29 वर्ष की आयु में, घोड़े कंथक पर, छत्र के साथ	घोड़ा
ज्ञान-प्राप्ति (संबोधि)	35 वर्ष की आयु में, बोधगया में निरंजना नदी के तट पर, पीपल वृक्ष के नीचे, वैशाख पूर्णिमा को	बोधि वृक्ष
प्रथम उपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन)	सारनाथ (ऋषिपत्तन, मृगदाव) में पाँच शिष्यों को	चक्र (हिरण सहित)
मृत्यु (महापरिनिर्वाण)	483 ई.पू., 80 वर्ष की आयु में, कुशीनगर (मल्ल गणराज्य)	स्तूप

- बाल्यकाल का नाम सिद्धार्थ; मौसी प्रजापति गौतमी ने पालन-पोषण किया; पत्नी यशोधरा; पुत्र राहुल
- चार दृश्य:** वृद्ध, रोगी, शव, संन्यासी
- गुरु:** आलार कालाम (वैशाली, सांख्य), रुद्रक रामपुत्र (राजगृह)
- अन्य नाम:** शाक्यमुनि, तथागत, एशिया का प्रकाश (एडविन अर्नोल्ड की पुस्तक, 1879, ललितविस्तर पर आधारित)
- पावा में लोहार चुंद के आम्रवन में सुकरमद्वय ग्रहण किया; अंतिम उपदेश सुभद्र को दिया
- लुंबिनी की जानकारी अशोक के रुम्मिनदेई स्तंभ-लेख से मिलती है (20वाँ वर्ष; कर घटाकर आठवाँ भाग कर दिया गया)
- कुशीनगर का महापरिनिर्वाण मंदिर (उत्तर प्रदेश):** शयनमुद्रा की प्रतिमा 1876-77 में मिली, चुनार के बलुआ पत्थर की
- अधिकांश वर्षावास एवं अधिकांश उपदेश श्रावस्ती (कोसल) में दिए
- अंतिम वर्षावास वैशाली के निकट बेलुव ग्राम में

स्मरणीय

बिंबिसार ने राजगृह में वेणुवन बनवाया; अनाथपिंडक ने जेतवन दान किया; विशाखा ने पूर्वाराम बनवाया
आम्रपाली (वैशाली की गणिका) ने आम्रवाटिका दी; वैशाली में कूटागारशाला
आनंद के आग्रह पर वैशाली में (8वें वर्ष) स्त्रियों को संघ में प्रवेश मिला; महाप्रजापति गौतमी प्रथम भिक्षुणी
देवदत्त (चचेरे भाई) ने संघ पर अधिकार करने का प्रयास किया
कौशांबी का उदयन पिंडोल भारद्वाज के माध्यम से संरक्षक बना (घोषिताराम)

उपदेश

- चार आर्य सत्य:** दुःख, दुःख का कारण (तृष्णा), दुःख निरोध, दुःख निरोध का मार्ग
- अष्टांगिक मार्ग = मध्यम प्रतिपदा (मध्यम मार्ग); धम्मचक्कपवत्तन सुत्त का विषय
- अनात्मवाद, अनित्य (क्षणिकवाद), प्रतीत्यसमुत्पाद; कर्म एवं पुनर्जन्म में विश्वास; ईश्वर एवं वैदिक कर्मकांड को अस्वीकार
- निर्वाण = तृष्णा का नाश ('बुझ जाना')
- त्रिरत्न:** बुद्ध, धम्म, संघ
- संस्कार अविद्या (अज्ञान) से उत्पन्न होते हैं
- वर्षावास के पश्चात् पवारणा समारोह (आत्म-स्वीकारोक्ति)

बौद्ध धर्म के प्रसार के कारण

सरल पालि भाषा, जाति-भेद का अभाव, धर्म-प्रचार की भावना, राजकीय संरक्षक (बिंबिसार, अजातशत्रु, प्रसेनजित, अशोक, कनिष्क)

बौद्ध संगीतियाँ

संगीति	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	संरक्षक
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)	महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	सबकामी	कालाशोक
तृतीय	247 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी ई.	क्रुंडलवन (कश्मीर)	वस्समित्र (अश्वघोष उपाध्यक्ष)	कनिष्क

- **प्रथम संगीति:** आनंद ने सुत्तों का, उपालि ने विनय का पाठ किया; अभिधम्म तृतीय संगीति में सम्मिलित
- **द्वितीय संगीति:** स्थविरवाद एवं महासांघिक में विभाजन
- **चतुर्थ संगीति:** हीनयान एवं महायान में विभाजन; बिहार में न होने वाली एकमात्र संगीति

हीनयान एवं महायान

बिंद	हीनयान (थेरवाद)	महायान
अर्थ	लघु यान	महान यान
बुद्ध	महान गुरु	देवता, मूर्ति-पूजा
आदर्श	अर्हत् (स्वयं का मोक्ष)	बोधिसत्त्व (दूसरों की सहायता)
संप्रदाय	वैभाषिक, सौत्रांतिक	माध्यमिक (शून्यवाद), योगाचार (विज्ञानवाद)
भाषा	पालि	संस्कृत

- **तीसरा संप्रदाय:** वज्रयान (तांत्रिक); नवयान / नव-बौद्ध धर्म = बी.आर. अंबेडकर
- **सर्वास्तिवाद:** सभी धर्म (तत्त्व) भूत, वर्तमान एवं भविष्य में विद्यमान रहते हैं
- महायान में देवत्व-आरोपण का आरंभ महासांघिकों / लोकोत्तरवादियों के समय हुआ; कनिष्क के काल में बुद्ध को देवता का स्थान मिला
- **बोधिसत्त्व:** अवलोकितेश्वर (पद्मपाणि), मैत्रेय (भावी बुद्ध), मंजुश्री

ग्रंथ

ग्रंथ	विषय-वस्तु
त्रिपिटक (पालि)	सूत, विनय, अभिधम्म
सूत पिटक	बुद्ध के प्रवचन (दीघ निकाय में 34 सूत)
विनय पिटक	भिक्षुओं के लिए नियम
अभिधम्म पिटक	दर्शन; सात ग्रंथ (यमक, पट्टान, कथावत्थु...)
जातक	पूर्व जन्मों की कथाएँ
महावंश, दीपवंश	श्रीलंका के इतिवृत्त, पालि भाषा में
दिव्यावदान, आर्यमंजुश्रीमूलकल्प	संस्कृत बौद्ध ग्रंथ

रचना	रचयिता
मिलिंदपन्हो	नागसेन
बुद्धचरित, सौंदरानंद	अश्वघोष
माध्यमिककारिका	नागार्जुन
विसुद्धिमग्ग	बुद्धघोष

रचना	रचयिता
अभिधर्मकोश	वसुबंधु

- **नागार्जुन:** शून्यता (शून्य का सिद्धांत), कनिष्क के दरबार में, 'भारतीय आइंस्टीन'
- आर्यदेव नागार्जुन के शिष्य थे; दिग्गग बौद्ध तर्कशास्त्री

कला, स्थापत्य एवं केंद्र

- स्तूप = अवशेष-टीला; यह शब्द सर्वप्रथम ऋग्वेद में आया है; यह अवधारणा बौद्ध धर्म से पूर्व की है
- **प्रकार:** शारीरिक, पारिभोगिक, उद्देशिक, मनौती (वोटिव)
- सांची का स्तूप बुद्ध के जीवन की किसी घटना से संबद्ध नहीं है; भरहुत, सांची, धमेख (सारनाथ) मौर्यकाल से संबद्ध; अमरावती (सातवाहन)
- **कार्ले चैत्य:** सबसे बड़ा हीनयान चैत्यगृह (पुणे); कन्हेंरी गुफा 41: एकादश-मुख अवलोकितेश्वर
- **पद्मपाणि का चित्र:** अजंता गुफा 1
- भूमिस्पर्श मुद्रा = मार पर विजय; सारनाथ की प्रतिमा गुप्तकालीन है
- गांधार कला (कुषाण; यूनानी-रोमन प्रभाव) एवं मथुरा कला ने बुद्ध की प्रथम मूर्तियाँ बनाई; देवनीमोरी (अरावली, गुजरात) स्तूप तीसरी-चौथी शताब्दी
- नालंदा (गुप्त; कुमारगुप्त प्रथम), विक्रमशिला (धर्मपाल, पाल), ओदंतपुरी (गोपाल), वल्लभी (मैत्रक, हीनयान)
- केसरिया स्तूप (पूर्वी चंपारण) सबसे ऊँचे स्तूपों में से एक है

स्मरणीय

बोधगया के महाबोधि वृक्ष को शशांक ने नष्ट कराया; वर्तमान वृक्ष कनिंघम के समय लगाया गया
 कहा जाता है कि पुष्यमित्र शुंग ने बौद्धों का उत्पीड़न किया
 परिव्राजक = घुमक्कड़ संन्यासी; उपासक = गृहस्थ अनुयायी

अध्याय 07

जैन धर्म एवं नास्तिक संप्रदाय

तीर्थंकर

- 'जैन' शब्द जिन (विजेता) से बना है; 24 तीर्थंकर; जैन भिक्षु = निर्ग्रंथ
- प्रथम ऋषभदेव (आदिनाथ), ऋग्वेद में अरिष्टनेमि (22वें) के साथ उल्लिखित
- **23वें पार्श्वनाथ:** वाराणसी में राजा अश्वसेन एवं वामा के पुत्र के रूप में जन्म; वाराणसी के निकट कैवल्य; सम्मेद शिखर पर परिनिर्वाण
- **पार्श्वनाथ के चार व्रत:** अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह (महावीर ने ब्रह्मचर्य जोड़ा)

तीर्थंकर	चिह्न
ऋषभदेव (प्रथम)	वृषभ
अजितनाथ (द्वितीय)	हाथी
संभवनाथ (तृतीय)	घोड़ा
पद्मप्रभ (छठे)	लाल कमल
सुपार्श्वनाथ (सातवें)	स्वस्तिक
शांतिनाथ (सोलहवें)	हिरण
मल्लिनाथ (उन्नीसवें)	जल-कलश
नमिनाथ (इक्कीसवें)	नीला कमल
नेमिनाथ (बाईसवें)	शंख
पार्श्वनाथ (तेईसवें)	सर्प
महावीर (चौबीसवें)	सिंह

स्मरणीय

वासुपूज्य (12वें) ने चंपापुरी (बिहार) में निर्वाण प्राप्त किया
 प्रभासगिरि (कौशांबी, उत्तर प्रदेश) पद्मप्रभ से संबद्ध; श्रावस्ती - संभवनाथ; काकंदी - पुष्पदंत; अयोध्या - ऋषभ; पभोसा - पद्मप्रभ

महावीर का जीवन

घटना	विवरण
जन्म	लगभग 599 ई.पू., वैशाली के निकट कुंडग्राम; पिता सिद्धार्थ (ज्ञातृकुल के प्रमुख), माता त्रिशला (लिच्छवि प्रमुख चेटक की बहन)
बाल्यकाल का नाम	वर्धमान; भाई नंदिवर्धन
पत्नी	यशोदा; पुत्री अणोज्जा (प्रियदर्शना) का विवाह जमालि से हुआ
गृह-त्याग	30 वर्ष की आयु में
कैवल्य	12 वर्ष की तपस्या के पश्चात्; जुंभिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे; अतः केवलिन, जिन, अर्हत्, निर्ग्रंथ
निर्वाण	लगभग 527 ई.पू., पावापुरी (राजगीर / नालंदा क्षेत्र, बिहार), 72 वर्ष की आयु में

- **जमालि:** प्रथम शिष्य / अनुयायी; 11 गणधर (इंद्रभूति गौतम, सुधर्मा ...)

- सुधर्मा महावीर के पश्चात् संघ के प्रथम प्रमुख; तत्पश्चात् जंबू
- चेटक एवं बिंबिसार (जिसने चेल्लणा से विवाह किया) ने जैन धर्म का समर्थन किया
- गोशाल प्रारंभिक सहयोगी थे, जिन्होंने आजीवक संप्रदाय की स्थापना की

दर्शन

- अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह मूल सिद्धांत हैं
- **त्रिरत्न**: सम्यक् दर्शन (सम्यक् श्रद्धा), सम्यक् ज्ञान, सम्यक् चरित्र
- अनेकांतवाद (अनेक पक्षों का सिद्धांत) एवं स्याद्वाद / सप्तभंगी (ज्ञान सापेक्ष है)
- भिक्षुओं के लिए पंच महाव्रत; गृहस्थों के लिए अणुव्रत
- **अनंत चतुष्टय**: अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत शक्ति, अनंत सुख
- सात तत्त्वों में संवर (कर्म-प्रवाह को रोकना) एवं निर्जरा (कर्मों का क्षय) सम्मिलित हैं
- प्रत्येक वस्तु (पत्थर, जल, अग्नि भी) में आत्मा (जीव) है; ब्रह्मांड शाश्वत; कोई सृष्टिकर्ता नहीं
- **सल्लेखना / समाधि मरण**: अनशन द्वारा देह-त्याग
- वैदिक प्रामाण्य एवं कर्मकांड को अस्वीकार; कर्म एवं पुनर्जन्म को स्वीकार
- **भाषा**: प्राकृत / अर्धमागधी

बिंद	बौद्ध धर्म	जैन धर्म
वेद	अस्वीकार	अस्वीकार
कर्म एवं पुनर्जन्म	स्वीकार	स्वीकार
मध्यम मार्ग (अत्यधिक तप नहीं)	हाँ	नहीं
अहिंसा	मध्यम	अत्यंत कठोर
आत्मा	अनात्मवाद	प्रत्येक वस्तु में आत्मा

संगीतियाँ एवं संप्रदाय

संगीति	स्थान / तिथि	अध्यक्ष	परिणाम
प्रथम	पाटलिपुत्र, लगभग 310-300 ई.पू.	स्थूलभद्र	12 अंगों का संकलन; भद्रबाहु के अनुयायी अनुपस्थित रहे
द्वितीय	वल्लभी, 512 ई. (क़छ के अनुसार 453 ई.)	देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण	आगमों का अंतिम संकलन

- चंद्रगुप्त मौर्य के काल में 12 वर्ष का अकाल; भद्रबाहु दक्षिण चले गए (दिगंबर); स्थूलभद्र वहीं रहे (श्वेतांबर)
- **भद्रबाहु**: 14 पूर्वों के अंतिम ज्ञाता; कल्पसूत्र की रचना की
- **यापनीय**: दिगंबरों से निकला संप्रदाय, जिसमें श्वेतांबर तत्त्व भी थे
- **स्थानकवासी**: लोकाशाह से प्रारंभ श्वेतांबर संप्रदाय (मूर्ति-पूजा के विरुद्ध)

बिंद	श्वेतांबर	दिगंबर
वस्त्र	श्वेत वस्त्र	नग्न भिक्षु
स्त्रियों का मोक्ष	संभव	असंभव
मल्लिनाथ	स्त्री	पुरुष
महावीर	विवाहित	अविवाहित

ग्रंथ

- **आगम**: 12 अंग (आचारांग, सूत्रकृतांग...), 12 उपांग, 10 प्रकीर्णक, 6 छेदसूत्र, 4 मूलसूत्र, 2 चूलिकासूत्र (नंदी, अनुयोगद्वारा)

ग्रंथ	रचयिता
कल्पसूत्र	भद्रबाहु
परिशिष्टपर्वन्	हेमचंद्र
स्याद्वादमंजरी	मल्लिषेण
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति
प्रवचनसार	कुंदकुंद
द्रव्यसंग्रह	नेमिचंद्र
न्यायावतार	सिद्धसेन दिवाकर

संरक्षक एवं केंद्र

- चंद्रगुप्त मौर्य (परंपरानुसार श्रवणबेलगोला में जैन भिक्षु बने)
- **संप्रति (अशोक का पौत्र):** संरक्षक; उज्जैन प्रमुख केंद्र
- **कलिंग का खारवेल (हाथीगुम्फा अभिलेख):** उदयगिरि-खंडगिरि गुफाएँ, भुवनेश्वर
- **मथुरा:** द्वितीय प्रमुख केंद्र (कंकाली टीला के स्तूप, आयागपट्ट)
- दिलवाड़ा मंदिर, माउंट आबू (संगमरमर; विमल वसही का निर्माण सोलंकी वंश के भीम प्रथम के काल में विमल शाह ने कराया)
- **श्रवणबेलगोला:** गोमटेश्वर (बाहुबली) की प्रतिमा 981 ई. में गंग शासक राचमल्ल चतुर्थ के अधीन चामुंडराय ने बनवाई; प्रत्येक 12 वर्ष में महामस्तकाभिषेक
- खजुराहो में जैन मंदिर हैं; कौशांबी जैनो एवं बौद्धों का तीर्थस्थल

आजीवक

- संस्थापक मक्खलि गोशाल (महावीर के समकालीन); नियतिवाद (सब कुछ भाग्य द्वारा निर्धारित)
- कठोर तप का पालन; नग्न संन्यासी
- अशोक एवं दशरथ ने बराबर एवं नागार्जुनी गुफाएँ (गया) आजीवकों को दान कीं
- लकुलीश ने पाशुपत शैव संप्रदाय की स्थापना की

अध्याय 08

भागवत, शैव एवं शाक्त परंपराएँ

भागवत / वैष्णव धर्म

- **प्रवर्तक परंपरा:** वासुदेव कृष्ण (वृष्णि / सात्वत, मथुरा); छांदोग्य उपनिषद् में देवकी के पुत्र, घोर आंगिरस के शिष्य
- **पाणिनि:** वासुदेवक उपासक; मेगस्थनीज़: मथुरा के सौरसेनोई 'हेराक्लीज़' की पूजा करते थे
- **सबसे प्राचीन अभिलेखीय साक्ष्य:** बेसनगर (विदिशा) में हेलियोडोरस (तक्षशिला के अंतलिखित का यूनानी राजदूत) का गरुड़ स्तंभ; वह वासुदेव को 'देवदेव' तथा स्वयं को 'भागवत' कहता है
- भक्ति के नौ प्रकार (नवधा भक्ति); बलराम हल धारण करते हैं (हलधर)
- **गीता:** ज्ञान, कर्म एवं भक्ति को समान महत्त्व; निष्काम कर्म केंद्रीय
- **प्रस्थानत्रयी:** उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र, भगवद्गीता
- गुप्त शासक परमभागवत; गरुड़ राजचिह्न; स्कंदगुप्त का भितरी स्तंभ (विष्णु की प्रतिमा); मेहरौली स्तंभ (चंद्र)
- विष्णु का तीसरा अवतार वराह पृथ्वी को हिरण्याक्ष से बचाता है
- **चार युगों का क्रम:** कृत (सतयुग), त्रेता, द्वापर, कलि

मंदिर	स्थान
जगन्नाथ	पुरी (ओडिशा)
दशावतार	देवगढ़ (उत्तर प्रदेश)
कंकाली देवी	तिगवा (मध्य प्रदेश)
विष्णु मंदिर	एरण (मध्य प्रदेश)
द्वारकाधीश	द्वारका (गुजरात), मथुरा (उत्तर प्रदेश)

- **आलवार:** तमिलनाडु के 12 वैष्णव संत; आंडाल एकमात्र महिला
- **पुरी में रथयात्रा:** जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा; आषाढ़ शुक्ल द्वितीया
- दंतिदुर्ग (राष्ट्रकूट) की दशावतार गुफा, एलोरा

शैव धर्म

- सिंधु की मुहर (पशुपति) को मार्शल ने शिव से जोड़ा; ऋग्वेद में रुद्र; अथर्ववेद में पशुपति
- पतंजलि के महाभाष्य में शिव-प्रतिमा की पूजा का उल्लेख (दूसरी शताब्दी ई.पू.)
- कुषाण सिक्कों पर शिव, वृषभ एवं त्रिशूल अंकित
- **चार शैव संप्रदाय (वामन पुराण):** शैव, पाशुपत, कापालिक, कालामुख
- पाशुपत की स्थापना लकुलीश ने की; मत्तमयूर संप्रदाय (चेदि); लिंगायत की स्थापना बसव ने की; नाथपंथ की स्थापना मत्स्येन्द्रनाथ ने की, गोरखनाथ ने इसे लोकप्रिय बनाया
- **नायनार:** 63 तमिल शैव संत; चोल शासक कट्टर शैव थे

मंदिर	स्थान
राजराजेश्वर (बृहदीश्वर)	तंजावूर
नटराज	चिदंबरम
विरूपाक्ष	हम्पी
काशी विश्वनाथ	वाराणसी
शिव मंदिर	भूमरा (मध्य प्रदेश)
पार्वती मंदिर	नचना-कुठारा (मध्य प्रदेश)
कंदरिया महादेव	खजुराहो (चंदेल)

मंदिर	स्थान
कैलास	एलोरा (राष्ट्रकूट)

- **बारह ज्योतिर्लिंग:** सोमनाथ, नागेश्वर, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, भीमाशंकर, त्र्यंबकेश्वर, घृष्णेश्वर, मल्लिकार्जुन, रामेश्वरम
- **उदयगिरि गुफा:** चंद्रगुप्त द्वितीय के मंत्री वीरसेन ने शैव गुफा बनवाई
- अर्धनारीश्वर = शिव एवं शक्ति की एकता

शाक्त धर्म

- मातृदेवी की उपासना सिंधु घाटी तक जाती है; मार्कंडेय पुराण में देवी माहात्म्य; कालिका पुराण एक उपपुराण है (असम)

मंदिर	स्थान
वैष्णो देवी	जम्मू
विंध्यवासिनी	विंध्यचल (उत्तर प्रदेश)
चौसठ योगिनी	मुरैना (मध्य प्रदेश)
कामाख्या	गुवाहाटी
दक्षिणेश्वर काली	कोलकाता (उत्तर 24 परगना)

- नाथपंथियों, सिद्धों एवं योगियों ने उत्तर भारत में भक्ति धर्म का प्रसार किया
- **कुंभ:** नासिक (गोदावरी), हरिद्वार (गंगा), प्रयागराज (संगम), उज्जैन (क्षिप्रा)
- **नैमिषारण्य (सीतापुर, उत्तर प्रदेश):** सूत ने 60,000 ऋषियों को महाभारत सुनाया
- आस्तिक (वेदों को स्वीकार करने वाले) बनाम नास्तिक (वेदों को अस्वीकार करने वाले)

अध्याय 09

महाजनपद एवं मगध का उत्कर्ष

सोलह महाजनपद (छठी शताब्दी ई.पू.)

- अंगुत्तर निकाय (बौद्ध) तथा भगवती सूत्र (जैन, भिन्न नामों सहित) में उल्लिखित; पाणिनि की अष्टाध्यायी में 22 जनपदों का उल्लेख है, जिनमें तीन महत्वपूर्ण हैं: मगध, अश्मक, कंबोज
- सोलह में से आठ वर्तमान उत्तर प्रदेश में स्थित थे: काशी, कोसल, वत्स, मल्ल, कुरु, पांचाल, शूरसेन, चेदि
- सर्वाधिक शक्तिशाली चार: मगध, कोसल, वत्स, अवन्ति
- वज्जि सबसे बड़ा गणराज्य था; वैशाली के लिच्छवि = प्रथम गणराज्य (वज्जि संघ)

महाजनपद	आधुनिक क्षेत्र	राजधानी
कुरु	मेरठ, दिल्ली, थानेश्वर	इंद्रप्रस्थ (हस्तिनापुर भी)
पांचाल	बरेली, बदायूँ, फर्रुखाबाद	अहिच्छत्र (उत्तर), काम्पिल्य (दक्षिण)
शूरसेन	ब्रज क्षेत्र	मथुरा
वत्स	प्रयागराज, कौशांबी	कौशांबी
कोसल	अवध	श्रावस्ती, साकेत (अयोध्या)
मल्ल	देवरिया, कुशीनगर	कुशीनारा एवं पावा
काशी	वाराणसी	वाराणसी
अंग	भागलपुर, मुंगेर	चंपा (प्राचीन नाम मालिनी)
मगध	पटना, गया	राजगृह (गिरिव्रज)
वज्जि	वैशाली, मुजफ्फरपुर	वैशाली
चेदि	पूर्वी बुंदेलखंड	शुक्तिमती (सोत्थिवती)
मत्स्य	जयपुर, अलवर, भरतपुर	विराटनगर
अश्मक	गोदावरी-नर्मदा	पोतन / पोतलि (पैठण)
अवन्ति	मालवा	उज्जयिनी (उत्तर), माहिष्मती (दक्षिण)
गांधार	पश्चिमी पाकिस्तान, पूर्वी अफगानिस्तान	तक्षशिला
कंबोज	राजौरी, हजारा	राजपुर / हाटक

स्मरणीय

बुद्धकालीन छह महानगर: चंपा, राजगृह, वाराणसी, साकेत, कौशांबी, श्रावस्ती
 बुद्धकालीन दस गणराज्यों में शाक्य (कपिलवस्तु), कोलिय (रामग्राम), मल्ल (कुशीनारा, पावा), मोरिय (पिप्पलिवन), भग्न (सुंस्मारगिरि), ब्रुलि, कालाम, लिच्छवि, विदेह सम्मिलित हैं; यौधेय प्रारंभिक सूची में नहीं थे
 पाटलिपुत्र = पटना, उत्तर में गंगा एवं पश्चिम में सोन से घिरा
 उदयन (वत्स) एवं वासवदत्ता (अवन्ति के प्रद्योत की पुत्री): भास का स्वप्नवासवदत्तम्
 श्रावस्ती की पहचान कर्निघम ने सहेट-महेट से की (1861)
 कालपी यमुना के तट पर (जालौन, उत्तर प्रदेश)

मगध के राजवंश

राजवंश	काल	संस्थापक / प्रमुख शासक
बृहद्रथ	प्राचीनतम	जरासंध, राजधानी गिरिव्रज
हर्यक	544-412 ई.पू.	बिंबिसार, अजातशत्रु, उदायिन
शिशुनाग	412-344 ई.पू.	शिशुनाग, कालाशोक (काकवर्ण)
नंद	344-321 ई.पू.	महापद्मनंद, धनानंद
मौर्य	321-185 ई.पू.	चंद्रगुप्त मौर्य
शुंग	185-73 ई.पू.	पुष्पमित्र शुंग

हर्यक वंश

- बिंबिसार (544-492 ई.पू.):** मगध साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक; अंग का विलय किया; कोसल देवी (कोसल), चेल्लणा (लिच्छवि), क्षेमा (मद्र) से विवाह किया; काशी दहेज में प्राप्त हुआ
- वैद्य जीवक ने बिंबिसार की सेवा की तथा उन्हें अवन्ति के चंड प्रद्योत के पास भेजा गया
- अजातशत्रु (कुणिक; 492-460 ई.पू.):** पिता की हत्या की; युद्ध-यंत्रों (महाशिलाकंटक, रथमूसल) की सहायता से वज्जियों एवं लिच्छवियों (चेटक) को पराजित किया; कोसल की वज्जिरा (प्रसेनजित की पुत्री) से विवाह किया
- उदायिन ने राजधानी पाटलिपुत्र में स्थानांतरित की (अजातशत्रु ने इसे दुर्ग के रूप में बसाया था)
- शिशुनाग ने अवन्ति को पराजित किया (प्रद्योत के उत्तराधिकारी नंदिवर्धन को)
- कालाशोक वैशाली में आयोजित द्वितीय बौद्ध संगीति के संरक्षक

नंद वंश

- महापद्मनंद (उग्रसेन):** एकराट्, सर्वक्षत्रांतक, अपर-परशुराम; निम्न जन्म (पुराणों के अनुसार शूद्र माता)
- नौ नंद; अंतिम धनानंद को चंद्रगुप्त ने चाणक्य की सहायता से मारा
- हाथीगुम्फा अभिलेख में कलिंग में नंदराज की नहर का उल्लेख (नहर का प्रथम उल्लेख)
- कलिंग के चेदि वंश का खारवेल:** हाथीगुम्फा अभिलेख; चोल, चेर, पांड्यों को पराजित किया; जैन भिक्षुओं को दान दिया

अर्थव्यवस्था एवं समाज

- आहत (पंचमार्क) सिक्के:** सबसे प्राचीन सिक्के, चाँदी के, ई.पू. 7वीं-6ठी शताब्दी से प्रथम शताब्दी ई. तक
- श्रेणी:** व्यापारियों एवं शिल्पियों के संघ, जो गुणवत्ता, मूल्य एवं आचरण का नियंत्रण करते थे
- पाणिनि:** अष्टाध्यायी (4000 सूत्र, 8 अध्याय); जन्म गांधार के शलातुर में
- छठी शताब्दी ई.पू. विश्व भर में धार्मिक उथल-पुथल का काल था (कन्फ्यूशियस, जरथुस्त, पाइथागोरस); वैदिक धर्म कर्मकांडी एवं व्ययसाध्य हो गया था
- मिथिला का कर्नाट वंश (नान्यदेव; राजधानी सिमरौन; अंतिम हरिसिंह देव, जिसके समय पंजी प्रथा)

अध्याय 10

प्राचीन समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था: एक दृष्टि में

वर्ण, आश्रम एवं संस्कार

- चार वर्ण (पुरुष सूक्त, ऋग्वेद, मंडल 10); धर्मसूत्रों एवं स्मृतियों ने कर्तव्यों को संहिताबद्ध किया; मनुस्मृति (लगभग 200 ई.पू.-200 ई.); अर्थशास्त्र (कौटिल्य), याज्ञवल्क्य स्मृति, नारद स्मृति
- चार आश्रम: ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास; चार पुरुषार्थ: धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
- आठ प्रकार के विवाह (मनुस्मृति): ब्रह्म, दैव, आर्ष, प्राजापत्य (प्रशस्त); आसुर, गांधर्व, राक्षस, पैशाच (अप्रशस्त)
- 16 संस्कार (गर्भाधान से अंत्येष्टि तक); उपनयन (द्विजों का यज्ञोपवीत संस्कार)
- गोत्र-बहिर्विवाह; प्रतिलोम (विपरीत क्रम) एवं अनुलोम (स्वाभाविक क्रम) विवाहों से मिश्रित जातियाँ बनीं (मनु); चांडाल बहिष्कृत (फाह्यान: लकड़ी की खड़ताल बजाते थे)
- दास प्रथा: दास, दासी (वैदिक, घरेलू); अर्थशास्त्र ने दासों के अधिकारों का नियमन किया (आर्य का विक्रय नहीं); मेगस्थनीज़ का दावा था कि भारत में दास प्रथा नहीं थी

स्मृति / ग्रंथ	काल एवं टिप्पणी
मनुस्मृति	सबसे प्राचीन एवं सबसे महत्वपूर्ण; समाज, राजा के कर्तव्य; बाद की टीकाएँ मेधातिथि, कुल्लूक भट्ट की
याज्ञवल्क्य स्मृति	गुप्त काल; टीका मिताक्षरा (विज्ञानेश्वर, 12वीं शताब्दी)
नारद स्मृति	विधि एवं न्यायिक प्रक्रिया (व्यवहार); संकट में विधवा-पुनर्विवाह की अनुमति
बृहस्पति, कात्यायन	गुप्त काल; कात्यायन - स्त्रीधन पर
अर्थशास्त्र	कौटिल्य (विष्णुगुप्त / चाणक्य), मौर्यकालीन; लगभग तीसरी शताब्दी ई. में संशोधित; आर. शामशास्त्री द्वारा खोजा गया (1905)

स्त्रियों की स्थिति

- ऋग्वैदिक काल: स्त्रियाँ सभा, समिति में उपस्थित होती थीं; सती प्रथा एवं पर्दा प्रथा नहीं; विदुषी लोपामुद्रा, अपाला, घोषा, विश्ववारा; उत्तर वैदिक काल: स्थिति में गिरावट - ऐतरेय ब्राह्मण ने पुत्री को दुःख का स्रोत कहा
- उपनिषद्: गार्गी एवं मैत्रेयी (याज्ञवल्क्य की पत्नी); बौद्ध भिक्षुणियाँ (थेरी); जैन साधवियाँ; संगम: कवयित्रियाँ (औवैयार, नच्चेलैयार), भक्त संत आंडाल एवं करईक्कल अम्मैयार
- मौर्योत्तर स्मृतियाँ: निम्न स्थिति; विवाह की आयु घटाई गई; सती का प्रथम उल्लेख एरण अभिलेख (510 ई.) में; पर्दा प्रथा; देवदासी प्रथा (चोल मंदिर); कौटिल्य: पुनर्विवाह की अनुमति, ब्राह्मणेतर विवाहों में तलाक
- गुप्त: प्रभावती गुप्ता (चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री) ने वाकाटक राज्य पर संरक्षिका के रूप में शासन किया; रानी दिदा (कश्मीर, 10वीं शताब्दी); रुद्रमादेवी (काकतीय); रजिया सुल्तान (1236-40, दिल्ली की एकमात्र महिला शासक)

जनपद, श्रेणियाँ एवं अर्थव्यवस्था

- जनपद: क्षेत्रीय राज्य; महाजनपद: राजतंत्र (मगध, कोसल, वत्स, अवन्ति) एवं गण-संघ (वज्जि, मल्ल; शाक्य); कोसल - श्रावस्ती; वत्स - कौशांबी; अवन्ति - उज्जैन एवं माहिष्मती; काशी - वाराणसी
- श्रेणियाँ (निगम): मुखिया जेठक / श्रेष्ठी; मंदसौर अभिलेख (रेशम बुनकर; गुप्त); नासिक गुहा अभिलेख (श्रेणियों द्वारा बैंकिंग); चोल: मणिग्रामम्, अय्यावोले
- ऋण-व्यवसाय: कुसीदिन् (वैदिक); धर्मशास्त्रों ने ब्याज की दरों का नियमन किया
- व्यापार-मार्ग: उत्तरापथ (तक्षशिला-पाटलिपुत्र-ताम्रलिप्ति), दक्षिणापथ (प्रतिष्ठान से कावेरीपट्टनम्), रेशम मार्ग (कुषाण), समुद्री मार्ग - भरुच (बैरीगाजा), सोपारा, अरिकामेडु (पुदुच्चेरी), मुजिरिस (केरल, पट्टनम्)
- रोमन व्यापार: पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी (लगभग प्रथम शताब्दी ई.); प्लिनी ने स्वर्ण के बहिर्गमन की शिकायत की; निर्यात: काली मिर्च ('यवनप्रिय'), मोती, हाथीदाँत, मलमल, मसाले; आयात: स्वर्ण, मदिरा, काँच, एम्फोरा (मदिरा-पात्र)

- **भूमि:** सीता (राजकीय भूमि), भाग, बलि, कर (विभिन्न कर); अर्थशास्त्र: कृषि, पशुपालन, वाणिज्य; गुप्त: अनुदान - ब्रह्मदेय, अग्रहार; लौह हल लगभग 600 ई.पू. से (चित्रित धूसर मृद्रांड)
- **सिक्के:** आहत (कार्षापण) - चाँदी / ताँबा; तौल: पण, कार्षापण, दीनार (लैटिन डेनारियस से), स्वर्ण, निष्क

काल	मुद्रा एवं व्यापार संबंधी तथ्य
वैदिक	निष्क (स्वर्ण आभूषण) इकाई के रूप में; पशु संपत्ति; वस्तु-विनिमय
महाजनपद	आहत सिक्के; श्रेणी; व्यापार; लोहे का प्रयोग
मौर्य	पण; चाँदी का 'रूप्यरूप'; खानों, नमक पर राज्य का एकाधिकार
कुषाण	स्वर्ण दीनार; रोम एवं मध्य एशिया से व्यापार
गुप्त	स्वर्ण दीनार, चाँदी का रूपक; व्यापार का हास (आर.एस. शर्मा); ब्रह्मदेय
चोल	कलंज (स्वर्ण सिक्का); कास; मादै, पणम; श्रेणी अय्यावोले

राजव्यवस्था

- **ऋग्वेद:** सभा, समिति, विदथ; ग्रामणी; राजन् (उत्तर वैदिक काल तक वंशानुगत); संगृहीत्री; उत्तर वैदिक काल में रत्निन् (लगभग एक दर्जन राजकीय पदाधिकारी - पुरोहित, सेनानी, ग्रामणी, महिषी, सूत, क्षत्ता, संगृहीत्री, भागदुघ, अक्षावाप, गोविकर्तन, पालागल)
- **उत्तर वैदिक राज्याभिषेक अनुष्ठान:** राजसूय, वाजपेय, अश्वमेध (शतपथ ब्राह्मण)
- **मौर्य:** सप्तांग (स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड, मित्र); महामात्र; धम्म-महामात्र (अशोक का 13वाँ वर्ष); समाहर्ता, सन्निधाता; युक्त, राजुक, प्रादेशिक
- **गुप्त:** कुमारामात्य, महाबलाधिकृत, महादंडनायक, संधिविग्रहिक (विदेश मंत्री); भुक्ति (प्रांत) - उपरिक; विषय - विषयपति; ग्राम - ग्रामिक; विष्टि (बेगार); पुस्तपाल (अभिलेख-रक्षक)
- **हर्ष:** महासंधिविग्रहाधिकृत, सामंत; राज्यश्री; कन्नौज सभा (द्वेनसांग) एवं प्रयाग महामोक्ष परिषद् (प्रत्येक पाँच वर्ष में)
- **संगम राजव्यवस्था:** चेर (वंजि; सेनगुट्टवन - पत्तिनी पंथ; कण्णगी), चोल (उरैयूर; करिकाल - कावेरी पर कल्लनै (ग्रैंड एनीकट); पुहार / कावेरीपट्टनम), पांड्य (मदुरै; नेदुंजेळियन; मुजिरिस व्यापार); सभाएँ: मनरम्, अवै; सरदार: वेल, को; 'तोलकाप्पियम्' व्याकरण (तोलकाप्पियर), शिलप्पदिकारम् (इलांगो अडिगल), मणिमेकलै (सत्तनार)

अध्याय 11

विदेशी आक्रमण एवं मौर्य साम्राज्य

फारसी एवं यूनानी आक्रमण

- साइरस द्वितीय (558-529 ई.पू.) ने हखामनी (अकेमेनिड) साम्राज्य की स्थापना की; दारा प्रथम (522-486 ई.पू.) ने उत्तर-पश्चिम भारत पर अधिकार रखा; बहिस्तून, पर्सेपोलिस एवं नक्श-ए-रुस्तम अभिलेख; हेरोडोटस: भारत 20वाँ क्षत्रप (प्रांत)
- टेसियस अर्तजर्सीज़ द्वितीय का चिकित्सक था; खरोष्ठी लिपि अरामाइक से निकली; दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी
- सिकंदर ने 326 ई.पू. में भारत में प्रवेश किया (हखामनियों को पराजित करने के पश्चात); 325 ई.पू. में पाताल से लौटा; चंद्रगुप्त से कोई युद्ध नहीं हुआ
- पोरस (पुरु) झेलम (हाइडेस्पीज़) पर पराजित हुआ; उसे राज्य लौटाया गया तथा विस्तारित भी किया गया
- अश्वक (असकेनोई) की राजधानी मस्सग:** स्त्रियों ने भी युद्ध किया; आंभि (तक्षशिला) ने सिकंदर की सहायता की
- नंद शासक धनानंद = अग्रमीज / जैट्टमीज; भद्रसाल उसका सेनापति
- सफलता के कारण:** केंद्रीय शक्ति का अभाव, श्रेष्ठ सेना, विश्वासघाती शासक

मौर्य इतिहास के स्रोत

स्रोत	विवरण
अर्थशास्त्र	कौटिल्य (चाणक्य, विष्णुगुप्त); सप्तांग सिद्धांत; मैकियावेली के प्रिंस से तुलना
इंडिका	मेगस्थनीज़, सेल्यूकस का राजदूत, चंद्रगुप्त के दरबार में पाँच वर्ष
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त; चंद्रगुप्त को वृषल कहा गया
दीपवंश, महावंश	श्रीलंका के इतिवृत्त
दिव्यावदान	राजकुमार अशोक द्वारा तक्षशिला के विद्रोह का दमन
जूनागढ़ अभिलेख	रुद्रदामन (150 ई.); सुदर्शन झील पुष्यगुप्त द्वारा
अशोक के अभिलेख	ब्राह्मी (शाहबाजगढ़ी, मानसेहरा में खरोष्ठी)

- विलियम जोन्स ने सैंड्रोकोटस की पहचान चंद्रगुप्त से की; जस्टिन ने सिकंदर से भेंट का उल्लेख किया

चंद्रगुप्त मौर्य (321-297 ई.पू.)

- चाणक्य की सहायता से धनानंद को अपदस्थ किया; सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया (लगभग 305 ई.पू.); एरिया, अराकोसिया, जेड्रोसिया, पैरोपनिसेडाई प्राप्त किए; 500 हाथी दिए
- साम्राज्य अफगानिस्तान से कर्नाटक तक; दक्कन / पश्चिमी भारत प्राप्त किया (सौराष्ट्र का गवर्नर पुष्यगुप्त)
- जैन परंपरा:** भद्रबाहु के साथ भिक्षु बने, श्रवणबेलगोला में देहांत
- पाटलिपुत्र में राजप्रासाद:** कुम्हार एवं बुलंदीबाग के उत्खनन (डी.बी. स्पूनर), काष्ठ मंच, 80 स्तंभ

बिंदुसार एवं अशोक

- बिंदुसार:** अमित्रोकेटीज़ (अमित्रघात); जैन ग्रंथ सिंहसेन; माता दुर्धरा; एटियोकस प्रथम का राजदूत डाइमेकस; टॉलेमी द्वितीय द्वारा भेजा गया डायोनिसियस
- बिंदुसार ने एटियोकस से मदिरा, अंजीर एवं एक सोफिस्ट (दार्शनिक) माँगा
- अशोक:** अवंति (उज्जैन) एवं तक्षशिला का उपराजा; राज्याभिषेक 269 ई.पू.; उपाधियाँ देवानांपिय पियदसि; कलिंग युद्ध 261 ई.पू. (शिलालेख XIII); बौद्ध (भाब्रू / बैराट अभिलेख)
- धम्म:** सहिष्णुता, अहिंसा, मानवीय व्यवहार; 13वें वर्ष में धम्म-महामात्रों की नियुक्ति (शिलालेख V)
- धम्म यात्रा ने विहार यात्रा का स्थान लिया; बोधगया, लुंबिनी (20वाँ वर्ष), निग्लीसागर की यात्रा की
- पाटलिपुत्र में तृतीय बौद्ध संगीति; श्रीलंका में धर्म-प्रचारक भेजे (महेन्द्र एवं संचमित्रा)
- जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी लिपि को पढ़ा (1837); मास्की (1915) से अशोक नाम मिला; गुज्जर (दतिया) में भी अशोक का नाम है

- श्रीलंका तथा चोल, पांड्य, सतियपुत्र, केरलपुत्र क्षेत्र साम्राज्य से बाहर थे (शिलालेख II एवं XIII)

अभिलेख का प्रकार	उदाहरण
बृहत् शिलालेख	14 अभिलेख: शाहबाजगढ़ी, मानसेहरा, कालसी, गिरनार, धौली, जौगढ़, येरगुडी, सोपारा
लघु शिलालेख	मास्की, गुज्जरा, भाब्रू, रूपनाथ, सासाराम
स्तंभ लेख	सारनाथ, लौरिया नंदनगढ़, रुम्मिनदेई, निग्लीसागर, इलाहाबाद-कौशांबी
गुहा अभिलेख	बराबर एवं नागार्जुनी (आजीवकों हेतु)

प्रांत	राजधानी
उत्तरापथ	तक्षशिला
अवन्तिरथ	उज्जयिनी
कलिंग	तोसली
दक्षिणापथ	सूर्यगिरि
प्राच्यपथ (मध्य)	पाटलिपुत्र

स्मरणीय

शिलालेख I: पशु-वध पर प्रतिबंध; रसोई में अब केवल दो मोर एवं एक हिरण मारे जाते हैं
 शिलालेख XIII: पाँच यूनानी शासक - अंतियोक (एंटियोकस द्वितीय), त्रुमय (टॉलेमी द्वितीय), अंतिकिनि (एंटिगोनस गोनाटस), मक (मगस, साइरीन), अलिकसुंदर (एपिरस का अलेक्जेंडर)
 रुम्मिनदेई: बलि कर माफ, भू-राजस्व 1/6 से घटाकर 1/8
 सोहगौरा ताम्रपत्र (गोरखपुर) एवं महास्थान अभिलेख (बोगरा): अकाल-राहत के प्राचीनतम अभिलेख
 शर-ए-कुना (कंधार) यूनानी एवं अरामाइक में द्विभाषी; तक्षशिला का अभिलेख अरामाइक में
 अशोक ने चिकित्सालय, औषधि-उद्यान, कुएँ एवं छायादार वृक्ष लगवाए

मौर्य प्रशासन

अधिकारी	भूमिका
महामात्र	उच्च अधिकारी
युक्त	जिले का राजस्व / कोष अधिकारी
राजुक	न्यायिक अधिकार-युक्त ग्रामीण भू-मापक
प्रादेशिक	मंडल का प्रमुख (आयुक्त के समान)
प्रदेश	कानून-व्यवस्था एवं फौजदारी न्याय अधिकारी
समाहर्ता	मुख्य राजस्व संग्राहक
सन्निधाता	कोषाध्यक्ष
सीताध्यक्ष	राजकीय भूमि (इसका राजस्व सीता कहलाता था)
शुल्काध्यक्ष	सीमा-शुल्क / चुंगी
आकराध्यक्ष	खानें
पण्याध्यक्ष	व्यापार
पौतवाध्यक्ष	तौल एवं माप
सूनाध्यक्ष	बूचड़खाना
अंतपाल	सीमांत दर्ग
नागरक / पौरमुख	नगर-प्रमुख

अधिकारी	भूमिका
एग्रोनोमोई (मेगस्थनीज़)	जिला अधिकारी
एस्टिनोमोई (मेगस्थनीज़)	नगर अधिकारी

- **राजस्व:** भाग (राजा का हिस्सा, लगभग 1/6) एवं बलि; सार्थवाह = कारवाँ का नेता
- **पाटलिपुत्र:** 30 सदस्यीय नगर-परिषद्, पाँच-पाँच सदस्यों के छह बोर्डों में; तीसरा बोर्ड जन्म-मृत्यु का अभिलेख रखता था; छठा बिक्री कर (दशमांश) एकत्र करता था
- **न्यायालय:** धर्मस्थीय (दीवानी) एवं कंटकशोधन (फौजदारी)
- **मेगस्थनीज़:** सात जातियाँ, दास प्रथा नहीं देखी; अर्थशास्त्र: न्यायिक दंड द्वारा दासता, पुनर्विवाह की अनुमति
- पंचायत स्वायत्तता का विकास आगे चलकर चोलों ने किया

मौर्य कला

- **स्तंभ:** चुनार का बलुआ पत्थर, चमकदार पॉलिश; सारनाथ का सिंह-शीर्ष = राष्ट्रीय चिह्न; रामपुरवा का वृषभ
- सांची (रायसेन, मध्य प्रदेश, अशोक का प्रमुख केंद्र), भरहुत (सतना; कनिंघम द्वारा खोजा गया), अमरावती (पलनाडु; सातवाहन; कॉलिन मैकेंजी ने 1797 में पता लगाया), धमेख स्तूप (सारनाथ; वर्तमान स्वरूप गुप्तकालीन)
- आजीवकों के लिए बराबर गुफाएँ

पतन

- बृहद्रथ की हत्या पुष्यमित्र शुंग ने की (185 ई.पू.)
- **शुंग:** पतंजलि के साथ पुष्यमित्र के दो अश्वमेध; देवभूति की हत्या वासुदेव कण्व ने की; कण्व वंश का अंत सिमुक (सातवाहन) ने किया

स्मरणीय

सबसे प्राचीन राजवंश / प्रथम साम्राज्य: मौर्य; चंद्रगुप्त ने राजनीतिक रूप से भारत को सर्वप्रथम एकीकृत किया
मनुस्मृति विदेशियों (शक, कुषाण, हूण) को पतित क्षत्रिय कहती है

अध्याय 12

अशोक के अभिलेख एवं मौर्य राजव्यवस्था (विस्तृत अध्ययन)

लिपि, भाषा एवं वाचन

- भाषा प्राकृत; लिपि ब्राह्मी (अधिकांश), शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा (उत्तर-पश्चिम) में खरोष्ठी (दाएँ से बाएँ लिखी गई); शर-ए-कुना (कंधार) में यूनानी-अरामाईक; तक्षशिला एवं लमगान में अरामाईक
- जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी को पढ़ा (1837); खरोष्ठी को प्रिंसेप, ग्रोटेफेंड, लासेन ने पढ़ा (1835-38)
- अशोक-पूर्व ब्राह्मी:** पिपरहवा, सोहगौरा, महास्थान, अनुराधापुर (श्रीलंका)
- अशोक का व्यक्तिगत नाम केवल मास्की (कर्नाटक), गुज्जरा (दतिया, मध्य प्रदेश), निचूर एवं उदेगोलम में मिलता है
- कनगनहल्ली (भीमा नदी, कलबुर्गी) में एक उत्कीर्ण चित्र पर 'रण्यो अशोक' अंकित है
- कालसी (देहरादून, उत्तराखंड) में बृहत् शिलालेखों का पूरा समूह है

स्थल	राज्य
धौली, जौगढ़	ओडिशा
येरगुडी	आंध्र प्रदेश
कालसी	उत्तराखंड
गिरनार	गुजरात
सोपारा	महाराष्ट्र
शाहबाजगढ़ी, मानसेहरा	पाकिस्तान

प्रमुख शिलालेख

शिलालेख	विषय
I	पशु-बलि एवं उत्सव-समारोहों पर प्रतिबंध
II	चिकित्सा-सुविधा; चोल, पांड्य, सतियप्त्र, केरलप्त्र, तांबपन्नि एवं अंतियोक का उल्लेख
V	धम्म-महामात्र (13वाँ वर्ष)
XII	धार्मिक सहिष्णुता (अन्य संप्रदायों का सम्मान)
XIII	कलिंग युद्ध; धम्म विजय; पाँच यूनानी शासक; वन्य जनजातियों को चेतावनी
स्तंभ लेख IV	राज्यों को स्वायत्तता
स्तंभ लेख V	पशुओं का संरक्षण; उपवास के दिनों में मछली की बिक्री निषिद्ध

- शिलालेख XIII:** युद्ध द्वारा नहीं, धम्म द्वारा विजय; कलिंग के पश्चात् पश्चात्ताप (लगभग 1.5 लाख निर्वासित, 1 लाख मारे गए)
- कलिंग क्यो:** दक्षिण एवं पूर्व के स्थल तथा समुद्री व्यापार-मार्गों पर नियंत्रण
- मौर्य शासकों ने धार्मिक भूमि-अनुदान नहीं दिए; धार्मिक भूमि-अनुदान का सबसे प्राचीन अभिलेखीय उदाहरण सातवाहनों का है (मौर्योत्तर प्रवृत्ति)
- बेसनगर में हेलियोडोरस का गरुड़ स्तंभ शुंगकालीन अभिलेख है

मौर्यकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था

- मेगस्थनीज़ के सात वर्ग:** दार्शनिक (ब्राह्मण एवं श्रमण), कृषक, गोपालक / शिकारी, शिल्पी / व्यापारी, सैनिक, निरीक्षक (गुप्तचर), परामर्शदाता

- मेगस्थनीज़ ने दास प्रथा नहीं देखी; अर्थशास्त्र न्यायिक एवं युद्ध-जनित दासता की अनुमति देता है
- कर-चोरी का दंड मृत्यु (इंडिका); पाटलिपुत्र के नगर-बोर्ड
- भूमि: राजकीय भूमि (सीता), भाग का अंश, बलि, विवीत (चरागाह कर), हिरण्य
- अर्थशास्त्र में ग्रामीण इकाइयाँ: संग्रहण (10 ग्राम), कार्वटिक (200), द्रोणमुख (400), स्थानीय (800)
- पंकोदकसन्निरोध: मार्गों को गंदा करने / जलभराव के लिए दंड
- न्यायालय के प्रकार: धर्मस्थीय (दीवानी), कंटकशोधन (फौजदारी)
- प्रदेष्टा = पुलिस / आपराधिक मामलों का अधिकारी

अधिकारी	कर्तव्य
तलार	रात्रि-प्रहरी
पट्टकोल	ग्राम का कर-संग्राहक
साहसाधिपति	डकैती के मामले
बलाधिप	चुंगी-रक्षक
विवीताध्यक्ष	चरागाह
सीताध्यक्ष	कृषि
पौतवाध्यक्ष	तौल

- मागध (चारण) इतिवृत्त, राजवंशों के इतिहास एवं महाकाव्य कथाओं को कंठस्थ रखते थे
- तक्षशिला: मौर्य काल का सर्वाधिक प्रसिद्ध शिक्षा-केंद्र
- अर्थशास्त्र परित्यक्त पत्नी के पुनर्विवाह की अनुमति देता है; मनुस्मृति विधुर को अनुमति देती है, विधवा को नहीं
- स्वर्ण सिक्कों को सर्वप्रथम इंडो-ग्रीक शासकों ने नियमित किया, मौर्यों ने नहीं

सांची एवं स्तूप

- सांची (रायसेन): तीन स्तूप; स्तूप 1 मुख्य; स्तूप 3 में सारिपुत्र एवं महामोग्गलान के अवशेष; गुप्तकालीन नाम काकनादबोट / काकनाय महाविहार
- सांची के तोरण (सातवाहन काल) अशोक की दो रानियों सहित बोधि वृक्ष की तीर्थयात्रा को दर्शाते हैं
- भरहुत (सतना) लगभग 150 ई.पू., शुंगकालीन कला; कुशीनगर - रामाभार स्तूप; कौशांबी - घोषिताराम; श्रावस्ती - सहेट-महेट; सारनाथ - धमेख

अशोक की धम्म-यात्राएँ

राज्याभिषेक के पश्चात् वर्ष	स्थान
10वाँ	संबोधि (बोधगया)
14वाँ	कनकमुनि स्तूप का विस्तार (निग्लीसागर)
20वाँ	लुंबिनी एवं निग्लीसागर

अध्याय 13

मौर्योत्तर काल

शुंग एवं कण्व

- **शुंग (185-73 ई.पू.):** संस्थापक पुष्यमित्र शुंग (उज्जैन / विदिशा मूल), बृहद्रथ का सेनापति
- दो अश्वमेध (अयोध्या / धनदेव अभिलेख); पतंजलि (महाभाष्य) उसके पुरोहित थे
- अंतिम शुंग शासक देवभूति की हत्या मंत्री वासुदेव कण्व ने की
- **कण्व वंश (लगभग 73-28 ई.पू.):** ब्राह्मण; अंतिम शासक सुशर्मान को सिमुक (सातवाहन) ने अपदस्थ किया
- भरहुत स्तूप (सतना, लगभग 150 ई.पू.) शुंगकालीन कला है; बेसनगर में हेलियोडोरस का गरुड़ स्तंभ
- **राजवंशों का क्रम:** मौर्य - शुंग - कण्व - कुषाण

विदेशी आक्रमणकारी

शासक	राजवंश / प्रमुख तथ्य
डेमेट्रियस, मेनांडर	इंडो-ग्रीक; मेनांडर = मिलिंद (नागसेन का मिलिंदपन्हो); राजधानी साकल; बैराट में 16 सिक्के मिले
अगाथोक्लीज़	संकर्षण (बलराम) एवं वासुदेव सहित चाँदी के सिक्के; यूनानी-ब्राह्मी द्विभाषी लेख
स्ट्रेटो द्वितीय	सीसे के सिक्के (25 ई.पू.-10 ई.)
रुद्रदामन प्रथम	शक (पश्चिमी क्षत्रप); जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख, लगभग 150 ई.
गोंडोफर्नीज़	पार्थियन (पल्लव); संत थॉमस की परंपरा
कुजुल एवं विम कडफिसेस	कुषाण
चट्टन	कार्दमक क्षत्रप; शक संवत्

- **आक्रमणकारियों का कालानुक्रमिक क्रम:** यूनानी - शक - पार्थियन - कुषाण
- इंडो-ग्रीक शासकों ने स्वर्ण सिक्कों का आरंभ किया; कुषाणों (विम कडफिसेस, उपाधि सर्वलोकेश्वर) ने बड़े पैमाने पर नियमित स्वर्ण सिक्के जारी किए; कुजुल ने ताँबे के सिक्के चलाए
- **सातवाहन सिक्के:** सीसा, ताँबा, काँसा, चाँदी, पोटिन, किंतु स्वर्ण नहीं
- **शक-क्षत्रप स्वर्ण:** चाँदी अनुपात 1:35
- **यौधेय सिक्के:** मयूर सहित कार्तिकेय

रुद्रदामन प्रथम (जूनागढ़ / गिरनार)

- ब्राह्मी लिपि; शास्त्रीय संस्कृत का सबसे प्राचीन दीर्घ अभिलेख (प्राचीनतम काव्य शैली)
- सुदर्शन झील की मरम्मत बिना बेगार के कराने का उल्लेख; चंद्रगुप्त (पुष्यगुप्त), अशोक (तुषास्प) का उल्लेख; उसी चट्टान पर स्कंदगुप्त का लेख

कुषाण वंश

- **कनिष्क प्रथम:** शक संवत् 78 ई. (लंदन सम्मेलन 1913 एवं 1960); राजधानियाँ पुरुषपुर (पेशावर) एवं मथुरा; साम्राज्य तुर्फान से विंध्य तक
- सारनाथ की बुद्ध प्रतिमा का लेख वर्ष 81 ई.; रबतक अभिलेख (अफगानिस्तान, यूनानी लिपि में बैक्ट्रियन भाषा) में साकेत, कौशांबी, पाटलिपुत्र, चंपा का उल्लेख है (श्रावस्ती का नहीं)
- **दरबार:** अश्वघोष, वसुबंधु / वसुमित्र, नागार्जुन, चरक (चिकित्सक), पार्श्व, मातर
- कुंडलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति; महायान के संरक्षक; सिक्कों पर बुद्ध
- गांधार कला (यूनानी-बौद्ध; हरित शिस्ट पत्थर; यूनानी, सीरियाई, फारसी, भारतीय शैलियों का मिश्रण); मथुरा कला (लाल बलुआ पत्थर)
- विवाह-प्रस्ताव अस्वीकृत होने पर चीनी सेनापति पान चाओ (लगभग 86-94 ई.) से पराजित

- बाल-विवाह एवं स्त्रियों के उपनयन की समाप्ति इसी काल में प्रारंभ हुई
- रेशम मार्ग द्वारा व्यापार; पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी; अरिकामेडु
- बामियान की बुद्ध प्रतिमाएँ (अफगानिस्तान) तालिबान द्वारा नष्ट की गईं
- विक्रम संवत् 57 ई.पू.; शक संवत् 78 ई. (अंतर 135 वर्ष); राष्ट्रीय पंचांग चैत्र 1 = 22 मार्च (अधिर्वर्ष में 21 मार्च)

संवत्	प्रारंभ
विक्रम संवत्	57 ई.पू.
शक संवत्	78 ई.
गुप्त संवत्	319-320 ई.

तक्षशिला (विश्वविद्यालय)

- पूर्व छात्र: कौटिल्य, चंद्रगुप्त, जीवक, चरक, प्रसेनजित, पाणिनि, वसुबंधु

सातवाहन

- संस्थापक सिमुक (सिंधुक), कण्व सुशर्मन के पश्चात्; मत्स्य पुराण में 30 राजाओं की सूची
- राजधानी प्रतिष्ठान (पैठण); प्रारंभ में अमरावती
- **सातकर्णिक प्रथम:** सातकर्णिक उपाधि धारण करने वाला प्रथम; नानाघाट अभिलेख; अश्वमेध
- गौतमीपुत्र सातकर्णिक (नासिक अभिलेख, गौतमी बलश्री द्वारा): एकब्राह्मण, वर्ण-व्यवस्था का रक्षक, शकों को पराजित किया
- पुलुमावि, यज्ञ श्री सातकर्णिक (जहाज के सिक्के)
- अभिलेखीय दृष्टि से प्रथम धार्मिक भूमि-अनुदान (नासिक)

खारवेल (चेदि वंश, कलिंग)

- **स्रोत:** हाथीगुम्फा अभिलेख (उदयगिरि, भुवनेश्वर): 13 वर्षों का शासनकाल; जैन; चोल, चेर, पांड्यो को पराजित किया; नंद नहर का उल्लेख
- खंडगिरि-उदयगिरि की गुफाएँ बनवाई

अध्याय 14

प्राचीन राजवंश: संस्थापक, राजधानी, स्रोत एवं उल्लेखनीय तथ्य

राजवंशों का सार

राजवंश	संस्थापक	राजधानी	उल्लेखनीय शासक / तथ्य
हर्यक	बिंबिसार (लगभग 544 ई.पू.)	राजगृह, पाटलिपुत्र (उदायिन)	अजातशत्रु (राजगीर); प्रथम बौद्ध संगीति; उदायिन ने पाटलिपुत्र बसाया
शिशुनाग	शिशुनाग	गिरिव्रज, वैशाली	कालाशोक (द्वितीय संगीति, वैशाली)
नंद	महापद्मनंद	पाटलिपुत्र	'सर्वक्षत्रांतक'; धनानंद (सिकंदर के समय); अग्रमीज़ (यूनानी)
मौर्य	चंद्रगुप्त मौर्य	पाटलिपुत्र	बिंदुसार (अमित्रघात); अशोक; अंतिम - बृहद्रथ
शुंग	पुष्यमित्र शुंग	पाटलिपुत्र, विदिशा	भरहुत, सांची (वेदिकाएँ); पतंजलि; अग्निमित्र - मालविकाग्निमित्रम्
कण्व	वासुदेव कण्व	पाटलिपुत्र	अंतिम - सुशर्मन (लगभग 30 ई.पू.)
सातवाहन (आंध्र)	सिमुक	प्रतिष्ठान (पैठण)	गौतमीपुत्र सातकर्णि (नासिक); हाल (गाथासप्तशती - प्राकृत); सीसे के सिक्के
चेदि	महामेघवाहन	कलिंग	खारवेल (हाथीगुम्फा; जैन)
इंडो-ग्रीक	डेमेट्रियस प्रथम, मेनांडर (मिलिंद)	साकल (सियालकोट)	नागसेन के साथ मिलिंदपन्हो; सिक्कों पर लेख
शक	मोअस	तक्षशिला, उज्जैन	रुद्रदामन प्रथम (जूनागढ़; सुदर्शन झील की मरम्मत)
पार्थियन	गोंडोफर्नीज़	तक्षशिला	संत थॉमस का आगमन
कुषाण	कुजुल कडफिसेस	पुरुषपुर (पेशावर), मथुरा	कनिष्क (शक संवत् 78 ई.; अश्वघोष; चरक; नागार्जुन; वसुमित्र); स्वर्ण सिक्के
वाकाटक	विंध्यशक्ति	नंदिवर्धन, वत्सगुल्म	प्रवरसेन प्रथम; प्रभावती गुप्ता (अजंता गुफाएँ)
गुप्त	श्रीगुप्त (गुप्त संवत् 319-20 चंद्रगुप्त प्रथम से)	पाटलिपुत्र, अयोध्या	समुद्रगुप्त (प्रयाग प्रशस्ति), चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य; फाह्यान), स्कंदगुप्त (हण)
पुष्यभूति (वर्धन)	पुष्यभूति	थानेश्वर, कन्नौज	हर्ष (बाणभट्ट - हर्षचरित; ह्वेनसांग)
मौखरि	हरिवर्मन	कन्नौज	ग्रहवर्मन का विवाह राज्यश्री से हुआ; शशांक द्वारा मारा गया
परवर्ती गुप्त	कृष्णगुप्त	मगध, मालवा	आदित्यसेन
गौड़	शशांक	कर्णसुवर्ण	बोधगया में बोधि वृक्ष कटवाया
चालुक्य (बादामी)	पुलकेशिन प्रथम	बादामी (वातापी)	पुलकेशिन द्वितीय (नर्मदा तट पर हर्ष को पराजित किया); ऐहोल अभिलेख

राजवंश	संस्थापक	राजधानी	उल्लेखनीय शासक / तथ्य
पल्लव	सिंहविष्णु	कांची	महेंद्रवर्मन प्रथम (मत्तविलास प्रहसन); नरसिंहवर्मन प्रथम (मामल्ल; महाबलीपुरम्, वातापिकोंड)
चोल (प्रारंभिक)	एलारा; करिकाल	उरैयूर, कावेरीपट्टनम्	कल्लनै
पांड्य	-	मदुरै	नेदुंजेळियन; मृजिरिस
चेर	-	वेंजि (करूर)	सेनगुट्टवन
राष्ट्रकूट	दंतिदुर्ग	मान्यखेट	कृष्ण प्रथम (एलोरा का कैलास); अमोघवर्ष
पाल	गोपाल	पाटलिपुत्र, मुंगेर	धर्मपाल; विक्रमशिला; सोमपुर
प्रतिहार	नागभट्ट प्रथम (हरिश्चंद्र)	कन्नौज	मिहिर भोज
चंदेल	नन्नक	खजुराहो, कालिंजर	धंग; विद्याधर
चोल (साम्राज्यकालीन)	विजयालय	तंजावूर	राजराज प्रथम, राजेंद्र प्रथम

प्राचीन इतिहास के स्रोत

स्रोत	जानकारी
पुराण	राजवंशीय सूचियाँ (वायु, मत्स्य, विष्णु, भागवत पुराण); सातवाहनों के संबंध में मत्स्य पुराण सर्वाधिक विश्वसनीय
महाभारत / रामायण	महाकाव्य काल; उत्तर वैदिक एवं परवर्ती विवरण
बौद्ध: दीपवंश, महावंश	अशोक एवं मगध राजवंशों पर श्रीलंका के इतिवृत्त
जैन: परिशिष्टपर्वन्	चंद्रगुप्त पर हेमचंद्र
अर्थशास्त्र	मौर्य राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था
इंडिका	मेगस्थनीज़ (अंश); यूनानी विवरण - एरियन, प्लूटार्क, स्ट्रैबो, कर्टियस (सिकंदर)
राजतरंगिणी	कश्मीर (कल्हण)
हर्षचरित	बाणभट्ट - हर्ष
गौडवहो	वाक्पतिराज - कन्नौज का यशोवर्मन
पृथ्वीराजविजय	जयानक
रामचरित	संध्याकर नंदी (पाल शासक रामपाल)
नवसाहसांकचरित	पद्मगुप्त (परमार)
विक्रमांकदेवचरित	बिल्हण (चालुक्य विक्रमादित्य षष्ठ)
कुमारपालचरित	हेमचंद्र
चचनामा	सिंध पर अरब विजय का अरबी-फारसी इतिवृत्त
पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी	अज्ञात यूनानी नाविक; हिंद महासागर का व्यापार (प्रथम शताब्दी ई.)
भूगोल (टॉलेमी)	दूसरी शताब्दी ई.
नेचुरल हिस्ट्री (प्लिनी)	भारत-रोम व्यापार; स्वर्ण का बहिर्गमन
किताब-उल-हिंद	अल-बिरूनी - भारत, लगभग 1030 (महमूद के समय)

अध्याय 15

गुप्त साम्राज्य

शासक

शासक	काल	प्रमुख तथ्य
श्रीगुप्त	लगभग 275 ई.	संस्थापक
चंद्रगुप्त प्रथम	319-335 ई.	महाराजाधिराज; गुप्त संवत् 319 ई. में प्रारंभ; लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह
समुद्रगुप्त	335-375 ई.	'भारत का नेपोलियन' (वी.ए. स्मिथ); हरिषेण द्वारा रचित प्रयाग प्रशस्ति; लिच्छवि-दौहित्र; अश्वमेध; परमभागवत; वीणा सहित अनेक प्रकार के सिक्के; वसुबंधु के संरक्षक
रामगुप्त	-	दुर्बल; भाई चंद्रगुप्त द्वितीय द्वारा मारा गया (देवीचंद्रगुप्तम्)
चंद्रगुप्त द्वितीय	375-415 ई.	विक्रमादित्य, शकारि, देवगुप्त / देवराज / देवश्री; रुद्रसिंह तृतीय को पराजित किया; चाँदी के रूपक सिक्के; नवरत्न
कुमारगुप्त प्रथम	415-455 ई.	महेंद्रादित्य; नालंदा की स्थापना की
स्कंदगुप्त	455-467 ई.	हूणों को पराजित किया; भितरी स्तंभ; सुदर्शन झील (जूनागढ़) की मरम्मत कराई

- **हूण:** तोरमाण (द्वितीय आक्रमण), मिहिरकुल को मालवा के यशोधर्मन ने पराजित किया (528 ई.); ग्वालियर अभिलेख
- प्रभावती गुप्ता (चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री) का विवाह वाकाटकों के रुद्रसेन द्वितीय से हुआ; संरक्षिका के रूप में शासन किया
- **समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति:** कोसल नरेश महेंद्र; दक्षिणपथ के शासक: विष्णुगोप (कांची), नीलराज (अवमुक्त), धनंजय (कुस्थलपुर), उग्रसेन (पालक)

प्रयाग स्तंभ पर चार अभिलेख हैं

अशोक का लेख, रानी का लेख (कारुवाकी), समुद्रगुप्त की प्रशस्ति, जहाँगीर का फारसी अभिलेख
 स्तंभ मूलतः कौशांबी में था; इलाहाबाद लाया गया (श्रेय अकबर को)
 मेहरौली लौह स्तंभ: राजा चंद्र (चंद्रगुप्त द्वितीय), विष्णुपद पर्वत पर विष्णु ध्वज
 नवरत्न: कालिदास, धन्वंतरि, वराहमिहिर, अमरसिंह, शंकु, क्षपणक, वररुचि, वेताल भट्ट, घटकपर्प

प्रशासन एवं अर्थव्यवस्था

- दैवी राजत्व; सामंतों सहित विकेंद्रित प्रशासन; भुक्ति-विषय व्यवस्था
- भू-राजस्व उदंग / भाग (1/6); उदकभोग (सिंचाई); उपरिकर (अस्थायी काश्तकारों पर कर); हिरण्य (नकद)
- ब्राह्मणों एवं मंदिरों को भूमि-अनुदान बढ़े; नगरों का हास (ह्वेनसांग के समय पाटलिपुत्र खंडहर)
- स्वर्ण सिक्के दीनार (गरुड़, धनुर्धारी, परशु, अश्वमेध, व्याघ्र-पराक्रम, वीणा प्रकार); चाँदी का रूपक; बयाना निधान
- दैनिक व्यापार में कौड़ियों का प्रयोग (फाह्यान)
- **बंदरगाह:** ताम्रलिप्ति (पूर्व), भृगुकच्छ (भरूच, पश्चिम), अरिकामेडु, कावेरीपट्टनम्, मुजिरिस, सोपारा
- वस्त्र उद्योग प्रमुख; श्रेणियाँ शक्तिशाली
- **अभिलेखीय दृष्टि से प्रथम सती:** एरण अभिलेख (510 ई., गोपराज की पत्नी)
- संस्कृत नाटकों में स्त्रियाँ एवं शूद्र प्राकृत बोलते हैं; मृच्छकटिक (शूद्रक)
- शतरंज (चतुरंग) का उद्भव गुप्त काल में हुआ

- फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय के काल में आया (399-412 ई.)

विज्ञान एवं शिक्षा

- आर्यभट (आर्यभटीय, 499 ई., ज्या एवं कोज्या; पृथ्वी घूर्णन करती है); वराहमिहिर (पंचसिद्धांतिका, बृहत्संहिता); ब्रह्मगुप्त (ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त); भास्कर प्रथम (महाभास्करीय) गुप्तोत्तर काल
- भास्कर द्वितीय (सिद्धान्त शिरोमणि, लीलावती) 12वीं शताब्दी के हैं
- नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी केंद्र

दर्शन: छह दर्शन

दर्शन	प्रवर्तक	मूल विचार
सांख्य	कपिल	पुरुष एवं प्रकृति; द्वैतवाद; निरीश्वरवादी
योग	पतंजलि	अष्टांग योग: यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि
न्याय	गौतम (अक्षपाद)	तर्कशास्त्र; सोलह पदार्थ; न्यायसूत्र
वैशेषिक	कणाद	परमाणुवाद; द्रव्य
पूर्व मीमांसा	जैमिनि	कर्मकांड; वेद नित्य
उत्तर मीमांसा (वेदांत)	बादरायण	ब्रह्मसूत्र; ज्ञानकांड

- प्रस्थानत्रयी: उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र, गीता

वाकाटक

- संस्थापक विंध्यशक्ति; प्रवरसेन प्रथम (सम्राट्, चार अश्वमेध, पुराणों के अनुसार विंध्यशक्ति का पुत्र); प्रवरसेन द्वितीय ने सेतुबंध की रचना की; प्रभावती गुप्ता संरक्षिका
- दक्कन के राजवंशों का क्रम: सातवाहन - वाकाटक - चालुक्य (बादामी)

गुप्तकाल के अन्य तथ्य

- कुमारगुप्त प्रथम एवं बंधुवर्मन का मंदसौर (दशपुर) अभिलेख, वत्सभट्टि द्वारा रचित: लाट से आए रेशम बुनकरों की श्रेणी (तंतुवाय) ने सूर्य मंदिर बनवाया; इसे 'प्रथम विज्ञापन' कहा जाता है
- गुप्त प्रशासन: साम्राज्य - भुक्ति (उपरिक) - विषय (विषयपति) - वीथि - ग्राम (ग्रामिक)
- रानियाँ: चंद्रगुप्त प्रथम - कुमारदेवी; समुद्रगुप्त - दत्तदेवी; चंद्रगुप्त द्वितीय - कुबेरनागा (तथा ध्रुवदेवी); कुमारगुप्त प्रथम - अनंतदेवी
- उपाधियाँ: समुद्रगुप्त - पराक्रमांक; चंद्रगुप्त द्वितीय - विक्रमादित्य; स्कंदगुप्त - क्रमादित्य; अशोक - प्रियदर्शी
- चंद्रगुप्त प्रथम सिक्के जारी करने वाला प्रथम गुप्त शासक
- श्रीलंका के मेघवर्ण ने बोधगया में विहार-निर्माण के लिए समुद्रगुप्त की अनुमति ली
- कुल्यवाप एवं द्रोणवाप = भूमि-माप; अप्रहत = अकृष्ट वन-भूमि; विष्टि = बेगार; अरघट्ट = रहट (फारसी चक्र)
- फाह्यान ने पाटलिपुत्र के चिकित्सालय का वर्णन किया; सुंग युन ने 518-521 ई. में यात्रा की
- बंदरगाह: घंटाशाला, कडूरा, चौल विदेशी व्यापार संभालते थे; सार्थवाह = कारवाँ का प्रमुख
- सुश्रुत (शल्य-चिकित्सा, काशी) गुप्तकालीन नहीं हैं; चरक (कनिष्क के चिकित्सक); धन्वंतरि (चंद्रगुप्त द्वितीय)
- ज्या (साइन) पाँचवीं शताब्दी में ज्ञात (आर्यभटीय, सूर्य सिद्धान्त); चक्रीय चतुर्भुज ब्रह्मगुप्त द्वारा (7वीं शताब्दी)
- आर्यभट ने सर्वप्रथम पृथ्वी के घूर्णन द्वारा दिन एवं रात होने की व्याख्या की

न्याय, चार्वाक एवं अन्य

- सांख्य: सत्कार्यवाद (कार्य कारण में पहले से विद्यमान); पुनर्जन्म स्वीकार; आत्म-ज्ञान से मुक्ति
- नव्य-न्याय: गंगेश (मिथिला) एवं उदयन
- चार्वाक (लोकायत): केवल प्रत्यक्ष, भौतिकवाद, देहात्मवाद; पूर्ववर्ती अजित केशकंबली; वेदों को अस्वीकार
- पतंजलि (महाभाष्य) पुष्पमित्र शुंग के समकालीन थे

दर्शन	मुक्ति का मार्ग
न्याय	तार्किक चिंतन
मीमांसा	वैदिक कर्मकांड
सांख्य	वास्तविक ज्ञान
वेदांत	आत्म-ज्ञान

- अष्टांग योग का अंतरंग साधन: धारणा, ध्यान, समाधि

अध्याय 16

हर्ष एवं प्रारंभिक मध्यकालीन उत्तर भारत

हर्ष (606-647 ई.)

- थानेश्वर का पुष्पभूति (वर्धन) वंश; राजधानी कन्नौज स्थानांतरित की (राज्यश्री के पति ग्रहवर्मन मौखरि की हत्या गौड़ के शशांक ने की)
- स्रोत:** हर्षचरित (बाणभट्ट), कादंबरी, ह्वेनसांग का सी-यू-की, रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद (हर्ष के नाटक), राजतरंगिणी
- नर्मदा तट पर पुलकेशिन द्वितीय से पराजित (ऐहोल अभिलेख)
- कन्नौज सभा (बौद्ध, महायान); प्रयाग महामोक्ष परिषद् प्रत्येक पाँच वर्ष में; ह्वेनसांग ने छठी परिषद् में भाग लिया
- ह्वेनसांग:** 629 ई. में चांगान से चला, 637 ई. में नालंदा (प्रमुख शीलभद्र); मथुरा का सूती वस्त्र, वाराणसी का रेशम, थानेश्वर व्यापार के कारण समृद्ध
- इत्सिंग:** 671 ई. में ताम्रलिप्ति के मार्ग से आया, 693-94 ई. में लौटा
- यात्रियों का क्रम:** मेगस्थनीज़ - फाह्यान - ह्वेनसांग - इत्सिंग

कन्नौज का त्रिपक्षीय संघर्ष

- पाल (बंगाल; गोपाल, धर्मपाल जिसने विक्रमशिला की स्थापना की), गुर्जर-प्रतिहार (नागभट्ट प्रथम 730-756 ई.; मिहिर भोज), राष्ट्रकूट (दंतिदुर्ग 753 ई., मान्यखेट; अमोघवर्ष प्रथम का जन्म 800 ई.)
- अंततः प्रतिहारों को कन्नौज प्राप्त हुआ; मौखरि (गया मूल; राजधानी कन्नौज) पहले सामंत थे
- दंतिदुर्ग:** उज्जैन में हिरण्यगर्भ; एलोरा में दशावतार गुफा; कैलास मंदिर कृष्ण प्रथम द्वारा निर्मित

दक्षिणी चालुक्य एवं अन्य राजवंश

राजवंश	राजधानी / क्षेत्र
कदंब	बनवासी
चंदेल	महोबा (खजुराहो)
सातवाहन	पैठण
शुंग	पाटलिपुत्र
गुजरात के चालुक्य	मूलराज प्रथम (10वीं शताब्दी)

शंकराचार्य

- जन्म कालड़ी (केरल), 8वीं शताब्दी; अद्वैत वेदांत (ब्रह्म ही एकमात्र सत्य)
- चार मठ:** शृंगेरी (दक्षिण), द्वारका (पश्चिम), पुरी (पूर्व), ज्योतिर्मठ (उत्तर)
- चारधाम:** बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम्; छोटा चारधाम: यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ

बौद्ध धर्म का पतन

- नालंदा को बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया (लगभग 1193 ई.)
- बुद्ध को विष्णु के अवतार के रूप में आत्मसात् कर लिया गया; मध्यकाल में वज्रयान का विकास हुआ

स्मरणीय

चंद्रवंश: प्रयाग / प्रतिष्ठानपुर (झुँसी); गुर्जर-प्रतिहार = अग्निकुल
गुर्जरों का प्रथम उल्लेख: पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल अभिलेख; हर्षचरित में भी इनका उल्लेख है

अध्याय 17

भारत के संवत्, वेदांत, यात्री एवं मंदिर स्थापत्य

भारत के संवत्

संवत्	प्रारंभ	संस्थापक / टिप्पणी
कलि	3102 ई.पू.	पारंपरिक
विक्रम (मालव, कृत)	58-57 ई.पू.	विक्रमादित्य; जैन ग्रंथ: महावीर के निर्वाण (527 ई.पू.) के 470 वर्ष पश्चात्
शक	78 ई.	कनिष्क; आधिकारिक राष्ट्रीय पंचांग (चैत्र 1)
गुप्त	319-320 ई.	चंद्रगुप्त प्रथम

- शक वर्ष + 78 = ई.; विक्रम वर्ष - 57 = ई.; दोनों के बीच अंतर = 135
- मुस्लिम शासन का वास्तविक आरंभ 1192 ई. (तराइन का द्वितीय युद्ध), यद्यपि कासिम 8वीं शताब्दी के प्रारंभ में सिंध पहुँचा था
- **परिवर्तन:** शक 465 (पुलकेशिन प्रथम का बादामी अभिलेख) = विक्रम 600; शक 556 = 634 ई.
- गधिया= सासानी का चाँदी का सिक्का

वेदांत संप्रदाय

संप्रदाय	प्रवर्तक	सिद्धांत
अद्वैत	शंकराचार्य (8वीं शताब्दी)	ब्रह्म ही एकमात्र सत्य; ज्ञान से मुक्ति; 'प्रच्छन्न बौद्ध' कहा गया
विशिष्टाद्वैत	रामानुज (लगभग 1017-1137)	विशिष्ट अद्वैतवाद
द्वैत	मध्व (13वीं शताब्दी)	द्वैतवाद

- **मीमांसा:** अपूर्व का सिद्धांत; कुमारिल भट्ट पूर्व मीमांसा एवं वेदांत को जोड़ते हैं
- **नास्तिक संप्रदाय:** बौद्ध, जैन, चार्वाक
- अभिनवगुप्त (कश्मीरी शैव दर्शन) वेदांत दार्शनिक नहीं हैं

चीनी एवं विदेशी यात्री

यात्री	काल	शासक / घटना
फाह्यान	399-414 ई.	चंद्रगुप्त द्वितीय; पाटलिपुत्र का चिकित्सालय
सुंग युन	518-521 ई.	हूण / गुप्त काल
हेनसांग	629-645 ई.	हर्ष; नालंदा 637; सी-यू-की; तांग सम्राट ताइजोंग द्वारा भेजा गया
इत्सिंग	671-695 ई.	ताम्रलिप्ति एवं सूत्रा के मार्ग से
अल-मसूदी	915-16 ई.	भारत की यात्रा की
अल-बिरूनी	1017-1030 ई.	महमूद गजनवी के साथ

- **हेनसांग:** मार्ग डाकुओं से मुक्त नहीं थे; अग्नि, जल एवं विष द्वारा परीक्षा (दिव्य); नौका-शुल्क; मथुरा का सूती वस्त्र; कौशेय = रेशम; मुल्तान के सूर्य मंदिर का उल्लेख

- **भारत के चीनी नाम:** यिन-तु, थिएन-तु
- हुंडी = हर्षोत्तर स्रोतों में विनिमय-पत्र
- **गुप्तोत्तर कृषि-सामंतवाद:** भूस्वामी एवं आश्रित कृषक
- गुप्त काल के पश्चात् व्यापारिक केंद्र उज्जैन से कन्नौज स्थानांतरित हुआ
- वासुल द्वारा रचित यशोधर्मन का सौधनी अभिलेख
- **कामरूप:** भास्करवर्मन (हर्ष का समकालीन)
- **उपाधियाँ:** पुलकेशिन द्वितीय - दक्षिणापथेश्वर; हर्ष - सकलोत्तरपथनाथ; कुषाण - देवपुत्र; समुद्रगुप्त - कविराज

दरबारी एवं राजधानियाँ

कवि	संरक्षक
अमीर ख़ुसरो	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	चंद्रगुप्त द्वितीय
हरिषेण	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	हर्ष

शासक	नगर
भोज	धार
रानी द्रुगवती	गोंडवाना
समुद्रगुप्त	विदिशा
अशोक	उज्जैन

- भिलसा = विदिशा (मध्य प्रदेश); द्वारसमुद्र = होयसल राजधानी (कर्नाटक); गिरिनगर = जूनागढ़ (गुजरात); स्थान्वीश्वर = थानेसर (हरियाणा)

गुहा स्थापत्य

स्थल	तथ्य
अजंता (छत्रपति संभाजीनगर)	सातवाहन से वाकाटक काल तक; भित्ति-चित्र: गुफा 1 पद्मपाणि, गुफा 16, गुफा 17 (जीवन चक्र); बाघ गुफाएँ (मध्य प्रदेश)
एलोरा (34 गुफाएँ)	1-12 बौद्ध, 13-29 हिंदू, 30-34 जैन; कैलास मंदिर (गुफा 16) कृष्ण प्रथम द्वारा, द्रविड़ शैली
एलिफेंटा	महेशमूर्ति (त्रिमूर्ति); 5 हिंदू + 2 बौद्ध गुफाएँ
नासिक (पांडवलेणी)	त्रिरश्मि गुफाएँ
भीमबेटका	यूनेस्को; प्रागैतिहासिक शैल-कला

नागर एवं मध्यकालीन मंदिर

- खजुराहो (चंदेल, 950-1050 ई.; कभी 85 मंदिर; कंदरिया महादेव विद्याधर द्वारा; मतंगेश्वर धंग द्वारा; पार्श्वनाथ जैन मंदिर है); यूनेस्को स्थल
- कोणार्क सूर्य मंदिर (13वीं शताब्दी, नरसिंहदेव प्रथम; ब्लैक पगोडा; 12 जोड़ी चक्र, सात अश्व)
- लिंगराज (भुवनेश्वर, नागर, 180 फुट); जगन्नाथ (पुरी, नागर); मोढेरा का सूर्य मंदिर (सोलंकी)
- **दिलवाड़ा (माउंट आबू):** विमल वसही भीमदेव प्रथम के शासनकाल में विमल शाह द्वारा निर्मित
- **पालिताना (शत्रुंजय पहाड़ी, भावनगर):** जैन मंदिर
- राष्ट्रकूट अमोघवर्ष प्रथम जैन आचार्य जिनसेन (आदिपुराण) के शिष्य थे

मंदिर शैलियाँ

शैली	क्षेत्र	विशेषताएँ
नागर	उत्तर भारत, ओडिशा	वक्ररेखीय शिखर; लिंगराज, कोणार्क, खजुराहो
द्रविड़	दक्षिण (कृष्णा से कन्याकुमारी)	विमान, गोपुरम्, मंडप; पल्लव, चोल, पांड्य
वेसर	दक्कन	नागर एवं द्रविड़ का मिश्रण; होयसल (तारकाकार योजना, हलेबीडु का होयसलेश्वर, काला शिस्ट पत्थर)

- **तेली का मंदिर (ग्वालियर):** नागर अलंकरण सहित द्रविड़ शिखर
- **चौसठ योगिनी (मुरैना, मध्य प्रदेश):** वृत्ताकार, कच्छपघात शासक देवपाल द्वारा निर्मित (विक्रम संवत् 1323 का अभिलेख); कहा जाता है कि इसने संसद भवन को प्रेरित किया; एकमात्र वृत्ताकार मंदिर नहीं है
- **लाडखान मंदिर (ऐहोल, प्रारंभिक चालुक्य):** कांची का कैलासनाथ मंदिर राजसिंह (नरसिंहवर्मन द्वितीय) द्वारा बनवाया एवं महेंद्रवर्मन तृतीय द्वारा पूर्ण किया गया
- **गुप्त मंदिर:** दशावतार (देवगढ़, उत्तर भारत का प्राचीनतम पंचायतन), भीतरगाँव (ईट, कानपुर, मृण्मूर्तियाँ), भूमरा (शिव), एरण (विष्णु), गढ़वा; स्वतंत्र मंदिरों का आरंभ गुप्त काल में
- **सोनागिरि (दतिया):** दिगंबर जैन स्थल, 103 मंदिर
- **लेपाक्षी:** भित्ति-चित्र (विजयनगर); पट्टचित्र (ओडिशा), मंजूषा (भागलपुर, बिहार), पिथोरा (गुजरात / मध्य प्रदेश की जनजातियाँ)
- **कन्हैरी (मुंबई):** 100 से अधिक बौद्ध गुफाएँ; बाघ गुफाएँ (मध्य प्रदेश) - गुप्तकालीन द्वितीय चित्रकला; बराबर गुफाएँ (लोमस ऋषि, सुदामा, कर्ण चौपर, विश्व झोपड़ी) आजीवकों हेतु
- भीमबेटका सबसे प्राचीन विद्यमान शैलाश्रय स्थल है
- **वाघोरा नदी:** अजंता; बेतवा: सांची; गोदावरी: नासिक; कृष्णा: अमरावती

पल्लव एवं चोल (स्थापत्य)

- **पल्लव शैलियाँ:** महेंद्र (गुहा), मामल्ल (नरसिंहवर्मन प्रथम; एकाश्मक रथ एवं अर्जुन की तपस्या; द्रौपदी रथ सबसे छोटा), राजसिंह (तट मंदिर, कैलासनाथ), नंदिवर्मन
- महाबलीपुरम् (चेंगलपट्टु, यूनेस्को); सात पगोडा; तट मंदिर
- **चोल:** कोरंगनाथ (श्रीनिवासनल्लूर, परांतक प्रथम); बृहदीश्वर (तंजावुर, राजराज प्रथम, ग्रेनाइट); गंगैकॉडचोलपुरम् (राजेंद्र प्रथम)
- **कालक्रम:** रथ (मामल्ल) - तट मंदिर - बृहदीश्वर - गंगैकॉडचोलपुरम्
- **पांड्य:** विशाल गोपुरम् वाले छोटे मंदिर
- विरूपाक्ष मंदिर, हम्पी (शिव)

बृहत्तर भारत

- **अंकोरवाट (कंबोडिया):** सूर्यवर्मन द्वितीय, 12वीं शताब्दी, विष्णु; यशोधरपुर
- **बोरोबुदुर (जावा, इंडोनेशिया):** बौद्ध स्तूप, यूनेस्को
- जगन्नाथ की मूर्तियाँ नीम की लकड़ी की (नवकलेवर में प्रत्येक 12 या 19 वर्ष में बदली जाती हैं)
- पुरी का जगन्नाथ = श्वेत पगोडा; कोणार्क = ब्लैक पगोडा

अध्याय 18

प्राचीन भारतीय कला: मूर्तिकला, चित्रकला एवं प्रदर्शनकारी कलाएँ

मूर्तिकला की शैलियाँ

शैली	काल / संरक्षक	विशेषताएँ
मौर्य	तीसरी शताब्दी ई.पू.	चमकदार बलुआ पत्थर (चुनार); सारनाथ का सिंह-शीर्ष, रामपुरवा का वृषभ, लौरिया नंदनगढ़; दीदारगंज की यक्षिणी (पटना); धौली का हाथी (कलिंग); दर्पण-सदृश मौर्य पॉलिश
शुंग	दूसरी-पहली शताब्दी ई.पू.	भरहुत स्तूप की वेदिका (जातक दृश्य), सांची स्तूप 2; सांची के तोरण बाद में सातवाहनों के अधीन
गांधार	प्रथम-पाँचवीं शताब्दी ई. (कनिष्क के अधीन चरम)	इंडो-ग्रीक / रोमन प्रभाव; धूसर शिस्ट पत्थर, स्तको; लहरदार केश, वस्त्र-विन्यास एवं हेलेनिस्टिक विशेषताओं वाले बुद्ध; तक्षशिला, पेशावर, स्वात; बामियान के बुद्ध
मथुरा	प्रथम-तीसरी शताब्दी ई. (कुषाण)	स्वदेशी; चित्तीदार लाल बलुआ पत्थर; मुंडित सिर, मुस्कराते मुख एवं एक कंधा अनावृत वाले बुद्ध; जैन तीर्थंकर, विष्णु, शिव की प्रतिमाएँ भी; कनिष्क की (शीर्षहीन) प्रतिमा
अमरावती	दूसरी शताब्दी ई.पू.-तीसरी शताब्दी ई. (सातवाहन, इक्ष्वाकु)	श्वेत संगमरमर; कृष्णा घाटी; कथात्मक पट्ट, बुद्ध का प्रतीकों द्वारा अंकन; नागार्जुनकोंडा
गुप्त	चौथी-छठी शताब्दी ई.	शास्त्रीय आदर्श; सारनाथ के बुद्ध (धर्मचक्र मुद्रा), मथुरा के खड़े बुद्ध, देवगढ़ का दशावतार मंदिर, उदयगिरि का वराह, सुल्तानगंज की काँस्य बुद्ध प्रतिमा

- **गांधार शैली:** यूनानी-रोमन शैली (यूनानी-बौद्ध कला भी); मथुरा शैली: विशुद्ध भारतीय, बुद्ध को मानव रूप में दर्शाने वाली प्रथम (कुषाण काल; पूर्व में पदचिह्न, चक्र, वृक्ष जैसे प्रतीक)
- मथुरा कंकाली टीला की जैन मूर्तियों तथा यक्ष / यक्षिणी आकृतियों के लिए भी प्रसिद्ध; गुप्तकालीन काँस्य: सुल्तानगंज बुद्ध (7.5 फुट, अब बर्मिंघम संग्रहालय में)
- **बुद्ध की मुद्राएँ:** ध्यान (समाधि), भूमिस्पर्श (पृथ्वी को स्पर्श, बोधगया में संबोधि), धर्मचक्र (प्रथम उपदेश, सारनाथ), अभय (निर्भयता), वरद (वरदान)

स्तूप

स्तूप	स्थान	टिप्पणी
सांची (महास्तूप)	रायसेन, मध्य प्रदेश	अशोक का ईंट का स्तूप शुंगों के अधीन विस्तारित, चार तोरण (सातवाहन); यूनेस्को स्थल
भरहुत	सतना, मध्य प्रदेश	शुंग काल; जातक कथाएँ, यक्ष
अमरावती	पलनाडु, आंध्र प्रदेश	सातवाहन; संगमरमर, महाचैत्य
सारनाथ	वाराणसी, उत्तर प्रदेश	धमेख स्तूप (गुप्त), चौखंडी स्तूप (हमयूँ की यात्रा)

स्तूप	स्थान	टिप्पणी
पिपरहवा	सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश	प्राचीनतम बौद्ध स्तूपों में; बुद्ध के अवशेष
नागार्जुनकोंडा	आंध्र प्रदेश	इक्ष्वाकु; बौद्ध विहार
तक्षशिला (धर्मराजिका)	पाकिस्तान	अशोककालीन स्तूप

- **स्तूप के भाग:** अंड (अर्द्धगोलाकार गुंबद), हर्मिका (शीर्ष पर घेरा), छत्र (छत्री), वेदिका (घेरा), तोरण (प्रवेश-द्वार), मेधि (आधार), प्रदक्षिणा पथ (परिक्रमा-मार्ग)
- स्तूप = बुद्ध के अवशेषों पर निर्मित अवशेष-टीला; मौर्य स्तूप की दीवारें ईंट की, शुंग की पत्थर की; हीनयान - बुद्ध प्रतीक रूप में; महायान - प्रतिमा रूप में

शैलकृत स्थापत्य

- चैत्य = प्रार्थना-कक्ष (अर्द्धवृत्ताकार योजना, अंत में स्तूप); विहार = भिक्षुओं का आवास, जिसमें कक्ष सभागार के चारों ओर होते हैं
- **सबसे प्राचीन शैलकृत गुफाएँ:** बराबर एवं नागार्जुनी पहाड़ियाँ (बिहार), आजीवक, मौर्य काल (लोमस ऋषि गुफा, चमकदार भीतरी भाग; अशोक की सुदामा गुफा)
- **पश्चिमी दक्कन:** भाजा, कार्ले (सबसे बड़ा एवं सर्वोत्तम चैत्यगृह), कन्हेरी, नासिक, अजंता (29 गुफाएँ), एलोरा (34 गुफाएँ, बौद्ध, हिंदू, जैन), एलिफेंटा (शिव, छठी शताब्दी), बादामी (चालुक्य, हिंदू एवं जैन)
- **एलोरा:** कैलास मंदिर (गुफा 16) - राष्ट्रकूट कृष्ण प्रथम, एकाश्मक; एलिफेंटा: त्रिमूर्ति (महेश्वर) की आकृति
- **मामल्लपुरम् (पल्लव):** रथ (पंच पांडव रथ, एकाश्मक), गंगावतरण / अर्जुन की तपस्या का उत्कीर्ण दृश्य, तट मंदिर (नरसिंहवर्मन द्वितीय राजसिंह)

चित्रकला

- **प्रागैतिहासिक:** भीमबेटका (मध्य प्रदेश; यूनेस्को स्थल) - मध्यपाषाण काल, शैलाश्रय; हरा, श्वेत, लाल गेरू रंग; आखेट, नृत्य; मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) एवं सोनभद्र में भी शैल-चित्र हैं
- **अजंता:** बौद्ध; जातक कथाएँ; दीवार पर टेम्परा; दो चरण (सातवाहन: गुफा 9, 10; गुप्त-वाकाटक: गुफा 1, 2, 16, 17); गुफा 1 में पद्मपाणि बोधिसत्त्व एवं गुफा 16 में 'मरणासन्न राजकुमारी'; बुद्ध सहित 'माता और शिशु' गुफा 17 में; 1819 में जॉन स्मिथ (मद्रास सेना) द्वारा खोजी गई
- बाघ गुफाएँ (मध्य प्रदेश; गुप्त, लौकिक एवं धार्मिक चित्र); सित्तनवासल (पुदुकोट्टै, जैन, पांड्य); एलोरा (कैलास, राष्ट्रकूट); अरमलै गुफाएँ
- **चित्रकला की तकनीकें:** फ्रेस्को (गीले पलस्तर पर) बनाम टेम्परा (सूखी दीवार पर) - अजंता टेम्परा है

मृण्मूर्ति एवं धातु कला

- **ताम्रपाषाण एवं हड़प्पाई:** नर्तकी (काँसे की, लुप्त-मोम), पुरोहित-नरेश (सेलखड़ी)
- **गुप्तकालीन मृण्मूर्तियाँ:** अहिच्छत्र की गंगा-यमुना (उत्तर प्रदेश), भीतरगाँव का ईंट मंदिर (कानपुर, उत्तर प्रदेश, 5वीं शताब्दी)
- **चोल काँस्य:** नटराज (लुप्त-मोम), कल्याणसुंदर, शिवकामी; पाल काँस्य (नालंदा, कुर्किकार)

प्रदर्शनकारी कलाएँ

कला	उद्भव / प्रमुख तथ्य
नाट्यशास्त्र	भरत मुनि; नृत्य, नाटक एवं संगीत पर प्राचीनतम ग्रंथ; 'रस' सिद्धांत (प्रारंभ में आठ रस, बाद में शांत)
भरतनाट्यम	तमिलनाडु; देवदासियाँ; सादिर; रुक्मिणी देवी अरुंडेल द्वारा शास्त्रीय पुनरुद्धार
कथक	उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश); कथा-वाचन (कथाकार); लखनऊ, जयपुर एवं बनारस घराने; वाजिद अली शाह संरक्षक (लखनऊ)
कुचिपुड़ी	आंध्र प्रदेश; सिद्धेंद्र योगी
ओडिसी	ओडिशा; कोणार्क एवं जगन्नाथ मंदिर की परंपरा
मणिपुरी	मणिपुर; रास लीला, वैष्णव
मोहिनीअट्टम	केरल; कथकली: केरल, पुरुष नर्तक, विस्तृत रूप-सज्जा
सत्रिया	असम; शंकरदेव (वैष्णव मठों को सत्र कहा जाता है); 2000 में शास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता

- **आठ शास्त्रीय नृत्य (संगीत नाटक अकादमी):** भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कथकली, सत्रिया (कुछ सूचियों में छऊ को अर्द्ध-शास्त्रीय के रूप में जोड़ा जाता है)
- **संगीत:** हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक; सामवेद भारतीय संगीत का उद्गम है; अमीर खुसरो (सितार, तबला, कव्वाली, खयाल), तानसेन (ध्रुपद, ग्वालियर / अकबर का दरबार), पुरंदरदास - 'कर्नाटक संगीत के पितामह', त्यागराज, मुत्तुस्वामी दीक्षितार एवं श्यामा शास्त्री (कर्नाटक त्रिमूर्ति)

अध्याय 19

दक्षिण भारत: संगम, पल्लव, चालुक्य एवं चोल

संगम काल

- संगम = मदुरै में पांड्य संरक्षण में कवियों की सभा; राजा को कोन, को, मन्नन कहा जाता था

संगम	स्थान	परंपरा
प्रथम	मदुरै	अगस्त्य एवं तोलकाप्पियर
द्वितीय	कपाटपुरम्	अगस्त्य (तोलकाप्पियम् इसी से प्राप्त)
तृतीय	मदुरै	नक्कीर

- अगस्त्य: 'तमिल साहित्य के जनक'; तोलकाप्पियम्: सबसे प्राचीन तमिल व्याकरण, तोलकाप्पियर द्वारा रचित

रचना	रचयिता / विषय
शिलप्पदिकारम्	इलांगो अडिगल (चेर राजकुमार); कण्णगी एवं कोवलन
मणिमेकलै	सत्तनार; बौद्ध महाकाव्य
तिरुक्कुरल (मुप्पाल)	तिरुवल्लुवर; नैतिक ग्रंथ
रामावतारम् (कंब रामायणम्)	कंबन

- राजधानियाँ: चोल - उरैयूर (संगम काल), बाद में तंजावुर; चेर - वंजि; पांड्य - कोरकै, तत्पश्चात् मदुरै
- 26 ई.पू. में रोम (ऑगस्टस) को पांड्य दूतमंडल; पांड्यों ने लगभग 200 ई.पू.-1378 ई. तक शासन किया; मदुरै का मीनाक्षी मंदिर
- वैगै नदी = पांड्यों की जीवन-रेखा; उरैयूर (कावेरी) = सूती वस्त्र का केंद्र, पेरिप्लस में अर्गरू

रोम से व्यापार

- काली मिर्च = यवनप्रिय; पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी (अज्ञात यूनानी व्यापारी, प्रथम शताब्दी ई. का मध्य)
- पश्चिमी बंदरगाह: तोंडी, मुजिरिस, नेल्सिंडा; अरिकामेडु = पोदुके (पुदुच्चेरी), एम्फोरा पात्र, ऑगस्टस की अंतःकृत मुद्रा, 'रोमन नगर' (दूब्रेल)
- श्रेणियाँ: मणिग्रामम्, नानादेसी, वलंजियर, अय्यावोले; नगरम् = नगर के व्यापारी; तगर कल्याण-वेंगी मार्ग पर

पल्लव (कांची)

शासक	उल्लेखनीय तथ्य
सिंहविष्णु (575-600)	अवनिर्षिंह; चोलों, पांड्यों को पराजित किया
महेंद्रवर्मन प्रथम (600-630)	मत्तविलास प्रहसन; सित्तनवासल जैन गुफा; गुहा-मंदिर
नरसिंहवर्मन प्रथम (630-668)	महामल्ल, वातापिकोंड; मामल्लपुरम्; 642 ई. में लंका पर नौसैनिक अभियान भेजे
राजसिंह (नरसिंहवर्मन द्वितीय)	कैलासनाथ, तट मंदिर
परमेश्वरवर्मन प्रथम (670-700)	लोकादित्य, एकमल्ल आदि

- मामल्लपुरम् एवं कांची पल्लव कला के केंद्र; दंडी पल्लव दरबार में रहे

बादामी के चालुक्य

- पुलकेशिन प्रथम वास्तविक संस्थापक (राजधानी वातापी, बादामी, बागलकोट); पुलकेशिन द्वितीय (610-642 ई.) सर्वाधिक महान; नर्मदा तट पर हर्ष को पराजित किया (रविकीर्ति द्वारा रचित ऐहोल अभिलेख, जिसमें कालिदास एवं भारवि का उल्लेख); नरसिंहवर्मन प्रथम से पराजित
- **प्रशासन में महिलाएँ:** विजय भट्टारिका (चंद्रादित्य की रानी) ने ताम्रपत्र जारी किए; कुमकुमादेवी (विजयादित्य की बहन)
- चीनी यात्री मा-त्वान-लिन ने चीन-भारत संबंधों का उल्लेख किया
- **कदंब वंश:** बनवासी (वैजयंती), संस्थापक मयूरशर्मन; पुलकेशिन द्वितीय द्वारा विलय

चोल

- प्रारंभिक चोल (संगम) - अंतराल - मध्यकालीन चोल वंश की स्थापना विजयालय (लगभग 850 ई.; तंजावुर) ने की
- **परांतक प्रथम:** मदुरै-कोंड; तक्कोलम (949 ई.) में राष्ट्रकूट कृष्ण तृतीय से पराजित (राजादित्य मारा गया)
- **राजराज प्रथम (985-1014):** प्रथम नौसेना; कांडलूर सालै में चेर नौसेना को नष्ट किया; उत्तरी श्रीलंका; बृहदीश्वर; मुम्मूडि चोलन; लीडन ताम्रपत्र
- **राजेंद्र प्रथम:** संपूर्ण श्रीलंका जीता (महिंद पंचम), बंगाल के महिपाल को पराजित किया (गंगैकोंड), गंगैकोंडचोलपुरम् राजधानी; श्रीविजय (कडारम) के विरुद्ध नौसैनिक अभियान 1025 ई.; 'बंगाल की खाड़ी चोल झील'; चोल गंगम झील
- **कुलोत्तुंग प्रथम:** 1077 ई. में चीन को 72 व्यापारी भेजे; पुत्री सिंहली राजकुमार को दी; विजयबाहु स्वतंत्र हुआ
- युवराज का मनोनयन राजा द्वारा

चोल प्रशासन	विवरण
मंडलम्	प्रांत (छह)
वलनाडु / कोट्टम	मंडल
नाडु	जिला, सभा नाट्टार
कूर्म	ग्रामों का समूह; उर / सभा / महासभा
उत्तरमेरुर अभिलेख	ग्राम सभा के नियम (परांतक प्रथम)
वारियम्	समितियाँ: एरि (तालाब), तोट्ट (उद्यान), पोन् (स्वर्ण), संवत्सर (वार्षिक)
एरिपट्टि	तालाब के रखरखाव हेतु भूमि
तनियूर	बड़ा ग्राम, जो एक इकाई के रूप में शासित होता था / ब्राह्मणों को दान
घटिका	मंदिर महाविद्यालय

- **कला:** काँस्य नटराज (चार भुजाएँ, लुप्त-मोम), दक्षिणामूर्ति दक्षिणाभिमुख

स्मरणीय

पुस्तक में परांतक प्रथम को भूल से संस्थापक बताया गया है; मध्यकालीन चोल वंश के संस्थापक विजयालय हैं
नटराज: पुरुष का कुंडल दाहिने कान में, स्त्री का बाएँ में (अर्धनारीश्वर)

अध्याय 20

प्राचीन साहित्य एवं रचनाकार

संगम एवं तमिल ग्रंथ

रचना	विषय / रचयिता
तोलकाप्पियम्	व्याकरण एवं काव्यशास्त्र, तोलकाप्पियर; उपलब्ध सबसे प्राचीन तमिल रचना; तीन भाग: एलुत्तु, सोल, पोरुळ
तिरुक्कुरल	दर्शन / नीति, तिरुवल्लुवर; 'लघुवेद', मृप्पाल
शिलप्पदिकारम्	प्रेम एवं व्यापारी की कथा, इलांगो अडिगल
मणिमेकलै	बौद्ध महाकाव्य; व्यापारी की पत्नी की कथा
तिरुमुरै	शैव भजनों के 12 खंड; तमिलों का 'पंचम वेद'

- **आलवार:** 12 वैष्णव संत; नायनार: 63 शैव संत
- **वट्टक्किरुत्तल:** पराजित राजा द्वारा अनुष्ठानिक अनशन से प्राणत्याग
- **तमिल प्रदेश के सिद्ध:** एकेश्वरवादी, मूर्ति-पूजा के विरोधी; लिंगायत (कन्नड़) पुनर्जन्म एवं जाति पर प्रश्न उठाते हैं
- **उदियंजेरल:** चेर, संगम काल का प्राचीनतम ऐतिहासिक राजा
- चेर राजधानी वंजि / करूर; मुजिरिस (केरल), कोरकै (पांड्य), पुहार (चोल) बंदरगाह
- **हल्बी:** बस्तर की पूर्वी इंडो-आर्य भाषा
- **संगम शासक:** केवल चेर, चोल, पांड्य (पल्लव / कदंब संगम काल के नहीं)
- चोल शक्ति का अंत होयसल एवं पांड्यों द्वारा (लगभग 1250-1279); मलिक काफूर ने लगभग 1310 में दक्षिण पर आक्रमण किया
- **मोटुपल्ली:** काकतीय बंदरगाह (मार्को पोलो)
- कुमारपाल चालुक्य (जैन, हेमचंद्र का शिष्य) ने पशु-क्रूरता पर रोक लगाई

शासक	राजवंश
महेन्द्रवर्मन प्रथम	पल्लव
कडुंगोन	पांड्य
अमोघवर्ष प्रथम	राष्ट्रकूट
राजराज प्रथम	चोल

- **कालक्रम:** महेन्द्रवर्मन प्रथम (600) - पाल का गोपाल (750) - भोज प्रतिहार (836-885) - परांतक प्रथम (907-953)

संस्कृत साहित्य

रचना	रचयिता
अष्टाध्यायी	पाणिनि
महाभाष्य	पतंजलि
निरुक्त	यास्क
वार्तिक	कात्यायन
अर्थशास्त्र	कौटिल्य
कामसूत्र	वात्स्यायन
अमरकोश	अमरसिंह

रचना	रचयिता
अभिज्ञानशाकुंतलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्, रघुवंशम्, कुमारसंभवम्, मेघदूतम्, ऋतुसंहार	कालिदास
किरातार्जुनीयम्	भारवि
शिशुपालवध	माघ
नैषधीयचरित	श्रीहर्ष
दशकुमारचरित	दंडी
मृच्छकटिक	शूद्रक
मुद्राराक्षस, देवीचंद्रगुप्तम्	विशाखदत्त
स्वप्नवासवदत्तम्	भास
उत्तररामचरित	भवभूति
रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद	हर्ष
कर्पूरमंजरी	राजशेखर
विक्रमांकदेवचरित	बिल्हण
बृहत्संहिता, पंचसिद्धांतिका	वराहमिहिर
गीत गोविंद	जयदेव (लक्ष्मण सेन का दरबार)
राजतरंगिणी	कल्हण (कश्मीर; जयसिंह के शासनकाल, 1128-49 में रचित)
मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर
गौडवहो (प्राकृत)	वाक्पति (कन्नौज के यशोवर्मन का दरबार)
नाट्यशास्त्र	भरत मुनि
जानकीहरण	कुमारदास
सेतुबंध	प्रवरसेन द्वितीय
बृद्धचरित, सौंदरानंद	अश्वघोष (सौंदरानंद का संपादन हरप्रसाद शास्त्री ने किया)

- **कालिदास का प्रथम नाटक:** मालविकाग्निमित्रम् (विदिशा के अग्निमित्र, शुंग)
- **हेरोडोटस 'इतिहास का जनक':** हिस्टोरीज़ में भारत-फारस संबंधों का वर्णन; प्लिनी: नेचुरल हिस्ट्री
- पंचतंत्र विष्णु शर्मा की रचना; अबुल फजल ने इसका फारसी में अनुवाद अयार-ए-दानिश के नाम से किया
- **शून्य:** अज्ञात भारतीय की देन; अरबों ने 873 ई. से इसका प्रयोग किया; भास्कर द्वितीय के सिद्धांत शिरोमणि में लीलावती, बीजगणित, गणिताध्याय, गोलाध्याय हैं
- **आर्यभटीय:** पृथ्वी गोलाकार एवं घूर्णनशील; आर्यभट्ट को त्रिकोणमिति का जनक कहा जाता है
- **मनुस्मृति:** धर्म पर सबसे प्राचीन छंदोबद्ध रचना
- शृंगार शतक भर्तृहरि के शतकत्रय का भाग है
- **सूरदास:** सूरसागर; तुलसीदास: रामचरितमानस

अध्याय 21

प्राचीन भारत: कालक्रम तथा विज्ञान, साहित्य एवं शिक्षा

प्राचीन कालक्रम

तिथि	घटना
लगभग 7000-2600 ई.पू.	मेहरगढ़ (बलूचिस्तान; कृषि का प्राचीनतम प्रमाण); नवपाषाण काल; भीमबेटका के चित्र (मध्यपाषाण)
लगभग 2600-1900 ई.पू.	परिष्कृत हड़प्पा चरण; पतन लगभग 1900 ई.पू.
लगभग 1500-1000 ई.पू.	पूर्व वैदिक (ऋग्वैदिक) काल (मैक्समूलर का काल-निर्धारण 1200 ई.पू.)
लगभग 1000-600 ई.पू.	उत्तर वैदिक काल; लोहे का प्रयोग; चित्रित धूसर मृदांड
लगभग 600-500 ई.पू.	महाजनपद; बुद्ध (563/483 ई.पू.), महावीर (599/527 ई.पू.)
लगभग 544 ई.पू.	बिंबिसार राजा बना (हर्यंक); अजातशत्रु (492-460 ई.पू.)
लगभग 518 ई.पू.	फारसी दारा प्रथम ने उत्तर-पश्चिम भारत (गांधार, सिंध) जीता
लगभग 413 ई.पू.	शिशुनाग वंश; 345 ई.पू. - नंद वंश (महापद्म)
326 ई.पू.	सिकंदर का आक्रमण (हाइडेस्पीज का युद्ध)
321 ई.पू.	चंद्रगुप्त मौर्य ने नंदों को अपदस्थ किया (चाणक्य); 305 ई.पू. में सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया (मेगस्थनीज का दूतमंडल)
273-232 ई.पू.	अशोक; 261 ई.पू. कलिंग युद्ध; 250 ई.पू. तृतीय बौद्ध संगीति (पाटलिपुत्र)
185 ई.पू.	पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ की हत्या की; शुंग वंश (185-73 ई.पू.)
लगभग दूसरी शताब्दी ई.पू.	इंडो-ग्रीक (डेमेट्रियस, मेनांडर - मिलिंदपन्हो); कलिंग का खारवेल
लगभग 50 ई.पू.-200 ई.	सातवाहन (संस्थापक सिमुक; गौतमीपुत्र सातकर्णि, वासिष्ठीपुत्र पुल्लुमावि)
लगभग प्रथम शताब्दी ई.पू.-चौथी शताब्दी ई.	शक (रुद्रदामन प्रथम, लगभग 130-150 ई., जूनागढ़ अभिलेख); पार्थियन (गोंडोफर्नीज़ - संत थॉमस)
78 ई.	शक संवत् का आरंभ (परंपरानुसार कनिष्क का राज्यारोहण; आधिकारिक राष्ट्रीय पंचांग)
लगभग 78-150 ई.	कनिष्क (कुषाण); चतुर्थ बौद्ध संगीति (कुंडलवन, कश्मीर; वसुमित्र)
319-20 ई.	गुप्त संवत् का आरंभ (चंद्रगुप्त प्रथम)
335-380 ई.	समुद्रगुप्त; 380-415 चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (फाह्यान 399-414); 415-455 कुमारगुप्त प्रथम; 455-467 स्कंदगुप्त (हूण आक्रमण)
476 ई.	आर्यभट्ट का जन्म (कुसुमपुर); आर्यभटीय (499 ई.)
606-647 ई.	हर्ष; 630-644 भारत में ह्वेनसांग
543-755 ई.	बादामी के प्रारंभिक चालुक्य (पुलकेशिन प्रथम, 543; पुलकेशिन द्वितीय 610-42)
600-900 ई.	पल्लव (महेंद्रवर्मन प्रथम, नरसिंहवर्मन प्रथम मामल्ल); मामल्लपुरम्
712 ई.	मुहम्मद बिन कासिम ने सिंध जीता (दाहिर)
750-1161 ई.	पाल; 753-982 राष्ट्रकूट; 836-885 मिहिर भोज
985-1014 ई.	राजराज प्रथम; 1014-44 राजेंद्र प्रथम

विज्ञान एवं गणित

विद्वान	रचना एवं योगदान
आर्यभट (476 ई.)	आर्यभटीय (499); पाई का मान (3.1416); पृथ्वी अपनी धुरी पर घूर्णन करती है; ग्रहणों के कारण; स्थानीय मान; ज्या सारणियाँ
वराहमिहिर	बृहत्संहिता, पंचसिद्धांतिका; खगोलशास्त्र एवं ज्योतिष; परंपरा उन्हें उज्जैन (नवरत्न) से जोड़ती है
ब्रह्मगुप्त (598)	ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त, खंडखाद्यक; शून्य को संख्या के रूप में; गुरुत्वाकर्षण; उज्जैन
भास्कर प्रथम एवं द्वितीय	भास्कर द्वितीय (12वीं शताब्दी): सिद्धान्त शिरोमणि (लीलावती, बीजगणित, ग्रहगणित, गोलाध्याय)
चरक	चरक संहिता (चिकित्सा; कनिष्क के दरबारी चिकित्सक); आयुर्वेद
सूत्रत	सूत्रत संहिता (शल्य-चिकित्सा; प्लास्टिक सर्जरी; 'भारतीय शल्य-चिकित्सा के जनक')
वाग्भट	अष्टांग हृदय (7वीं शताब्दी)
नागार्जुन	रसरत्नाकर (रसायन; सातवाहन); माध्यमिक दर्शन (शून्यवाद)
पतंजलि	महाभाष्य (पाणिनि पर भाष्य) एवं योगसूत्र; शुंग काल
पाणिनि	अष्टाध्यायी (संस्कृत व्याकरण, गांधार, 5वीं शताब्दी ई.पू.)
कौटिल्य	अर्थशास्त्र; विष्णुगुप्त; चंद्रगुप्त के मंत्री
वात्स्यायन	कामसूत्र (गुप्त)
कल्हण	राजतरंगिणी (1148-50)
कालिदास	अभिज्ञानशाकुंतलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्, कुमारसंभवम्, ऋतुसंहार, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्
भरत मुनि	नाट्यशास्त्र
अमरसिंह	अमरकोश (संस्कृत पर्यायवाची कोश; नवरत्न)
शूद्रक	मृच्छकटिक; विशाखदत्त - मुद्राराक्षस, देवीचंद्रगुप्तम्; भास - स्वप्नवासवदत्तम्; भवभूति - महावीरचरित; बाणभट्ट - हर्षचरित, कादंबरी; दंडी - दशकुमारचरित; जयदेव - गीतगोविंद
भर्तृहरि	नीतिशतक, वैराग्य शतक (कवि; वाक्यपदीय)

शिक्षा केंद्र

केंद्र	विवरण
तक्षशिला	गांधार (पाकिस्तान); सबसे प्राचीन; जीवक (बिंबिसार के चिकित्सक), पाणिनि एवं कौटिल्य ने यहाँ अध्ययन किया; बौद्ध एवं ब्राह्मणीय
नालंदा	बिहार (राजगीर); कुमारगुप्त प्रथम (शक्रादित्य) द्वारा स्थापित; ह्वेनसांग ने शीलभद्र के अधीन अध्ययन किया; बख्तियार खिलजी द्वारा नष्ट (1200); धर्मपाल एवं देवपाल ने संरक्षण दिया; नालंदा 'महाविहार' - यूनेस्को स्थल
विक्रमशिला	भागलपुर (बिहार); धर्मपाल (पाल); तंत्रयान; अतीश दीपंकर विद्वान थे; बख्तियार खिलजी द्वारा नष्ट
ओदंतपुरी	बिहार शरीफ; गोपाल (पाल) द्वारा स्थापित
वल्लभी	गुजरात; मैत्रक (ध्रुवसेन प्रथम); हीनयान; नालंदा का प्रतिद्वंद्वी (इत्सिंग)
कांची	पल्लव; घटिका केंद्र; दिङ्नाग (बौद्ध तर्कशास्त्री)
मथुरा, वाराणसी (काशी), उज्जैन, नवद्वीप (नदिया)	ब्राह्मणीय शिक्षा

- **फाह्यान:** फो-क्रो-की; मथुरा, कन्नौज, पाटलिपुत्र, सारनाथ, कुशीनगर की यात्रा की; ह्वेनसांग: सी-यू-की; नालंदा में 5 वर्ष; इत्सिंग: नालंदा में 10 वर्ष, वल्लभी

- नालंदा की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम ने की; बाद में हर्ष एवं पालों ने संरक्षण दिया; ह्वेनसांग ने नालंदा के विद्यार्थियों की संख्या 10,000 बताई; शिक्षकों की संख्या 1,510

अध्याय 22

प्रारंभिक मध्यकालीन भारत: राजपूत एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ

त्रिपक्षीय संघर्ष एवं प्रमुख राजवंश

राजवंश	संस्थापक / प्रमुख शासक	राजधानी / टिप्पणी
गुर्जर-प्रतिहार	वत्सराज (वास्तविक संस्थापक); नागभट्ट प्रथम (730-760); मिहिरभोज (सर्वाधिक महान)	कन्नौज (महोदय श्री / कान्यकुब्ज)
पाल	गोपाल; धर्मपाल (परमसौगत); देवपाल	विक्रमशिला, सोमपुर (पहाड़पुर) के विहार
सेन	लक्ष्मणसेन (1178-1206)	लक्ष्मण संवत्; गीत गोविंद के कवि जयदेव उसके दरबार में
परमार	उपेंद्र / कृष्णराज (9वीं शताब्दी); सीयक द्वितीय वास्तविक संस्थापक; भोज	धार (पहले उज्जैन)
चौलुक्य (सोलंकी)	मूलराज प्रथम (अग्रिकुल)	अन्हिलवाड़; जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल
चौहान (चाहमान)	वासुदेव; विग्रहराज चतुर्थ; पृथ्वीराज तृतीय	अजमेर
गहड़वाल	गोविंदचंद्र; जयचंद्र (अंतिम शक्तिशाली)	कन्नौज / वाराणसी
चंदेल	नन्नक; धंग; विद्याधर; परमर्दिदेव	जेजाकभक्ति (बूंदेलखंड), खजुराहो
तोमर	अनंगपाल तोमर	ढिल्लिका (दिल्ली), 1052 में स्थापित
कलचुरि	गांगेयदेव (विक्रमादित्य की उपाधि)	प्रारंभिक मध्यकालीन उत्तर भारत में स्वर्ण सिकके जारी किए

प्रमुख तथ्य

- पृथ्वीराज तृतीय ने प्रथम तराइन (1191) में गोरी को पराजित किया, द्वितीय तराइन (1192) में पराजित हुआ
- हम्मीर महाकाव्य (नयचंद्र सूरि):** चौहान सूर्यवंशी, चार अग्रिकुल वंशों में से एक
- विग्रहराज चतुर्थ:** सबसे शक्तिशाली चौहान; तोमरों से दिल्ली छीनी, ललितविग्रहराज (सोमदेव) की रचना कराई
- देवपाल ने सुवर्णभूमि (शैलेंद्र, जावा) के बालपुत्रदेव के अनुरोध पर नालंदा विहार हेतु पाँच ग्राम दान किए
- धर्मपाल ने विक्रमशिला एवं सोमपुर का निर्माण कराया; विक्रमशिला को बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया
- कुमारदेवी (गोविंदचंद्र की रानी) ने सारनाथ में धर्मचक्र-जिन विहार बनवाया
- कृत्यकल्पतरु:** लक्ष्मीधर (गोविंदचंद्र के मंत्री)
- आल्हा-ऊदल:** चंदेल राजा परमर्दिदेव (महोबा) के सेनापति
- विद्याधर ने कंदरिया महादेव मंदिर बनवाया; धंग ने प्रयाग संगम पर देह-त्याग किया
- हेमचंद्र:** जैन विद्वान, जयसिंह सिद्धराज के समय, कुमारपाल (1143-72) के परामर्शदाता
- राजशेखर (प्रतिहार दरबार):** कर्पूरमंजरी, काव्यमीमांसा, बालरामायण, विद्वदशालभंजिका
- भोज:** समरांगण सूत्रधार, सरस्वती कंठाभरण, युक्तिकल्पतरु; धार में भोजशाला (1035)
- विधिवेत्ता:** विज्ञानेश्वर (मिताक्षरा), जीमूतवाहन (दायभाग), हेमाद्रि
- मिताक्षरा:** पुत्र का जन्म से अधिकार; दायभाग (बंगाल): पिता की मृत्यु के पश्चात् ही
- पुंड्रवर्धन भुक्ति:** उत्तर बंगाल
- काकतीय बंदरगाह मोटुपल्ली:** मार्को पोलो ने यात्रा की

रचना	रचयिता
पृथ्वीराज रासो	चंद बरदाई
पृथ्वीराजविजय	जयानक

रचना	रचयिता
हम्मीर रासो	जोधराज
आल्हा-खंड (परमाल रासो)	जगनिक
बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह
नवसाहसांकचरित	पद्मगुप्त (परमार)
प्रबंध चिंतामणि	मेरुतुंग
रामचरितम्	संध्याकर नंदी
कुमारपालचरित	हेमचंद्र
विक्रमांकदेवचरित	बिल्हण
नीतिवाक्यामृत	सोमदेव सूरि
कादंबरी, हर्षचरित	बाणभट्ट
नीतिसार	कामंदक
मिलिंदपन्हो (पालि)	नागसेन; इंडो-ग्रीक मेनांडर से संवाद

दरबारी कवि

समुद्रगुप्त - हरिषेण
 चंद्रगुप्त द्वितीय - कालिदास
 हर्ष - बाणभट्ट
 अलाउद्दीन खिलजी - अमीर खुसरो
 कन्नौज का यशोवर्मन - भवभूति, वाक्पति
 लक्ष्मणसेन - जयदेव

प्रारंभिक मध्यकाल के अन्य तथ्य

- गोपाल (पाल संस्थापक) को मत्स्य न्याय समाप्त करने हेतु जनता ने चुना (धर्मपाल का खालिमपुर ताम्रपत्र); नंदिवर्मन पल्लवमल्ल भी जनता द्वारा चुना गया
- ओदंतपुरी विहार:** गोपाल; विक्रमशिला (भागलपुर, बिहार); धर्मपाल (770-810), वज्रयान का केंद्र; नालंदा (कुमारगुप्त प्रथम, 5वीं शताब्दी) को बख्तियार खिलजी ने तहस-नहस किया
- राष्ट्रकूट:** दंतिदुर्ग ने स्थापना की (753), राजधानी मान्यखेट, उज्जैन में हिरण्यगर्भ यज्ञ किया; गोविंद तृतीय ने नागभट्ट द्वितीय को पराजित किया; अमोघवर्ष प्रथम का जन्म श्रीभवन (नर्मदा) के शिविर में हुआ
- मिहिरभोज:** उपाधि आदिवराह, वैष्णव; अरब यात्री सुलेमान ने यात्रा की; अल-मसूदी उसे 'बौरा' तथा राज्य को 'अल-जुज्र' कहता है
- प्रतिहार क्रम:** नागभट्ट प्रथम (730-60) - वत्सराज (775-800) - नागभट्ट द्वितीय (800-33) - मिहिरभोज (836-85) - महेंद्रपाल प्रथम (885-910) - महिपाल (912-44)
- चंदेल क्रम:** यशोवर्मन (925-50) - धंग (950-1002) - विद्याधर (1017-29) - कीर्तिवर्मन (1060-1100)
- सेन क्रम:** सामंतसेन - हेमंतसेन - विजयसेन - बल्लालसेन - लक्ष्मणसेन - विश्वरूपसेन
- समिधेश्वर (त्रिभुवन नारायण) मंदिर, चित्तौड़:** भोज परमार
- उदयपुर प्रशस्ति में भोज की प्रशंसा; अल्बेरूनी ने कलचुरि गांगेयदेव एवं राजधानी त्रिपुरी का वर्णन किया
- जयसिंह सिद्धराज ने खंभात में एक मस्जिद की मरम्मत के लिए धन दिया
- मिथिला का कर्नाट वंश:** नान्यदेव (1097), सिमरौनगढ़; अंतिम शासक हरिसिंह (पंजी प्रथा आरंभ की)
- जैन-उल-आबिदीन (शाही खान):** 'कश्मीर का अकबर', 1420-70; अरघट्ट = फारसी चक्र (रहट)
- परमार इतिहास के स्रोत:** नवसाहसांकचरित, प्रबंध चिंतामणि, हरसोला ताम्रपत्र (सीयक द्वितीय), उदयपुर प्रशस्ति

अध्याय 23

प्रारंभिक मध्यकालीन भारत: राजवंशों का विस्तृत अध्ययन

पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट

राजवंश	संस्थापक / राजधानी	प्रमुख शासक	उल्लेखनीय तथ्य
पाल (बंगाल एवं बिहार, 750-1161)	गोपाल (मत्स्य न्याय समाप्त करने हेतु निर्वाचित); मुद्गगिरि (मुंगेर), पाटलिपुत्र	धर्मपाल (770-810) - विक्रमशिला, सोमपुर (पहाड़पुर); देवपाल - नालंदा को अनुदान; महिपाल प्रथम; रामपाल (संध्याकर नंदी का रामचरित)	बौद्ध (वज्रयान); ओदंतपुरी विहार (गोपाल); तिब्बत से संबंध; अरब लेखक सुलेमान पाल राजा को 'रुहमी' कहता है
गुर्जर-प्रतिहार (कन्नौज, 8वीं-11वीं शताब्दी)	नागभट्ट प्रथम (अवंति / उज्जैन) ने अरबों को पराजित किया; कन्नौज	वत्सराज; नागभट्ट द्वितीय (कन्नौज पर अधिकार); मिहिर भोज (836-85; ग्वालियर प्रशस्ति; आदिवराह सिक्के); महेंद्रपाल प्रथम (राजशेखर); महिपाल प्रथम (अल-मसूदी ने 915 में यात्रा की)	अरब (सुलेमान, अल-मसूदी) ने प्रतिहार अश्वारोही सेना की प्रशंसा की; 'प्रतिहार' = द्वारपाल; महमूद गजनवी ने 1018 में कन्नौज को लूटा (राज्यपाल)
राष्ट्रकूट (मान्यखेट)	दंतिदुर्ग (753, एलिचपुर)	कृष्ण प्रथम (एलोरा का कैलास मंदिर); गोविंद तृतीय; अमोघवर्ष प्रथम (कविराजमार्ग, रत्नमालिका; जैन); कृष्ण तृतीय (तक्कोलम 949 - चोलों को पराजित किया)	कन्नड़ साहित्य का विकास (कृष्ण तृतीय के अधीन पोन्न); अरब (सुलेमान) ने उन्हें 'बल्हरा' कहा

- कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष (8वीं-10वीं शताब्दी) पालों, गुर्जर-प्रतिहारों एवं राष्ट्रकूटों के बीच; धर्मपाल ने कन्नौज में चक्रायुध को बिठाया; ध्रुव (राष्ट्रकूट) ने दोनों को पराजित किया; नागभट्ट द्वितीय ने बाद में चक्रायुध को पराजित किया; गोविंद तृतीय ने नागभट्ट द्वितीय को पराजित किया
- धर्मपाल का खालिमपुर ताम्रपत्र (गोपाल का निर्वाचन); सोमपुर महाविहार (पहाड़पुर, बांग्लादेश, यूनेस्को); विक्रमशिला (भागलपुर, धर्मपाल); ओदंतपुरी (बिहार शरीफ)
- महिपाल प्रथम - नालंदा अभिलेख; धर्मपाल पाल वंश का प्रथम शासक था जिसने परमेश्वर परमभट्टारक महाराजाधिराज की उपाधि धारण की

राजपूत कुल

कुल	राजधानी / क्षेत्र	टिप्पणी
चाहमान (चौहान)	शाकंभरी (सांभर), अजमेरु (अजमेर)	विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव; हरिकेलि नाटक); पृथ्वीराज तृतीय (तराइन 1191 एवं 1192; चंद बरदाई का पृथ्वीराज रासो; पृथ्वीराजविजय)
परमार	धार, उज्जैन (मालवा)	मूंज; भोज (1010-55; समरांगण सूत्रधार; भोजशाला, भोजपुर; सरस्वती-कंठाभरण; चंपू रामायण)
चंदेल	कालिंजर, खजुराहो (जेजाकभुक्ति)	धंग (विश्वनाथ); विद्याधर; परमर्दिदेव (परमाल; महोबा के आल्हा-ऊदल; पृथ्वीराज से पराजित); कंदरिया महादेव
गहड़वाल	कन्नौज, बनारस	चंद्रदेव (संस्थापक), गोविंदचंद्र, जयचंद्र (चंदावर में पराजित, 1194); काशी द्वितीय राजधानी

कुल	राजधानी / क्षेत्र	टिप्पणी
सोलंकी (चौलुक्य)	अनहिलपाटक (पाटन, गुजरात)	मूलराज प्रथम; भीमदेव प्रथम (महमूद ने 1025-26 में सोमनाथ को लूटा); सिद्धराज जयसिंह; कुमारपाल (हेमचंद्र - जैन); माउंट आबू के दिलवाड़ा मंदिर विमल शाह द्वारा (1031)
कलचुरि (त्रिपुरी, चेदि)	त्रिपुरी (जबलपुर)	गांगेयदेव; लक्ष्मीकर्ण
सेन	नदिया, विक्रमपुर	विजयसेन (देवपाड़ा अभिलेख); बल्लालसेन (दानसागर, अद्भुतसागर; कुलीनवाद की परंपरा); लक्ष्मणसेन (जयदेव का दरबार - गीत गोविंद; हलायुध; धोयी)
कश्मीर - कार्कोट एवं लोहार	श्रीनगर	ललितादित्य मुक्तापीड (मार्तंड सूर्य मंदिर); कल्हण (राजतरंगिणी, 1148-50) - संस्कृत की प्रथम ऐतिहासिक रचना; अवंतिवर्मन (उत्पल)
कामरूप (असम)	प्रागज्योतिष	भास्करवर्मन (हर्ष का मित्र; ह्वेनसांग ने यात्रा की); कामरूप के पाल

- **राजपूतों की उत्पत्ति के सिद्धांत:** अग्निकुल (माउंट आबू का अग्निकुंड - प्रतिहार, परमार, चौहान, चालुक्य / सोलंकी; चंद बरदाई); विदेशी उत्पत्ति (टॉड, वी.ए. स्मिथ - शक, हूण); क्षत्रिय (सी.वी. वैद्य, जी.एच. ओझा); मिश्रित
- **राजपूत युग:** सामंतवाद, कुल-आधारित राज्य, त्रिपक्षीय संघर्ष, शौर्य-परंपरा; 36 राजकुल (टॉड); राजस्थान - चौहान, प्रतिहार (मंडोर), गुहिल (मेवाड़ - बप्पा रावल; चित्तौड़); तोमर (दिल्ली, अनंगपाल)
- **चंदेल खजुराहो:** मूलतः 85 मंदिर; 25 शेष (यूनेस्को 1986), नागर शैली; कंदरिया महादेव (विद्याधर, लगभग 1030)

दक्षिण: चोलों का विस्तृत अध्ययन

विषय	तथ्य
उदय	विजयालय (लगभग 850) ने मुत्तुरैयरो से तंजावुर छीना; आदित्य प्रथम; परांतक प्रथम (907-955; वीर-चोल; उत्तरमेरुर अभिलेख; तक्कोलम का युद्ध 949 में राष्ट्रकूट कृष्ण तृतीय से पराजित)
राजराज प्रथम (985-1014)	तंजावुर का बृहदीश्वर (राजराजेश्वर) मंदिर (1010); चेर, पांड्य, श्रीलंका (अनुराधापुर; महिंद पंचम) जीते; लक्षद्वीप, मालदीव; नागपट्टिनम में शैलेंद्र चूड़ामणि विहार; चोलमंडल की भूमि का सर्वेक्षण; 'मुम्मूडि चोल'
राजेंद्र प्रथम (1014-44)	गंगैकॉड चोल ('गंगा का विजेता' - गंगैकॉडचोलपुरम); श्रीविजय (शैलेंद्र संग्रामविजयोत्तुंगवर्मन) के विरुद्ध नौसैनिक अभियान (1025); पाल महिपाल प्रथम (बंगाल) को पराजित किया; चोल शक्ति का चरम
परवर्ती चोल	कुलोत्तुंग प्रथम (चालुक्य-चोल; चूंगी समाप्त की - 'शुंगम तविर्त्ति चोल'); विक्रम चोल; कुलोत्तुंग तृतीय; राजेंद्र तृतीय पांड्य (जटावर्मन सुंदर पांड्य) एवं होयसलों से पराजित; 1279 में अंत
प्रशासन	मंडलम् (प्रांत), वलनाडु, नाडु (जिला), कुर्रम; उर (ग्राम सभा), सभा / महासभा (ब्राह्मण बस्ती; उत्तरमेरुर - कुडवोलै प्रणाली (लॉटरी द्वारा चुनाव, घड़े में पर्ची); वार्ड सदस्यों की योग्यताएँ; वारियम् (समितियाँ)); नगरम् (व्यापारी); नाडु सभाएँ
राजस्व	भूमि-सर्वेक्षण (राजराज), कर: कडमै (भू-कर), वेट्टि (बेगार); देवदान, ब्रह्मदेय, पल्लिचंदम (जैन भूमि), तिरुनामत्तुक्कानि (कर-मुक्त मंदिर भूमि)
व्यापारिक श्रेणियाँ	अय्यावोले 500 (ऐहोल के व्यापारी), मणिग्रामम्, नानादेसी, वलंजियर; चीन को चोल दूतमंडल 1015, 1033; श्रीविजय से व्यापार
कला एवं साहित्य	द्रविड़ मंदिर (तंजावुर का विमान 216 फुट; गंगैकॉडचोलपुरम; दारासूरम् का ऐरावतेश्वर (राजराज द्वितीय); बृहदीश्वर, गंगैकॉड एवं ऐरावतेश्वर - महान जीवंत चोल मंदिर, यूनेस्को); चोल काँस्य (नटराज); कंबर (रामावतारम्, 12वीं शताब्दी), शेक्किलार (पेरिय पूराणम्), जयंकोडार (कलिंगत्तुप्परणि), तिरुत्तक्कदेवर (जीवक चिंतामणि; जैन), पुगळेंदि (नलवेण्बा)
चोल नौसेना	बंगाल की खाड़ी में नौसैनिक श्रेष्ठता; श्रीविजय (कडारम्, 1025) पर चोल नौसैनिक आक्रमण

- **राजराज प्रथम का तंजावुर:** कुंजर मल्लन राजराज पेरुंतच्चन द्वारा निर्मित; श्रीलंका का महिंद पंचम भाग गया; राजेंद्र प्रथम की राजधानी गंगैकोंडचोलपुरम् (अरियलूर)
- **चोल ताम्रपत्र:** लीडन ताम्रपत्र (राजराज प्रथम एवं राजेंद्र प्रथम; चूडामणि विहार का अनुदान), अम्बिल ताम्रपत्र, तिरुवालांगाडु ताम्रपत्र (राजेंद्र प्रथम)

यादव, होयसल, काकतीय एवं पांड्य

राजवंश	राजधानी	प्रमुख तथ्य
देवगिरि के यादव	देवगिरि (दौलताबाद)	भिल्लम पंचम (संस्थापक); सिंघण; रामचंद्र (अलाउद्दीन खिलजी से पराजित, 1296); हेमाद्रि (मंत्री; चतुर्वर्ग चिंतामणि)
होयसल	द्वारसमुद्र (हलेबीडु), बेलूर	विष्णुवर्धन (रामानुज द्वारा जैन धर्म से परिवर्तित, बेलूर में चेत्रकेशव मंदिर 1117); बल्लाल द्वितीय; हलेबीडु में होयसलेश्वर मंदिर (तारकाकार योजना, सेलखड़ी)
काकतीय	वारंगल (ओरुगल्लु)	गणपति; रुद्रमादेवी (रानी; मार्को पोलो ने यात्रा की); प्रतापरुद्र द्वितीय (मलिक काफूर से पराजित, 1310; तुगलक की सेना 1323); रामप्पा मंदिर (यूनेस्को 2021); हजार स्तंभ मंदिर
पांड्य	मदुरै	मारवर्मन सुंदर पांड्य; जटावर्मन सुंदर पांड्य; मार्को पोलो (1288, 1293); क्लेशेखर; मलिक काफूर ने 1311 में आक्रमण किया
पूर्वी गंग	पुरी, कलिंग	अनंतवर्मन चोडगंग (पुरी का जगन्नाथ मंदिर, 12वीं शताब्दी); नरसिंहदेव प्रथम (कोणार्क सूर्य मंदिर, लगभग 1250)

- **कोणार्क सूर्य मंदिर:** नरसिंहदेव प्रथम (गंग), ओडिशा; 12 जोड़ी चक्रों वाला रथ; ब्लैक पगोडा; यूनेस्को (1984)
- **रानी रुद्रमादेवी (काकतीय)** ने लगभग 1262-89 तक शासन किया; 'महिला राजा'; मार्को पोलो ने उनकी प्रशंसा की; तेलुगु चोड, रेड्डी
- **विजयनगर साम्राज्य एवं बहमनी:** परवर्ती दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए 'सैयद, लोदी एवं विजयनगर' अध्याय देखें

अध्याय 24

अरब, गजनवी एवं गोरी के आक्रमण

सिंध पर अरब विजय

- **पैगंबर मुहम्मद:** जन्म लगभग 570, मक्का में; मृत्यु 632
- **उबैदुल्लाह:** पूर्व का अभियान, पराजित हुआ एवं मारा गया
- **मुहम्मद बिन कासिम:** अरब, अल-हज्जाज का भतीजा एवं दामाद; खलीफा अल-वलीद द्वारा भेजा गया; दाहिर से सिंध जीता 712 (वी.डी. महाजन: 711); दाहिर की राजधानी अरोड़ (रोहड़ी / सक्कर के निकट); चचनामा मुख्य स्रोत है (मुहम्मद अली बिन अबू बक्र कूपी द्वारा फारसी अनुवाद; मिर्जा कलीच बेग द्वारा अंग्रेजी अनुवाद, 1900)
- **लेनपूल:** सिंध पर अरब विजय 'एक प्रसंग मात्र' थी, अधूरी रही; तुर्कों ने कार्य पूरा किया
- 'हिंदू' शब्द का प्रयोग पहले फारसियों / ईरानियों ने किया; यूनानी 'इंडिया' कहते थे

गजनवी

बिंद	विवरण
संस्थापक	अल्पतिगिन (सामानियों का तुर्क दास); राजधानी गजनी
महमूद	998 में शासक बना; 17 आक्रमण (1000-1027); खलीफा अल-कादिर बिल्लाह से यमीन-उद-दौला, अमीन-उल-मिल्लत की उपाधियाँ
उद्देश्य	लूट, स्थायी शासन नहीं
सोमनाथ	भीमदेव प्रथम (चौलुक्य) के समय लूटा; 1025-26
चंदेल	विद्याधर पर प्रथम आक्रमण 1019-20
दरबारी विद्वान	उल्बी (तारीख-ए-यामिनी), अल्बेरूनी, बैहाकी, फिरदौसी (शाहनामा; 'पूर्व का होमर'), उंसूरी, असजदी, फरूखी
सिक्के	चाँदी के सिक्के, एक ओर अरबी तथा दूसरी ओर संस्कृत (शारदा) में
अल्बेरूनी	तहकीक-ए-हिंद (किताब-उल-हिंद), अरबी में; सचाऊ ने अंग्रेजी में अनुवाद किया; पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान

- **फरिश्ता (1560-1620):** तारीख-ए-फरिश्ता (गुलशन-ए-इब्राहीमी), बीजापुर के इब्राहीम आदिलशाह द्वितीय को समर्पित

मुहम्मद गोरी

वर्ष	घटना
1175	प्रथम आक्रमण (मुल्तान)
1178	माउंट आबू के निकट मूलराज द्वितीय (भीम द्वितीय) की माता नाइकीदेवी से पराजित: भारत में प्रथम पराजय
1191	तराइन का प्रथम युद्ध: पृथ्वीराज चौहान की विजय
1192	तराइन का द्वितीय युद्ध: गोरी की विजय; तुर्क शासन की नींव
1194	चंदावर का युद्ध (फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश): जयचंद्र गहड़वाल को पराजित किया
1206	गोरी की हत्या; ऐबक का शासन

- **ऐबक:** 1192 से गोरी का प्रतिनिधि (कुहराम, समाना); 1206 तक उत्तर भारत पर नियंत्रण

- **बख्तियार खिलजी:** बिहार (ओदंतपुरी, नालंदा, विक्रमशिला) एवं नदिया (बंगाल) को लगभग 1204 में जीता, जब लक्ष्मणसेन भाग गया; राजधानी लखनौती
- **गोरी के सिक्के:** एक ओर देवी लक्ष्मी, दूसरी ओर अरबी में कलमा
- विजयों के पश्चात् इक्ता प्रणाली आरंभ हुई
- **हसन निजामी (ताज-उल-मआसिर):** पृथ्वीराज के अंत का स्वीकृत विवरण
- **प्रो. हबीब:** तुर्क विजय से 'नगरीय क्रांति' एवं 'ग्रामीण क्रांति' हुई

स्मरणीय

तराइन प्रथम 1191 (पृथ्वीराज), तराइन द्वितीय 1192 (गोरी), चंदावर 1194 (जयचंद्र)
बख्तियार खिलजी ने नालंदा एवं विक्रमशिला को नष्ट किया

अध्याय 25

दिल्ली सल्तनत I: गुलाम (मामलुक) वंश

शासक: एक दृष्टि में

शासक	प्रमुख तथ्य
कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-10)	गोरी का गुलाम, निशापुर के काजी से खरीदा गया; राजधानी लाहौर; 'सुल्तान' की उपाधि कभी धारण नहीं की; 'लाख बख्श'; कुरान खवॉ; 1208 में दासता से मुक्त; चौगान (पोलो) खेलते समय मृत्यु; लाहौर में दफन
इल्तुतमिश (1211-36)	इल्बारी तर्क; 'गुलाम का गुलाम'; राजधानी लाहौर से दिल्ली स्थानांतरित की; 1229 में खलीफा अल-मुस्तनसिर बिल्लाह से खिलअत; 'सुल्तान-ए-आजम'
रजिया (1236-40)	दिल्ली पर शासन करने वाली एकमात्र महिला; चहलगानी (चालीस) द्वारा विरोध; अल्तूनिया (भटिंडा) द्वारा अपदस्थ
बलबन (1266-87)	गयासुद्दीन; उलुग खाँ; 'रक्त एवं लौह'; दैवी राजत्व

कुतुबुद्दीन ऐबक

- तराइन द्वितीय (1192) के पश्चात् गोरी के भारतीय क्षेत्रों का प्रतिनिधि; राज्याभिषेक जून 1206; प्रतिद्वंद्वी यल्दूज (गजनी), कुबाचा (मुल्तान)
- निर्माण:** कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद (दिल्ली); अढ़ाई दिन का झोंपड़ा (अजमेर); कुतुब मीनार का आरंभ (इल्तुतमिश ने पूर्ण किया; ऊपरी मंजिल पर बिजली गिरी; फिरोज तुगलक ने चौथी मंजिल का पुनर्निर्माण किया तथा पाँचवीं मंजिल जोड़ी)
- हसन निजामी (ताज-उल-मआसिर) एवं फख्र-ए-मुदब्बिर को संरक्षण दिया

इल्तुतमिश

- बदायूँ का गवर्नर; खोखर अभियान (1205-06) के पश्चात् गोरी द्वारा दासता से मुक्त
- मंगोल:** चंगेज खाँ (तेमुजिन) जलालुद्दीन मंगबरनी का पीछा करते हुए सिंधु तक पहुँचा (1221); इल्तुतमिश ने शरण देने से इनकार किया
- यल्दूज, कुबाचा को पराजित किया; इवाज खिलजी (बिहार, राजमहल) को पराजित किया तथा मलिक जानी को बिहार का गवर्नर नियुक्त किया
- सिक्के:** चाँदी का टंका (175 ग्रेन) एवं ताँबे का जीतल; टकसाल का नाम; सिक्कों पर खलीफा का नाम
- तुर्कान-ए-चहलगानी (चालीस) का गठन किया; इक्ता प्रणाली आरंभ की
- न्याय:** महल में घंटियों सहित दो संगमरमर के सिंह

रजिया एवं बलबन

- चहलगानी ने विद्रोह किया; भटिंडा के अल्तूनिया ने उसे अपदस्थ किया; बहरामशाह उत्तराधिकारी बना
- बलबन (बहाउद्दीन):** 1233 में इल्तुतमिश द्वारा खरीदा गया; खासदार; उलुग खाँ, नायब-ए-ममलिकत (1249); पुत्री का विवाह नासिरुद्दीन महमूद से किया
- राजत्व का सिद्धांत:** नियाबत-ए-खुदाई, जिल्ल-ए-इलाही; पैगंबर के पश्चात् पद
- सिजदा एवं पाबोस; फारसी पर्व नौरोज; दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग; इमाद-उल-मुल्क अर्ज-ए-ममालिक)
- चहलगानी को समाप्त किया; तुगरिल खाँ (बंगाल) के 1279 के विद्रोह का दमन किया
- मंगोलों के विरुद्ध सुदृढ़ सीमांत दुर्ग

स्मरणीय

इल्तुतमिश = दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक; प्रथम वैध सुल्तान

रजिया = प्रथम एवं एकमात्र महिला; बलबन = राजत्व का सिद्धांत देने वाला प्रथम

अध्याय 26

दिल्ली सल्तनत II: खिलजी एवं तुगलक

खिलजी वंश (1290-1320)

- **जलालुद्दीन खिलजी:** संस्थापक 1290; किलोखरी में राज्याभिषेक; 'उदार निरंकुशता'; अलाउद्दीन को कड़ा-मानिकपुर का गवर्नर बनाया
- **अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316):** उपाधियाँ सिकंदर-ए-सानी, यमीन-उल-खिलाफत, नासिर-ए-अमीर-उल-मोमिनीन; उलेमा / शरीयत से स्वतंत्र (बरनी); अलाउल-मुल्क की सलाह पर नया धर्म चलाने की योजना त्यागी

विजय	वर्ष	टिप्पणी
गुजरात	1299	कर्णदेव; काफूर 'हजार-दीनारी' यहीं प्राप्त हुआ
रणथंभौर	1301	हम्मीरदेव
चित्तौड़	1303	रतन सिंह; जायसी के पद्मावत (1540) में पद्मिनी की कथा
वारंगल (काकतीय)	1303 असफल; 1309-10	प्रतापरुद्र द्वितीय
देवगिरि	1307	रामचंद्र देव को राय रायान बनाया; नवसारी अनुदान में दिया
मंगोल	1306	रावी नदी सीमा बनी; जफर खाँ युद्ध में मारा गया

- **दक्षिण भारत पर आक्रमण (मलिक काफूर):** धन-प्राप्ति के लिए, विलय के लिए नहीं (के.एस. लाल)
- **चार अध्यादेश:** उपहार / पेंशन पर प्रतिबंध; गुप्तचर प्रणाली; मदिरा एवं जुए पर प्रतिबंध; सरदारों के बीच अनुमति के बिना भोज एवं विवाह पर प्रतिबंध
- **राजस्व:** भूमि की माप (पैमाइश) कराने वाला प्रथम; 50% खराज; दीवान-ए-मुस्तखराज; खुत, मुकद्दम, चौधरी के विशेषाधिकार समाप्त किए; खालिसा भूमि का विस्तार; घरी (मकान) एवं चरी (चराई) कर
- **बाजार-नियंत्रण:** शहना-ए-मंडी; दीवान-ए-रियासत; बरीद एवं मुन्हियान; अन्न-भंडार (PDS के समान); सेना को नकद वेतन, स्थायी सेना
- **मुबारकशाह:** स्वयं को खलीफा घोषित किया (अल-इमाम, खलीफतुल्लाह); देवगिरि का नाम कुतुबाबाद रखा
- **खुसरो शाह (1320):** हिंदू धर्म से परिवर्तित; गाजी मलिक से पराजित

तुगलक वंश (1320-1412)

- **गयासुद्दीन तुगलक (गाजी मलिक):** पिता तुर्क, माता जाट; दीपालपुर का गवर्नर; राजस्व 1/10-1/11; नहरें; तुगलकाबाद
- **मुहम्मद बिन तुगलक (1325-51):** सर्वाधिक विद्वान; दीवान-ए-अमीर-ए-कोही (कृषि; 30 कोस वर्गाकार क्षेत्र); राजधानी दौलताबाद; सांकेतिक मुद्रा (ताँबा / काँसा; जालसाजी के कारण असफल; चीन में कुबलई खाँ एवं ईरान में गैखातू से प्रेरित); सिक्कों पर 'अल सुल्तान जिल्ल अल्लाह'; स्वर्ण दीनार (इब्र बतूता)

बरनी की पाँच योजनाएँ	परिणाम
दोआब में कर-वृद्धि	अकाल, विद्रोह
राजधानी दौलताबाद	पलट दी गई
सांकेतिक मुद्रा	असफल
खुरासान अभियान	त्याग दिया गया
कराचिल अभियान	विनाशकारी

- **इब्र बतूता:** मोरक्को निवासी; 1333-42; दिल्ली का काजी; किताब-उल-रिहला; 1342 में दूत के रूप में चीन भेजा गया
- **इसामी:** हिंदू त्योहारों (होली) में सम्मिलित होने वाला प्रथम सुल्तान; भारत में जन्मे अधिकारियों की नियुक्ति की
- **बदायूनी:** 'राजा अपनी प्रजा से मुक्त हो गया तथा प्रजा अपने राजा से'

- **फिरोज शाह तुगलक (1351-88):** दीवान-ए-खैरात, दीवान-ए-बंदगान (1,80,000 दास), दार-उल-शफा चिकित्सालय, रोजगार कार्यालय; हक्क-ए-शर्ब सिंचाई कर (1/10); पाँच नहरें; ब्राह्मणों पर जजिया; फतेहाबाद, हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर, फिरोजाबाद की स्थापना; मेरठ एवं टोपरा से अशोक के स्तंभ दिल्ली लाए गए; संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद (ज्वालामुखी की पांडुलिपियाँ); मुख्य वास्तुकार मलिक गाजी शहाना
- **नासिरुद्दीन महमूद (1394-1412):** अंतिम; तैमूर का आक्रमण 1398; ख्वाजा जहान ने जौनपुर में शर्की वंश की स्थापना की
- **सल्तनत का सर्वाधिक दीर्घकालीन शासक वंश:** तुगलक (1320-1412)

राजवंश	अवधि
गुलाम	1206-90
खिलजी	1290-1320
तुगलक	1320-1412
सैयद	1414-51
लोदी	1451-1526

अध्याय 27

सैयद, लोदी एवं विजयनगर साम्राज्य

सैयद एवं लोदी वंश

- तैमूर का आक्रमण 1398 (नासिरुद्दीन महमूद); खिज़्र ख़ाँ को मुल्तान, लाहौर, दीपालपुर का गवर्नर बनाकर छोड़ा
- खिज़्र ख़ाँ ने सैयद वंश की स्थापना की (1414); 'सुल्तान' की उपाधि धारण नहीं की; आलम शाह अंतिम (1445-51)

लोदी शासक	प्रमुख तथ्य
बहलोल लोदी (1451-89)	संस्थापक; अफगान; बहलोल शाह गाजी; जौनपुर जीता; बहलोली सिक्का अकबर तक प्रचलित रहा
सिकंदर लोदी (1489-1517)	सर्वाधिक महान; आगरा की स्थापना की (1504); गज-ए-सिकंदरी; कवि 'ग़लरुखी'; फरहंग-ए-सिकंदरी; अन्न पर शुल्क समाप्त किया; ताजिया पर प्रतिबंध
इब्राहिम लोदी (1517-26)	खतौली (1518) में राणा सांगा से पराजित; प्रथम पानीपत (21 अप्रैल 1526) में बाबर द्वारा मारा गया

- जौनपुर को 'शिराज-ए-हिंद' कहा जाता था

विजयनगर साम्राज्य (1336-1672)

- संस्थापक:** हरिहर प्रथम एवं बुक्का प्रथम (संगम के पुत्र); पूर्व में काकतीयों, तत्पश्चात् कंपिली के सामंत; विद्यारण्य एवं सायण के मार्गदर्शन में; राजधानी तुंगभद्रा के तट पर

राजवंश	काल	संस्थापक
संगम	1336-1485	हरिहर एवं बुक्का
सालुव	1485-1505	नरसिंह सालुव (प्रौढ़ देवराय को अपदस्थ किया)
तुलुव	1505-70	वीर नरसिंह (इम्मादि नरसिंह को अपदस्थ किया)
अरविडु	1570-1672	तिरुमल (सदाशिव राय को अपदस्थ किया)

- राजधानियाँ:** अनेगुंडी, विजयनगर (हम्पी), पेनुकोंडा, चंद्रगिरि, बाद में वेल्लोर
- कुमार कंपण ने मदुरै जीता (पत्नी गंगादेवी का मदुरा विजयम्)
- हरिहर द्वितीय:** महाराजाधिराज; बहमनियों से बेलगाम एवं गोवा लिया; विरूपाक्ष की उपासना की
- देवराय प्रथम:** तुंगभद्रा पर बाँध, 24 किमी लंबी नहर; देवराय द्वितीय: अब्दुर रज्जाक ने यात्रा की
- कृष्णदेव राय (1509-29):** सर्वाधिक महान; 'आंध्र भोज'; आमुक्तमाल्यद (तेलुगु) एवं मदालसा चरित; अष्टदिग्गज, अल्लसानि पेद्दन 'आंध्र कविता पितामह'; नागलापुरम् (माता नागलादेवी); हजार राम एवं विठ्ठल मंदिर; भटकल में पुर्तगाली दुर्ग; डोमिंगो पेस ने यात्रा की; कुली कुतुब शाह (गोलकुंडा) को पराजित किया; बाबर ने उनकी प्रशंसा की; अच्युत राय उत्तराधिकारी बने
- तालीकोटा (राक्षस-तंगड़ी) जनवरी 1565:** बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुंडा, बीदर बनाम रामराय (सदाशिव राय के मंत्री); बरार सम्मिलित नहीं था; हुसैन निजाम शाह ने रामराय को मारा
- राजस्व:** भू-कर 1/3 से 1/6; 'शिस्त'; केंद्रीय विभाग अठवणे
- तेलुगु कवित्रयी:** नन्नय्य, तिवक्कन्न, एरन्ना (महाभारत)
- मल्लनार्य:** कन्नड़ भाव चिंतारत्न, वीरशैवामृत
- वेंकट द्वितीय:** चंद्रगिरि; वाडियार ने 1612 में मैसूर की स्थापना की
- होयसल:** द्वारसमुद्र (हलेबीडु), होयसलेश्वर मंदिर; चेन्नकेशव, बेलूर (विष्णुवर्धन)
- हम्पी:** विरूपाक्ष एवं विठ्ठल मंदिर; यूनेस्को स्थल
- यूसुफ शाह चक:** कश्मीर का अंतिम शासक; अकबर ने बिहार निर्वासित किया

- **विदेशी यात्री:** निकोलो कोंती (देवराय प्रथम); अब्दुर रज्जाक (देवराय द्वितीय, 1422-46); डोमिंगो पेस (कृष्णदेव राय); फर्नाओ नूनिज़ (अच्युत राय; स्त्रियाँ पहलवान, ज्योतिषी, लेखाकार, भविष्यवक्ता); बुक्का प्रथम ने 1374 में चीन को दूतमंडल भेजा
- **श्रीनाथ:** देवराय द्वितीय के दरबार के तेलुगु कवि; यक्षगान का विकास; कल्याण मंडप; विठ्ठल मंदिर के संगीतमय स्तंभ
- **राजस्व हेतु भूमि-वर्ग:** आर्द्र भूमि, शुष्क भूमि, उद्यान, वन; कारखानों के स्वामी उद्योग-कर देते थे

अध्याय 28

विजयनगर, बहमनी एवं दक्कन की सल्तनतें: विस्तृत अध्ययन

विजयनगर साम्राज्य (1336-1646)

राजवंश	वर्ष	शासक एवं तथ्य
संगम	1336-1485	हरिहर प्रथम एवं बुक्का प्रथम (संस्थापक; शृंगेरी मठ - विद्यारण्य (माधव) एवं सायण); हरिहर द्वितीय; देवराय प्रथम (निकोलो कॉंती); देवराय द्वितीय (अब्दुर रज्जाक; गजबेदेकर - 'हाथियों का शिकारी'; दरबार में तेलुगु कवि श्रीनाथ)
सालूव	1485-1505	सालूव नरसिंह
तुलुव	1505-70	वीर नरसिंह; कृष्णदेवराय (1509-29; तेलुगु में आमुक्तमाल्यद; अष्टदिग्गज; अल्लसानि पेद्दन (मनुचरित्रम्); नंदि तिम्मन; विठ्ठल मंदिर, हजार राम; नागलापुरम्); अच्युत देवराय (नूनिज़); सदाशिव राय (रामराय संरक्षक; तालीकोटा 1565)
अरविडु	1570-1646	तिरुमल (राजधानी पेनूकोंडा); वेंकट तृतीय (पेद्द वेंकट राय, चंद्रगिरि) ने फ्रांसिस डे को मद्रास का स्थान दिया (फोर्ट सेंट जॉर्ज, 1639)

- कृष्णदेवराय:** 'आंध्र भोज', 'अभिनव भोज', 'यवन राज्य स्थापनाचार्य'; तेलुगु दरबारी कवि पेद्दन ('आंध्र कविता पितामह'); कृष्णस्वामी मंदिर बनवाया; हम्पी का हजार राम; विजय: रायचूर (1520), उड़ीसा (गजपति प्रतापरुद्र); पुर्तगाली अल्बुकर्क का दूत (पेस, बारबोसा)
- प्रशासन:** राय; नायंकर (सैन्य सरदार - नायक सैन्य सेवा के बदले भूमि धारण करते थे) प्रणाली; अमर-नायक, आयगार (ग्राम अधिकारी; प्रत्येक ग्राम में 12), महामंडलेश्वर (प्रांत: राज्य / मंडलम्), नाडु, स्थल, ग्राम; भू-राजस्व शिस्त कहलाता था; कडमै भी वसूल किया जाता था
- अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति:** गोवा / भटकल के माध्यम से व्यापार; फारस एवं अरब से घोड़े; मसाले, कपास; मंदिर (विरूपाक्ष, विठ्ठल - पत्थर का रथ; लोटस महल, हाथीशाला); हम्पी यूनेस्को (1986); कन्नड़, तेलुगु, संस्कृत एवं तमिल साहित्य; कृष्णदेवराय का तेलुगु युग
- तालीकोटा (राक्षस-तंगड़ी / बन्निहट्टि; 23 जनवरी 1565): रामराय मारा गया; बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुंडा एवं बीदर का गठबंधन; हम्पी को लूटा गया

बहमनी सल्तनत (1347-1527)

शासक	तथ्य
अलाउद्दीन हसन बहमन शाह (1347-58)	संस्थापक (जफर खाँ); राजधानी गुलबर्गा; मुहम्मद बिन तुगलक के विरुद्ध विद्रोह
मुहम्मद शाह प्रथम	गुलबर्गा; विजयनगर से प्रारंभिक युद्ध; रायचूर दोआब का विवाद
फिरोज शाह बहमनी (1397-1422)	विद्वान; प्रशासन में हिंदूओं को नियुक्त किया; देवराय प्रथम से पराजित (1406)
अहमद शाह प्रथम (1422-36)	राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित की (1424); वली (संत)
महमूद गवाँ	महमूद गवाँ (प्रधानमंत्री, 1463-81; गिलान का फारसी); प्रांतों को आठ तरफों में पुनर्गठित किया; बीदर में मदरसा (1472); रौजत-उल-इंशा; रियाज-उल-इंशा; गवाँ को मुहम्मद शाह तृतीय ने मृत्युदंड दिया (1481)
महमूद शाह (1482-1518)	बहमनी राज्य का पाँच उत्तराधिकारी सल्तनतों में विघटन

- **गवाँ के सुधार:** भूमि-माप, 8 प्रांत (तरफ), तरफदार, अधिकारियों को वेतन, खालिसा (राजकीय) भूमि; किलेदार सुल्तान के अधीन
- **दोआब विवाद:** रायचूर दोआब (कृष्णा-तुंगभद्रा) - बहमनी बनाम विजयनगर
- **बहमनी स्थापत्य:** जामा मस्जिद (गुलबर्गा; मूरिश मेहराबें; रफी), महमूद गवाँ का मदर्सा (बीदर), चाँद मीनार (दौलताबाद; अलाउद्दीन बहमनी, 1445), अहूर के मकबरे

उत्तराधिकारी दक्कनी सल्तनतें (1490-1686)

सल्तनत	संस्थापक / वर्ष	राजधानी	राजवंश / टिप्पणी
अहमदनगर	मलिक अहमद निजाम शाह, 1490	अहमदनगर	निजामशाही; चाँद बीबी (अकबर के विरुद्ध रक्षा 1595-1600); मलिक अंबर (अबीसीनियाई; मुर्तजा निजाम शाह; खिड़की (औरंगाबाद); गुरिल्ला युद्ध गनीमी कावा; भू-राजस्व बंदोबस्त (टोडरमल के समान); मृत्यु 1626)
बीजापुर	यूसुफ आदिल शाह, 1490	बीजापुर	आदिलशाही; इब्राहीम आदिल शाह द्वितीय (इब्राहीमपुर; सफी; किताब-ए-नौरस (गीत); इब्राहीम रौजा); मुहम्मद आदिल शाह (गोल गुंबद; बीजापुर का सबसे बड़ा गुंबद); अफजल खाँ, शिवाजी
बरार	फतहुल्लाह इमाद-उल-मुल्क, 1490	एलिचपुर	इमादशाही; अहमदनगर में विलीन (1574)
गोलकुंडा	कुली कुतुब शाह, 1518	गोलकुंडा, हैदराबाद (1591)	कुतुबशाही; मुहम्मद कुली कुतुब शाह (तेलुगू एवं उर्दू कवि; चारमीनार, हैदराबाद की स्थापना 1591); अबुल हसन तानाशाह (अंतिम; औरंगजेब द्वारा विलय 1687; अक्कना एवं मदना मंत्री)
बीदर	कासिम बरीद, 1492	बीदर	बरीदशाही; बीजापुर में विलीन (1619)

- **'दक्कनी' संस्कृति:** दक्कनी उर्दू (वली दक्कनी), फारसी-तेलुगु-कन्नड़ का मिश्रण; तारीफ-ए-हुसैन शाही, बुरहान-ए-मआसिर (अहमदनगर का इतिवृत्त); फरिश्ता (तारीख-ए-फरिश्ता; बीजापुर; गुलशन-ए-इब्राहीमी)
- अहमदनगर 1600 में मुगलों के हाथ आया (अकबर का दौलताबाद); औरंगजेब ने बीजापुर (1686) एवं गोलकुंडा (1687) का विलय किया

अन्य क्षेत्रीय शक्तियाँ

- **ओडिशा के गजपति:** कपिलेंद्र गजपति (1435-67) ने स्थापना की; पुरुषोत्तम; प्रतापरुद्र गजपति - कृष्णदेवराय से पराजित; चैतन्य के समकालीन
- आंध्र के रेड्डी राज्य (कोंडवीडु, राजमहेंद्री) - प्रोलय वेम रेड्डी (1325)
- **राजपूत:** मेवाड़ - राणा हम्मीर; राणा कुंभा (1433-68; चित्तौड़ का कीर्ति स्तंभ; विजय स्तंभ; संगीत राज; कुंभलगढ़; गुजरात-मालवा पर विजय); राणा सांगा (1509-28; खानवा); राणा प्रताप (1572-97; हल्दीघाटी); राणा अमर सिंह - जहांगीर से संधि (1615); मारवाड़ - राव जोधा (जोधपुर 1459); राव मालदेव; चंद्रसेन; आमेर - मान सिंह प्रथम (अकबर के सेनापति); मिर्जा राजा जय सिंह (पुरंदर 1665); बीकानेर - राय सिंह
- **कश्मीर:** जैन-उल-आबिदीन (बुडशाह, 1420-70; 'कश्मीर का अकबर'; जैनागीर; वुलर झील पर महल; महाभारत का फारसी अनुवाद); शम्सुद्दीन शाह मीर (1339 संस्थापक); सिकंदर 'बुतशिकन'; जोनराज एवं श्रीवर (राजतरंगिणी की परंपरा को आगे बढ़ाया)
- **गुजरात:** अहमद शाह प्रथम (अहमदाबाद 1411); महमूद बेगड़ा (1458-1511; चंपानेर; जूनागढ़; द्वारका); बहादुर शाह (दीव; पुर्तगाली; चित्तौड़ को लूटा 1535; मारा गया 1537); मांडू (मालवा): होशंग शाह (होशंग शाह का मकबरा - प्रथम संगमरमर का मकबरा), महमूद खिलजी (मांडू - हिंडोला महल, जहाज महल, बाज बहादुर एवं रूपमती)
- **बंगाल:** हुसैन शाह (अलाउद्दीन; 1493-1519; नुसरत शाह; महाभारत का अनुवाद; चैतन्य); इलियास शाह (हाजीपुर); राजा गणेश (दनुजमर्दन); गौड़ एवं पांडुआ: अदीना मस्जिद, एकलखी मकबरा, दाखिल दरवाजा
- **जौनपुर:** शिराज-ए-हिंद; शर्की; मलिक सरवर; इब्राहीम; हुसैन शाह (बहलोल लोदी से पराजित 1479); अटाला मस्जिद; जामी मस्जिद

अध्याय 29

सल्तनत का प्रशासन, अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य

प्रशासन

विभाग	अर्थ / संस्थापक
दीवान-ए-विजारत	वित्त; प्रमुख वजीर (तुगलक काल = विजारत का स्वर्ण युग)
दीवान-ए-अर्ज	सैन्य; बलबन
दीवान-ए-इंशा	राजकीय पत्राचार
दीवान-ए-रिसालत	धार्मिक मामले / विदेश संबंध
दीवान-ए-मुस्तखराज	राजस्व बकाया; अलाउद्दीन
दीवान-ए-रियासत	बाजार-नियंत्रण; अलाउद्दीन
दीवान-ए-अमीर-ए-कोही	कृषि; मुहम्मद बिन तुगलक
दीवान-ए-खैरात	दान; फिरोज
दीवान-ए-बंदगान	दास; फिरोज

- **प्रथम वजीर:** अब्बास फजल बिन अहमद (महमूद के अधीन गजनवी)
- शासन = फारसी-अरबी, तुर्क-मंगोल एवं भारतीय तत्वों का मिश्रण; बरनी: वास्तविक रूप से इस्लामी नहीं, क्योंकि बहुसंख्यक गैर-मुस्लिम थे
- **सेना:** दशमलव प्रणाली - सरखेल, सिपहसालार, अमीर, मलिक, खान
- **चार इस्लामी कर:** खराज, जजिया, खम्स (लूट का 1/5; अलाउद्दीन एवं मुहम्मद ने 4/5 रखा), जकात; मुस्लिम भूमि पर उश्त्र
- **इक्ता:** दिल्ली में इल्तुतमिश द्वारा आरंभ; इक्तादार / मुक्ती राजस्व वसूलते थे, सैनिक रखते थे; फवाजिल = शेष राशि जो खजाने में भेजी जाती थी; सियासतनामा (निजाम-उल-मुल्क तूसी)
- **भूमि के प्रकार:** खालिसा (राजकीय), इक्ता (प्रदत्त), इनाम / मिल्क; महरूसा = संरक्षित नगर
- **इकाइयाँ:** शिक - परगना (आमिल, मुशरिफ) - ग्राम; खुत, मुकद्दम, चौधरी (ग्राम का सर्वोच्च राजस्व अधिकारी), पटवारी
- **खरीता-दार:** राजकीय पत्रों का प्रेषक; हदीस = पैगंबर की परंपराएँ; जवाबित = राजकीय विधियाँ

सिक्का	विवरण
टंका	चाँदी; इल्तुतमिश
जीतल	ताँबा; अनुपात 1:48
शशगानी	चाँदी, 6 जीतल
अंतिम खलीफा अल-मुस्तसिम का नाम	अलाउद्दीन मसूद शाह (1242-46) के सिक्कों पर प्रथम बार

स्थापत्य

शासक	इमारतें
ऐबक	कुव्वत-उल-इस्लाम (दिल्ली), अढ़ाई दिन का झोंपड़ा (अजमेर), क़ुतूब मीनार का आरंभ
इल्तुतमिश	क़ुतूब मीनार पूर्ण की; सुल्तान गढ़ी (प्रथम इस्लामी मकबरा, पुत्र नासिरुद्दीन महमूद के लिए); हौज-ए-शम्सी; अतारकिन का दरवाजा (नागौर); इल्तुतमिश का मकबरा
अलाउद्दीन	अलाई दरवाजा (1311; घोड़े की नाल जैसी मेहराब; प्रथम वास्तविक गुंबद); सीरी दुर्ग; हौज-ए-अलाई (हौज खास); हजार स्तून
बलबन	लाल महल; उसका मकबरा (महरौली): प्रथम वास्तविक मेहराब

शासक	इमारतें
गयासुद्दीन तुगलक	तुगलकाबाद
फिरोज	फिरोजाबाद (कोटला), हौज खास मदरसा; फतेहाबाद, हिसार
सिकंदर लोदी	मोठ की मस्जिद
इब्राहिम लोदी	सिकंदर का मकबरा
खिज़्र खाँ	जमात खाना मस्जिद (निजामुद्दीन दरगाह)

- **कुतुब मीनार:** 72.5 मीटर (238 फुट), पाँच मंजिलें; कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर; फिरोज ने चौथी की मरम्मत की, पाँचवीं जोड़ी
- **चाँद मीनार:** दौलताबाद, 15वीं शताब्दी, 210 फुट, चार मंजिलें
- **प्रांतीय शैलियाँ:** अटाला मस्जिद (जौनपुर, शर्की); जहाज महल (मालवा, गयासुद्दीन खिलजी); हिंडोला महल; जामा मस्जिद, गुलबर्गा; लाल दरवाजा (बीबी राजे, जौनपुर)
- **कीर्ति स्तंभ (चिह्नौड़):** राणा कुंभा ने मालवा पर विजय के पश्चात् बनवाया; अत्रि एवं महेश रचयिता
- भारत में कागज का प्रयोग 11वीं-12वीं शताब्दी में प्रारंभ हुआ

स्मारकों का कालक्रमिक क्रम

कुतुब मीनार - तुगलकाबाद - लोदी गार्डन - फतेहपुर सीकरी

अध्याय 30

भारतीय-इस्लामी स्थापत्य एवं प्रांतीय शैलियाँ

भारतीय-इस्लामी स्थापत्य की विशेषताएँ

- तत्त्व:** मेहराब, गुंबद, मीनार, स्किंच (कोणीय आधार), पेंडेंटिव, मिहराब, किबला, मिंबर, जाली, छतरी; अरबेस्क (बेलबूटे) एवं सुलेखन; चूने के गारे का प्रयोग एवं हिंदू शिल्पी; टोडा-शैली से वास्तविक मेहराब तक (बलबन का मकबरा - प्रथम वास्तविक मेहराब; अलाउद्दीन का अलाई दरवाजा - भारत में वास्तविक गुंबद एवं मेहराब का प्रथम प्रयोग)
- चरण:** प्रारंभिक (गुलाम) - कुतुब परिसर; खिलजी; तुगलक - ढालू दीवारें, सादगी; सैयद-लोदी - अष्टकोणीय मकबरे; प्रांतीय शैलियाँ; मुगल

स्मारक	निर्माता	स्थान	टिप्पणी
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	कुतुबुद्दीन ऐबक	दिल्ली	27 हिंदू एवं जैन मंदिरों पर निर्मित; पर्दा इल्लुतमिश द्वारा
कुतुब मीनार	ऐबक, इल्लुतमिश द्वारा पूर्ण; फिरोज द्वारा मरम्मत	दिल्ली	सूफी ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी; 5 मंजिलें (72.5 मीटर); यूनेस्को
अदाई दिन का झोंपड़ा	ऐबक (इल्लुतमिश)	अजमेर	हिंदू-सारासेनिक
सुल्तान गढ़ी	इल्लुतमिश	दिल्ली	भारत में प्रथम इस्लामी मकबरा (पुत्र नासिरुद्दीन महमूद का)
बलबन का मकबरा	बलबन	दिल्ली	प्रथम वास्तविक मेहराब
अलाई दरवाजा	अलाउद्दीन खिलजी	दिल्ली	वास्तविक गुंबद का प्रथम प्रयोग; लाल बलूआ पत्थर एवं श्वेत संगमरमर
जमात खाना मस्जिद	अलाउद्दीन	दिल्ली (निजामुद्दीन)	-
तुगलकाबाद	गयासुद्दीन तुगलक	दिल्ली	किलेबंद नगर; गयासुद्दीन का मकबरा (ढालू दीवारें)
फिरोज शाह कोटला	फिरोज शाह तुगलक	दिल्ली	अशोक का स्तंभ (टोपरा) स्थापित
हौज खास	अलाउद्दीन (जलाशय), फिरोज (मदरसा)	दिल्ली	-
लोदी गार्डन	सैयद / लोदी	दिल्ली	अष्टकोणीय मकबरे (मुहम्मद शाह सैयद, सिकंदर लोदी)
गोल गुंबद	मुहम्मद आदिल शाह	बीजापुर	द्वितीय सबसे बड़ा गुंबद (व्यास 44 मीटर)
चारमीनार	मुहम्मद क़ली कुतुब शाह	हैदराबाद	चार मीनारें; प्लेग
जामी मस्जिद	अहमद शाह	अहमदाबाद (गुजरात)	भारतीय-सारासेनिक
अटाला मस्जिद	इब्राहिम शाह शर्की	जौनपुर	जौनपुर शैली (प्रोपाइलॉन प्रवेश-द्वार)
अदीना मस्जिद	सिकंदर शाह	पांडुआ (बंगाल)	अपने समय की भारत में सबसे बड़ी मस्जिद
होशंग शाह का मकबरा	होशंग शाह	मांडू	भारत में प्रथम संगमरमर का मकबरा
जहाज महल, हिंडोला महल	महमूद खिलजी / गयास शाह	मांडू	मालवा
हुमायूँ का मकबरा	हाजी बेगम	दिल्ली	दोहरा गुंबद; फारसी; यूनेस्को 1993
फतेहपुर सीकरी	अकबर	उत्तर प्रदेश	बुलंद दरवाजा; गुजरात का प्रभाव
ताजमहल	शाहजहाँ	आगरा	पिएत्रा ड्यूरा (रत्न-जड़ाई); संगमरमर

स्मारक	निर्माता	स्थान	टिप्पणी
मोती मस्जिद	शाहजहाँ	आगरा	-
जामा मस्जिद	शाहजहाँ	दिल्ली	सबसे बड़ी मस्जिद

मुगल चित्रकला

शासक	चित्रकला की विशेषताएँ
हुमायूँ	मीर सैयद अली एवं अब्दुस समद (फारसी) को लाए - मुगल चित्रकला की नींव; हम्जानामा (दास्तान-ए-अमीर हम्जा; अकबर; 1400 चित्र; 1562-77)
अकबर	तस्वीर खाना; दसवंत एवं बसावन; हम्जानामा, रज्मनामा (महाभारत), बाबरनामा, अकबरनामा; जैन कल्पसूत्र; फारसी एवं भारतीय शैली का मिश्रण; प्रकृतिवाद
जहाँगीर	मुगल चित्रकला का चरमोत्कर्ष; उस्ताद मंसूर (पशु - ज़ेबरा), अबुल हसन (नादिर-उज-जमान), बिशनदास (व्यक्ति-चित्र), मनोहर, गोवर्धन; तुजुक; प्रकृतिवाद, व्यक्ति-चित्रों पर बल; नृत्यरत दरवेश; बहादुर चंद
शाहजहाँ	दरबारी दृश्य; स्थापत्य; पादशाहनामा; आभूषण; मुहम्मद नादिर, बिचित्र
औरंगजेब	चित्रकला का पतन; प्रांतीय शैलियाँ: राजपूत, पहाड़ी, दक्कनी

- **राजपूत चित्र:** मेवाड़, बूँदी, कोटा, किशनगढ़ (बनी-ठनी - निहाल चंद), जयपुर, मारवाड़; पहाड़ी: कांगड़ा, बसोहली, गुलेर; पट चित्र (ओडिशा), मिथिला, मधुबनी (बिहार), वारली; कंपनी चित्रकला

मध्यकालीन भारत में संगीत

- अमीर खुसरो (ख़्वाल, कव्वाली, सितार, तबला); ग्वालियर के राजा मान सिंह तोमर (ध्रुपद; मान कौतूहल); तानसेन (मियाँ की तोड़ी, मियाँ की मल्हार, दरबारी कान्हड़ा; स्वामी हरिदास; अकबर का दरबार); बैजू बावरा; सदारंग (नियामत खाँ) एवं अदारंग (फिरोज खाँ) - मुहम्मद शाह (ख्वाल); पुरंदर दास; हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत का विभाजन 14वीं शताब्दी; रागमाला चित्र; संगीत रत्नाकर (शार्ङ्गदेव, 13वीं शताब्दी)
- औरंगजेब ने दरबारी संगीत पर प्रतिबंध लगाया (1668) ('संगीत को दफनाना'); किंतु मुगल दरबार में वाद्य संगीत जारी रहा; राजा टोडरमल; बीरबल; अबुल फजल; फैजी; अब्दुर रहीम खान-ए-खाना (रहीम के दोहे)

अध्याय 31

सल्तनत कालीन साहित्य, यात्री एवं विविध तथ्य

इतिहासकार एवं रचनाएँ

रचना	रचयिता
तबकात-ए-नासिरी	मिन्हाज-उस-सिराज (नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित; बख्तियार के बिहार आक्रमण का प्राचीनतम विवरण)
ताज-उल-मआसिर	हसन निजामी
तारीख-ए-फिरोजशाही, फतवा-ए-जहाँदारी	जियाउद्दीन बरनी
तारीख-ए-फिरोजशाही (अन्य)	शम्स-ए-सिराज अफीफ
फुतूहात-ए-फिरोजशाही	फिरोज शाह तुगलक (संस्मरण)
फुतूह-उस-सलातीन	अब्दुल मलिक इसामी
तारीख-ए-मुबारकशाही	याह्या बिन अहमद सरहिंदी (सैयद वंश का इतिहास)
खजाइन-उल-फतूह (तारीख-ए-अलाई), मिफ्ताह-उल-फतूह, नुह सिपिहर, आशिका, किरान-उस-सादैन, तुगलकनामा	अमीर खुसरो
फवाइद-उल-फुआद	अमीर हसन सिज्जी (निजामुद्दीन औलिया की वार्ताएँ)
जवामि-उल-हिकायात	सदीद्दीन मुहम्मद औफी (भारतीय समुद्रों में चूंबकीय दिक्सूचक का प्राचीनतम उल्लेख)
तूतीनामा	जिया नख्शबी (शुक सप्ततिका का फारसी अनुवाद)
मिरात-ए-सिकंदरी	गुजरात का इतिहास (महमूद बेगड़ा)
बुरहान-ए-मआसिर	अहमदनगर / बहमनी का इतिहास
रियाज-उस-सलातीन	बंगाल का इतिहास
रियाज-उल-इंशा	महमूद गवाँ के पत्र
किताब-ए-नौरस	इब्राहीम आदिल शाह द्वितीय (बीजापुर)
संगीत राज (मीमांसा)	राणा कुंभा
हकाइक-ए-हिंदी	अब्दुल वाहिद बिलग्रामी
रास पंचाध्यायी / चैतन्य भागवत	नंददास / वृंदावन दास

अमीर खुसरो

- जन्म 1253, पटियाली (एटा / कासगंज, उत्तर प्रदेश); 'तूती-ए-हिंद'; निजामुद्दीन औलिया के शिष्य; सात से अधिक सुल्तानों की सेवा की (बलबन से मुहम्मद बिन तुगलक तक)
- खड़ी बोली / हिंदवी के प्रवर्तक; सबक-ए-हिंदी फारसी शैली; कव्वाली के प्रवर्तक; सितार एवं तबले का श्रेय (परंपरा); राग इमान, जिल्फ, साजगिरी
- 'न लफ्ज-ए-हिंदी अस्त अज़ फारसी कम'

फारसी एवं यात्री

- फारसी राजकीय भाषा बनी; अपभ्रंश = आधुनिक भारतीय-आर्य भाषाओं का प्रारंभिक रूप

यात्री	मूल स्थान	काल
अल-बिरूनी	ख्वारिज्म	महमूद गजनवी
मार्को पोलो	वेनिस	पांड्य मारवर्मन कलशेखर, लगभग 1288-93
इब्र बतूता	मोरक्को	मुहम्मद बिन तुगलक; 73,000 मील, 44 आधुनिक देश
निकोलो कोंती	इटली	देवराय प्रथम
अब्दुर रज्जाक	फारस	देवराय द्वितीय
डोमिंगो पेस, नूनिज़	पुर्तगाल	कृष्णदेव राय, अच्युत राय
टैवर्नियर	फ्रांस (रत्न-व्यापारी)	शाहजहाँ
निकोलाओ मन्ची	वेनिस	दारा शिकोह का तोपची; स्तोरिया दो मोगोर
टॉमस रो	इंग्लैंड	जहाँगीर

विविध तथ्य

- चौगान (पोलो) तुर्कों द्वारा लाया गया
- दस्तार-बंदान:** उलेमा; कुलाह-दारान: नुकीली टोपी वाले सैयद
- सबसे छोटा राजवंश:** खिलजी; सबसे लंबा: तुगलक
- सैयद क्रम:** खिज़्र खाँ (1414-21) - मुबारक शाह (1421-34) - मुहम्मद शाह (1434-45) - आलम शाह (1445-51)
- ऐन-उल-मुल्क मुल्तानी ने अलाउद्दीन (मालवा विजय 1305), मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज की सेवा की
- चाँद बीबी:** बीजापुर एवं अहमदनगर की संरक्षिका
- खुसरो शाह ने महल में हिंदू पूजा की अनुमति दी
- हेमचंद्र सूरि:** सोलंकी दरबार के जैन विद्वान
- युद्ध:** चंदावर 1194; तैमूर 1398; तालीकोटा 1565; घाघरा 1529; प्लासी 1757; कलिंग 261 ई.पू.; हल्दीघाटी 1576; तराइन 1192

स्मरणीय

अफगानपुर षड्यंत्र: उलुग खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) पर गयासुद्दीन की हत्या का आरोप
जलालुद्दीन खिलजी की 1296 में अलाउद्दीन द्वारा हत्या

अध्याय 32

सल्तनत काल के प्रांतीय राज्य

जौनपुर (शर्की), कश्मीर, गुजरात

- जौनपुर:** फिरोज तुगलक ने चचेरे भाई जौना खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) की स्मृति में बसाया; मलिक सरवर (ख्वाजा-ए-जहाँ, मलिक-उश-शर्क) ने 1394 में स्वतंत्रता घोषित की; दत्तक पुत्र मुबारक शाह
- इब्राहीम शाह शर्की (1402-40):** सर्वाधिक महान; शर्की शैली (अटाला मस्जिद, जामी मस्जिद; मीनार नहीं, प्रोपाइलॉन प्रवेश-द्वार); जौनपुर = 'शिराज-ए-हिंद'; विद्यापति की कीर्तिलता
- हुसैन शाह शर्की (अंतिम) 1479 में बहलोल लोदी से पराजित; लगभग 85 वर्ष टिका
- कश्मीर:** जैन-उल-आबिदीन (शाही खान, 1420-70) 'कश्मीर का अकबर'; जजिया समाप्त किया, गोवध पर प्रतिबंध; महाभारत एवं राजतरंगिणी का फारसी में अनुवाद; वुलर झील में जैना लंक द्वीप; सिकंदर बुतशिकन ने पहले जामा मस्जिद बनवाई
- गुजरात:** जफर खाँ मुजफ्फर शाह बना (1407); फतेह खाँ = महमूद बेगड़ा (1458); चंपानेर एवं गिरनार जीते; बहादुर शाह ने दीव पुर्तगालियों को सौंपा (1535, नूनो दा कुन्हा); मिरात-ए-सिकंदरी
- मेवाड़:** राणा कुंभा (कीर्ति स्तंभ, संगीत राज); विद्वान मुनि सुंदर सूरि, नाथा, तिल्ला भट्ट; मान सिंह तोमर ने गुजरी महल (ग्वालियर) बनवाया
- मालवा:** होशंग शाह; गयासुद्दीन खिलजी ने जहाज महल, मांडू बनवाया
- बंगाल:** अदीना मस्जिद (पांडुआ, सिकंदर शाह), छोटा सोना मस्जिद, कदम रसूल (नुसरत शाह)

बहमनी सल्तनत (1347-1527)

- संस्थापक:** जफर खाँ हसन गंगू (अलाउद्दीन हसन बहमन शाह, 1347); राजधानी गुलबर्गा (हसनाबाद); चार तरफ: गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार, बीदर; हिंदुओं पर जजिया समाप्त किया

उत्तराधिकारी राज्य	संस्थापक	राजवंश
बरार	फतहुल्लाह इमाद शाह	इमादशाही
बीजापुर	यूसुफ आदिल शाह	आदिलशाही
अहमदनगर	मलिक अहमद	निजामशाही
गोलकुंडा	कुली कुतुब शाह	कुतुबशाही
बीदर	कासिम बरीद	बरीदशाही

- इब्राहीम आदिल शाह द्वितीय (बीजापुर):** 'जगद्गुरु'; किताब-ए-नौरस (दक्कनी); नौरसपुर की स्थापना की; मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा = गोल गुंबद (विश्व के सबसे बड़े गुंबदों में से एक)
- अहमदनगर:** शाहजहाँ के अधीन मुगलों ने 1632 में विलय किया; हुसैन निजाम शाह तृतीय को ग्वालियर में कैद किया गया
- गोलकुंडा:** हैदराबाद; हीरे; औरंगजेब ने 1687 में कुतुबशाहियों का अंत किया
- पालेगार (पालैयक्कार):** नायक सैन्य गवर्नर

दक्षिण भारतीय राज्य

राजवंश	राजधानी
पल्लव	कांची
पांड्य	मद्रै
यादव (सेउण)	देवगिरि
काकतीय	वारंगल
होयसल	द्वारसमूद्र (हलेबीड़)

- **काकतीय:** रुद्रदेव, गणपतिदेव; रुद्रमादेवी (रानी; पांड्यों, पूर्वी गंगों, यादवों को पराजित किया)
- **मध्यकालीन हिमाचल के राज्य:** चंपक (चंबा), कुलूत (कुल्लू); दुर्गर (जम्मू)
- **शेरशाह की सड़क-ए-आजम:** सोनारगाँव से लाहौर; फनम = दक्षिण भारत का छोटा स्वर्ण सिक्का
- 13वीं-14वीं शताब्दी में मक्का (मकई) की खेती नहीं होती थी (पुर्तगालियों के साथ आई)
- **ग्राम प्रमुख:** महत्तर / महत्तक, पट्टकिल, ग्रामणी
- **गुंबद / मकबरा क्रम:** बलबन का वास्तविक मेहराब; सिकंदर लोदी का दोहरा गुंबद; शेरशाह का अष्टकोणीय मकबरा

अध्याय 33

भक्ति एवं सूफी आंदोलन

भक्ति आंदोलन

- **उद्गम:** तमिल प्रदेश के आलवार (वैष्णव) एवं नायनार (शैव), 6ठी शताब्दी से; शंकराचार्य (8वीं शताब्दी) अद्वैत; 13वीं-14वीं शताब्दी में उत्तर की ओर प्रसार; 15वीं-16वीं शताब्दी में पुनरुत्थान

आचार्य	दर्शन
शंकर	अद्वैत
रामानुज	विशिष्टाद्वैत
मध्व	द्वैत
निंबार्क	द्वैताद्वैत (सनक संप्रदाय)
वल्लभ	शुद्धाद्वैत (पुष्टिमार्ग)

संत	तथ्य
रामानंद	जन्म प्रयाग, लगभग 1299; हिंदी में उपदेश देने वाले प्रथम; सगुण राम; 12 शिष्य, जिनमें कबीर, रविदास
कबीर	1398-1518; वाराणसी; जुलाहा दंपति नीरू-नीमा; बीजक; सबद, साखी, रमैनी; निर्गुण
गुरु नानक	1469-1539; जन्म तलवंडी (ननकाना साहिब); देहांत करतारपुर; इक ओंकार; लंगर; सिकंदर लोदी का समय
मीराबाई	जन्म कुड़की, मेड़ता (1498); राणा सांगा के पुत्र भोजराज की पत्नी; कृष्ण भक्त
नामदेव	जन्म नरसी, 1270; वारकरी संप्रदाय; गुरु विसोबा खेचर
चैतन्य	1486-1534; नदिया, बंगाल; निमाई / विश्वभर मिश्र; पिता जगन्नाथ मिश्र, माता शची देवी; कृष्ण भक्ति; गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय
शंकरदेव	असम; एकशरण धर्म; 'असम के चैतन्य'
तुलसीदास	1532-1623; रामचरितमानस (अवधी), विनय पत्रिका
दादू दयाल	1544-1603
मलुकदास	जन्म 1574, कड़ा (कौशांबी, उत्तर प्रदेश)
गुरु घासीदास	जन्म 1756, छत्तीसगढ़; सतनामी
त्यागराज	1767-1847; कर्नाटक संगीतकार
रसखान	प्रेमवाटिका, सुजान रसखान (ब्रज)
जायसी	पद्मावत (अवधी), अखरावट, बारहमासा

- **बारह ज्योतिर्लिंग:** सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर
- भक्ति संतों ने क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग किया, जिससे क्षेत्रीय साहित्य का विकास हुआ

सूफी सिलसिले

सिलसिला	संस्थापक / प्रसार	प्रमुख संत
चिश्ती	ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती (अजमेर; मृत्यु 1236; 1192 में गोरी के साथ आए)	बख्तियार काकी, बाबा फरीद (गंज-ए-शकर; पद आदि ग्रंथ में), निजामुद्दीन औलिया (मृत्यु 1325; 'महबूब-ए-इलाही'), सलीम चिश्ती (फतेहपुर सीकरी)
सहरावर्दी	सिंध, पंजाब, मुल्तान	बहाउद्दीन जकरिया
फिरदौसी	बिहार	शरफुद्दीन मनेरी
कादिरि	अब्दुल कादिर जिलानी	मखदूम जिलानी (उच्छ), शाह नियामतुल्लाह
नक्शबंदी	ख्वाजा बहाउद्दीन नक्शबंद; भारत में बाकी बिल्लाह द्वारा	अहमद सरहिंदी 'मुजद्दिद-ए-अल्फ-ए-सानी' (अकबर की उदारता के विरोधी)
शक्तारी	मुहम्मद गौस (ग्वालियर)	जवाहर-ए-खम्सा; हुमायूँ एवं तानसेन से संबंध

- **निजामुद्दीन:** किसी सुल्तान के दरबार में कभी नहीं गए; शिष्य अमीर खुसरो
- खानकाह = सूफी आश्रम; समा = भक्ति संगीत की सभा; शेख = मार्गदर्शक; उलेमा = धार्मिक विद्वान
- **हाजी वारिस अली शाह:** देवा शरीफ, बाराबंकी (उत्तर प्रदेश)

भक्ति-सूफी के अन्य तथ्य

- **कालक्रम:** शंकर (8वीं शताब्दी) - रामानुज (1017-1137) - नामदेव (1270-1350) - कबीर (1398-1518) - नानक (1469-1539) - चैतन्य (1486-1534) - मीराबाई (1498-1546) - तुलसीदास (1532-1623) - दादू (1544-1603) - तुकाराम (1608-50, जहाँगीर / शाहजहाँ के समकालीन)
- वल्लभाचार्य का जन्म चंपारण्य (विक्रम संवत् 1535); पुष्टिमार्ग; शिष्य सूरदास
- **व्यवसाय:** नामदेव दर्जी, कबीर जुलाहा, रविदास मोची, सेना नाई
- नामदेव ने मूर्ति-पूजा, उपवास, तीर्थयात्रा का विरोध किया; मीरा ने राग गोविंद रचा; नानक के सेवक मरदाना
- **वारकरी संप्रदाय:** पीठ पंढरपुर (विठ्ठल / कृष्ण), भीमा (चंद्रभागा) के तट पर
- **तुलसीदास:** जन्म राजापुर (चित्रकूट); पत्नी रत्नावली; गीतावली, कवितावली, विनय पत्रिका; केशवदास: रसिकप्रिया, कविप्रिया, रामचंद्रिका
- नाथपंथियों (मत्स्येन्द्रनाथ, गोरखनाथ) ने हठयोग का अभ्यास किया; सूफियों ने इसे अपनाया (मुहम्मद गौस की बहर-उल-हयात)
- **मुईनुद्दीन चिश्ती:** जन्म सिजिस्तान 1138-39; निशापुर में उस्मान हारूनी के शिष्य; राजा साहू अजमेर दरगाह पर नजर देने वाले प्रथम मराठा
- **बाबा फरीद:** बलबन के दामाद; केंद्र हाँसी एवं अजोधन; निजामुद्दीन का जन्म बदायूँ; चिराग-ए-दिल्ली = नासिरुद्दीन महमूद; सलीम चिश्ती = 'शेख-उल-हिंद'
- **अमीर हसन देहलवी:** 'भारत के सादी'
- **सरहिंदी (1564-1624):** वहदत-उल-शुहूद बनाम वहदत-उल-वजूद; नक्शबंदी सर्वाधिक रूढ़िवादी, समा के विरोधी
- **कादिरि:** दारा शिकोह; सुहरावर्दी: शेख शिहाबुद्दीन

अध्याय 34

बाबर, हुमायूँ एवं शेरशाह सूरी

बाबर (1526-30)

- **जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर:** जन्म 14 फरवरी 1483, फरगना; पिता उमर शेख मिर्जा (तैमूर की वंश-परंपरा), माता कुतलुग निगार खानम (चंगेज / चगताई वंश); 1494 में 11 वर्ष की आयु में गद्दी पर बैठा
- शैबानी खाँ (उज्बेक) से सर-ए-पुल (1501) में पराजित (तुलुगमा रणनीति); 1504 में काबुल लिया एवं 'पादशाह' की उपाधि अपनाई
- भारत आने का निमंत्रण दौलत खाँ लोदी (पंजाब का गवर्नर), आलम खाँ (इब्राहीम का चाचा), राणा सांगा ने दिया

युद्ध	वर्ष	प्रतिद्वंद्वी / परिणाम
प्रथम पानीपत	21 अप्रैल 1526	इब्राहिम लोदी मारा गया; उस्ताद अली कुली (तोपखाना), मुस्तफा (तोपची); तुलुगमा एवं अराबा रणनीति (उस्मानी शैली); भारत में तोपखाने का प्रथम बड़ा प्रयोग
खानवा	16 मार्च 1527	राणा सांगा; बाबर ने जिहाद घोषित किया एवं गाजी की उपाधि ली
चंदेरी	1528	मेदिनी राय
घाघरा	1529	महमूद लोदी / अफगान; अंतिम युद्ध

- **तिथियाँ:** बाबर ने 27 अप्रैल 1526 को स्वयं को सम्राट घोषित किया; मृत्यु 1530 (आगरा, काबुल में दफन)
- बाबरनामा (तुजुक-ए-बाबरी) चगताई तुर्की में; अकबर के काल में अब्दुर रहीम खान-ए-खाना द्वारा फारसी अनुवाद; दीवान-ए-बाबर, मुबय्यन (मसनवी, विधि), रिसाला-ए-उसज / खत-ए-बाबरी
- विजयनगर एवं मेवाड़ को हिंदू राज्य बताया; मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद (अयोध्या) बनवाई
- मुगल दरबार की भाषा फारसी थी, तुर्की नहीं
- बारूद बाबर से पूर्व भारत पहुँच चुकी थी, किंतु उसने तोप एवं बंदूक को लोकप्रिय बनाया

हुमायूँ (1530-40, 1555-56)

- जन्म काबुल 1508; माता माहम बेगम; सौतेले भाई कामरान, अस्करी, हिंदाल
- चुनार का घेरा 1532; गोमती पर दौरा (देवरा) 1532 में महमूद लोदी को पराजित किया
- **चौसा 26 जून 1539:** शेरशाह की विजय; भिश्ती निजाम ने हुमायूँ को बचाया; शेरशाह ने शेरशाह की उपाधि धारण की
- **कन्नौज / बिलग्राम 17 मई 1540:** शेरशाह की विजय
- **सरहिंद 22 जून 1555:** दिल्ली पुनः प्राप्त की; बीकानेर के राव जैतसी ने कामरान को पराजित किया
- दीन पनाह (1533), पुराना किला; हुमायूँ का मकबरा हाजी बेगम द्वारा 1565-72 में निर्मित (वास्तुकार मिरक मिर्जा गियास एवं सैयद मुहम्मद); प्रथम दोहरे गुंबद वाला मुगल मकबरा
- सल्तनत के पश्चात् स्वर्ण सिक्का जारी करने वाला प्रथम हुमायूँ

शेरशाह सूरी (1540-45)

- फरीद खाँ, जौनपुर (शिराज-ए-हिंद) में शिक्षित; बंगाल के नुसरत शाह को पराजित करने पर हजरत-ए-आला की उपाधि; बाघ को मारने पर शेर खाँ
- 22 मई 1545 को कालिंजर में मृत्यु (बारूद विस्फोट; कालिंजर का कीरत सिंह); सम्मेल / गिरी-सुमेल (1544) में मारवाड़ के मालदेव (जैता एवं कुम्पा) के विरुद्ध युद्ध के पश्चात् कथन: 'मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए साम्राज्य खो देता'
- **मकबरा:** सासाराम (रोहतास, बिहार), सरोवर के मध्य, अफगान शैली

सूधार	विवरण
राजस्व	रैयतवाड़ी के समान; भूमि की माप; पट्टा एवं कबूलियत; 1/3 हिस्सा

सूधार	विवरण
प्रशासन	47 सरकार (कानूनगो); बंगाल में 19 सरकार; शिकदार (सैन्य), अमीन-ए-बंगाला (नागरिक; काजी फजीलत)
सैन्य	घोड़ों को दागना (दाग), विवरण-पत्र (चेहरा); अलाउद्दीन से प्रेरित
मुद्रा	चाँदी का रुपया 178 ग्रेन (173 शुद्ध), ताँबे का दाम (380 ग्रेन); 1:64
सड़कें	सड़क-ए-आजम (सोनारगाँव से पेशावर / लाहौर, ग्रैंड ट्रंक रोड); सराय

- **पुराना किला:** हुमायूँ के दीन पनाह का नाम शेरगढ़ किया गया; किला-ए-कुहना मस्जिद
- **वी.ए. स्मिथ:** उसका रुपया परवर्ती ब्रिटिश मुद्रा का आधार है

कालक्रम

दौरा 1532 - चौसा 1539 - कन्नौज 1540 - सरहिंद 1555 - सामूगढ़ 1658

अध्याय 35

अकबर (1556-1605)

प्रारंभिक जीवन एवं विजय

- जन्म 15 अक्टूबर 1542, अमरकोट (राजा वीरसाल का महल); 14 फरवरी 1556 को 13 वर्ष की आयु में कलानौर (गुरदासपुर) में राज्याभिषेक; हुमायूँ की मृत्यु दीन पनाह के पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरने से हुई
- बैरम खाँ:** संरक्षक, वजीर, खान-ए-खाना; माहम अनगा का शासन ('पेटीकोट सरकार'); अधम खाँ (उसका पुत्र) ने अतगा खाँ को मारा, अकबर ने अधम खाँ को मारा (1562)
- द्वितीय पानीपत 1556:** हेमू पराजित

विजय	वर्ष	टिप्पणी
मालवा	1561	बाज बहादुर; अधम खाँ, पीर मुहम्मद
गोंडवाना / गढ़कटंगा	1564	रानी दुर्गावती (अल्पवयस्क वीर नारायण की संरक्षिका) ने युद्ध किया एवं वीरगति पाई; आसफ खाँ
मेवाड़ / चित्तौड़	1568	जयमल एवं पत्ता; राणा उदय सिंह भाग गए
रणथंभौर	1569	
गुजरात	1572-73	इसकी स्मृति में बुलंद दरवाजा (फतेहपुर सीकरी) बनवाया गया
बंगाल / बिहार	1574-76	दाऊद करनी; त्रकारोई 1575
हल्दीघाटी	1576	मान सिंह बनाम राणा प्रताप; हकीम खाँ सूर ने प्रताप के अफगानों का नेतृत्व किया
कश्मीर, सिंध, उड़ीसा, खानदेश, अहमदनगर (चाँद बीबी)	1586-1601	असीरगढ़ 1601 अंतिम

- मारवाड़:** राव चंद्रसेन ने प्रतिरोध किया (भद्राजून 1571), मृत्यु 1581; मेवाड़ के अमर सिंह की जहाँगीर से संधि 1615
- अबुल फजल की 1602 में राजकुमार सलीम के उकसाने पर वीर सिंह बुंदेला द्वारा हत्या

राजपूत नीति

- प्रथम राजपूत वैवाहिक संबंध:** 1562 में आमेर / कछवाहा के भारमल (बिहारी मल) से सांगानेर में; हरखा बाई (जोधा); सलीम का जन्म 1569 में फतेहपुर सीकरी में
- तीर्थयात्रा कर (1563) एवं जजिया (1564) समाप्त किया; मंदिर बनाने की स्वतंत्रता; उच्च पदों पर हिंदू (टोडरमल, मान सिंह, बीरबल, भगवान दास)
- सामाजिक सुधार:** बाँझ न होने पर एक पत्नी; विवाह की आयु (लड़के 16, लड़कियाँ 14); सती को हतोत्साहित किया; विधवा पुनर्विवाह; कन्याओं की सहमति

धार्मिक नीति

कदम	वर्ष
इबादतखाना (फतेहपुर सीकरी)	1575; 1578 में सभी धर्मों के लिए खोला गया
शेख मुबारक द्वारा महजर (अचूकता की घोषणा)	1579; अकबर 'इमाम-ए-आदिल'
दीन-ए-इलाही / तौहीद-ए-इलाही	1582; सम्मिलित होने वाला एकमात्र हिंदू बीरबल; मोहसिन फानी (दबिस्तान-ए-मजाहिब) ने इसे धर्म कहा
सलह-ए-क्ल	सार्वभौमिक शांति

- जौनपुर से अकबर के विरुद्ध फतवा (1580, मुल्ला मुहम्मद यजदी)
- **जैन भिक्षु:** हीरविजय सूरि ('जगद्गुरु'), जिनचंद्र सूरि ('युग प्रधान'); दरबार में जेसुइट (मॉन्सेराट, एकाविवा)
- **स्मिथ:** दीन-ए-इलाही 'मूर्खता का स्मारक'; अकबर को 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा गया

प्रशासन

संस्था	विवरण
मनसबदारी	1574-75 (19वाँ वर्ष) - दशमलव प्रणाली, मध्य एशियाई / मंगोल मूल; जात एवं सवार; प्रत्येक 10 सैनिकों पर 20 घोड़े; वर्ग: मनसबदार (10- <500), अमीर (500-2500), अमीर-उल-उमरा (>2500)
दाग एवं चेहरा	घोड़ों को दागना, विवरण-पत्र (1573-74)
मीर बख्शी	सैन्य विभाग का प्रमुख (सेनाध्यक्ष नहीं)
दीवान	वित्त; प्रथम मुजफ्फर खाँ तुरबती, तत्पश्चात् टोडरमल एवं ख्वाजा शाह मंसूर
जब्ती / आइन-ए-दहसाला	1580; उपज एवं मूल्यों का दस वर्ष का औसत; 1/3 राज्य का हिस्सा; टोडरमल का बंदोबस्त; दस्तूर (मंडल)

- **अकबर के अनुवाद:** रज्मनामा (महाभारत, बदायूँनी, नकीब खाँ, फैजी), रामायण (बदायूँनी), लीलावती (फैजी), अथर्ववेद; मकतबखाना
- **जरी कलम:** मुहम्मद हुसैन कश्मीरी; तानसेन (रामतनु पांडे, ग्वालियर; उपाधि रीवा / ग्वालियर के राजा से)
- राल्फ फिच (1583-86) प्रथम अंग्रेज व्यापारी; ईस्ट इंडिया कंपनी 1600; एलिजाबेथ प्रथम समकालीन

स्थापत्य

- **फतेहपुर सीकरी (राजधानी 1571-85; आगरा से 37 किमी):** जामी मस्जिद ('शान-ए-सीकरी'), बुलंद दरवाजा, पंच महल, जोधाबाई का महल, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, बीरबल का भवन, मरियम का भवन, शेख सलीम चिश्ती का मकबरा; पर्सी ब्राउन: 'स्थापत्य का मोती'
- **अकबरी महल:** आगरा का किला; सिकंदरा का मकबरा (बहिश्ताबाद): अकबर ने आरंभ कराया, जहाँगीर ने 1613 में पूर्ण किया
- **हुमायूँ का मकबरा:** फारसी-भारतीय समन्वय

अध्याय 36

जहाँगीर एवं शाहजहाँ

जहाँगीर (1605-27)

- जन्म 30 अगस्त 1569 (सलीम); आगरा में अक्टूबर / नवंबर 1605 में राज्याभिषेक; उपाधि नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाह गाजी; न्याय की जंजीर (जंजीर-ए-अदल)
- पत्नियाँ:** मान बाई (मान सिंह की बहन; पुत्र खुसरो), जगत गोसाई (पुत्र खुर्रम), नूरजहाँ (मेहरुत्रिसा, शेर अफगन की विधवा; विवाह 1611)
- नूरजहाँ का गुट:** स्वयं, माता अस्मत बेगम, पिता इतमाद-उद-दौला (मिर्जा गियास बेग), भाई आसफ खाँ, राजकुमार खुर्रम (1611-22); बाद में उसने शहरयार (दामाद) का समर्थन किया
- विद्रोह:** खुसरो (1606; उसे आशीर्वाद देने के कारण गुरु अर्जुन देव को मृत्युदंड), खुर्रम (1622, बिलोचपुर 1623 में पराजित), महाबत खाँ (1626)
- दो-अस्पा / सिंह-अस्पा:** मनसबदार जात बढ़ाए बिना दोगुने / तिगुने घोड़े रखता था
- चित्तौड़ की संधि 1615:** राणा अमर सिंह ने अधीनता स्वीकार की; चित्तौड़ लौटाया गया; अभियान का नेतृत्व खुर्रम ने किया
- कांगड़ा किला 1620 में जीता; अहमदनगर के मलिक अंबर ने विरोध किया
- मृत्यु 1627; शाहदरा, लाहौर में दफन (मकबरा नूरजहाँ / शाहजहाँ द्वारा निर्मित)

अंग्रेज यात्री	काल
राल्फ फिच	1583-86 (अकबर)
विलियम हॉकिंस	1608-11; 'इंग्लिश खाँ', 400 का मनसब
विलियम एडवर्ड्स, निकोलस डाउंटन	1614-15
सर टॉमस रो	1615-19; जनवरी 1616 में अजमेर में जहाँगीर से भेंट; जेम्स प्रथम का दूत
फ्रांसिस्को पेलसार्ट	उच्च; जहाँगीर का भारत (रेमॉन्स्ट्रेटी)
पीटर मुंडी	शाहजहाँ

- संस्मरण:** तुजुक-ए-जहाँगीरी (फारसी); इकबालनामा-ए-जहाँगीरी (मुतमिद खाँ)
- चित्रकला का चरमोत्कर्ष:** उस्ताद मंसूर (नादिर-उल-अस; पक्षी एवं पशु), अबुल हसन (नादिर-उज-जमान; व्यक्ति-चित्र), बिशनदास, मनोहर, दौलत, फर्रुख बेग; बसावन एवं दसवंत अकबर के चित्रकार थे
- स्थापत्य:** इतमाद-उद-दौला का मकबरा (आगरा, 1622-28, नूरजहाँ); प्रथम पूर्णतः श्वेत संगमरमर का मुगल मकबरा, पिएत्रा ड्यूरा जड़ाई; सिकंदरा में अकबर का मकबरा 1613 में पूर्ण; शालीमार एवं निशात बाग (कश्मीर); गोविंद महल / बीर सिंह महल (दतिया, 1614)
- आगरा किले के भीतर जहाँगीरी महल
- बीर सिंह बुंदेला ने अबुल फजल की हत्या की एवं पुरस्कृत हुआ

शाहजहाँ (1628-58)

- जन्म 1592 लाहौर; माता जगत गोसाई; 1612 में अर्जुमंद बानो (मुमताज महल, आसफ खाँ की पुत्री) से विवाह; उपाधि अबुल मुजप्फर शिहाबुद्दीन मुहम्मद साहिब-ए-किरान-ए-सानी
- 1648 में राजधानी शाहजहाँनाबाद (दिल्ली) स्थानांतरित; सिजदा समाप्त
- दक्कन:** अहमदनगर का विलय 1633 (हुसैन निजाम शाह तृतीय ग्वालियर में); शाहजी भोंसले ने 1636 में अधीनता स्वीकार की; बीजापुर एवं गोलकुंडा ने 1636 में कर दिया; औरंगजेब दक्कन का सूबेदार 1636-44 तथा 1652-58
- 1649 में कंधार फारस के हाथ चला गया (औरंगजेब एवं दारा पुनः प्राप्त करने में विफल); बल्लू एवं बदख्शाँ अभियान (1646) विफल - मध्यवर्ती राज्य का उद्देश्य
- बनारस के कवींद्राचार्य सरस्वती ने काशी एवं प्रयाग का तीर्थ-कर हटवाया; 'कवींद्र कल्पलता'
- दारा शिकोह:** सिरि-ए-अकबर (52 उपनिषदों का फारसी अनुवाद), मज्मा-उल-बहरैन, योग वासिष्ठ, गीता; उपाधि शाह बुलंद इकबाल; कादिरी
- स्थापत्य का स्वर्ण युग (एल्फिन्स्टन, ए.एल. श्रीवास्तव)

शाहजहाँ का निर्माण	स्थान
ताजमहल	आगरा, 1632-53; उस्ताद अहमद लाहौरी; संगमरमर, पिप्रा ड्यूरा; फारसी-भारतीय
लाल किला	दिल्ली, 1648 में पूर्ण; लाहौरी एवं दिल्ली द्वार
जामा मस्जिद	दिल्ली, 1650-56
दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, मोती मस्जिद, शीश महल, मुसम्मन ब्रज, नगीना मस्जिद	आगरा किला / लाल किला
तख्त-ए-ताउस (मयूर सिंहासन)	उस्ताद बेबादल खाँ; नादिर शाह द्वारा लूटा गया

- **कवि:** कलीम (राजकवि), कुदसी, चंद्रभान ब्राह्मण; इतिहास: अब्दुल हमीद लाहौरी (बादशाहनामा), इनायत खाँ (शाहजहाँनामा), मुहम्मद वारिस
- **मकबरे:** बाबर - काबुल; हुमायूँ - दिल्ली; अकबर - सिकंदरा; जहाँगीर - लाहौर (शाहदरा); शाहजहाँ - ताजमहल, आगरा
- लाल किला अकबर ने नहीं बनवाया; आगरा, इलाहाबाद एवं लाहौर के किले अकबर के हैं

अध्याय 37

औरंगजेब एवं मुगल प्रशासन

उत्तराधिकार का युद्ध एवं औरंगजेब (1658-1707)

- **शाहजहाँ के पुत्र:** दारा शिकोह, शुजा (बंगाल), औरंगजेब (दक्कन), मुराद (गुजरात); पुत्रियाँ जहाँआरा (साहिबात-उज-जमानी), रोशनआरा, गौहरआरा

युद्ध	तिथि	परिणाम
बहादुरगढ़	फरवरी 1658	शुजा बनारस के निकट दारा के पुत्र सुलेमान शिकोह से पराजित
धरमत (उज्जैन)	15 अप्रैल 1658	औरंगजेब एवं मुराद ने जसवंत सिंह एवं कासिम खाँ को पराजित किया
सामूगढ़	29 मई 1658	दारा पराजित (औरंगजेब + मुराद)
खजवा	जनवरी 1659	शुजा पराजित
देवराई (अजमेर)	मार्च 1659	दारा पराजित, 1659 में मृत्युदंड, हुमायूँ के मकबरे में दफन

- **राज्याभिषेक:** 21 जुलाई 1658 एवं 5 जून 1659 (अबुल मुजफ्फर मुहीउद्दीन मुहम्मद औरंगजेब आलमगीर); सुलेमान शिकोह ने श्रीनगर गढ़वाल के पृथ्वी शाह की शरण ली, मेदिनी शाह द्वारा सौंपा गया, ग्वालियर में मृत्यु
- **अध्यादेश:** सुन्नी रूढ़िवाद; दरबारी संगीत, झरोखा दर्शन, तिलक समारोह पर प्रतिबंध; बसंत, होली, दीवाली पर अंकुश; मुहत्तसिब; जजिया 1679 में पुनः लगाया; सती पर नियंत्रण; 'जिंदा पीर', 'शाही दरवेश'

जजिया वर्ग (वार्षिक)	दर
200 दिरहम से कम आय	12 दिरहम
200 से 10,000	24 दिरहम
10,000 से अधिक	48 दिरहम

- **छूट:** स्त्रियाँ, बच्चे, दास, भिखारी, बेरोजगार
- उसके शासन में हिंदू मनसबदारों का अनुपात सर्वाधिक (31.6%, अधिकांश मराठा), जबकि अकबर के समय 22.5%, शाहजहाँ के समय 22.4%
- **राजपूत:** मारवाड़ (जसवंत सिंह की मृत्यु 1678; दुर्गादास); मेवाड़ राणा राज सिंह; राजकुमार अकबर ने 1681 में विद्रोह किया एवं संभाजी की शरण में गया, फिर फारस
- **दक्कन:** बीजापुर का विलय 1686 (सिकंदर आदिल शाह); गोलकुंडा 1687 (अबुल हसन कुतुब शाह; विश्वासघात से द्वार खुले); संभाजी को मृत्युदंड 1689; पुरंदर की संधि 1665 (जय सिंह, शिवाजी)
- **अंग्रेजों से प्रथम संघर्ष:** 1686 (हुगली; शाइस्ता खाँ बनाम जॉब चार्नॉक)
- **कृषक विद्रोह:** जाट (गोकुला 1669, राजा राम, चूड़ामन), सतनामी (1672), सिख (गुरु तेग बहादुर को मृत्युदंड 1675), बुंदेला (चंपत राय, छत्रसाल)
- **निर्माण:** मोती मस्जिद (लाल किला), बादशाही मस्जिद (लाहौर), बीबी का मकबरा (औरंगाबाद; 'दक्खनी ताज'; आजम शाह द्वारा रबिया-उद-दौरानी के लिए निर्मित)
- समर्थ रामदास (1608-81) समकालीन
- औरंगजेब के काल में कोई उल्लेखनीय यूरोपीय यात्री विकल्पों में नहीं; मनुची ने दारा की सेवा की, फिर चिकित्सा का व्यवसाय किया

मुगल प्रशासन

पद	भूमिका
वकील / वजीर / दीवान	राजस्व एवं वित्त का प्रमुख
मीर बख्शी	सैन्य वेतन / नियुक्तियाँ; सरखत जारी करता था; 'वेतन-अधिकारी' (जद्दनाथ सरकार)

पद	भूमिका
मीर सामान	शाही घराना एवं कारखाने
सद्र-उस-सद्र	दान एवं धार्मिक अनुदान (सयूरगल / मदद-ए-मआश)
काजी-उल-कुजात	मुख्य न्यायाधीश
मुहतसिब	सार्वजनिक नैतिकता का निरीक्षक
दारोगा	टकसाल एवं अन्य विभाग

- **प्रांत:** सूबा (सूबेदार / सिपहसालार) - सरकार (फौजदार, अमलगुजार, काजी, कोतवाल, बितिक्वी, खजानदार) - परगना / महल (शिकदार, अमीन) - मौजा / दीह - नगला
- **चकला:** परगना एवं सरकार के बीच की इकाई (शाहजहाँ काल)
- **सूबे:** अकबर के समय 12, बाद में 15
- **अहदी:** सैनिक, सीधे सम्राट के अधीन; दाखिली: राज्य द्वारा वेतनभोगी किंतु मनसबदारों से संलग्न

मनसबदारी

- 33 श्रेणियाँ (सैद्धांतिक रूप से 10 से 10,000; अकबर के समय सरदारों के लिए 5,000 तक, राजकुमारों के लिए 7,000); जात एवं सवार का दोहरा पद (1595 से); वंशानुगत नहीं; नकद अथवा जागीर में वेतन; जागीर हस्तांतरणीय; मशरूत सशर्त पद; भर्ती मीर बख्शी की संस्तुति पर
- दो-अस्पा / सिंह-अस्पा (जहाँगीर) में जात बढ़ाए बिना सवार बढ़ाया गया
- जागीरदार (हस्तांतरणीय अनुदान-प्राप्तकर्ता) बनाम जमींदार (वंशानुगत राजस्व-धारक)
- **खालिसा:** राजकीय भूमि; जागीर: प्रदत्त भूमि
- **राजस्व प्रणालियाँ:** जब्ती, बटाई (फसल-बैटवारा), कनकूत, नसक; माल = भू-राजस्व
- पुर्तगाली तंबाकू लाए; जहाँगीर ने 1617 में प्रतिबंध लगाया
- अकबर के राम-सिया वाले सिक्के; रुपया (चाँदी), दाम (ताँबा); जहाँगीर के सिक्के जिन पर नूरजहाँ का नाम एवं राशि-चिह्न
- **शैतानपुरा:** गणिकाओं की पृथक बस्ती

अध्याय 38

मुगल अर्थव्यवस्था, समाज एवं व्यापार

कृषि अर्थव्यवस्था

- **प्रमुख फसलें:** गेहूँ, चावल, मोटे अनाज (खरीफ एवं रबी); नकदी फसलें (जिन्स-ए-कामिल): कपास, गन्ना, नील (बयाना, सरखेज), अफीम, तंबाकू (जहाँगीर के समय पुर्तगालियों द्वारा लाई गई; जहाँगीर ने धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया), मक्का, आलू, मिर्च, अनन्नास, पपीता (नई दुनिया की फसलें, पुर्तगालियों के माध्यम से)
- **कृषक वर्ग:** खुदकाशत (स्थायी निवासी, भूमि के स्वामी) एवं पाहीकाशत (अस्थायी कृषक); मुजारियन; बलाहार (ग्राम सेवक); जमींदार (वंशानुगत अधिकार; चौधरी, देशमुख, देसाई)
- **सिंचाई:** फारसी चक्र (अरघट्ट; मुगल काल तक व्यापक प्रयोग), कुएँ, नहरें (फिरोज तुगलक की पश्चिमी यमुना नहर), तालाब; मुगल नहरें (शाहजहाँ - शाह नहर)
- **भू-राजस्व:** उपज का 1/3 (अकबर); औरंगजेब के समय कुछ क्षेत्रों में 1/2; जब्ती, कनकूत, बटाई; अबुल फजल की आइन-ए-अकबरी में राजस्व की 'आइन' का विवरण; नकद भुगतान को वरीयता
- **अबवाब** (अतिरिक्त उपकर); जकात (मुसलमानों से), जजिया (गैर-मुसलमानों से; अकबर ने 1564 में समाप्त किया; 1679 में पुनः लगाया), तीर्थ-कर 1563 में समाप्त

शिल्प, उद्योग एवं नगर

उद्योग	केंद्र
सूती वस्त्र	ढाका (मलमल), मसूलीपट्टनम्, बुरहानपुर, अहमदाबाद, खंभात, लाहौर (आगरा भी)
रेशम	कश्मीर, मुर्शिदाबाद, बंगाल (कासिमबाजार), बनारस (ज़री-कारचोबी), गुजरात
शाल एवं कालीन	कश्मीर, लाहौर, फतेहपुर सीकरी, आगरा, जौनपुर
जहाज-निर्माण	गुजरात (सूरत), बंगाल, गोवा, मसूलीपट्टनम्
धातु एवं हथियार	लाहौर (तोपें), सियालकोट (कागज), दक्कन - वुट्ज़ इस्पात (हैदराबाद, गोलकुंडा)
हीरे	गोलकुंडा (कोल्लूर खान; कोहिनूर)
चीनी एवं नील	आगरा (बयाना का नील), बंगाल

- **कारखाने:** शाही कारखाने (बयूतात) - मुगल दरबार; दीवान-ए-बयूतात के अधीन मीर सामान (खान-ए-सामान) द्वारा संचालित
- **प्रसिद्ध नगर:** आगरा, दिल्ली (शाहजहाँनाबाद), लाहौर, फतेहपुर सीकरी, अहमदाबाद, सूरत (मक्का का प्रवेश-द्वार, 'बाब-उल-मक्का'), मसूलीपट्टनम्, ढाका, बुरहानपुर

व्यापार एवं व्यापारी वर्ग

- **स्थल व्यापार:** लाहौर - काबुल - कंधार (फारस, मध्य एशिया); मुल्तान; घोड़ों का आयात; निर्यात - वस्त्र, नील, मसाले, शोरा
- **समुद्री व्यापार:** सूरत, खंभात, भरूच (पश्चिम); मसूलीपट्टनम्, पुलिकट, नागपट्टिनम् (पूर्व); हुगली एवं सतगाँव (बंगाल)
- आयात - घोड़े, बुलियन (अमेरिका से यूरोप के रास्ते चाँदी, 17वीं शताब्दी में बड़ा प्रवाह), हाथीदाँत, मदिरा; निर्यात - सूती वस्त्र (कैलिको), नील, काली मिर्च, शोरा (बिहार), अफीम
- **व्यापारी:** बनिया, सेठ, मारवाड़ी, चेटी, खत्री; हुंडी (विनिमय-पत्र), सर्राफ (मुद्रा-परिवर्तक), शराफ, बोहरा, मुस्लिम खोजा, अर्मेनियाई; जगत सेठ (बंगाल)
- **सिक्के:** रुपया (चाँदी, शेरशाह द्वारा 178 ग्रेन; अकबर का 'जलाली' रुपया), मोहर (स्वर्ण), दाम (ताँबा, रुपये का 1/40); अकबर के इलाही सिक्के; 'टंका'; आगरा, लाहौर, दिल्ली, सूरत में टकसालें
- **माप-तौल:** मन (अकबरी मन लगभग 55 पाउंड), सेर, बीघा (इलाही गज - अकबर का 'इलाही गज', 33 इंच; 1 बीघा = 3600 वर्ग इलाही गज)

समाज एवं संस्कृति

- **कुलीन वर्ग:** तूरानी (मध्य एशिया), ईरानी (फारस), अफगान, राजपूत, दक्कनी, भारतीय मुसलमान (शेखजादे); जहाँगीर एवं शाहजहाँ ने राजपूतों की संख्या बढ़ाई; औरंगजेब - मराठे (बड़ी संख्या में)
- **स्त्रियों की स्थिति:** पर्दा, सती (अकबर ने हतोत्साहित किया), बाल-विवाह; मुगल महिला संरक्षिकाएँ - नूरजहाँ, जहाँआरा (साहिबात-उज-जमानी), रोशनआरा, गुलबदन बेगम (हुमायूँनामा), सलीमा सुल्ताना (कवयित्री), जेबुन्निसा (मखफ़ी)
- दास प्रथा विद्यमान थी; सूफियों एवं भक्त संतों ने हिंदू-मुस्लिम समन्वय को बढ़ावा दिया - फारसी एवं उर्दू (रेख्ता; वली दक्कनी)
- **विदेशी पर्यवेक्षक:** बर्नियर (दिल्ली गरीब; भूमि पर निजी स्वामित्व नहीं - 'पूर्वी निरंकुशता'), टैवर्नियर (हीरे का व्यापार), मनूची, पेलसार्ट (डच; जहाँगीर का आगरा: रेमॉन्स्ट्रेट्टी), रो, टैरी

पतन के सिद्धांत

- **सतीश चंद्र:** जागीरदारी संकट (बेजागिरी); इरफान हबीब: कृषि संकट, कृषक विद्रोह (जाट, सतनामी, सिख, मराठे); एम. अतहर अली: मनसबदारी का क्षय; जदुनाथ सरकार: औरंगजेब की धार्मिक नीति एवं दक्कन के युद्ध; विलियम इरविन: सैन्य दुर्बलता
- **नादिर शाह (1739):** मयूर सिंहासन एवं कोहिनूर ले गया; अहमद शाह अब्दाली (1748-67, 7 आक्रमण); मराठों का उत्कर्ष; अवध, बंगाल, हैदराबाद का उदय

अध्याय 39

मुगल कला, संगीत एवं साहित्य

चित्रकला

- हुमायूँ फारस से मीर सैयद अली एवं अब्दुस समद को लाए (मुगल चित्रकला की नींव)
- अकबर:** तस्वीर खाना (कारखाना); दास्तान-ए-अमीर हमजा (हमजानामा; लगभग 1400 चित्र; 100 कलाकार; 15 वर्ष); रज्मनामा के चित्र; चित्रकार दसवंत (विक्षिप्त, आत्महत्या की), बसावन, मुकुंद, मिस्किन, केशव, लाल; यूरोपीय (पुर्तगाली) प्रभाव: व्यक्ति-चित्र एवं परिप्रेक्ष्य
- जहाँगीर:** स्वर्ण युग; पांडुलिपियों से एलबम एवं एकल व्यक्ति-चित्रों की ओर परिवर्तन; उस्ताद मंसूर (नादिर-उल-अस्र; पक्षी / पशु), अबुल हसन (नादिर-उज्जमान; तुजुक में राज्याभिषेक चित्र), बिशनदास, मनोहर, गोवर्धन, आका रजा, फरूख बेग
- क्षेत्रीय शैलियाँ:** पहाड़ी (कांगड़ा), राजपूत, किशनगढ़ (निहाल चंद की बनी-ठनी; संरक्षक सावंत सिंह 'नागरी दास'); कालीघाट स्वदेशी है

संगीत

- अकबर:** तानसेन (रामतनु पांडे, पूर्व में रीवा के राजा रामचंद्र के दरबार में; उपाधि मियाँ; मकबरा ग्वालियर में मुहम्मद गौस के निकट), स्वामी हरिदास (ध्रुपद; बैजू बावरा एवं तानसेन के गुरु), लाल कलावंत ने अकबर को सिखाया; मान सिंह तोमर द्वारा मल्ल गुर्जरी राग
- जहाँगीर:** विलास खाँ, शाहजहाँ: जगन्नाथ, लाल खाँ, रामदास
- औरंगजेब ने संगीत पर प्रतिबंध लगाया, किंतु वीणा बजाई; नस्तालीक लिखी
- मुहम्मद शाह 'रंगीला':** ख्याल लोकप्रिय (सदारंग, अदारंग); टप्पा / ठुमरी / तराना

रचनाएँ एवं रचयिता

रचना	रचयिता
बाबरनामा (तुजुक-ए-बाबरी)	बाबर; अंग्रेजी अनुवाद लीडन एवं अर्स्किन
हुमायूँनामा	ग़ुलबदन बेगम (बाबर की पुत्री)
हुमायूँनामा (कानून-ए-हुमायूँनी)	ख्वांदमीर
तारीख-ए-शेरशाही	अब्बास खाँ सरवानी
तबकात-ए-अकबरी	निजामुद्दीन अहमद
अकबरनामा, आइन-ए-अकबरी	अबुल फजल (आइन = तीसरा खंड; 1590-96 में रचित)
मुंतखब-उत-तवारीख	बदायूनी
तुजुक-ए-जहाँगीरी	जहाँगीर; इकबालनामा-ए-जहाँगीरी: मृतमिद खाँ
पादशाहनामा	अब्दुल हमीद लाहौरी
शाहजहाँनामा	इनायत खाँ
आलमगीरनामा	मुहम्मद काजिम
मआसिर-ए-आलमगीरी	साकी मुस्तइद खाँ
फतूहात-ए-आलमगीरी	ईश्वरदास नागर
नुस्खा-ए-दिलकुशा	भीमसेन
चहार चमन	चंद्रभान ब्राह्मण
खुलासत-उत-तवारीख	सूजान राय भंडारी
मज्मा-उल-बहरैन, सिरि-ए-अकबर	दारा शिकोह
रहीम सतसई	अब्दुर रहीम खान-ए-खाना
रामचंद्रिका, रसिकप्रिया, कविप्रिया	केशवदास (ओरछा दरबार)

रचना	रचयिता
अयार-ए-दानिश (पंचतंत्र)	अबुल फजल; अनवार-ए-सुहैली: हुसैन वाइज काशिफी; कलीला व दिम्ना: नसरुल्लाह
मुफर्रिह-उल-कुलूब (हितोपदेश)	ताजुद्दीन मुफ्ती
योगवासिष्ठ (फारसी)	निजामुद्दीन पानीपती

- फारसी दरबार की भाषा थी; दिल्ली / लखनऊ के दरबारों में उर्दू
- माहम अनगा ने पुराना किला के सामने खैर-उल-मंजिल मस्जिद बनवाई (मदरसा-ए-बेगम)
- **शिहाब नहर:** फिरोज शाह की राजबवाह का अकबर के काल में शिहाबुद्दीन खाँ द्वारा पुनर्निर्माण
- **सिक्के:** मोहर (स्वर्ण), रुपया (चाँदी), दाम (ताँबा); बाबर का चाँदी का 'शाहरुखी'; ताजा / चलानी / खजाना सिक्का
- **दक्कन का राजस्व:** प्रति हल के आधार पर (जे.एन. सरकार)
- अकबर के काल में हिंदी का स्वर्ण युग; मुगल इतिहासकार: अबुल फजल, बदायूनी, निजामुद्दीन
- **मुगल अधिकारी:** दीवान-ए-तन (जागीर एवं वेतन), मुस्तौफी (आय-व्यय की लेखा-परीक्षा), मुशरिफ (लेखाकार), वाकया-नवीस (समाचार-लेखक)
- **दीवान:** अकबर - मुजफ्फर खाँ; जहाँगीर - इतमाद-उद-दौला; शाहजहाँ - सादुल्लाह खाँ; औरंगजेब - असद खाँ

अध्याय 40

सिख धर्म एवं परवर्ती मुगल काल के तथ्य

दस सिख गुरु

गुरु	प्रमुख योगदान
नानक (1469-1539)	संस्थापक; इक ओंकार; लंगर; भाई लहना को उत्तराधिकारी नामित किया
अंगद	गुरुमुखी लिपि
अमर दास	22 मंजियाँ (धर्म-प्रांत)
राम दास	अकबर द्वारा प्रदत्त भूमि (500 बीघा, बीबी भानी) पर अमृतसर की स्थापना; मसंद
अर्जन देव (1581-1606)	आदि ग्रंथ का संकलन 1604; हरमंदिर साहिब; तरनतारन, करतारपुर (जालंधर दोआब); खुसरो को आशीर्वाद देने के कारण जहाँगीर द्वारा मृत्युदंड; दसवंध
हरगोबिंद	मीरी-पीरी (आध्यात्मिक + लौकिक); अकाल तख्त
हर राय, हर कृष्ण	-
तेग बहादुर (1664-75)	कश्मीरी पंडितों की रक्षा करते हुए औरंगजेब द्वारा चाँदनी चौक में मृत्युदंड (नवंबर 1675)
गोबिंद सिंह (1666-1708)	जन्म पटना; खालसा की स्थापना 13 अप्रैल 1699 को आनंदपुर साहिब में; पाँच ककार (केश, कंधा, कच्छा, कृपाण, कड़ा); सिंह / कौर; 1708 में नांदेड़ (हजूर साहिब) में हत्या; बंदा बहादुर (लछमन देव) उनके शिष्य

- **आदि ग्रंथ:** इसमें कबीर, फरीद, नामदेव, रविदास, जयदेव सम्मिलित; तेग बहादुर के पद बाद में जोड़े गए (गुरु ग्रंथ साहिब)
- दल खालसा का संगठन नवाब कपूर सिंह ने किया (18वीं शताब्दी); हेमकुंड साहिब (चमोली, उत्तराखंड)

मुगलोत्तर आक्रमण एवं युद्ध

घटना	तिथि
सिंधु पर चंगेज खाँ	1221
तैमूर का आक्रमण	1398
बाबर - पानीपत I	1526
हेमू पराजित - पानीपत II	5 नवंबर 1556
हल्दीघाटी	18 जून 1576
असीरगढ़ (मीरन बहादुर)	1601
साम्भरगढ़	1658
शिवाजी की मृत्यु	1680
औरंगजेब की मृत्यु	1707
जाजऊ (बहादुर शाह प्रथम बनाम आजम शाह)	1707
नादिर शाह / करनाल	1739
पानीपत III (अब्दाली बनाम मराठे, सदाशिव राव भाऊ)	14 जनवरी 1761
खेड़ का युद्ध (शाहू बनाम ताराबाई)	1707

- **हेमू (हेमचंद्र विक्रमादित्य):** आदिल शाह सूरी का मंत्री, 22 युद्ध जीते, बैरम खाँ द्वारा सिर काटा गया

- **पुत्र:** बाबर - हुमायूँ, कामरान, अस्करी, हिंदाल; हुमायूँ - अकबर, हकीम; अकबर - सलीम, मुराद, दानियाल; जहाँगीर - खुसरो, खुर्रम, परवेज, शहरयार; शाहजहाँ - दारा, शुजा, औरंगजेब, मुराद
- **मृत्यु क्रम:** शेख मुबारक 1593 - फैजी 1595 - अबुल फजल 1602 - दानियाल 1605

विविध

- **भूमि-अनुदान:** इक्ता (सल्तनत), जागीर (मुगल), अमरम् (विजयनगर), मोकासा (मराठा)
- सूरत = बाब-उल-मक्का (मक्का-द्वार)
- नौरोज पर्व फारस से; मुल्ला निजामुद्दीन का मदरसा (फिरंगी महल, लखनऊ): दर्स-ए-निजामी
- मुअल्लिम = जहाज का नाविक; बंजारे = अनाज के कारवाँ-व्यापारी; सराय = यात्रियों के विश्राम-गृह
- **मकबरों के स्थान:** सलीम चिश्ती (फतेहपुर सीकरी), इतमाद-उद-दौला (आगरा), औरंगजेब (खुल्दाबाद), अब्दुर रहीम खान-ए-खाना (दिल्ली), शेरशाह (सासाराम)
- **बड़ा इमामबाड़ा एवं रूमी दरवाजा (लखनऊ):** आसफ-उद-दौला, चूना-ईट (पत्थर नहीं)
- **टैवर्नियर:** फ्रांसीसी रत्न-व्यापारी (हीरे); विलियम फिंच: इलाहाबाद का चालीस स्तंभों वाला महल; मनूची: स्तोरिया दो मोगोर
- 1 रुपया = 40 दाम; देसाई = मराठा जिला राजस्व संग्राहक; जरीब = भूमि मापने की इकाई
- **मुगलकालीन रानियाँ / वीरांगनाएँ:** अहिल्याबाई होल्कर (इंदौर), ताराबाई, दुर्गावती, पद्मिनी

अध्याय 41

मध्यकालीन भारत: कालक्रम एवं त्वरित तुलनात्मक सारणियाँ

मध्यकालीन कालक्रम

वर्ष	घटना
1000-1027 ई.	महमूद गजनवी के 17 आक्रमण; सोमनाथ 1025-26
1192	तराइन का द्वितीय युद्ध; गोरी ने पृथ्वीराज तृतीय को पराजित किया
1206	कुतुबुद्दीन ऐबक - दिल्ली सल्तनत (गुलाम वंश)
1210	ऐबक की मृत्यु (पोलो); आरामशाह; 1211 इल्तुतमिश
1236-40	रजिया सुल्तान
1266-87	बलबन (मंगोल नियंत्रण; राजत्व का सिद्धांत)
1290	जलालुद्दीन खिलजी - खिलजी वंश
1296-1316	अलाउद्दीन खिलजी; मूल्य-नियंत्रण; रणथंभौर 1301, चित्तौड़ 1303 (रानी पद्मिनी की कथा), दक्षिण में मलिक काफूर (1306-11)
1320	गयासुद्दीन तुगलक - तुगलक वंश
1325-51	मुहम्मद बिन तुगलक (राजधानी दौलताबाद 1327; सांकेतिक मुद्रा 1329-30)
1336	विजयनगर की स्थापना (हरिहर एवं बुक्का; संगम); बहमनी 1347 (अलाउद्दीन हसन बहमन शाह)
1351-88	फिरोज शाह तुगलक
1398	तैमूर का आक्रमण
1414-51	सैयद (खिज़्र खाँ)
1451-1526	लोदी (बहलोल लोदी; सिकंदर लोदी ने 1504 में आगरा बसाया; इब्राहिम लोदी)
1469	गुरु नानक का जन्म
1498	वास्को द गामा कालीकट में
1510	पुर्तगालियों ने गोवा पर अधिकार किया (अल्बुकर्क)
1526	प्रथम पानीपत का युद्ध - मुगल साम्राज्य
1540-55	शेरशाह एवं सूरी का अंतराल
1556	अकबर का राज्यारोहण; द्वितीय पानीपत
1565	तालीकोटा (विजयनगर)
1576	हल्दीघाटी; 1579 महजर; 1582 दीन-ए-इलाही
1600	ईस्ट इंडिया कंपनी को चार्टर (31 दिसंबर)
1605-27	जहाँगीर; 1615 दरबार में रो; 1612 सूरत में अंग्रेजी कोठी
1628-58	शाहजहाँ; ताजमहल 1632-53; 1658 औरंगजेब उत्तराधिकार का युद्ध जीतता है
1674	शिवाजी का राज्याभिषेक
1675	गुरु तेग बहादुर की मृत्युदंड

वर्ष	घटना
1679	जजिया पुनः लगाया (औरंगजेब); 1707 औरंगजेब की मृत्यु
1739	नादिर शाह का आक्रमण (मयूर सिंहासन, कोहिनूर)
1757	प्लासी

दिल्ली सल्तनत के राजवंश

राजवंश	वर्ष	संस्थापक	अंतिम / उल्लेखनीय
गुलाम (मामलुक)	1206-90	कुतुबुद्दीन ऐबक	इल्तुतमिश, बलबन, रजिया; कैकुबाद अंतिम
खिलजी	1290-1320	जलालुद्दीन खिलजी	अलाउद्दीन; कुतुबुद्दीन म्बारक खिलजी अंतिम (खुसरो खाँ द्वारा मारा गया)
तुगलक	1320-1412	गयासुद्दीन तुगलक	मुहम्मद बिन तुगलक; फिरोज; नासिरुद्दीन महमूद अंतिम
सैयद	1414-51	खिज़्र खाँ	अलाउद्दीन आलम शाह अंतिम
लोदी	1451-1526	बहलोल लोदी	इब्राहिम लोदी (पानीपत 1526 में मारा गया)

मुगल सम्राट: एक दृष्टि में

सम्राट	शासनकाल	प्रमुख बिंदु
बाबर	1526-30	पानीपत, खानवा, चंदेरी, घाघरा; बाबरनामा (तुर्की); आगरा में मृत्यु, काबुल में दफन
हुमायूँ	1530-40; 1555-56	चौसा, कन्नौज; फारस; सरहिंद; दीन पनाह के पुस्तकालय से गिरने पर मृत्यु
अकबर	1556-1605	बैरम खाँ संरक्षक; मनसबदारी; जब्ती; दीन-ए-इलाही; फतेहपुर सीकरी; नवरत्न
जहाँगीर	1605-27	नूरजहाँ गुट; रो; खुसरो का विद्रोह; अर्जन देव को मृत्युदंड; न्याय की जंजीर
शाहजहाँ	1628-58	ताज; लाल किला; मयूर सिंहासन; उत्तराधिकार का युद्ध (1657-58); आगरा किले में कैद
औरंगजेब	1658-1707	आलमगीर; दक्कन के युद्ध; जजिया (1679); सतनामी, जाट एवं सिख विद्रोह
बहादुर शाह प्रथम	1707-12	शाह आलम प्रथम
फर्रुखसियर	1713-19	सैयद बंधू; 1717 का फरमान (अंग्रेजों को)
मुहम्मद शाह	1719-48	नादिर शाह 1739
शाह आलम द्वितीय	1759-1806	बक्सर 1764; दीवानी 1765; मराठों का संरक्षण; गुलाम कादिर द्वारा अंधा किया गया (1788)
बहादुर शाह द्वितीय जफर	1837-57	अंतिम मुगल; रंगून निर्वासित (मृत्यु 1862)

सूफी सिलसिले

सिलसिला	संस्थापक / संत	क्षेत्र
चिश्ती	ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती (अजमेर), बख्तियार काकी, फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर (पाकपट्टन), निजामुद्दीन औलिया (दिल्ली), नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली, गेसू दराज (गुलबर्गा), सलीम चिश्ती (फतेहपुर सीकरी)	दिल्ली, राजस्थान, दक्कन; सर्वाधिक लोकप्रिय; समा (संगीत), खानकाह
सुहरावर्दी	शेख शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी; बहाउद्दीन जकरिया (मल्लान)	पंजाब, सिंध; राजकीय संरक्षण स्वीकार किया
कादिरि	अब्दुल कादिर गिलानी; मिर्था मीर एवं मुल्ला शाह बदख्शी (दारा शिकोह के गुरु)	पंजाब, सिंध; दारा शिकोह सम्मिलित हुए
नक्शबंदी	ख्वाजा बाकी बिल्लाह; शेख अहमद सरहिंदी (मजिद-ए-अल्फ-ए-सानी)	रूढ़िवादी; अकबर की उदारता का विरोध; दिल्ली
फिरदौसी	शेख बदरुद्दीन समरकंदी	बिहार (शरफुद्दीन मनेरी)
शक्तारी	शाह अब्दुल्लाह शक्तारी	गुजरात, मांड्र

- **सूफी साहित्य:** फवाइद-उल-फुआद (निजामुद्दीन पर अमीर हसन सिज्जी), कश्फ-उल-महजूब (हुज्वीरी / दाता गंज बख्श), सियर-उल-औलिया (मीर खुर्द), अखबार-उल-अखयार (अब्दुल हक)

मनसबदारी एवं भू-राजस्व: त्वरित तथ्य

- मनसब = पद (जात = व्यक्तिगत पद, सवार = घुड़सवारों की संख्या); 66 श्रेणियाँ (10 से 10,000); 500 से ऊपर के मनसबदार = उमरा; वेतन के बदले जागीर; दाग (घोड़ों को दागना) एवं चेहरा (विवरण-पत्र) - अकबर (अलाउद्दीन के दाग से); दु-अस्पा सिंह-अस्पा (जहाँगीर; अतिरिक्त सवार); माह-मान (शाहजहाँ: प्रत्येक पद पर वर्ष में केवल 6-10 माह का वेतन); औरंगजेब - जागीरों की कमी (बेजागीरी)
- जब्ती (टोडरमल; दहसाला / आइन-ए-दहसाला 1580; अकबर) - माप, उपज का 1/3; कनकूत एवं गल्ला बख्शी (फसल-बँटवारा); नसक (बंगाल, गुजरात)
- **भूमि के वर्ग:** पोलज (वार्षिक खेती), परौती (एक वर्ष परती), चाचर (3-4 वर्ष परती), बंजर (5+ वर्ष परती)
- जागीरदार बनाम खालिसा (राजकीय भूमि); जागीर का हस्तांतरण प्रत्येक 3-4 वर्ष में; जमींदार (वंशानुगत राजस्व-संग्राहक, राजपूत, जाट)

अध्याय 42

मराठे एवं मुगल साम्राज्य का विघटन

शिवाजी (1627/30-1680)

- जन्म शिवनेरी किला; पिता शाहजी, माता जीजाबाई; गुरु / मार्गदर्शक समर्थ रामदास (दासबोध); शिक्षक दादोजी कोंडदेव
- चाकण 1648 में दुर्ग-विजय; अफजल खॉ की हत्या 1659 (प्रतापगढ़); शाइस्ता खॉ पर पुणे में आक्रमण 1663; सूरत की लूट 1664 एवं 1670
- पुरंदर की संधि जून 1665 (जय सिंह कछवाहा); 1666 में आगरा की यात्रा, जयपुर भवन में नजरबंदी, पलायन; सालहेर की विजय 1672
- 1674 में रायगढ़ में वाराणसी के गागा भट्ट (विश्वेश्वर) द्वारा राज्याभिषेक; उपाधि छत्रपति; क्षत्रिय घोषित; राजधानी रायगढ़
- बीजापुर के अधीन रहने के इच्छुक देशमुखों का विरोध

अष्टप्रधान	कार्य
पेशवा (मुख्य प्रधान)	प्रधानमंत्री
अमात्य (मजूमदार)	वित्त / राजस्व
मंत्री (वाकियानवीस)	गुप्तचर, दरबार के अभिलेख
सचिव (सूरनवीस)	राजकीय पत्राचार
सुमंत (दबीर)	विदेश संबंध
सेनापति (सर-ए-नौबत)	सैन्य
पंडितराव	धर्म, दान
न्यायाधीश	न्याय

- मंत्री विभागों के प्रमुख थे, मंत्रिमंडल नहीं; परामर्शदात्री भूमिका
- **राजस्व:** पड़ोसी क्षेत्रों पर चौथ (1/4) एवं सरदेशमुखी (1/10); मलिक अंबर-शैली के सर्वेक्षण द्वारा रैयतवाड़ी के समान निर्धारण; सरंजामी (सैन्य अनुदान); सिक्के होन, लारी (चाँदी), टका
- अभिलेखों के लिए मोड़ी लिपि का प्रयोग

शिवाजी के पश्चात्

शासक / पेशवा	वर्ष
संभाजी	1680-89 (औरंगजेब द्वारा मृत्युदंड)
राजाराम	1689-1700 (जिंजी)
शिवाजी द्वितीय (ताराबाई संरक्षिका)	1700-08
शाहू	1708-49; ताराबाई के विरुद्ध खेड़ का युद्ध 1707
बालाजी विश्वनाथ	1713-20; सैयद बंधुओं से संधि 1719 (चौथ / सरदेशमुखी, शाहू के परिवार की मुक्ति)
बाजीराव प्रथम	1720-40
बालाजी बाजीराव	1740-61; सांगोला की संधि 1750 ने पेशवा को वास्तविक प्रमुख बनाया
माधवराव प्रथम	1761-72
नारायणराव	1772-73 (चाचा रघुनाथराव द्वारा हत्या)
रघुनाथराव (राघोबा)	1773-74

- **मराठा संघ:** पेशवा (पुणे), गायकवाड़ (बड़ौदा), होल्कर (इंदौर; अहिल्याबाई ने राजधानी महेश्वर स्थानांतरित की), सिंधिया (ग्वालियर), भोंसले (नागपुर)

- **पानीपत III, 14 जनवरी 1761:** अब्दाली बनाम सदाशिव राव भाऊ; कारण: मराठों ने तैमूर शाह को लाहौर से निकाला; नजीब-उद-दौला एवं शुजा-उद-दौला ने अब्दाली का साथ दिया; काशीराज पंडित प्रत्यक्षदर्शी
- अब्दाली ने 1757 में दिल्ली में प्रवेश किया; आलमगीर द्वितीय सम्राट, इमाद-उल-मुल्क वजीर, नजीब मीर बख्शी

परवर्ती मुगल

सम्राट	वर्ष / टिप्पणी
बहादुर शाह प्रथम (मुअज्जम, शाह आलम प्रथम)	1707-12; 'शाह-ए-बेखबर' (खफी खाँ)
जहाँदार शाह	1712-13; ज़ल्फिकार खाँ द्वारा बनाया गया; 'लंपट मूर्ख'
फर्रुखसियर	1713-19; 1717 के फरमान ने कंपनी को बंगाल में शुल्क-मुक्त व्यापार दिया (वार्षिक रु. 3000); सैयद बंधुओं द्वारा बनाया गया
मुहम्मद शाह 'रंगीला'	1719-48; नादिर शाह का आक्रमण 1739 (करनाल); मयूर सिंहासन एवं कोहिनूर ले जाया गया
अहमद शाह	1748-54
आलमगीर द्वितीय	1754-59
शाह आलम द्वितीय (अली गौहर)	1759-1806; कंपनी ने 1803 में दिल्ली ले ली
अकबर द्वितीय	1806-37
बहादुर शाह द्वितीय जफर	1837-57; अंतिम मुगल; रंगून निर्वासित; मृत्यु 1862; पेंशन रु. 1 लाख प्रतिमाह

- **सैयद बंधु (अब्दुल्लाह, हुसैन अली):** राजा बनाने वाले, हिंदुस्तानी दल; मुहम्मद शाह के अधीन अंत
- आनंद राम मुखलिस ने नादिर शाह की लूट का वर्णन किया
- **स्वतंत्र राज्य:** हैदराबाद (निजाम-उल-मुल्क चिन किलिच खाँ, 1724, शकर-खेड़ा के पश्चात); अवध (सआदत खाँ बुरहान-उल-मुल्क, 1722; सफदरजंग); बंगाल (मुर्शिद कुली खाँ); रोहिलखंड (अली मुहम्मद); जाट; सिख
- **सवाई जय सिंह द्वितीय (1688-1743):** जयपुर की स्थापना की; दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, मथुरा, वाराणसी में वेधशालाएँ; जीज-ए-मुहम्मदशाही; यूक्लिड का संस्कृत में अनुवाद; अश्वमेध
- **कवि:** जौक एवं गालिब ने जफर को पढ़ाया

अध्याय 43

मराठा राज्य-व्यवस्था, पेशवा एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ

शिवाजी का प्रशासन (अष्टप्रधान)

मंत्री	भूमिका
पेशवा (मुख्य प्रधान)	प्रधानमंत्री
अमात्य (मजूमदार)	वित्त मंत्री
मंत्री (वाकिया-नवीस)	इतिहास-लेखक, राजा की व्यक्तिगत सुरक्षा
सचिव (सुरनवीस)	सचिव, राजकीय पत्राचार
सुमंत (दबीर)	विदेश संबंध
सेनापति (सरनौबत)	सेनापति
पंडितराव (दानाध्यक्ष)	धार्मिक मामले, दान
न्यायाधीश	मुख्य न्यायाधीश

- शिवाजी की उपाधियाँ:** छत्रपति (6 जून 1674 को रायगढ़ में गागा भट्ट द्वारा राज्याभिषेक; हैदव धर्मोद्धारक); 'राज्याभिषेक शक' नामक संवत् प्रारंभ
- राजस्व:** चौथ (पड़ोसी गैर-मराठा क्षेत्रों के राजस्व का 1/4, संरक्षण-शुल्क के रूप में) एवं सरदेशमुखी (वंशानुगत अधिकार के रूप में अतिरिक्त 10%); रैयतवाड़ी प्रकार का निर्धारण (अन्नाजी दत्तो का सर्वेक्षण, काठी माप-दंड); जागीरदारी समाप्त की (नकद वेतन द्वारा प्रतिस्थापित) - मिरासदार एवं वतनदार नियंत्रित
- सेना:** पैदल (मावले; हेतकरी), घुड़सवार (बारगीर, राज्य द्वारा वेतनभोगी; शिलेदार, अपने घोड़े स्वयं लाते थे), दुर्ग (सिंहगढ़, रायगढ़, तोरणा, प्रतापगढ़, राजगढ़); नौसेना - कान्होजी आंग्रे (शाहू के अधीन नौसेनापति)
- पुरंदर की संधि (1665, जय सिंह के साथ - 23 दुर्ग सौंपे); आगरा से पलायन (1666); अफजल खॉ की हत्या (1659, प्रतापगढ़); शाइस्ता खॉ पर आक्रमण, पुणे (1663); सूरत की लूट (1664, 1670)
- शिवाजी की मृत्यु:** 1680 रायगढ़ में; संभाजी (1680-89) को औरंगजेब ने मृत्युदंड दिया (1689); राजाराम (जिंजी); ताराबाई (शिवाजी द्वितीय की संरक्षिका)

पेशवा काल

पेशवा	वर्ष	तथ्य
बालाजी विश्वनाथ	1713-20	पेशवा प्रभुत्व के संस्थापक; सैयद बंधुओं से संधि (1719) ने शाहू को मराठा क्षेत्रों में स्वराज तथा मुगल दक्कन के छह प्रांतों की चौथ एवं सरदेशमुखी दी - प्रायः इसे 'मराठा साम्राज्य का मैग्रा कार्टा' कहा जाता है
बाजीराव प्रथम	1720-40	सर्वाधिक महान पेशवा; पुणे; पालखेड़ (1728) में निजाम को पराजित किया; बूंदेलखंड; मालवा; दिल्ली की लूट (1737); निजाम से भोपाल की संधि (1738); मराठा संघ (होल्कर - इंदौर, सिंधिया - ग्वालियर, गायकवाड़ - बड़ौदा, भोंसले - नागपुर, पवार - धार)
बालाजी बाजीराव (नाना साहेब)	1740-61	शाहू की मृत्यु (1749) - पेशवा वास्तविक शासक (सांगोला की संधि 1750); तृतीय पानीपत (1761); भग्न-हृदय होकर मृत्यु
माधवराव प्रथम	1761-72	मराठा शक्ति का पुनरुद्धार; उत्तर में पुनः अधिकार; हैदर अली को पराजित किया

पेशवा	वर्ष	तथ्य
रघुनाथराव एवं माधवराव द्वितीय	1772-96	बारभाई परिषद्; नाना फड़नवीस; सवाई माधवराव; प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध
बाजीराव द्वितीय	1796-1818	अंतिम पेशवा; बसीन की संधि (1802); किर्की, कोरेगाँव, अष्टी (1817-18) में अंग्रेजों से पराजित; पदच्युत; बिठूर में पेंशन

- **मराठा संघ:** पेशवा प्रमुख; भोंसले (नागपुर - रघुजी प्रथम), गायकवाड़ (बड़ौदा - पिलाजी), होल्कर (इंदौर - मल्हारराव), सिंधिया (ग्वालियर - रानोजी; दिल्ली में महादजी सिंधिया की भूमिका), पवार (धार)
- **अहिल्याबाई होल्कर (1767-95):** इंदौर की रानी; काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण (1780) एवं अनेक मंदिर; महेश्वर
- **पुणे:** शनिवार वाड़ा (बाजीराव प्रथम); पर्वती पहाड़ी; चितपावन ब्राह्मण
- **मराठा स्थानीय प्रशासन:** मामलतदार, कामविसदार, हवलदार; बखर मराठी इतिवृत्त हैं; चितपावन ब्राह्मण पेशवा पद पर रहे

सिख मिसलें एवं क्षेत्रीय राज्य

- **सिख मिसलें (12):** भंगी, सुकरचकिया, कन्हैया, आहलूवालिया, रामगढ़िया, नकई, फैजुल्लापुरिया, करोड़सिंधिया, शहीद, निशानवालिया, दल्लेवालिया, फुलकियाँ; रणजीत सिंह (सुकरचकिया) ने एकीकृत किया
- गुरु गोबिंद सिंह (1699 में आनंदपुर में खालसा; पंज प्यारे), बंदा सिंह बहादुर (सरहिंद 1710; लोहगढ़), दल खालसा (1748), सरबत खालसा; मिसल प्रणाली; 'आहलूवालिया' जस्सा सिंह
- **भरतपुर के जाट:** चूड़ामन, बदन सिंह, सूरजमल (डींग महल; 'जाट प्लेटो'), जवाहर सिंह; भरतपुर के रणजीत सिंह ने होल्कर को शरण दी (लेक का घेरा विफल, 1805); भरतपुर किला 1826 में गिरा (कॉम्बरमियर)
- **राजपूत:** आमेर के जय सिंह द्वितीय (जयपुर, जंतर मंतर), मारवाड़ के अजीत सिंह; सवाई जय सिंह ने पाँच वेधशालाएँ बनवाई
- रोहिला (नजीब-उद-दौला); अवध (सआदत खाँ); बंगाल (मुर्शिद कुली खाँ, अलीवर्दी खाँ); हैदराबाद (निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह, 1724, शकर-खेड़ा का युद्ध); मैसूर (हैदर अली); त्रावणकोर (मार्टिंड वर्मा, कोलाचेल का युद्ध 1741 में डचों को पराजित किया)
- **मुर्शिद कुली खाँ (बंगाल, 1717):** राजधानी ढाका से मुर्शिदाबाद स्थानांतरित की; जगत सेठ; अलीवर्दी खाँ (1740-56; मराठों की चौथ रु. 12 लाख; बरगी आक्रमण)
- **त्रावणकोर:** मार्टिंड वर्मा (1729-58) ने कोलाचेल के पश्चात् यूस्टैकियस डी लेनॉय (डच कप्तान) के साथ सेना का आधुनिकीकरण किया; राज्य पद्मनाभस्वामी को समर्पित किया ('पद्मनाभदास'); कालीकट का जमोरिन एवं कोचीन केरल के प्रतिद्वंद्वी सरदार थे

अध्याय 44

भारत में यूरोपीयों का आगमन

आगमन का क्रम

शक्ति	आगमन	प्रमुख तथ्य
पुर्तगाली	1498	वास्को द गामा कालीकट में (20 मई 1498; जमोरिन; गुजराती पथ-प्रदर्शक अब्दुल मजीद); गोवा से अंतिम रूप से 1961 में गए
डच	1602	यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी (चार्टर 1602, पूँजी 65 लाख गिल्डर); मुख्यालय बटाविया
अंग्रेज	1600	एलिजाबेथ प्रथम का चार्टर, केप ऑफ गुड होप के पूर्व में 15 वर्ष का एकाधिकार
डेन	1616	टांकेबार, सेरामपुर (श्रीरामपुर)
फ्रांसीसी	1664	कोल्बर्ट; कंपनी देस इंडेस ओरिएंताल

- स्मरण-क्रम: पुर्तगाली, डच, अंग्रेज, डेन, फ्रांसीसी

पुर्तगाली

- पेड्रो अल्वारेस काब्राल:** 1500, कालीकट में प्रथम कोठी (कोचीन, कन्नूर में कोठियाँ)
- फ्रांसिस्को डी अल्मेइडा:** प्रथम वायसराय 1505; नीले जल की नीति (नौसैनिक श्रेष्ठता); दीव का युद्ध 1509 (मिस्र-गुजरात-जमोरिन के बेड़े को पराजित किया)
- अल्फोंसो डी अल्बुकर्क:** गवर्नर 1509-15; 1510 में बीजापुर से गोवा लिया (पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक); मलक्का 1511; हॉरमुज 1515; भारतीय स्त्रियों से विवाह को प्रोत्साहन; प्रथम दुर्ग कोचीन 1503 (फोर्ट इमैनुएल)
- नूनो दा कुन्हा:** 1529-38; मुख्यालय कोचीन से गोवा स्थानांतरित किया; दीव 1535 (गुजरात का बहादुर शाह)
- बंगाल:** हुगली बस्ती (1579, अकबर के काल में), बांडेल; सतगाँव / चटगाँव के दुर्ग 1535; शाहजहाँ के गवर्नर कासिम खाँ ने 1632 में हुगली को कुचला
- बंबई कैथरीन ऑफ ब्रगांजा के दहेज में चार्ल्स द्वितीय को (1661-62); 1668 में कंपनी को 10 पाउंड पर पट्टे पर
- गोवा के अंतिम गवर्नर-जनरल:** वासालो ए सिल्वा (1961 में मुक्ति); जोसे फेरेरा बोस्सा 1947 में
- खोजकर्ता:** कोलंबस (इटली / स्पेन), मैगलन (पुर्तगाल), कार्टियर (फ्रांस), ड्रेक (इंग्लैंड), तस्मान (हॉलैंड), कुक (ब्रिटेन, 1770 में ऑस्ट्रेलिया)

डच

- प्रथम कोठी मसूलीपट्टनम् 1605; पुलिकट; सूरत 1616; बंगाल: पिपली (1627), चिनसुरा (गुस्तावस दुर्ग, 1653), बालासोर; कोचीन 1663 (फोर्ट विलियम / चेट्टुवा); नेगापट्टम; बिमलीपट्टनम् 1641; कारिकल 1645
- आंग्ल-डच संधि 1814 ने कोचीन ब्रिटेन को सौंपा; पांडिचेरी: पहले पुर्तगाली, फिर डच, तत्पश्चात् फ्रांसीसी (1673)

अंग्रेज

वर्ष	घटना
1600	ईस्ट इंडिया कंपनी, 'गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इनट्र द ईस्ट इंडीज'
1608	विलियम हॉकिंस सूरत में
1611	मसूलीपट्टनम् कोठी (मिडलटन, जहाँगीर)
1612	टॉमस बेस्ट ने स्वाली में पुर्तगालियों को पराजित किया

वर्ष	घटना
1613	सूरत में स्थायी कोठी (जहाँगीर का फरमान)
1615-19	टॉमस रो (जेम्स प्रथम का दूत)
1639	विजयनगर के प्रतिनिधि से मद्रास (फोर्ट सेंट जॉर्ज) (फ्रांसिस डे, चंद्रगिरि)
1668	बंबई पट्टे पर
1688	जॉन चाइल्ड की नाकेबंदी; औरंगजेब ने उसे निष्कासित किया; बंबई की सिद्दी नाकेबंदी
1690	जॉब चार्नोक ने कलकत्ता की स्थापना की (सूतानूटी); फोर्ट विलियम 1696-1700
1717	फर्रुखसियर का फरमान
1688 (29 सितंबर)	प्रथम नगर निगम - मद्रास

- **1619 तक कोठियाँ:** आगरा, अहमदाबाद, बड़ौदा, भरूच; आर्मागाँव 1628; बालासोर / हरिहरपुर 1633
- **पश्चिम में प्रथम प्रेसीडेंसी:** सूरत, बाद में बंबई

फ्रांसीसी एवं आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्विता

- कोल्बर्ट 1664; फ्रांस्वा कैरों ने 1668 में सूरत कोठी स्थापित की; मार्कारा ने 1669 में मसूलीपट्टनम् में; पांडिचेरी की स्थापना फ्रांस्वा मार्टिन ने 1674 में की; चंद्रनगर (बंगाल) 1690

युद्ध	तिथि	परिणाम
प्रथम कर्नाटक	1746-48	ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार युद्ध का विस्तार; कमोडोर बार्नेट ने फ्रांसीसी जहाज जब्त किए; सेंट थोमे (अंडमन) में फ्रांसीसियों ने नवाब अनवरुद्दीन के महफूज खाँ को पराजित किया; एक्स-ला-शापेल की संधि 1748 ने मद्रास लौटाया
द्वितीय कर्नाटक	1749-54	अंभूर 1749: चंदा साहिब, मूजफ्फर जंग एवं फ्रांसीसियों ने अनवरुद्दीन को पराजित किया; क्लाइव का अर्काट 1751; पांडिचेरी की संधि 1754 - अनिर्णायक; इप्ले वापस बुलाया गया
तृतीय कर्नाटक	1758-63	वांडिवाश (1760, आयर कूट ने लाली को पराजित किया); पेरिस की संधि 1763 - फ्रांसीसियों के पास केवल व्यापारिक चौकियाँ रहीं

- डूप्ले भारतीय राजाओं के झगड़ों में यूरोपीय सैनिकों का प्रयोग करने वाला प्रथम
- **प्रथम मैसूर युद्ध (1767-69):** अंग्रेज पराजित; मद्रास की संधि
- इलाहाबाद का किला सआदत अली खाँ द्वितीय ने 1798 में अंग्रेजों को सौंपा
- **अंग्रेजों की सफलता के कारक:** नौसैनिक शक्ति, अनुशासन, आधुनिक शस्त्र, साख एवं संगठन

अध्याय 45

बंगाल, प्लासी, बक्सर एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ

बंगाल के नवाब

- **मुर्शिद कुली खाँ:** मुगल सम्राट (फर्रुखसियर, 1717) द्वारा स्वतंत्र रूप से नियुक्त बंगाल का अंतिम गवर्नर; राजधानी ढाका से मकसूदाबाद स्थानांतरित की, नाम मुर्शिदाबाद रखा; इजारा (राजस्व-ठेका) प्रथा आरंभ की
- शुजाउद्दीन (दामाद) उत्तराधिकारी बना, मुहम्मद शाह द्वारा अनुमोदित; अलीवर्दी खाँ 1740-56 ने यूरोपीयों की तुलना मधुमक्खियों से की
- **सिराजुद्दौला:** काल कोठरी की घटना 20 जून 1756 (जे.जेड. हॉलवेल: 146 कैद, 123 की मृत्यु, 23 जीवित); गुलाम हुसैन के सियर-उल-मुताखरीन में इसका उल्लेख नहीं

प्लासी (23 जून 1757)

- क्लाइव बनाम सिराजुद्दौला; युद्धभूमि भागीरथी के तट पर, नदिया जिला; विश्वासघाती मीर जाफर, यार लतीफ खाँ, राय दुर्लभ
- मीर जाफर ने 24 परगने सौंपे; क्लाइव को व्यक्तिगत उपहार 2,34,000 पाउंड
- **क्लाइव:** 'भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक'; विलियम पिट ने उसे 'स्वर्ग-जन्मा सेनापति' कहा; गवर्नर 1758-60 एवं 1765-67
- **के.एम. पणिक्कर:** 1757-73 में कंपनी ने बंगाल को 'लुटेरों का राज्य' बना दिया

मीर कासिम एवं बक्सर

- **मीर कासिम (1760-63):** राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित की; बंदूक (माचिस) का कारखाना; यूरोपीय शैली की सेना; पहले पूर्णिया एवं रंगपुर का फौजदार
- **बक्सर का युद्ध 22/23 अक्टूबर 1764:** हेक्टर मुनरो ने मीर कासिम + शुजा-उद-दौला + शाह आलम द्वितीय को पराजित किया; गवर्नर वैन्सिर्ट; मीर जाफर नवाब था; बक्सर ने 'वह पूर्ण किया जो प्लासी ने आरंभ किया' - प्लासी विश्वासघात से जीता गया, बक्सर शस्त्रों से

संधि	वर्ष	शर्तें
इलाहाबाद (प्रथम)	अगस्त 1765	शाह आलम द्वितीय इलाहाबाद में कंपनी के संरक्षण में; बंगाल-बिहार-उड़ीसा की दीवानी (फरमान 12 अगस्त 1765); रु. 26 लाख वार्षिक पेंशन; कड़ा एवं इलाहाबाद सम्राट को
मद्रास	1769	प्रथम मैसूर युद्ध का अंत
मैंगलोर	1784	द्वितीय मैसूर युद्ध का अंत
सालबाई	1782	प्रथम मराठा युद्ध का अंत
श्रीरंगपट्टनम्	1792	तृतीय मैसूर युद्ध का अंत

- **क्लाइव के अधीन द्वैध शासन (दोहरी सरकार):** दीवानी कंपनी के पास; निजामत नवाब के पास; उप-दीवान मुहम्मद रजा खाँ (बंगाल) एवं राजा शिताब राय (बिहार)
- शाह आलम द्वितीय को 1788 में गुलाम कादिर रोहिला ने अंधा किया; दिल्ली 1803 में अंग्रेजों के अधीन; अकबर द्वितीय (1806-37) एवं बहादुर शाह द्वितीय (1837-57) पेंशनभोगी
- सिलहट 1765 में पहुँचा; तीर्थ सिंह के नेतृत्व में खासी प्रतिरोध

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण

युद्धों का कालक्रम: अंबूर 1749 - प्लासी 1757 - वांडिवाश 1760 - बक्सर 1764
 वांडिवाश: आयर कूट ने काउंट डी लाली को पराजित किया
 राजा टिकैत राय - आसफ-उद-दौला (अवध) के वित्त मंत्री

पंजाब - रणजीत सिंह

- जन्म 13 नवंबर 1780, गुजरांवाला, सुकरचकिया मिसल (पिता महा सिंह); संरक्षक काल 1792-97
- जमान शाह की तोपें झेलम में गिर गईं; लौटा दी गईं; लाहौर 1799 (राजधानी), अमृतसर 1802 (भंगी मिसल से), मुल्तान 1818, कश्मीर 1819, पेशावर 1834
- अमृतसर की संधि 25 अप्रैल 1809 (चार्ल्स मेटकॉफ, मिंटो प्रथम): सतलुज सीमा
- शाह शुजा ने कोहिनूर दिया; लाहौर में अदालत-ए-आला; लाहौर एवं अमृतसर में तोप कारखाने
- उत्तराधिकारी खड़क सिंह 1839; डोगरा भाई ध्यान, गुलाब, सुचेत सिंह
- चिलियांवाला 13 जनवरी 1849 (गफ बनाम शेर सिंह), अनिर्णायक; लाहौर की संधि मार्च 1846 (सतलुज के क्षेत्र, रु. 1.5 करोड़ क्षतिपूर्ति)
- दलीप सिंह अंतिम शासक 1843-49; डलहौजी द्वारा विलय 29 मार्च 1849; तीन सदस्यीय बोर्ड: हेनरी लॉरेस (अध्यक्ष), जॉन लॉरेस, सी.जी. मैन्सेल; दलीप सिंह 1854 में ब्रिटेन गए; 1853 में ईसाई बने, 1886 में पुनः सिख; मृत्यु पेरिस 1893

मैसूर

युद्ध	तिथियाँ	संधि / परिणाम
प्रथम	1767-69	मद्रास 1769; हैदर अली विजयी; गवर्नर हैरी वेरेल्स्ट
द्वितीय	1780-84	मैंगलोर 1784; पोलिलूर 1780 (बेली पराजित), पोर्टो नोवो 1781 (आयर कूट ने हैदर को पराजित किया); वारेन हेस्टिंग्स
तृतीय	1790-92	श्रीरंगपट्टनम् 1792; कार्नवालिस; आधा मैसूर खोया; रु. 3.3 करोड़ क्षतिपूर्ति, दो पुत्र बंधक
चतुर्थ	1799	टीपू 4 मई 1799 को मारा गया; वेलेजली; वाडियार कृष्णराज तृतीय की पुनर्स्थापना; परिवार वेल्लोर में

- **हैदर अली:** 1755 में डिंडीगुल में आधुनिक शस्त्रागार
- **टीपू:** राजधानी श्रीरंगपट्टनम्; जैकोबिन क्लब; स्वतंत्रता का वृक्ष; ईरान, तुर्की, अफगानिस्तान, फ्रांस को दूतमंडल; शृंगेरी में शारदा मूर्ति के लिए धन दिया
- **बेगम समरू (सरधना, मेरठ के निकट):** गिरजाघर बनवाया; पति वाल्टर रीनहार्ट सोम्रे

गवर्नर एवं नीतियाँ

- **क्लाइव:** रु. 1000 से अधिक के उपहारों पर प्रतिबंध; दोहरा भत्ता समाप्त किया; वारेन हेस्टिंग्स: 1772 में द्वैध शासन समाप्त किया, खजाना कलकत्ता; रेगुलेटिंग एक्ट 1773 ने उसे गवर्नर-जनरल बनाया (चार सदस्यीय परिषद्)
- **एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल:** 15 जनवरी 1784
- **कार्नवालिस:** कार्नवालिस कोड 1793 (शक्तियों का पृथक्करण, कलेक्टर केवल राजस्व तक सीमित); सिविल सेवाओं में सुधार; मृत्यु गाजीपुर 1805
- **बसीन की संधि दिसंबर 1802:** पेशवा बाजीराव द्वितीय ने सहायक संधि स्वीकार की
- **सहायक संधि का क्रम:** हैदराबाद 1798/1800, मैसूर 1799, तंजौर अक्टूबर 1799, अवध नवंबर 1801, पेशवा दिसंबर 1802, भोंसले दिसंबर 1803
- **राज्यों के प्रति नीति:** समानता 1740-65, घेरे की बाड़ 1765-1813, अधीनस्थ पृथक्करण 1813-57, अधीनस्थ संघ 1858-1935, समान संघ 1935-47
- **कालक्रम:** डूप्ले भारतीय शासक को सेना देने वाला प्रथम यूरोपीय; अवध 1765 सहायक संधि का अग्रदूत

अध्याय 46

ब्रिटिश विस्तार: आंग्ल-मैसूर, मराठा, सिख युद्ध एवं विलय

आंग्ल-मैसूर युद्ध

युद्ध	वर्ष / गवर्नर-जनरल	शासक	संधि / परिणाम
प्रथम आंग्ल-मैसूर	1767-69	हैदर अली	मद्रास की संधि (1769); परस्पर प्रत्यर्पण; रक्षात्मक संधि (हैदर मद्रास के द्वार तक पहुँच गया)
द्वितीय आंग्ल-मैसूर	1780-84	हैदर अली (मृत्यु 1782), टीपू सुल्तान	मैंगलोर की संधि (1784); वारेन हेस्टिंग्स गवर्नर-जनरल था, कूट ने पोर्टो नोवो (1781) में विजय पाई
तृतीय आंग्ल-मैसूर	1790-92	टीपू सुल्तान	श्रीरंगपट्टनम् की संधि (1792); कार्नवालिस; टीपू ने आधा क्षेत्र खोया; 3 करोड़ युद्ध-क्षतिपूर्ति; दो पुत्र बंधक
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर	1799	टीपू सुल्तान	श्रीरंगपट्टनम् में टीपू मारा गया (4 मई 1799); वेलेजली; सहायक संधि थोपी गई; वाडियार वंश की पुनर्स्थापना (बाल शासक कृष्णराज तृतीय)

- **टीपू सुल्तान:** 'मैसूर का शेर'; श्रीरंगपट्टनम् में 'स्वतंत्रता का वृक्ष' लगाया (जैकोबिन क्लब); नया पंचांग, सिक्के, माप-तौल आरंभ किए; फ्रांस, तुर्की, अरब, काबुल को दूतमंडल भेजे; राज्य द्वारा व्यापार एवं नौसेना आरंभ की (मैसूर बोर्ड ऑफ एडमिरल्टी); मैसूर के रॉकेट; शृंगेरी मठ को दान
- **हैदर अली:** सैनिक से सुल्तान बना, फ्रांसीसी सहायता से डिंडीगुल में शस्त्रागार स्थापित किया; 1767 में उसके विरुद्ध अंग्रेज-मराठा-निजाम गठबंधन

आंग्ल-मराठा युद्ध

युद्ध	वर्ष	संधि / विवरण
प्रथम	1775-82	सूरत की संधि (1775, रघुनाथराव-अंग्रेज), पुरंदर की संधि (1776), सालबाई की संधि (1782; महादजी सिंधिया मध्यस्थ; रघुनाथ को पेंशन, माधवराव द्वितीय पेशवा के रूप में मान्य; 20 वर्ष की शांति); वारेन हेस्टिंग्स
द्वितीय	1803-05	बसीन की संधि (31 दिसंबर 1802; बाजीराव द्वितीय ने सहायक संधि स्वीकार की); संधियाँ: देवगाँव (भोंसले, दिसंबर 1803), सर्जी-अंजनगाँव (सिंधिया, 1803), राजघाट (होल्कर, 1805); वेलेजली; आर्थर वेलेजली ने असाये एवं आरगाँव में विजय पाई
तृतीय	1817-19	लॉर्ड हेस्टिंग्स; पूना की संधि (1817), ग्वालियर (1817); पेशवा बाजीराव द्वितीय खड़की / किर्की, कोरेगाँव (1 जनवरी 1818), अष्टी में पराजित; पेशवा पद समाप्त, बिठूर (कानपुर, उत्तर प्रदेश) में पेंशन

- **बसीन की संधि:** 'मराठा स्वतंत्रता पर मृत्यु-प्रहार' (पेशवा ने सहायक संधि स्वीकार की; गायकवाड़ एवं सिंधिया बाहर रहे)

- **नाना फड़नवीस ('मराठा मैकियावेली', मृत्यु 1800):** पेशवा के मंत्री; महादजी सिंधिया ने होल्कर एवं शाह आलम द्वितीय को पराजित किया (दिल्ली मराठा संरक्षण में)
- **तृतीय पानीपत युद्ध (1761):** अहमद शाह अब्दाली बनाम सदाशिव राव भाऊ एवं विश्वास राव; पराजय के पश्चात् मराठा शक्ति का पतन

आंग्ल-सिख युद्ध एवं पंजाब

- **रणजीत सिंह (1780-1839):** सुकरचकिया मिसल; 1799 में लाहौर जीता (1801 में महाराजा की उपाधि); चार्ल्स मेटकॉफ के साथ अमृतसर की संधि (1809) ने सतलुज को सीमा निर्धारित किया; अफगान प्रश्न पर शाह शुजा एवं अंग्रेजों के साथ त्रिपक्षीय संधि (1838); फौज-ए-खास का आधुनिकीकरण वेंचुरा (इतालवी), अलार्ड एवं कोर्ट (फ्रांसीसी) द्वारा
- खालसा सेना; महाराजा रणजीत सिंह का कोहिनूर (डलहौजी ने 1849 में लिया एवं रानी विक्टोरिया को भेंट किया)

युद्ध	वर्ष	परिणाम
प्रथम आंग्ल-सिख	1845-46	मुदकी, फिरोजशाह, अलीवाल, सोबरांव के युद्ध; लाहौर की संधि (मार्च 1846) - जालंधर दोआब का विलय, रु. 1.5 करोड़ क्षतिपूर्ति; भैरोवाल की संधि (दिसंबर 1846) - लाहौर में रेजीडेंट; कश्मीर अमृतसर की संधि (मार्च 1846) द्वारा गुलाब सिंह को रु. 75 लाख में बेचा गया
द्वितीय आंग्ल-सिख	1848-49	चिलियावाला (जनवरी 1849 - सिख सशक्त) एवं गुजरात (फरवरी 1849, 'तोपों का युद्ध'); डलहौजी द्वारा पंजाब का विलय (29 मार्च 1849); दलीप सिंह इंग्लैंड भेजे गए; प्रशासन बोर्ड (हेनरी एवं जॉन लॉरेंस)

अन्य युद्ध एवं विलय

घटना	वर्ष / विवरण
प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध	1839-42; ऑकलैंड; दोस्त मुहम्मद के विरुद्ध शाह शुजा को बिठाया; 1842 में काबुल से वापसी (16,000 मारे गए)
सिंध का विलय	1843; चार्ल्स नेपियर ('पेकावी' - 'मैंने पाप किया' का श्लेष-कथन); एलनबरो; सिंध के अमीर
प्रथम बर्मा युद्ध	1824-26; एमहर्स्ट; यांदबू की संधि (1826) - असम, अराकान, तेनासरिम सौंपे गए
द्वितीय बर्मा युद्ध	1852; डलहौजी; निचले बर्मा (पेगू) का विलय
तृतीय बर्मा युद्ध	1885-86; डफरिन; ऊपरी बर्मा का विलय
गोरखा (नेपाल) युद्ध	1814-16; हेस्टिंग्स; सगौली की संधि (1816); कुमाऊँ-गढ़वाल एवं शिमला के पहाड़ी राज्य प्राप्त हुए
पिंडारियों का दमन	1817-18; हेस्टिंग्स; करीम खाँ, वसील मुहम्मद एवं चीतू के अधीन पिंडारी
कछार, जयंतिया एवं कुर्ग का विलय	1830 का दशक (बेंटिक; कुर्ग 1834)
द्वितीय अफगान युद्ध	1878-80; लिटन; गंडमक की संधि (1879, याकूब खाँ)
इरंड रेखा	1893; अफगानिस्तान एवं ब्रिटिश भारत के बीच इरंड आयोग (लॉर्ड लैंसडाउन)
तिब्बत अभियान	1903-04; यंगहसबैंड; कर्जन; ल्हासा संधि 1904

- **लॉर्ड वेलेजली (1798-1805):** सहायक संधि; हैदराबाद (1798), मैसूर (1799), तंजौर, अवध (1801), पेशवा (1802), भोंसले एवं सिंधिया (1803)
- **लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-23):** 'सर्वोच्चता' की नीति; नेपाल, पिंडारी एवं तृतीय मराठा युद्ध; मद्रास एवं बंबई में रैयतवाड़ी (मुनरो, एल्फिन्स्टन)

डलहौजी की हड़प नीति (व्यपगत का सिद्धांत)

राज्य	वर्ष	शासक
सतारा	1848	अप्पा साहेब
जैतपुर एवं संबलपुर	1849	-
बघाट	1850	-
उदयपुर (छत्तीसगढ़)	1852	-
झाँसी	1853	गंगाधर राव
नागपुर	1854	रघुजी तृतीय
अवध	1856	'कुशासन' के आधार पर विलय (व्यपगत सिद्धांत से नहीं); वाजिद अली शाह कलकत्ता भेजे गए

- **व्यपगत का सिद्धांत:** प्राकृतिक उत्तराधिकारी विहीन शासक दत्तक पुत्र नहीं ले सकता था (मान्य नहीं); सर्वोच्च शक्ति ब्रिटिश केवल 'आश्रित' राज्यों में दत्तक को मान्यता देती थी; डलहौजी ने सतारा, जैतपुर, संबलपुर, बघाट, उदयपुर, झाँसी, नागपुर एवं अवध का विलय किया (1848-56)
- तंजौर एवं कर्नाटक की उपाधियाँ 1855-56 में समाप्त; नाना साहेब (बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र) की पेंशन रोक दी गई; पेशवा की पेंशन बिठूर (कानपुर) में
- **डलहौजी के अन्य सुधार:** रेल (1853 प्रथम लाइन बंबई-ठाणे), तार (1851 कलकत्ता-डायमंड हार्बर), डाक सुधार (1854 एकसमान आधे आने की दर), लोक निर्माण विभाग, वुड का डिस्पैच (1854)

सहायक संधि वाले राज्य एवं कालक्रम

राज्य	सहायक संधि
हैदराबाद (निजाम)	1798, स्वीकार करने वाला प्रथम राज्य
मैसूर	1799, टीपू के पतन के पश्चात्
तंजौर	1799
अवध	1801 (रुहेलखंड एवं दोआब सौंपे)
पेशवा	1802 (बसीन)
नागपुर के भोंसले (बरार)	1803
सिंधिया	1804 (सुर्जी-अंजनगाँव)
जोधपुर, जयपुर	1818
होल्कर	1818 (मंदसौर)

अध्याय 47

गवर्नर-जनरल एवं वायसराय: नीतियाँ एवं सुधार

बंगाल के गवर्नर-जनरल (1833 तक)

गवर्नर	प्रमुख घटनाएँ
क्लाइव (1758-60, 1765-67)	द्वैध शासन 1765; उपहारों पर प्रतिबंध; दोहरा भत्ता समाप्त; श्वेत विद्रोह
वारेन हेस्टिंग्स (गवर्नर 1772, गवर्नर-जनरल 1774-85)	1772 में द्वैध शासन समाप्त; चेत सिंह का विद्रोह (बनारस 1781, हेस्टिंग्स चन्नार भागा); एशियाटिक सोसाइटी 1784; रेगुलेटिंग एक्ट 1773; महाभियोग 1788-95 (दोषमुक्त); घेरे की बाड़
कार्नवालिस (1786-93, 1805)	स्थायी बंदोबस्त 1793; कार्नवालिस कोड; दारोगा थाने; ICS (अनुबद्ध सिविल सेवा); तृतीय मैसूर युद्ध; मृत्यु गाजीपुर 1805
वेलेजली (1798-1805)	सहायक संधि; चतुर्थ मैसूर युद्ध; बसीन की संधि 1802; नेपोलियन का भय
बालो	वेल्लोर विद्रोह 1806
लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-23)	आंग्ल-नेपाल युद्ध 1814-16 (सगौली की संधि 2 दिसंबर 1815, मार्च 1816 में अनुसमर्थित); तृतीय मराठा युद्ध 1817-18
बेट्टिक (1828-35)	सती प्रथा का उन्मूलन 1829 (विनियम XVII); स्लीमन बनाम ठग (1826-35 में 1562 गिरफ्तार); चार्टर एक्ट 1833 - भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल; मैसूर 1831, कुर्ग 1834, कछार 1832, जयंतिया 1835 का विलय

- सगौली की संधि ने कुमाऊँ, पूर्वी गढ़वाल, तराई के कुछ भाग दिए; शिमला / रानीखेत / नैनीताल ब्रिटिश नियंत्रण में आए; काठमांडू नहीं सौंपा गया
- टॉमस मुनरो - मद्रास के गवर्नर 1820-27, रैयतवाड़ी के जनक
- क्लीवलैंड - पहाड़िया जनजाति हेतु पहाड़ी सभा योजना
- दासता: निर्यात पर प्रतिबंध 1789; अधिनियम V of 1843 (एलनबरो); IPC 1860 ने इसे अपराध बनाया
- सती संबंधी मान्यता: राजा राम मोहन राय ने अभियान चलाया; विनियम 1830 में मद्रास एवं बंबई पर लागू हुआ

सहायक संधि (वेलेजली)

- शर्तें: ब्रिटिश सेना की तैनाती एवं उसका व्यय; ब्रिटिश रेजीडेंट; अंग्रेजों के अतिरिक्त किसी अन्य से संधि अथवा यूरोपीय की नियुक्ति नहीं; ब्रिटिश मध्यस्थता; संरक्षण का वचन; चूक होने पर क्षेत्र सौंपना
- हैदराबाद - प्रथम राज्य (1798, 1800 में संशोधित); मैसूर 1799; तंजौर 1799; अवध 1801; पेशवा 1802; भोंसले 1803; सिंधिया 1804; होल्कर 1818; राजपूत राज्य 1818

डलहौजी (1848-56)

राज्य	वर्ष
सतारा	1848 (व्यपगत सिद्धांत का प्रथम शिकार)
जैतपुर, संबलपुर	1849
बघाट	1850
उदयपुर	1852
झाँसी	1853 (कुछ स्रोतों में 1854)
नागपुर	1854
अवध	फरवरी 1856 (कुशासन; आउट्राम की रिपोर्ट; वाजिद अली शाह)

- पंजाब का विलय 1849; निचला बर्मा 1852; सिक्किम का दार्जिलिंग क्षेत्र
- प्रथम रेल बंबई (बोरीबंदर) से ठाणे 16 अप्रैल 1853, GIP रेलवे द्वारा; रेल नीति 1853; रेलवे बोर्ड 1905 (कर्जन)
- तार, डाक सुधार, लोक निर्माण विभाग 1854; वुड का डिस्पैच 1854
- वास्तविक नाम जेम्स एंड्रयू ब्राउन रामसे

1856 के पश्चात्

- हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 (कैनिंग; विद्यासागर); डी.के. कर्वे का विधवा आश्रम पूना 1896
- भारत शासन अधिनियम 1858 (2 अगस्त); रानी की घोषणा कैनिंग द्वारा इलाहाबाद में 1 नवंबर 1858 को पढ़ी गई; कैनिंग प्रथम वायसराय; शासकों को उत्तराधिकारी गोद लेने की अनुमति
- **एलनबरो:** सिंध का विलय 1843 (चार्ल्स नेपियर)
- **ऑकलैंड:** प्रथम अफगान युद्ध 1839-42; लिटन: द्वितीय अफगान युद्ध 1878-80
- **कुशल निष्क्रियता:** जॉन लॉरेंस
- **मेयो (1869-72):** प्रथम जनगणना 1872; अंडमान में शेर अली अफरीदी द्वारा हत्या
- **रिपन (1880-84):** नियमित जनगणना 1881; प्रथम कारखाना अधिनियम 1881; स्थानीय स्वशासन के जनक; इल्बर्ट बिल 1883 (सी.पी. इल्बर्ट)
- **लिटन:** वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट 1878; दिल्ली दरबार 1877 (रॉयल टाइटल्स एक्ट 1876, कैसर-ए-हिंद)
- **मेटकॉफ:** भारतीय प्रेस के मुक्तिदाता
- **कर्जन (1899-1905):** ASI का केंद्रीकरण 1901, जॉन मार्शल महानिदेशक 1902; प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904; गोखले ने उसकी तुलना औरंगजेब से की
- मिंटो द्वितीय / मॉर्ले 1909 के सुधार - पृथक निर्वाचन
- **हार्डिंग द्वितीय:** दिल्ली दरबार 1911, राजधानी दिल्ली, बंगाल विभाजन रद्द
- तृतीय बर्मा युद्ध 1885, डफरिन के अधीन 1 जनवरी 1886 को विलय - अंतिम बड़ा विस्तार

स्मरणीय

अलेक्जेंडर कनिंघम प्रथम पुरातत्व सर्वेक्षक 1861; ASI 1871
 INC की स्थापना 1885 में डफरिन के अधीन
 कालक्रम: बक्सर 1764 - क्लाइव की वापसी मई 1765 - इलाहाबाद अगस्त 1765 - हेस्टिंग्स 1772

अध्याय 48

वायसराय: सुधार, सांस्कृतिक नीतियाँ एवं आर्थिक प्रभाव

शीघ्र मिलान - वायसराय / गवर्नर-जनरल एवं घटना

शासक	संबद्ध घटनाएँ
कार्नवालिस	स्थायी बंदोबस्त 1793; सिविल सेवाएँ; कार्नवालिस कोड
वेलेजली	सहायक संधि; फोर्ट विलियम कॉलेज, कलकत्ता (1800); द्वितीय मराठा युद्ध 1803-05
हेस्टिंग्स (1813-23)	तृतीय मराठा युद्ध; पेशवा पद की समाप्ति 1818; सगौली; मेटकॉफ ने 1817-18 में राजपूत गठबंधनों की वार्ता की
बेंटिक	सती प्रथा का उन्मूलन; मैकाले का स्मरण-पत्र (2 फरवरी 1835), अंग्रेजी शिक्षा संबंधी प्रस्ताव 7 मार्च 1835
मेटकॉफ	प्रेस के मुक्तिदाता (1835)
एलनबरो	सिंध 1843; दासता अधिनियम V, 1843
डलहौजी	व्यपगत का सिद्धांत; रेलवे; लोक निर्माण विभाग; तार
कैनिंग	विधवा पुनर्विवाह 1856; 1858 की घोषणा; प्रथम वायसराय
मेयो	वित्तीय विकेंद्रीकरण (प्रस्ताव 1870); प्रथम जनगणना 1872; 1872 में हत्या
लिटन	अग्रगामी नीति; वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट, शस्त्र अधिनियम 1878; स्ट्रेची अकाल आयोग 1878; दिल्ली दरबार 1877
रिपन	स्थानीय स्वशासन प्रस्ताव 18 मई 1882; इल्बर्ट बिल 1883; कारखाना अधिनियम 1881; प्रथम नियमित जनगणना 1881
कर्जन	बंगाल विभाजन 1905; कलकत्ता नगरपालिका अधिनियम 1899 (मैकेंजी अधिनियम); ASI; इंपीरियल कैडेट कोर 1901; प्राचीन स्मारक अधिनियम 1904; विश्वविद्यालय अधिनियम 1904
मिंटो द्वितीय	मॉर्ले-मिंटो सुधार 1909; पृथक निर्वाचन
हार्डिंग द्वितीय	दिल्ली दरबार 1911; राजधानी दिल्ली; बंगाल विभाजन रद्द
रीडिंग (1921-26)	एकमात्र यहूदी वायसराय (रूफस आइजैक्स); चौरी-चौरा; स्वराज पार्टी

- वायसराय के रूप में सर्वाधिक कार्यकाल: लिनलिथगो (लगभग साढ़े 7 वर्ष); कार्यकाल: कर्जन 1899-1905; हार्डिंग 1910-16; चेम्सफोर्ड 1916-21; इरविन 1926-31
- अधिनियम के अंतर्गत: बंगाल का गवर्नर-जनरल (1773) - हेस्टिंग्स; भारत का गवर्नर-जनरल (1833) - बेंटिक; वायसराय (1858) - कैनिंग; गवर्नर-जनरल एवं क्राउन प्रतिनिधि (1935) - लिनलिथगो / वेवल
- कर्जन का कथन: कांग्रेस 'अपने पतन की ओर लड़खड़ा रही है'
- राय बहादुर / खान बहादुर की उपाधियाँ 1857 के विद्रोह के पश्चात् (1859-60) आरंभ हुईं
- मैकेंजी अधिनियम: निर्वाचित भारतीय सदस्यों की संख्या घटाई

धन का निष्कासन एवं भू-राजस्व

- होम चार्ज: भारत सचिव (इंडिया ऑफिस) द्वारा इंग्लैंड में किया गया व्यय - ऋण का ब्याज, पेंशन, सेना का सामान; भारत से बाहर के युद्ध भी इसमें गिने गए
- साम्राज्यिक वरीयता: ब्रिटिश माल भारत में लगभग शुल्क-मुक्त, भारतीय निर्यात पर ब्रिटेन में भारी शुल्क
- संपन्न भारतीयों ने भूमि में निवेश को प्राथमिकता दी - उद्योग का विकास अवरुद्ध हुआ
- निष्कासन: दादाभाई नौरोजी (पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया - 'बुराइयों की बुराई'), आर.सी. दत्त (इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया), INC ने 1896 के कलकत्ता अधिवेशन में इसे स्वीकार किया

- **नौरोजी:** लंदन इंडियन सोसाइटी 1865 (डब्ल्यू.सी. बनर्जी के साथ); प्रथम भारतीय सांसद (लिबरल, 1892)

पद्धति	प्रवर्तक	क्षेत्र	विशेषताएँ
स्थायी (इस्तमरारी)	कार्नवालिस 1793	बंगाल, बिहार, उड़ीसा, वाराणसी खंड; लगभग 19%	जमींदार स्वामी; 10/11 कंपनी को, 1/11 स्वयं को; सदा के लिए निश्चित; सूर्यास्त कानून
रैयतवाड़ी	अलेक्जेंडर रीड, टॉमस मुनरो	मद्रास, बंबई, असम, कर्ग; लगभग 51%	रैयत स्वामी, प्रत्यक्ष भूगतान; बारामहल में सर्वप्रथम 1792; उपज का 50%
महालवाड़ी	होल्ट मैकेंजी / बर्ड	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रांत, पंजाब; लगभग 30%	ग्राम (महल) सामूहिक रूप से उत्तरदायी

- बंगाल काश्तकारी अधिनियम 1885 ने काश्तकारों को अधिकार दिए
- **18वीं सदी के मध्य बंगाल का निर्यात:** सूती वस्त्र, रेशम, अफीम, शोरा, चीनी
- **बिहार:** शोरा एवं अफीम

अध्याय 49

भू-राजस्व, न्याय-व्यवस्था, सेना, पुलिस एवं सिविल सेवाएँ

भू-राजस्व बंदोबस्त

पद्धति	प्रवर्तक / वर्ष	क्षेत्र	प्रमुख विशेषताएँ
स्थायी बंदोबस्त (जमींदारी)	कार्नवालिस, 1793	बंगाल, बिहार, ओडिशा (बाद में बनारस एवं उत्तरी मद्रास); ब्रिटिश भारत का 19%	जमींदार भूमि के स्वामी बनाए गए; राजस्व सदा के लिए निश्चित (10/11 राज्य को, 1/11 जमींदार को); 'सूर्यास्त कानून' - देय तिथि के सूर्यास्त तक लगान न चुकाने पर भूमि बेच दी जाती थी
रैयतवाड़ी	टॉमस मूनरो एवं अलेक्जेंडर रीड (1820)	मद्रास, बंबई, असम के कुछ भाग; ब्रिटिश भारत का 51%	रैयतों (कृषकों) से प्रत्यक्ष बंदोबस्त; राजस्व 20-30 वर्ष के लिए निश्चित, फिर पुनरीक्षित; मूनरो (मद्रास के गवर्नर 1820-27); उपज का 33-50%; कृषक स्वामी
महालवाड़ी	होल्ट मैकेंजी (1822) / रॉबर्ट मर्टिस बर्ड; विनियम VII, 1822; बेंटिक 1833	उत्तर-पश्चिमी प्रांत (उत्तर प्रदेश), पंजाब, मध्य भारत; ब्रिटिश भारत का 30%	ग्राम समुदायों (महाल) से बंदोबस्त; ग्राम-प्रधान (लंबरदार) उत्तरदायी; प्रत्येक 30 वर्ष में पुनरीक्षित

- 1859: लगान अधिनियम (कैनिंग); बंगाल काश्तकारी अधिनियम (1885, रिपन) - काश्तकारों के अधिकार; पंजाब भूमि अन्य-संक्रमण अधिनियम (1900, कर्जन); दक्कन कृषक राहत अधिनियम (1879)
- स्थायी बंदोबस्त के कारण:** राजस्व की स्थिरता, एक वफादार वर्ग का निर्माण, निवेश को प्रोत्साहन; प्रभाव: अनुपस्थित भू-स्वामित्व, उप-सामंतीकरण, अत्यधिक लगान-वसूली, कृषकों पर ऋणग्रस्तता
- स्थायी बंदोबस्त कंपनी का प्रथम प्रमुख भू-राजस्व बंदोबस्त था; कार्नवालिस ने कलेक्टर को जिले का प्रमुख भी बनाया

न्यायिक व्यवस्था

- वारेन हेस्टिंग्स:** दीवानी अदालत (दीवानी, कलेक्टर की अध्यक्षता) एवं फौजदारी अदालत (आपराधिक; सदर निजामत अदालत); हिंदू एवं मुस्लिम विधि का संहिताकरण (हालहेड की डाइजेस्ट ऑफ हिंदू लॉ - 'ए कोड ऑफ जेंटल लॉज')
- रेगुलेटिंग एक्ट 1773:** कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय (1774), मुख्य न्यायाधीश सर एलिजा इम्पे (नंदकुमार पर जालसाजी का मुकदमा - न्यायिक हत्या, 1775)
- कार्नवालिस कोड 1793:** राजस्व एवं न्यायिक कार्यों का पृथक्करण (कलेक्टर की न्यायिक शक्तियाँ समाप्त), दीवानी न्यायालय - मुंसिफ, सदर अमीन, जिला, प्रांतीय अपील न्यायालय, सदर दीवानी अदालत; कार्नवालिस ने विधि का शासन एवं कलेक्टर-मजिस्ट्रेट प्रणाली आरंभ की
- बेंटिक (1829-33):** प्रांतीय अपील न्यायालय समाप्त किए; भारतीय न्यायाधीश; न्यायालयों में फारसी के स्थान पर क्षेत्रीय भाषाएँ / अंग्रेजी (1837, ऑकलैंड); भारतीय न्यायाधीशों (मुंसिफ, सदर अमीन) को अधिक शक्तियाँ; सती उन्मूलन (1829, विनियम XVII)
- मैकाले विधि सदस्य के रूप में (1834-38):** भारतीय दंड संहिता (प्रारूप 1837, लागू 1860), प्रथम विधि आयोग (1834)
- चार्टर एक्ट 1833:** विधि आयोग; चार्टर एक्ट 1853: द्वितीय विधि आयोग
- भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861:** कलकत्ता, बंबई, मद्रास में उच्च न्यायालय (इलाहाबाद 1866); प्रिवी काउंसिल सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय
- दंड प्रक्रिया संहिता (1861, 1898), सिविल प्रक्रिया संहिता (1859), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872), संविदा अधिनियम (1872), संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम (1882)
- विधि का शासन, विधि के समक्ष समानता, संहिताकरण - सकारात्मक पक्ष; किंतु वकीलों पर निर्भरता, महँगी मुकदमेबाजी एवं नस्लीय भेदभाव (इल्बर्ट बिल) - नकारात्मक पक्ष

पुलिस

- **कार्नवालिस:** पुलिस थाने, दारोगा; जमींदारों से पुलिस शक्तियाँ छीनी गईं
- **पुलिस अधिनियम 1861:** जिला पुलिस अधीक्षक; प्रांतों में महानिरीक्षक; आयरिश कांस्टेबुलरी का आदर्श; स्लीमन के अधीन ठगी एवं डकैती विभाग (बैंटिक, 1830 का दशक)
- केंद्रीय गुप्तचर विभाग (1904, कर्जन); CID का गठन; पुलिस आयोग 1902 (एंड्रयू फ्रेजर)

सेना

- तीन प्रेसीडेंसी सेनाएँ (बंगाल, मद्रास, बंबई); 1857 के पश्चात् पील आयोग 1858: यूरोपीय सैनिकों का अनुपात बढ़ाया (बंगाल में लगभग 1:2; मद्रास एवं बंबई में 2:5); तोपखाना केवल यूरोपीयों के पास रखा गया
- 'मार्शल जाति' सिद्धांत (1880 के दशक से) - पंजाब, नेपाल (गोरखा), राजपूताना, जाटों से भर्ती; बंगाल सेना का पुनर्गठन; ईडन आयोग (1879)
- **किचनर (सेनापति 1902-09):** सेना सुधार; कर्जन-किचनर विवाद (1905) के कारण कर्जन का त्यागपत्र
- भारतीय सैनिकों का प्रयोग अफ़ीम युद्धों, बर्मा, अफगानिस्तान एवं विश्व युद्धों में हुआ; 'आर्मी इन इंडिया कमेटी' (एशर, 1919)

सिविल सेवाएँ

- **कार्नवालिस:** 'भारतीय सिविल सेवा के जनक' (अनुबद्ध सिविल सेवा, निजी व्यापार रोकने हेतु ऊँचे वेतन)
- **वेलेजली:** फोर्ट विलियम कॉलेज (1800, कलकत्ता); हेलीबरी कॉलेज (1806, इंग्लैंड)
- **चार्टर एक्ट 1853:** ICS हेतु खुली प्रतियोगिता (मैकाले समिति, 1854); प्रथम परीक्षा 1855 में लंदन में; 1876 में अधिकतम आयु घटाकर 19 वर्ष (सैलिसबरी) - भारतीय हतोत्साहित हुए; लिटन की सांविधिक सिविल सेवा (1878-79); बाद में आयु बढ़ाकर 21 वर्ष (एचिसन आयोग 1886)
- सत्येंद्रनाथ टैगोर ICS में प्रथम भारतीय (1863)
- **एचिसन आयोग (1886):** शाही, प्रांतीय एवं अधीनस्थ सेवाएँ (डफरिन)
- इस्लिंगटन आयोग (1912), ली आयोग (1923, 40% भारतीय), भारत शासन अधिनियम 1919: लोक सेवा आयोग; भारत शासन अधिनियम 1935 के अंतर्गत संघीय लोक सेवा आयोग (प्रथम लोक सेवा आयोग 1926; अध्यक्ष रॉस बार्कर)
- **भारत में एक साथ परीक्षा की माँग:** INC प्रस्ताव 1885; भारत में प्रथम परीक्षाएँ केवल 1922 में हुईं

शिक्षा सुधार (संक्षिप्त कालक्रम)

वर्ष	घटना
1781	कलकत्ता मदरसा (वारेन हेस्टिंग्स)
1784	एशियाटिक सोसाइटी (विलियम जोन्स)
1791	संस्कृत कॉलेज, बनारस (जोनाथन डंकन)
1800	फोर्ट विलियम कॉलेज (वेलेजली)
1813	चार्टर एक्ट: शिक्षा हेतु रु. 1 लाख; प्राच्यवादी बनाम आंग्लवादी
1835	मैकाले का स्मरण-पत्र - शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी; बैंटिक का प्रस्ताव (7 मार्च 1835)
1844	हार्डिंग: नौकरियों में अंग्रेजी शिक्षा को वरीयता
1854	वूड का डिस्पैच - 'भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्रा कार्टा'; विश्वविद्यालय (1857: कलकत्ता, बंबई, मद्रास); लोक शिक्षा विभाग
1882	हंटर आयोग (प्राथमिक शिक्षा स्थानीय बोर्डों को सौंपना)
1902	रैले आयोग (विश्वविद्यालय); 1904 भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम
1917	सैडलर आयोग (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
1937	वर्धा योजना (बुनियादी शिक्षा)
1944	सार्जेंट योजना

अध्याय 50

गवर्नर-जनरल एवं वायसराय: संपूर्ण कालानुक्रमिक सारणी

बंगाल के गवर्नर एवं गवर्नर-जनरल (1757-1857)

नाम	वर्ष	महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं सुधार
रॉबर्ट क्लाइव	1757-60, 1765-67	प्लासी (1757); इलाहाबाद की संधि एवं दीवानी (1765); बंगाल में द्वैध शासन (1765-72); व्यापार समिति
वैन्सिटार्ट	1760-64	बक्सर का युद्ध (1764); मीर कासिम
वारेन हेस्टिंग्स	1772-85	प्रथम गवर्नर-जनरल (रेगुलेटिंग एक्ट 1773); द्वैध शासन की समाप्ति (1772); 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट; प्रथम मराठा युद्ध (सालबाई 1782); रुहेला युद्ध; कलकत्ता मदरसा (1781); एशियाटिक सोसाइटी (1784); नंदकुमार प्रकरण; चेत सिंह प्रकरण; 1788 में महाभियोग
लॉर्ड कार्नवालिस	1786-93	स्थायी बंदोबस्त (1793); कार्नवालिस कोड; तृतीय मैसूर युद्ध; पुलिस सुधार; सिविल सेवा
सर जॉन शोर	1793-98	अहस्तक्षेप की नीति; खरदा का युद्ध (1795; निजाम बनाम मराठे); चार्टर एक्ट 1793
लॉर्ड वेलेजली	1798-1805	सहायक संधि; चतुर्थ मैसूर युद्ध; द्वितीय मराठा युद्ध; फोर्ट विलियम कॉलेज (1800); मद्रास प्रेसीडेंसी में कर्नाटक का विलय
कार्नवालिस (द्वितीय कार्यकाल)	1805	कुछ ही महीनों में मृत्यु
जॉर्ज बालो	1805-07	अहस्तक्षेप की नीति; वेल्लोर विद्रोह (1806)
लॉर्ड मिंटो प्रथम	1807-13	अमृतसर की संधि 1809 (रणजीत सिंह एवं मेटकॉफ); चार्टर एक्ट 1813
लॉर्ड हेस्टिंग्स (मार्किंस)	1813-23	तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध; गोरखा युद्ध; पिंडारियों का दमन; मद्रास में रैयतवाड़ी (1820); प्रेस सेंसरशिप की समाप्ति (1818); सर्वोच्चता का सिद्धांत
लॉर्ड एमहर्स्ट	1823-28	प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-26); बैरकपुर विद्रोह (1824); भरतपुर की विजय (1826)
लॉर्ड विलियम बेंटिक	1828-35	सती प्रथा का उन्मूलन (1829); ठगी का दमन (स्लीमन); चार्टर एक्ट 1833 (भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल); मैकाले का स्मरण-पत्र एवं अंग्रेजी शिक्षा (1835); महालवाड़ी बंदोबस्त (1833); कलकत्ता मेडिकल कॉलेज (1835); कूर्ग का विलय (1834); न्यायालयों में भारतीय न्यायाधीश
चार्ल्स मेटकॉफ	1835-36	प्रेस को मुक्त किया (1835)
लॉर्ड ऑकलैंड	1836-42	प्रथम अफगान युद्ध (1839-42); त्रिपक्षीय संधि

नाम	वर्ष	महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं सुधार
लॉर्ड एलनबरो	1842-44	सिंध का विलय (1843); ग्वालियर; अफगान युद्ध की समाप्ति; दासता उन्मूलन (अधिनियम V, 1843)
लॉर्ड हार्डिंग प्रथम	1844-48	प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845-46); सामाजिक सुधार (कन्या-शिशु हत्या, खोंडों में नरबलि के विरुद्ध); अंग्रेजी शिक्षा को वरीयता
लॉर्ड डलहौजी	1848-56	द्वितीय सिख युद्ध (पंजाब का विलय 1849); व्यपगत का सिद्धांत; द्वितीय बर्मा युद्ध (1852); प्रथम रेल बंबई-ठाणे (1853); तार (1851); डाक सुधार (1854); वुड का डिस्पैच (1854); लोक निर्माण विभाग; अवध का विलय (1856)

गवर्नर-जनरल एवं वायसराय (1856-1947)

नाम	वर्ष	महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं सुधार
लॉर्ड कैनिंग	1856-62	1857 का विद्रोह; प्रथम वायसराय (1858); भारत शासन अधिनियम 1858; रानी की घोषणा; विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856); कलकत्ता, बंबई, मद्रास में विश्वविद्यालय (1857); नील विद्रोह (1859-60); आयकर (जेम्स विल्सन, 1860); IPC (1860); भारतीय परिषद् अधिनियम 1861; भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861; पुलिस अधिनियम 1861
लॉर्ड एल्लिन प्रथम	1862-63	वहाबी आंदोलन; धर्मशाला में मृत्यु (1863)
सर जॉन लॉरेंस	1864-69	भूटान युद्ध (1864-65); उड़ीसा अकाल (1866); यूरोप से तार संपर्क; पंजाब काश्तकारी अधिनियम (1868); भारतीय सिविल सेवा सुधार
लॉर्ड मेयो	1869-72	वित्तीय विकेंद्रीकरण (1870); सांख्यिकीय सर्वेक्षण; कृषि विभाग (1871); प्रथम जनगणना का प्रयास (1872); प्रथम नियमित जनगणना 1881; मेयो कॉलेज अजमेर; अंडमान में शेर अली द्वारा हत्या (1872)
लॉर्ड नॉर्थब्रुक	1872-76	कूका (नामधारी) विद्रोह (1872); बड़ौदा के गायकवाड़ (मल्हार राव) की पदच्युति (1875); प्रिंस ऑफ वेल्स की यात्रा (1875-76)
लॉर्ड लिटन	1876-80	दिल्ली दरबार (1877); रानी विक्टोरिया कैसर-ए-हिंद; वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (1878); शस्त्र अधिनियम (1878); द्वितीय अफगान युद्ध; महा-अकाल (1876-78; स्ट्रेची आयोग, अकाल संहिता); सांविधिक सिविल सेवा
लॉर्ड रिपन	1880-84	वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट की समाप्ति (1882); स्थानीय स्वशासन प्रस्ताव (1882; 'स्थानीय स्वशासन के जनक'); हंटर शिक्षा आयोग (1882); प्रथम कारखाना अधिनियम (1881); इल्बर्ट बिल विवाद (1883-84); जनगणना (1881)
लॉर्ड डफरिन	1884-88	तृतीय बर्मा युद्ध; INC की स्थापना (1885); पंजदेह घटना (1885); बंगाल काश्तकारी अधिनियम 1885; एचिसन आयोग; डफरिन अस्पताल

नाम	वर्ष	महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं सुधार
लॉर्ड लैंसडाउन	1888-94	भारतीय परिषद् अधिनियम 1892; कारखाना अधिनियम 1891; सहमति आयु अधिनियम 1891; ड्रेंड रेखा (1893); मणिपुर अभियान (1891)
लॉर्ड एलिन द्वितीय	1894-99	उत्तर-पश्चिमी सीमांत पर जनजातीय विद्रोह (तिराह); प्लेग; अकाल; तिलक की गिरफ्तारी (1897); चापेकर बंधुओं द्वारा रैंड की हत्या
लॉर्ड कर्जन	1899-1905	कलकत्ता निगम अधिनियम (1899); भारतीय सिक्का अधिनियम (1899; स्वर्णमान); अकाल आयोग (1901; मैकडॉनल); पुलिस आयोग (फ्रेजर, 1902); सिंचाई आयोग (1901); विश्वविद्यालय आयोग (रैले, 1902) एवं भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904; सहकारी ऋण समिति अधिनियम 1904; प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904; पुरातत्त्व सर्वेक्षण; इंपीरियल लाइब्रेरी (1902); दिल्ली दरबार (1903); बंगाल विभाजन (16 अक्टूबर 1905); कर्जन-किचनर विवाद; तिब्बत (यंगहसबैंड); शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1904
लॉर्ड मिंटो द्वितीय	1905-10	स्वदेशी; सूत विभाजन (1907); मॉर्ले-मिंटो सुधार (1909); मुस्लिम लीग (1906); अलीपुर बम कांड; समाचारपत्र (अपराध-उत्तेजना) अधिनियम 1908; भारतीय प्रेस अधिनियम 1910; राजद्रोहात्मक सभा अधिनियम 1907; मदनलाल दींगरा द्वारा कर्जन वायली की हत्या (1909)
लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय	1910-16	दिल्ली दरबार (दिसंबर 1911, जॉर्ज पंचम); विभाजन रद्द (1911); राजधानी दिल्ली स्थानांतरित (1912); हार्डिंग पर बम (दिल्ली षड्यंत्र, दिसंबर 1912); भारत में गांधी; कोमागाटा मारू (1914); गदर; प्रथम विश्व युद्ध; लखनऊ समझौता; हिंदू विश्वविद्यालय (BHU 1916)
लॉर्ड चेम्सफोर्ड	1916-21	लखनऊ समझौता (1916); होमरूल लीग; अगस्त घोषणा (1917); रॉलट एक्ट (1919); जलियाँवाला बाग; हंटर समिति; भारत शासन अधिनियम 1919; तृतीय अफगान युद्ध (1919); खिलाफत; असहयोग
लॉर्ड रीडिंग	1921-26	प्रिंस ऑफ वेल्स की यात्रा (1921); चौरी-चौरा (1922); गांधी की कैद (1922-24); स्वराज पार्टी; काकोरी (1925); ली आयोग (1924); सांप्रदायिक दंगे; हिंदू महासभा एवं RSS का उदय
लॉर्ड इरविन	1926-31	साइमन कमीशन (1927); नेहरू रिपोर्ट (1928); इरविन घोषणा (31 अक्टूबर 1929); दांडी मार्च; गोलमेज सम्मेलन (1930); गांधी-इरविन समझौता (1931); लाहौर षड्यंत्र; भगत सिंह को फाँसी
लॉर्ड विलिंगडन	1931-36	द्वितीय एवं तृतीय गोलमेज सम्मेलन; सविनय अवज्ञा (द्वितीय चरण, 1932); सांप्रदायिक पंचाट (1932); पूना समझौता; भारत शासन अधिनियम 1935
लॉर्ड लिनलिथगो	1936-43	प्रांतीय स्वायत्तता (1937) एवं कांग्रेस मंत्रिमंडल; कांग्रेस मंत्रिमंडलों का त्यागपत्र (1939); पाकिस्तान प्रस्ताव (1940); अगस्त प्रस्ताव (1940); व्यक्तिगत सत्याग्रह; क्रिप्स मिशन (1942); भारत छोड़ो (1942); बंगाल अकाल (1943)

नाम	वर्ष	महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं सुधार
लॉर्ड वेवल	1943-47	वेवल योजना (शिमला सम्मेलन 1945); INA मुकदमे (1945-46); नौसेना (RIN) विद्रोह (फरवरी 1946); कैबिनेट मिशन (1946); प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (16 अगस्त 1946); अंतरिम सरकार (सितंबर 1946); बंगाल अकाल राहत
लॉर्ड माउंटबेटन	1947	माउंटबेटन योजना (3 जून 1947); भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम; विभाजन; स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल (15 अगस्त 1947 - जून 1948)
सी. राजगोपालाचारी	1948-50	प्रथम भारतीय एवं अंतिम गवर्नर-जनरल

वायसराय एवं संबद्ध घटनाएँ

वायसराय	संबद्ध घटनाएँ
रिपन	स्थानीय स्वशासन; इल्बर्ट बिल; हंटर आयोग; कारखाना अधिनियम 1881 (प्रथम); वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट की समाप्ति
लिटन	वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट; शस्त्र अधिनियम; दिल्ली दरबार 1877; अकाल
कर्जन	बंगाल विभाजन; विश्वविद्यालय अधिनियम; पुलिस आयोग; प्राचीन स्मारक अधिनियम
मिंटो द्वितीय	मॉर्ले-मिंटो सुधार; मुस्लिम लीग
हार्डिंग द्वितीय	दिल्ली राजधानी; विभाजन की समाप्ति; कोमागाटा मारू
चेम्सफोर्ड	मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार; रॉलट एक्ट; जलियाँवाला बाग
इरविन	साइमन कमीशन; इरविन घोषणा; दांडी; गांधी-इरविन समझौता
विलिंगडन	सांप्रदायिक पंचाट; पूना समझौता; भारत शासन अधिनियम 1935
लिनलिथगो	अगस्त प्रस्ताव; व्यक्तिगत सत्याग्रह; क्रिप्स; भारत छोड़ो
वेवल	शिमला सम्मेलन; कैबिनेट मिशन; प्रत्यक्ष कार्यवाही
माउंटबेटन	विभाजन योजना; स्वतंत्रता

अध्याय 51

औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था एवं 1857 का विद्रोह

आर्थिक नीति - अतिरिक्त तथ्य

- **महालवाड़ी:** होल्ड मैकेंजी द्वारा 1822 में तैयार (बंगाल प्रेसीडेंसी, उत्तर-पश्चिमी प्रांत); ग्राम = महल; राजस्व का समय-समय पर पुनरीक्षण
- **तालुकदारी:** मुख्यतः अवध में; बंबई में मुख्यतः रैयतवाड़ी
- **रैयतवाड़ी पर मुनरो:** 'ऐसी पद्धति जो भारत में सदैव प्रचलित रही है'
- **ग्राम-व्यवस्थाएँ:** जजमानी - उत्तर भारत; बारा बलुटे - महाराष्ट्र; मिरासी - तमिलनाडु; अडाडे - कर्नाटक
- **मिरासीदार:** दक्षिण भारत के ग्रामीण अभिजन, रैयतवाड़ी के अंतर्गत राजस्व-दाता; बनियन - कंपनी का भारतीय एजेंट; औरंग - गोदाम
- केंद्रीय राजस्व का लगभग 40% सेना पर व्यय होता था
- पंजाब भूमि अन्य-संक्रमण अधिनियम 1900 - कृषकों से गैर-कृषकों को भूमि के हस्तांतरण को रोकता
- असम टी कंपनी की स्थापना 1839 (नजीरा) - सबसे पुरानी कार्यरत चाय कंपनी
- अनौद्योगीकरण का आरंभ 1813 के चार्टर एक्ट से (चाय एवं चीन व्यापार को छोड़कर कंपनी का एकाधिकार समाप्त); चार्टर एक्ट 1833 (सेंट हेलेना एक्ट) ने कंपनी को पूर्णतः प्रशासनिक बना दिया
- व्यापार-संतुलन अनुकूल था, किंतु 'बिना प्रतिफल के निर्यात' द्वारा निष्कासन होता रहा
- **कार्ल मार्क्स:** भारत में ब्रिटिश आर्थिक नीति 'घृणित'
- **आर्थर कॉटन:** दक्षिण भारत में सिंचाई के अग्रदूत
- **कृषि का वाणिज्यीकरण:** नील, कपास, अफीम, जूट कृषकों पर थोपे गए
- **आर्थिक आलोचक:** नौरोजी, एम.जी. रानाडे, आर.सी. दत्त, जी.वी. जोशी, जी. सुब्रमण्य अय्यर, गोखले

1857 का विद्रोह - कारण एवं घटनाक्रम

- **तात्कालिक कारण:** एनफील्ड राइफल दिसंबर 1856 में आई (ब्राउन बेस का स्थान लिया); परीक्षण दमदम, अंबाला, सियालकोट में; चिकनाई लगे कारतूसों की अफवाह (गाय एवं सूअर की चर्बी) जनवरी 1857
- **अन्य कारण:** व्यपगत का सिद्धांत, अवध का विलय, सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम 1856 (समुद्र-यात्रा), सिंध / पंजाब में विदेश-सेवा भर्ते की समाप्ति, कर, धर्म में हस्तक्षेप
- बहरामपुर में इनकार फरवरी 1857; बैरकपुर 29 मार्च 1857 - मंगल पांडे (34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री) ने लेफ्टिनेंट बाघ एवं सार्जेंट मेजर ह्यूसन को गोली मारी; 8 अप्रैल 1857 को फाँसी; कमांडिंग अफसर हियरसे
- मेरठ 10 मई 1857 (तृतीय हल्की घुड़सवार सेना; जनरल हेवित कुछ नहीं कर सका); विद्रोही 11 मई को दिल्ली पहुँचे, 12 मई को दिल्ली पर अधिकार; बहादुर शाह जफर सम्राट घोषित; बख्त खाँ को 'साहेब-ए-आलम बहादुर' की उपाधि दी गई
- **प्रतीक:** चपातियाँ एवं कमल
- अंग्रेजों ने 20-21 सितंबर 1857 को दिल्ली पुनः जीती (जॉन निकल्सन की मृत्यु 23 सितंबर); हडसन ने बहादुर शाह को पकड़ा

केंद्र	नेता	परिणाम
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय, बख्त खाँ	सितंबर 1857 में दिल्ली पुनः अधिकृत; जफर रंगून निर्वासित
कानपुर	नाना साहेब (5 जून 1857 को पेशवा; 30 जून को पेशवा घोषित), तात्या टोपे, अजीमुल्ला खाँ	नाना 1859 में नेपाल भागे; मान सिंह के विश्वासघात से पकड़े गए तात्या टोपे को 18 अप्रैल 1859 को शिवपुरी में फाँसी
लखनऊ	बेगम हजरत महल (पुत्र बिरजिस कद्र), 30 मई 1857	कॉलिन कैपबेल ने गोरखाओं सहित 21 मार्च 1858 को पुनः अधिकार किया; बेगम नेपाल भागी, 1879 में मृत्यु
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई (जन्म नाम मणिकर्णिका, काशी)	ह्यू रोज; 17/18 जून 1858 को ग्वालियर में वीरगति; 'विद्रोहियों में एकमात्र पुरुष'
बरेली	खान बहादुर खाँ (रुहेलखंड के वायसराय)	मृत्युदंड
जगदीशपुर (बिहार)	कृंवर सिंह (लगभग 80 वर्ष); भाई अमर सिंह	26 अप्रैल 1858 को मृत्यु

केंद्र	नेता	परिणाम
इलाहाबाद	मौलवी लियाकत अली (खुसरो बाग)	नील द्वारा दमन
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला शाह	रु. 50,000 का इनाम
असम	मणिराम दत्ता बरुआ दीवान	फाँसी
आउवा	ठाकुर कृशल सिंह	ब्रिटिश-जोधपुर सेना को पराजित किया
शामली	हाजी इमदादुल्लाह	युद्ध मई 1857
पटना	पीर अली	फाँसी

- **वफादार:** सिंधिया (दिनकर राव), होल्कर, निजाम (सालार जंग), जोधपुर, भोपाल, पटियाला-नाभा-जींद, कश्मीर; कैनिंग: शासकों ने 'तरंग-रोधक' का कार्य किया
- अधिकांश सिपाही अवध से (75,000 से अधिक); दक्षिण भारत प्रायः शांत रहा
- कैनिंग ने इलाहाबाद को आपातकालीन मुख्यालय बनाया; पामस्टन प्रधानमंत्री
- **आउट्रम:** मुस्लिम षड्यंत्र; लॉरेंस एवं सीली: सिपाही विद्रोह; टी.आर. होम्स: बर्बरता बनाम सभ्यता; सावरकर: 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' (1909); आर.सी. मजूमदार: 'न प्रथम, न राष्ट्रीय, न स्वतंत्रता संग्राम'; एस.एन. सेन 'एटीन फिफ्टी-सेवन' (1957); सैयद अहमद खान: असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद (1859); डब्ल्यू.एच. रसेल - टाइम्स संवाददाता
- मिर्जा गालिब ने विद्रोह को प्रत्यक्ष देखा

परिणाम

- भारत शासन अधिनियम 1858; रानी की घोषणा 1 नवंबर 1858 - और विलय नहीं, धार्मिक अहस्तक्षेप, दत्तक-ग्रहण पुनः मान्य; बोर्ड ऑफ कंट्रोल एवं कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स समाप्त; 15 सदस्यीय परिषद् सहित भारत सचिव
- **पील आयोग:** यूरोपीय सैनिक 45,000 से 65,000; भारतीय सैनिक 2,38,000 से 1,40,000; फूट डालो और राज करो की भर्ती नीति; सिख, गोरखा, पंजाबी वरीय
- भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861 (बंबई, कलकत्ता, मद्रास); भारतीय परिषद् अधिनियम 1861
- राय बहादुर / खान बहादुर की उपाधियाँ आरंभ

स्मरणीय

रानी लक्ष्मीबाई: 1828 (19 नवंबर) सर्वाधिक मान्य जन्म-वर्ष; कुछ स्रोतों में 1835
मंगल पांडे: 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री, बैरकपुर
हडसन ने बहादुर शाह को हुमायूँ के मकबरे में पकड़ा

अध्याय 52

ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव: त्वरित पुनरावृत्ति

औपनिवेशिक शोषण के चरण

चरण	काल	विशेषताएँ
वाणिज्यवाद	1757-1813	कंपनी का एकाधिकार; बंगाल की लूट; 'निवेश' के माध्यम से निष्कासन; ब्रिटेन को वस्त्रों का निर्यात; दीवानी राजस्व से माल की खरीद
मुक्त व्यापार / औद्योगिक पूँजीवाद	1813-1858	चार्टर एक्ट 1813 ने एकाधिकार समाप्त किया; ब्रिटिश निर्मित माल की बाढ़; अनौद्योगिकीकरण; भारत कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता बना; कॉर्न लॉज का निरसन (1846)
वित्तीय साम्राज्यवाद	1858 के पश्चात्	रेलवे, ऋण, गारंटीशुदा ब्याज; बागानों, जूट, खानों में ब्रिटिश पूँजी; होम चार्ज; स्वेज का खुलना (1869)

अनौद्योगिकीकरण एवं वाणिज्यीकरण

- हस्तशिल्प का पतन (ढाका की मलमल, सूती, रेशमी वस्त्र, जहाज-निर्माण); ग्रामीणीकरण; 1813 का चार्टर एक्ट; ब्रिटेन में भारतीय माल पर शुल्क (70-80%); सूती वस्त्र का निर्यात घटा, कच्चे कपास का निर्यात बढ़ा
- कृषि का वाणिज्यीकरण:** नील (बंगाल), अफीम (बिहार, मालवा), कपास (अमेरिकी गृह युद्ध 1861-65 के पश्चात् दक्कन), जूट (बंगाल), चाय (असम; असम कंपनी 1839), कॉफी (दक्षिण), गन्ना, रबर; ऋणग्रस्तता
- रेलवे:** प्रथम बंबई-ठाणे 1853; गारंटीशुदा ब्याज 5% (रेल कंपनियाँ); 'रेलवे ब्रिटिश हितों के लिए बनाई गई'; डलहौजी का स्मरण-पत्र 1853; रेलवे बोर्ड 1905; एकवर्ष समिति 1920 (पृथक रेल बजट 1924)
- धन का निष्कासन:** दादाभाई नौरोजी (पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया, 1901; 'निष्कासन सिद्धांत' 1867 'इंग्लैंड्स डेट टू इंडिया'); आर.सी. दत्त (इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया); जी.वी. जोशी; एम.जी. रानाडे; विलियम डिग्बी (प्रॉस्पेरेस ब्रिटिश इंडिया); जी.के. गोखले; होम चार्ज (राजस्व का लगभग 1/3)
- स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी एवं महालवाड़ी:** कृषकों की ऋणग्रस्तता, साहूकार; भूमि अन्य-संक्रमण अधिनियम (पंजाब 1900)
- अकाल:** महा-अकाल 1770 (बंगाल; एक-तिहाई जनसंख्या की मृत्यु), 1783, 1866 (उड़ीसा), 1876-78 (महा-अकाल; स्ट्रेची आयोग 1880), 1896-97, 1899-1900; अकाल संहिताएँ; अकाल आयोग 1880 (स्ट्रेची), 1898 (लायल), 1901 (मैकडॉनल); बंगाल अकाल 1943; वुडहेड आयोग (1944)
- मुद्रा:** स्वर्णमान से स्वर्ण-विनिमय मान; हिल्टन यंग आयोग (1926; 1 शिलिंग 6 पेंस अनुपात); फाउलर समिति (1898); हर्शल समिति (1893, टकसालें बंद); रुपया-स्टर्लिंग
- वित्त:** आयकर 1860 (जेम्स विल्सन); शाही एवं प्रांतीय; मेयो का विकेंद्रीकरण 1870; काउंसिल चार्ज; मेस्टन पंचाट (1920); संघीय वित्त; होम चार्ज; भारतीय रिजर्व बैंक (1 अप्रैल 1935; हिल्टन यंग की अनुशंसा)

आयोग / समिति	वर्ष	विषय
स्ट्रेची आयोग	1880	अकाल बीमा
हंटर आयोग	1882	शिक्षा
हिल्टन यंग आयोग	1926	मुद्रा एवं RBI
साइमन आयोग	1927	संविधान
कृषि पर शाही आयोग (लिनलिथगो)	1926-28	कृषि दशाएँ
हिटली आयोग	1929	श्रम
केंद्रीय बैंकिंग जाँच समिति	1929-31	बैंकिंग

आयोग / समिति	वर्ष	विषय
भारतीय राजकोषीय आयोग	1921-22	संरक्षणात्मक शुल्क (विभेदक संरक्षण)
एकवर्ष समिति	1920-21	रेलवे
पील आयोग	1859	सेना
ईडन आयोग	1879	सेना
एचिसन आयोग	1886	सेवाएँ
इस्लिंगटन आयोग	1912-15	लोक सेवाएँ
ली आयोग	1923-24	सेवाएँ
सैडलर आयोग	1917-19	कलकत्ता विश्वविद्यालय
हार्टोग समिति	1929	शिक्षा
सप्रू समिति	1944-45	संवैधानिक एवं सांप्रदायिक समस्याएँ

आधुनिक उद्योग एवं बैंकिंग

- **सूती मिलें:** प्रथम कलकत्ता में (फोर्ट ग्लॉस्टर 1818), बंबई (कावसजी नानाभाई दावर 1854); जूट (रिशरा 1855; जॉर्ज एकलैंड, बंगाल); कोयला (रानीगंज 1774); टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (1907, जमशेदपुर; जमशेदजी टाटा); सर दोराबजी टाटा; इंडियन सीमेंट; टीटागढ़; स्वदेशी स्टीम नेविगेशन (वी.ओ. चिदंबरम पिल्लै, 1906); बंगाल केमिकल्स (पी.सी. राय 1901); टाटा जल-विद्युत (1910)
- **बैंक:** बैंक ऑफ हिंदुस्तान (1770), जनरल बैंक ऑफ इंडिया; प्रेसीडेंसी बैंक (बैंक ऑफ बंगाल 1806, बंबई 1840, मद्रास 1843); इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया (1921); RBI (1935); पंजाब नेशनल बैंक (1894 लाहौर); बैंक ऑफ इंडिया (1906); सेंट्रल बैंक (1911)
- **भारतीय पूँजीपति:** टाटा, बिड़ला, वालचंद हीराचंद, बजाज, कस्तूरभाई लालभाई, साराभाई, श्रीराम, ठाकुरदास; बंबई योजना (1944; टाटा, बिड़ला, जे.आर.डी. टाटा, जी.डी. बिड़ला, पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास); FICCI (1927, जी.डी. बिड़ला)
- संरक्षणात्मक शुल्क अधिनियम 1923 (इस्पात); विभेदक संरक्षण 1924; ओटावा समझौता 1932 (साम्राज्यिक वरीयता; कांग्रेस ने अस्वीकार किया); वस्त्र संरक्षण 1927
- **आँकड़े:** वास्तविक आय में ठहराव (1860-1920); औसत जीवन-प्रत्याशा घटी; प्रति व्यक्ति आय; जनसंख्या 1881: 25.4 करोड़; 1921: 25.1 करोड़ (इन्फ्लुएंजा 1918-19)

अध्याय 53

1857 की असफलता, घोषणा एवं अन्य विद्रोह

1857 क्यों असफल हुआ

- एकीकृत नेतृत्व, योजना अथवा विचारधारा का अभाव; सीमित क्षेत्र (दक्षिण, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश प्रायः अछूते); सिंधिया, होल्कर, निजाम, पटियाला, जींद जैसे शासकों ने अंग्रेजों की सहायता की; शिक्षित मध्यम वर्ग, साहूकार एवं व्यापारी निर्लिप्त रहे; ब्रिटिश सैन्य एवं तकनीकी श्रेष्ठता, तार-व्यवस्था; विश्वासघातियों की भूमिका
- **अप्रभावित:** चित्तौड़, जयपुर, मुंगेर (बिहार); बिहार के केंद्र - दानापुर, पटना, आरा, गया, मुजफ्फरपुर, शाहाबाद
- नवाब फाजिल मुहम्मद खॉं (भोपाल) ने आंदोलन का नेतृत्व किया; अन्य नेता: सुरेंद्र साय (संबलपुर), राधाकृष्ण दंडसेना; गुलाब सिंह; नवाब हामिद अली खॉं (दिल्ली)

रानी की घोषणा (1 नवंबर 1858) - पूर्ण / अपूर्ण

- **पूर्ण:** विलय नीति की समाप्ति; ताज द्वारा शासन ग्रहण
- **अपूर्ण:** भारतीयों एवं यूरोपीयों की समानता, व्यवहार में धार्मिक तटस्थता
- **1858 का अधिनियम:** 15 सदस्यीय परिषद् सहित भारत सचिव; ताज द्वारा गवर्नर-जनरल एवं प्रेसीडेंसी गवर्नरों की नियुक्ति; भारतीय सिविल सेवा भारत सचिव के अधीन; कंपनी की संपत्ति ताज को

परीक्षा हेतु ध्यातव्य तथ्य

लखनऊ विद्रोह की तिथि: 30 मई 1857 (NCERT) बनाम 4 जून 1857 (कुछ पुस्तकें)
झाँसी विद्रोह: जून 1857 (4 जून)
पील आयोग - 1857 के पश्चात् सेना का पुनर्गठन
ठक्कर बापा ने 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग किया

नागरिक, कृषक एवं जनजातीय विद्रोह

विद्रोह	वर्ष	नेता / स्थान	प्रमुख तथ्य
संन्यासी	1763-1800	बंगाल	आनंदमठ (बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय) इस पर आधारित; 1770 का अकाल; वंदे मातरम् 1896 के कलकत्ता INC अधिवेशन में गाया गया
पागल पंथ	1813-33	करम शाह, टीपू शाह (शेरपुर, मैमनसिंह)	कृषक बनाम जमींदार; गर्जरीपा किला
फरायजी	1818-62	हाजी शरीअतुल्लाह, दुदू मियाँ (फरीदपुर)	जमींदारों एवं नील-बागान मालिकों के विरुद्ध; वहाबियों में विलीन
रामोशी / भील / वाघेरा	1818-31	सेवाराम, खानदेश के भील; ओखा के वाघेरा 1818-19	कृषि-संकट
वेल्लोर विद्रोह	1806	सिपाही, मैसूर का ध्वज	वेशभूषा एवं धर्म में हस्तक्षेप; बालों
कच्छ विद्रोह	1816-32	भारमल	अंग्रेजों के विरुद्ध
त्रावणकोर	1809	वेल्लू थंपी दलवा एवं नायर बटालियन	सहायक संधि
हो (लरका कोल)	1820-21	सिंहभूम	
कोल	1831-32	बुद्ध भगत, छोटानागपुर	

विद्रोह	वर्ष	नेता / स्थान	प्रमुख तथ्य
गडकरी	1844-45	कोल्हापुर	किले के सेवकों की छूटनी
खोंड	1846-55	चक्र बिसोई (ओडिशा)	मेरिया बलि का उन्मूलन
संथाल	1855-56	सिद्धू, कान्हू, चाँद, भैरव	दामिन-ई-कोह (भागलपुर-राजमहल); भोगनाडीह; साहूकारों का ब्याज 50-500%
नील	1859-60	दिगंबर बिस्वास, विष्णु बिस्वास (गोविंदपुर, नदिया)	हरिश्चंद्र मुखर्जी (हिंदू पैट्रियट); दीनबंधु मित्र का नील दर्पण (1859-60)
कूका / नामधारी	1840 का दशक-72	जवाहर मल (सियान साहब), बालक सिंह, बाबा राम सिंह	गोरक्षा; राम सिंह रंगून / मरगई निर्वासित, 1885 में मृत्यु
पाबना कृषक	1873-76	ईशान चंद्र राय, केशब राय	जमींदारों द्वारा लगान-वृद्धि के विरुद्ध
दक्कन दंगे	1875	महाराष्ट्र	साहूकारों के विरुद्ध; दक्कन कृषक राहत अधिनियम 1879
रंपा	1879, 1922	आंध्र	वन कानून; 1922 में अल्लूरी सीताराम राजू
मुंडा (उलगुलान)	1895-1900	बिरसा मुंडा	खूंट-कट्टीदारी; 'धरती आबा'; सिंग बोंगा; जून 1900 में कारागार में मृत्यु
भूमकाल	1910	बस्तर	
टाना भगत	1914	जतरा भगत, छोटानागपुर (उराँव)	गांधीजी का प्रभाव
मोपला	1921	मालाबार	अली मुसलियार; खिलाफत
जेलियांगरोंग	1930 का दशक	जादोनांग, रानी गाइदिन्ल्यू	नागा
वहाबी	1820 का दशक-70 का दशक	सैयद अहमद बरेलवी (रायबरेली), शाह वलीउल्लाह से प्रेरित	पेशावर 1830; बालाकोट 1831; पटना केंद्र

- **सम्य सभा (1883):** गोविंद गुरु, राजस्थान के भील; सूरजी भगत; लसोडिया आंदोलन
- खैरवार 1874 (भगीरथ माँझी); अहोम विद्रोह 1828 (गोमधर कोंवर); सुरेंद्र साय (संबलपुर) ने 1862 में आत्मसमर्पण किया
- बरहियाताल (मुंगेर) - बकाशत भूमि की पुनर्प्राप्ति
- कृत्रिम रंजकों के कारण 1900 के दशक के आरंभ तक नील का पतन
- **बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय:** कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम स्नातकों में (यदुनाथ बोस के साथ); सीताराम अंतिम उपन्यास
- **क्रम:** संन्यासी - नील - कूका - पाबना

अध्याय 54

1857 का विद्रोह: केंद्र-वार सारणी एवं इतिहास-लेखन

केंद्र, नेता एवं ब्रिटिश सेनापति

केंद्र	विद्रोही नेता	दमनकर्ता ब्रिटिश अधिकारी / टिप्पणी
दिल्ली	बहादुर शाह जफर (नाममात्र), बख्त खाँ (सेनापति)	जॉन निकल्सन, हडसन; 20 सितंबर 1857 को पुनः अधिकार
कानपुर	नाना साहेब (धोंडू पंत), तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग), अजीमुल्ला खाँ	हेवलॉक, कॉलिन कैपबेल; नरवर के मान सिंह के विश्वासघात से तात्या टोपे पकड़े गए, अप्रैल 1859 में फाँसी
लखनऊ	बेगम हजरत महल, बिरजिस कदर; अहमदुल्ला शाह	हेनरी लॉरेंस, हेवलॉक, आउट्रम, कॉलिन कैपबेल
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	ह्यू रोज
ग्वालियर	रानी लक्ष्मीबाई एवं तात्या टोपे	ह्यू रोज; सिंधिया (जयाजीराव) वफादार रहे
बरेली	खान बहादुर खाँ	कॉलिन कैपबेल
आरा (बिहार)	जगदीशपुर के कुँवर सिंह (80 वर्ष)	मेजर विसेंट आयर, विलियम टेलर (पटना)
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला शाह	राजा जगन्नाथ सिंह द्वारा हत्या
इलाहाबाद	लियाकत अली	कर्नल नील
असम	मणिराम दीवान; कंदर्पेश्वर सिंह	मणिराम को फरवरी 1858 में फाँसी
ओडिशा	सुरेंद्र साय (संबलपुर)	-
राजस्थान	नसीराबाद, कोटा (1857; लाला जयदयाल)	राजपूताना में नसीराबाद एवं कोटा में विद्रोह
पंजाब	सिख रेजिमेंटों ने अंग्रेजों का साथ दिया	जॉन लॉरेंस; पंजाब शांत रहा
मेरठ	तृतीय घुड़सवार सेना (देशी), 10 मई 1857	विद्रोह का आरंभ
बैरकपुर	मंगल पांडे (34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री)	29 मार्च 1857

- विद्रोह मध्य दोआब, अवध, रुहेलखंड, बुंदेलखंड, मध्य भारत, बिहार के कुछ भागों में फैला; बंगाल, पंजाब, सिंध, राजपूताना एवं दक्षिण प्रायः शांत रहे; मद्रास एवं बंबई की सेनाएँ वफादार रहीं
- प्रेरक कारण:** चिकनाई लगे कारतूसों वाली एनफील्ड राइफल (सूअर एवं गाय की चर्बी; दमदम, जनवरी 1857); सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम 1856; लॉर्ड कैनिंग; व्यपगत सिद्धांत की नीति; अवध का विलय (फरवरी 1856)

कारण संक्षेप में

कारण	विवरण
राजनीतिक	व्यपगत का सिद्धांत (सतारा, झाँसी, नागपुर आदि); अवध का विलय; मुगल उपाधि की समाप्ति (डलहौजी / कैनिंग ने घोषणा की कि बहादुर शाह के उत्तराधिकारी उपाधि खो देंगे); नाना साहेब की पेंशन
आर्थिक	भारी भू-राजस्व; निष्कासन; हस्तशिल्प का पतन; बेदखली (अवध में तालुकदार); लगानमुक्त भूमि की जब्ती (बंबई में इनाम आयोग, 1852)
सामाजिक-धार्मिक	मिशनरी गतिविधियाँ; जाति-निर्योग्यता निवारण अधिनियम 1850 (धर्मांतरित व्यक्ति की उत्तराधिकार में संपत्ति सुरक्षित); विधवा पुनर्विवाह; सती पर प्रतिबंध; पाश्चात्य शिक्षा; रेलवे एवं तार (भय)

कारण	विवरण
सैन्य	कम वेतन एवं पदोन्नति की संभावना; सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम (1856: समुद्र पार); डाक अधिनियम 1854 (सिपाहियों के लिए निःशुल्क डाक की समाप्ति); जातिगत अपमान; बंगाल सेना में उच्च जाति के सिपाहियों का वर्चस्व; एनफील्ड राइफल

विद्रोह का स्वरूप: इतिहासकार

मत	इतिहासकार / लेखक
सिपाही विद्रोह	सर जॉन लॉरेंस, के, मैलेसन, चार्ल्स बॉल, आर.सी. मजूमदार (न प्रथम, न राष्ट्रीय, न स्वतंत्रता संग्राम)
प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम	वी.डी. सावरकर (द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस, 1909); अशोक मेहता (1857: द ग्रेट रेबेलियन)
सामंती प्रतिक्रिया / षड्यंत्र	डॉ. आर.सी. मजूमदार (सिपाही म्यूटिनी एंड रिवोल्ट ऑफ 1857); आउट्रम एवं टेलर (मुस्लिम षड्यंत्र); चार्ल्स रेक्स; एल.ई.आर. रीस (ईसाइयों के विरुद्ध धर्मांधों का युद्ध)
जन-समर्थन सहित नागरिक विद्रोह	एस.बी. चौधरी (सिविल रेबेलियन इन द इंडियन म्यूटिनीज); रुद्रांश मुखर्जी; एरिक स्टोक्स (द पीजेंट एंड द राज - कृषि-संबंधी)
राष्ट्रीय विद्रोह / मार्क्सवादी	पी.सी. जोशी (रेबेलियन 1857); कार्ल मार्क्स ('राष्ट्रीय विद्रोह'); जवाहरलाल नेहरू (स्वरूप में सामंती, किंतु राष्ट्रवाद विद्यमान); बिपन चंद्र (सीमित, राष्ट्रीय नहीं)

- मुगल सम्राट को नेता घोषित किया गया; घोषणाओं में फारसी भाषा का प्रयोग (आजमगढ़ घोषणा, 25 अगस्त 1857, फिरोज शाह द्वारा); नाना साहेब पेशवा घोषित; सिपाहियों को 'फिरंगी' कहा गया; बहादुर शाह द्वितीय पर सैन्य आयोग द्वारा मुकदमा (जनवरी-मार्च 1858), निर्वासन

नाम	विवरण
बख्त ख़ाँ	रुहेला; दिल्ली के सेनापति; 1859 में अवध में मारे गए
तात्या टोपे	छापामार युद्ध; कानपुर, कालपी, ग्वालियर; 18 अप्रैल 1859 को फाँसी
रानी लक्ष्मीबाई	ग्वालियर (कोटा-की-सराय) में 17 जून 1858 को वीरगति; 'भारत की जोन ऑफ आर्क'
नाना साहेब	नेपाल भागे; अज्ञात (दिसंबर 1859 के समाचार)
कुँवर सिंह	अप्रैल 1858 में मृत्यु; आरा
बेगम हजरत महल	नेपाल चली गईं (1859)
बहादुर शाह द्वितीय	रंगून; नवंबर 1862 में मृत्यु
बिरजिस कदर	वाजिद अली शाह के पुत्र; अवध के वली घोषित

परिणाम

- भारत शासन अधिनियम 1858:** कंपनी का शासन समाप्त; ताज का शासन; भारत सचिव (भारत परिषद् के 15 सदस्यों की सहायता से); वायसराय (कैनिंग, प्रथम वायसराय)
- रानी की घोषणा (1 नवंबर 1858, इलाहाबाद):** और विलय नहीं, भारतीय राजाओं के अधिकारों का सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता, सेवाओं में समान अवसर
- सेना का पुनर्गठन (पील आयोग 1859):** भारतीय सैनिक घटाए गए; यूरोपीय अनुपात; तोपखाना यूरोपीयों के पास; बंगाल सेना का 'मार्शल' आधार पर पुनर्गठन
- 'फूट डालो और राज करो' की नीति सुदृढ़; भारतीय परिषद् अधिनियम 1861 (कैनिंग); भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861; पुलिस अधिनियम 1861; भारतीय दंड संहिता 1860
- देशी रियासतें मित्र मानी गईं; सर्वोच्चता के अंतर्गत 565 रियासतें; अवध के तालुकदारों को पुनः स्थापित किया गया
- आर्थिक:** राजस्व वसूली कठोर हुई; रेल विस्तार जारी रहा; कृषक संघर्ष (नील 1859-60, पाबना 1873) हुए

अध्याय 55

जनजातीय एवं कृषक आंदोलन - अतिरिक्त तथ्य, तथा औपनिवेशिक शिक्षा

स्मरणीय अन्य आंदोलन

आंदोलन	वर्ष	नेता / स्थान	तथ्य
पाइक विद्रोह	1817	बख्शी जगबंधु (खुर्दा, ओडिशा)	भूमि-अधिग्रहण के विरुद्ध
बरेली विद्रोह	1816	मुफ्ती मुहम्मद एवाज	पुलिस कर के विरुद्ध
पजहस्सी राजा	1802	केरल वर्मा; एडाचेना कुंगन नायर	वायनाड
अहोम	1828	गोमधर कोंवर	असम
खासी	1829-33	तिरोत सिंह	गारो-खासी पहाड़ियाँ
भूमिज	1832-33	गंगा नारायण	जंगल महल, बाराभूम
चुआर	1767-1802	बाँकुड़ा-मिदनापुर	अकाल एवं भू-राजस्व
गंजाम / गुमसूर	1800-05 / 1808-37	श्रीकर भंज, धनंजय भंज	
रामोशी	1822-31	चित्तूर सिंह; फड़के (1879)	सतारा; वी.बी. फड़के की 1883 में अदन के कारागार में भूख हड़ताल से मृत्यु
संथाल	30 जून 1855	सिद्धू-कान्हू-चाँद-भैरव	पीरपैंती में मेजर बरोज को पराजित किया; शत्रु 'दिकू'; परिणामस्वरूप संथाल परगना जिला एवं काश्तकारी अधिनियम (भूमि गैर-संथाल को हस्तांतरित नहीं हो सकती); प्राचीन नाम नारीखंड / कजंगल
जयंतिया	1860-63		आयकर लगाए जाने के विरुद्ध
रंपा	1879-80		पोड़ु खेती बनाम मद्रास वन अधिनियम 1882
कूकी	1917-19	मणिपुर-त्रिपुरा	श्रमिक दल की भर्ती के विरुद्ध
एका (एकता)	1921-22	मदारी पासो (हरदोई, बहराइच, सीतापुर)	निर्धारित दर से 50% अधिक लगान
मोपला	1921	मालाबार	काश्तकार मुस्लिम, भू-स्वामी हिंदू; खिलाफत का विस्तार
तेभागा	1946-47	बंगाल किसान सभा	फलाउड आयोग; बटाईदार को दो-तिहाई

- कोल विद्रोह ने राँची, सिंहभूम, हजारीबाग, पलामू, मानभूम को प्रभावित किया
- **बिरसा मुंडा:** जन्म 1875; 3 फरवरी 1900 को जामकोपाई वन (चक्रधरपुर) में गिरफ्तार; 9 जून 1900 को मृत्यु; 350 पर मुकदमा, 3 को फाँसी, 44 को निर्वासन; सरदारी लड़ाई पूर्व चरण था
- मुंडा खुंटकट्टी प्रणाली को जागीरदारों एवं ठेकेदारों ने क्षीण किया
- **पागलपंथी:** गारो / हाजोंग; टीपू ने 1825 में शेरपुर पर अधिकार किया
- एन.एम. लोखंडे - श्रमिक आंदोलन के अग्रदूत (1848-97), बंबई मिल हेंड्स एसोसिएशन 1890

- **1857 से पूर्व कालक्रम:** बंगाल सिपाही विद्रोह 1764 - वेल्लोर 1806 - बैरकपुर 1824 - कच्छ 1816-32 - कोल 1831 - संथाल 1855; बहरामपुर फरवरी 1857

औपनिवेशिक भारत में शिक्षा

वर्ष	घटना
1781	कलकत्ता मदरसा (वारेन हेस्टिंग्स; प्रथम प्राचार्य मजद-उद-दीन)
1784	एशियाटिक सोसाइटी - विलियम जोन्स प्रथम अध्यक्ष (हेस्टिंग्स ने अस्वीकार किया)
1789	जोन्स ने अभिज्ञान शाकुंतलम् का अनुवाद किया
1791	संस्कृत कॉलेज, बनारस (जोनाथन डंकन)
1800	फोर्ट विलियम कॉलेज (वेलेजली)
1813	चार्टर एक्ट - शिक्षा हेतु वार्षिक रु. 1 लाख
1817	हिंदू कॉलेज, कलकत्ता (राममोहन राय, डेविड हेयर)
1824	दिल्ली कॉलेज
1835	मैकाले का स्मरण-पत्र (2 फरवरी); बेंटिक ने 7 मार्च 1835 को अनुमोदन किया - अंग्रेजी माध्यम
1854	वुड का डिस्पैच - 'अंग्रेजी शिक्षा का मैग्रा कार्टा'; तीन विश्वविद्यालय (1857: कलकत्ता, बंबई, मद्रास)
1875	MAO कॉलेज, अलीगढ़; मेयो कॉलेज, अजमेर
1882	हंटर आयोग - प्राथमिक शिक्षा
1880	न्यू इंग्लिश स्कूल (चिपलूणकर, तिलक, आगरकर); डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी 1884
1902	रैले आयोग; भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904
1905-06	रंगपुर राष्ट्रीय विद्यालय; राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् (सतीश चंद्र मुखर्जी), बंगाल राष्ट्रीय महाविद्यालय अगस्त 1906
1916	SNDD महिला विश्वविद्यालय, पूणे (डी.के. कर्वे; भारत रत्न 1958); BHU (मालवीय)
1917-19	सैडलर आयोग (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

- **अधोमुखी निस्पंदन सिद्धांत:** पहले उच्च वर्गों को शिक्षित करना
- **मैकाले:** 'किसी अच्छे यूरोपीय पुस्तकालय की एक अलमारी भारत एवं अरब के संपूर्ण साहित्य के बराबर है'
- हालहेड का ग्रामर ऑफ द बंगाली लैंग्वेज 1778; विल्किन्स ने हेस्टिंग्स की भूमिका सहित गीता का अनुवाद किया
- **ठक्कर बापा:** 'आदिवासी' शब्द का प्रथम प्रयोग; हरिजन सेवक संघ के महासचिव
- **वुड का डिस्पैच 19 जुलाई 1854:** प्रत्येक प्रांत में शिक्षा विभाग; लंदन के आदर्श पर विश्वविद्यालय; प्रत्येक जिले में एक सरकारी विद्यालय; सहायता अनुदान; मातृभाषा (क्षेत्रीय भाषा) विद्यालय; स्त्री एवं व्यावसायिक शिक्षा
- रैले आयोग 1902 (भारतीय सदस्य सैयद हुसैन बिलग्रामी, न्यायमूर्ति गुरुदास बनर्जी) के फलस्वरूप भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904
- **सार्जेंट योजना 1944:** 6-14 आयु वर्ग हेतु निःशुल्क अनिवार्य बुनियादी शिक्षा (कनिष्ठ बुनियादी 6-11, वरिष्ठ बुनियादी 11-14)
- **लोक शिक्षा की सामान्य समिति 1823:** प्राच्यवादी बनाम आंग्लवादी (5:5 गतिरोध); मैकाले ने गतिरोध तोड़ा
- थियोडोर बेक - MAO कॉलेज के प्राचार्य; अलीगढ़ आंदोलन (सैयद अहमद खान); MAO कॉलेज नामकरण 1877, AMU 1920
- सेंट्रल हिंदू कॉलेज 1898 (एनी बेसेंट); BHU की आधारशिला 4 फरवरी 1916 को हार्डिंग द्वितीय द्वारा; प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय
- **मैकाले:** विधि सदस्य 1834-38; भारतीय दंड संहिता के प्रारूपकार; 'कंपनी एक विसंगति है'
- **आधुनिक शिक्षा का कारण:** निम्न पदों हेतु सस्ते क्लर्कों की आपूर्ति

अध्याय 56

औपनिवेशिक भारत में प्रेस एवं पत्रकारिता

प्रेस संबंधी कानून

वर्ष	कानून / घटना
1780	हिक्की का बंगाल गजट - भारत का प्रथम समाचारपत्र
1799	वेल्लेजली का प्रेस सेंसरशिप अधिनियम (पूर्व-सेंसरशिप); 1807 में विस्तारित
1818	हेस्टिंग्स ने पूर्व-सेंसरशिप समाप्त की
1823	जॉन एडम्स का अनुज्ञप्ति अध्यादेश; राममोहन राय का मिरात-उल-अखबार बंद हुआ
1835	मेटकॉफ का प्रेस अधिनियम (भारतीय प्रेस के मुक्तिदाता)
1857	अनुज्ञप्ति अधिनियम (कैनिंग)
1878	वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (लिटन) - 'मुँह-बंद अधिनियम'; रिपन ने 1882 में निरस्त किया
1908	समाचारपत्र (अपराध-उत्तेजना) अधिनियम
1910	भारतीय प्रेस अधिनियम
1931	भारतीय प्रेस (आपातकालीन शक्तियाँ) अधिनियम

- **वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट के अंतर्गत मामले:** सोम प्रकाश, भारत मिहिर, ढाका प्रकाश, समाचार
- **एशिया का प्रथम मुद्रण यंत्र:** गोवा 1556 (पुर्तगाली)
- **सुरेंद्रनाथ बनर्जी:** पत्रकारिता के कारण कारावास पाने वाले प्रथम भारतीय (1883, द बंगाली); तिलक: रैंड की हत्या के पश्चात् केसरी में लेखन के कारण 1897 में राजद्रोह (18 माह)

समाचारपत्र एवं संस्थापक

पत्र	संस्थापक / तथ्य
संवाद कौमुदी (1821), मिरात-उल-अखबार (1822)	राममोहन राय
उदंत मार्तंड (30 मई 1826)	पं. ज़गल किशोर शंक्ल - प्रथम हिंदी समाचारपत्र (कलकत्ता)
हिंदू पैट्रियट (1853)	गिरीश चंद्र घोष; एच.सी. मुखर्जी (1855-61) ने नील-बागान मालिकों के पीड़ितों का समर्थन किया; कृष्ण दास पाल 1861
सोम प्रकाश (1858)	विद्यासागर; द्वारकानाथ विद्याभूषण
इंडियन मिरर (1861)	देवेंद्रनाथ टैगोर, मनमोहन घोष
अमृत बाजार पत्रिका (1868)	शिशिर कुमार एवं मोतीलाल घोष; 1878 में रातों-रात अंग्रेजी में बदली
द बंगाली	गिरीश चंद्र घोष 1862; एस.एन. बनर्जी 1879
केसरी (मराठी) एवं मराठा (अंग्रेजी) 1881	तिलक; आगरकर केसरी के प्रथम संपादक
द पायनियर 1865	जॉर्ज एलन, इलाहाबाद
इंडियन ओपिनियन 1903	गांधी, दक्षिण अफ्रीका; मनसूख लाल नाजर प्रथम संपादक; गुजराती, हिंदी, तमिल, अंग्रेजी
अल-हिलाल (1912), अल-बलाग (1915)	अबुल कलाम आजाद
गदर (1 नवंबर 1913, सैन फ्रांसिस्को)	लाला हरदयाल, सोहन सिंह भकना, करतार सिंह सराभा; पहले उर्दू, फिर गुरुमुखी
फ्री हिंदुस्तान	तारकनाथ दास (वैकूवर)
यंग इंडिया	बंबई 7 मई 1919; गांधी संपादक 8 अक्टूबर 1919, अहमदाबाद से साप्ताहिक

पत्र	संस्थापक / तथ्य
द इंडिपेंडेंट 1919	मोतीलाल नेहरू (इलाहाबाद)
द लीडर	मदन मोहन मालवीय
बहिष्कृत भारत 1927	अंबेडकर; बहिष्कृत हितकारिणी सभा 1924
हरिजन	गांधी, प्रथम अंक 11 फरवरी 1933 पुणे
कौमी आवाज 1945	नेहरू; नेशनल हेराल्ड 1938
दैनिक आज	शिव प्रसाद गुप्त (वाराणसी)
द इंडियन नेशन 1931	दरभंगा के कामेश्वर सिंह, पटना
वंदे मातरम्	अरविंद घोष (अंग्रेजी साप्ताहिक); लाजपत राय का उर्दू वंदे मातरम् 1905-06; द पीपल 1925
संध्या, युगांतर (बंगाल), काल (महाराष्ट्र)	क्रांतिकारी उग्रवादी पत्र; बंगवासी ने नरमपंथियों की आलोचना की
स्वदेशाभिमानि	रामकृष्ण पिल्लै (त्रावणकोर)
द कॉमनवील, न्यू इंडिया	एनी बेसेंट

- भारत मित्र (हिंदी), राष्ट्रमाता (मराठी), प्रजामित्र (गुजराती), नायक (बंगाली)
- रास्त गोप्तार - दादाभाई नौरोजी
- राजा राममोहन राय: ब्रह्म सभा 1828; पेरिस एशियाटिक सोसाइटी के सदस्य
- विजय सिंह पथिक ने बिजोलिया आंदोलन के लिए प्रताप (कानपुर) का उपयोग किया

प्रेस संबंधी अन्य मिलान

पत्र	संपादक / स्वामी
द हिंदू	जी. सुब्रमण्य अय्यर (1878)
सुधारक	जी.के. गोखले
वॉइस ऑफ इंडिया	दादाभाई नौरोजी
हिंदुस्तानी	गंगा प्रसाद वर्मा
काल	शिवराम महादेव परांजपे
समाचार दर्पण	जे.सी. मार्शमैन
बॉम्बे क्रॉनिकल	फिरोजशाह मेहता
सर्चलाइट	सच्चिदानंद सिन्हा
जस्टिस	टी.एम. नायर
मूक नायक	अंबेडकर (1920)
कॉमरेड	मुहम्मद अली
दश रोजा	खान अब्दुल गफ्फार खान
तहजीब-उल-अखलाक	सैयद अहमद खान (1870)
नवयुग	मूजफ्फर अहमद; द सोशलिस्ट - एस.ए. डांगे; इंकलाब - गुलाम हसन; लेबर किसान गजट - सिंगारवेल
वंदे मातरम्	बिपिन चंद्र पाल 1906, पश्चात् अरविंद; पेरिस संस्करण 1909 (मैडम कामा)

- स्वदेश गोरखपुर; भारत बंधु हाथरस; सत्यवादी आगरा; शक्ति अल्मोड़ा
- युगांतर | भूपेंद्रनाथ दत्त एवं बारींद्र घोष
- इंडियन मिरर (जनवरी 1886) ने INC को 'भावी संसद का केंद्रक' बताया
- टाइम्स ऑफ इंडिया - राष्ट्रवादी नहीं
- बिजोलिया (मेवाड़): राजस्थान का प्रथम किसान आंदोलन; साधु सीताराम दास 1913, विजय सिंह पथिक ने प्रताप (गणेश शंकर विद्यार्थी) के माध्यम से

अध्याय 57

सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन

बंगाल पुनर्जागरण एवं ब्रह्म समाज

- **राजा राममोहन राय (1772-1833):** भारतीय पुनर्जागरण / आधुनिक भारत के जनक / 'युगदूत' / प्रथम आधुनिक पुरुष; आत्मीय सभा 1815 (प्रथम सभा); कलकत्ता यूनिटेरियन समिति (द्वारकानाथ टैगोर, विलियम एडम के साथ); हिंदू कॉलेज 1817 (डेविड हेयर के साथ); वेदांत कॉलेज 1825; ब्रह्म सभा 20 अगस्त 1828 (ब्रह्म समाज; प्रथम सचिव तारा चंद चक्रवर्ती); अकबर द्वितीय से 1830 में 'राजा' की उपाधि, दूत बनाकर इंग्लैंड भेजे गए; मृत्यु स्टेपलटन, ब्रिस्टल, 27 सितंबर 1833
- संवाद कौमुदी (4 दिसंबर 1821, औपचारिक संपादक भवानी चरण बंद्योपाध्याय, जिन्होंने 1822 में समाचार चंद्रिका का विरोध आरंभ किया); मिरात-उल-अखबार 1822; एमहर्स्ट को पत्र 1823, अंग्रेजी एवं विज्ञान के पक्ष में
- **ब्रह्म सिद्धांत:** एकेश्वरवाद, मूर्तिपूजा, पुरोहित वर्ग एवं वेदों की अचूकता के विरुद्ध
- **देवेन्द्रनाथ टैगोर:** तत्त्वबोधिनी सभा 1839 (1859 में विलीन), 1843 में ब्रह्म समाज में सम्मिलित; आदि ब्रह्म समाज
- **केशव चंद्र सेन:** आचार्य; भारतीय सुधार संघ 29 अक्टूबर 1870; देशी (विशेष) विवाह अधिनियम 1872 (आयु 14 एवं 18); भारतवर्षीय ब्रह्म समाज 1866; नव विधान का तंबू (नव विधान); पुत्री के कूचबिहार विवाह के पश्चात् 1878 में विभाजन - साधारण ब्रह्म समाज (आनंद मोहन बोस, शिवनाथ शास्त्री)

अन्य सुधार आंदोलन

संगठन	वर्ष	संस्थापक	टिप्पणियाँ
धर्म सभा	1830	राधाकांत देव	रूढ़िवादी, सती-प्रतिबंध के विरुद्ध
प्रार्थना समाज	1867	आत्माराम पांडुरंग (केशव का प्रभाव)	एम.जी. रानाडे 1869 में सम्मिलित
आर्य समाज	1875 बंबई (मुख्यालय लाहौर 1877)	दयानंद सरस्वती (मूलशंकर, मोरवी)	'वेदों की ओर लौटो'; सत्यार्थ प्रकाश; पाखंड खंडिनी पताका 1867; काशी शास्त्रार्थ 1869; 'स्वराज' शब्द का प्रथम प्रयोग; DAV कॉलेज लाहौर (हंसराज, लाजपत राय); गुरुकुल 1902 (मुंशी राम / श्रद्धानंद)
रामकृष्ण मिशन	1897 (बेलूर; पंजीकृत 1909)	विवेकानंद	शिकागो धर्म संसद 1893; नव-हिंदूवाद
सत्य शोधक समाज	1873	ज्योतिबा फूले (जन्म 1827)	गुलामगिरी
राधास्वामी सत्संग	1861 आगरा	शिव दयाल सिंह	
देव समाज	1887 लाहौर	शिव नारायण अग्निहोत्री	देव शास्त्र
थियोसॉफिकल सोसाइटी	1875 न्यूयॉर्क; अड्यार 1882	ब्लावात्स्की, ऑल्कोट; एनी बेसेंट (1889 में सम्मिलित, भारत में 1893)	
भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन	1887	एम.जी. रानाडे, रघुनाथ राव	
सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी	1905	जी.के. गोखले	
बहुजन समाज	1910	मूकंदराव पाटिल, शंकरराव जाधव	
दारुल उलूम देवबंद	31 मई 1866	मूहम्मद कासिम नानौतवी, रशीद अहमद गंगोही	

- **सुधार कानून:** सती 1829; विधवा पुनर्विवाह 26 जुलाई 1856 (विद्यासागर); सहमति आयु 1891 (मालाबारी); शारदा अधिनियम 1929 (14 एवं 18 वर्ष; हर बिलास शारदा); बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 (18 एवं 21)
- गोपाल हरि देशमुख 'लोकहितवादी'; विष्णु शास्त्री पंडित - विधवा पुनर्विवाह संघ 1850 का दशक

- **तिलक:** 'यदि ईश्वर अस्पृश्यता सहन करता है तो मैं उसे ईश्वर नहीं मानूँगा'; लोकमान्य
- **बोस ने विवेकानंद के विषय में:** 'आधुनिक राष्ट्रवादी आंदोलन के आध्यात्मिक पिता'

परीक्षा हेतु ध्यातव्य तथ्य

ब्रह्म सभा की तिथि: 20 अगस्त 1828

आत्मीय सभा 1815 - प्रथम सभा; धर्म सभा ने राय का विरोध किया

आर्य समाज की स्थापना बंबई 1875; दयानंद को 'भारत का लूथर' कहा गया

अन्य सुधार तथ्य

- **विवेकानंद:** प्रैक्टिकल वेदांत (लंदन, 10 नवंबर 1896); ग्रंथ राजयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग; रामकृष्ण मिशन मई 1897 - आदर्श वाक्य 'आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च'; शारदा देवी = रामकृष्ण की पत्नी
- **भगिनी निवेदिता:** 'ब्रिटिश साम्राज्य भीतर से सड़ चुका है'
- **विद्यासागर:** हिंदू फीमेल स्कूल (बेथून स्कूल, 1849) के सचिव; बेथून कॉलेज के प्रथम सचिव; 'ईश्वर के विषय में सोचने का समय नहीं'
- **दयानंद:** जन्म 1824 मोरवी (टंकारा), मूलशंकर; मृत्यु 1883; शुद्धि आंदोलन (आर्य समाज); 'भारत भारतीयों के लिए'; 'भारत के मार्टिन लूथर'
- **सत्य शोधक समाज:** फुले प्रथम अध्यक्ष; सार्वजनिक सत्य धर्म पुस्तक; सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं का नेतृत्व किया; दीनबंधु पत्र
- **प्रार्थना समाज:** आर.जी. भंडारकर एवं रानाडे 1869 में सम्मिलित; रानाडे 'पश्चिमी भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के जनक'
- गोपाल हरि देशमुख 'लोकहितवादी' - प्रभाकर में 108 लेख 'शतपत्रे'; विष्णु परशुराम पंडित - विधवा पुनर्विवाह संघ 1850 का दशक
- **मालाबारी:** इंडियन स्पेक्टर, वॉइस ऑफ इंडिया; आपराधिक विधि संशोधन 1885; सहमति आयु अधिनियम 1891 (आयु 12; तिलक ने विरोध किया)
- **वीरशर्लिंगम:** राजमहेंद्री सामाजिक सुधार संघ 1878 (तेलुगु पुनर्जागरण के जनक)
- बंबई प्रेसीडेंसी सामाजिक सुधार संघ 1903; सोशल सर्विस लीग (एन.एम. जोशी, 1911); सेवा समिति (एच.एन. कुंजरू, 1914)
- नदवतुल उलमा, लखनऊ; मानव धर्म सभा, सूरत
- जूरी अधिनियम 1826 का राममोहन राय ने विरोध किया (धार्मिक भेदभाव)
- जस्टिस पार्टी 1916 (मद्रास; टी.एम. नायर, थियागराय चेट्टी)
- पूना सार्वजनिक सभा 2 अप्रैल 1870 (जी.वी. जोशी, एस.एच. चिपलूणकर; रानाडे 1871 में सम्मिलित)
- **सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के सदस्य:** वी. श्रीनिवास शास्त्री, जी.के. देवधर, एन.एम. जोशी, एच.एन. कुंजरू; गोखले ने 1905 के बनारस INC अधिवेशन की अध्यक्षता की
- अधिनियम V, 1843 ने बिना क्षतिपूर्ति दासों को मुक्त किया
- सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना 12 जून 1905, फर्ग्यूसन हिल, पुणे (एन.ए. द्रविड़, जी.के. देवधर, ए.वी. पटवर्धन के साथ); के.एम. पणिकर ने गोखले को 'आधुनिक भारत का प्रथम राजनयिक' कहा
- **महिला आंदोलन:** फुले ने प्रथम कन्या विद्यालय 1848 में खोला (पुणे); रमाबाई रानाडे - सेवा सदन; बेथून ने कलकत्ता में कन्या विद्यालय 1849 में खोला
- नाडारों की मंदिर-प्रवेश माँग - तिरुनेलवेली दंगे 1899
- परमहंस मंडली (बंबई 1849) - दादोबा पांडुरंग तर्खडकर; रहनुमाई मजदयस्नान सभा 1851 (नौरोजी फुर्दूनजी, पारसी)
- नदवतुल उलमा 1893 (शिबली नोमानी) कानपुर में, बाद में लखनऊ स्थानांतरित; दारुल उलूम देवबंद 1866 (नानौतवी, गंगोही)
- आत्म-सम्मान आंदोलन (पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर, 1925); अखिल भारतीय किसान सभा 1936 लखनऊ (सहजानंद सरस्वती, एन.जी. रंगा); अस्पृश्यता निवारण संघ 1932, जिसका नाम हरिजन सेवक संघ हुआ; तारकेश्वर सत्याग्रह 1924
- **अभिनव भारत:** मित्र मेला का नाम 1904 में नासिक में वी.डी. सावरकर ने बदला
- हाली प्रथा - बंधुआ श्रम; नवयान बौद्ध धर्म - अंबेडकर

अध्याय 58

दलित, पिछड़े वर्ग, महिला एवं जनजातीय सुधार आंदोलन

जाति-विरोधी एवं गैर-ब्राह्मण आंदोलन

नेता / संगठन	क्षेत्र	प्रमुख तथ्य
ज्योतिबा फुले (1827-90)	महाराष्ट्र	सत्यशोधक समाज (1873); गुलामगिरी (1873), शेतकऱ्यांचा असूड (किसान का कोड़ा, 1881), सार्वजनिक सत्यधर्म पुस्तक; प्रथम कन्या विद्यालय (पुणे 1848, सावित्रीबाई फुले के साथ); हंटर आयोग को ज्ञापन (1882); सत्यशोधक समाज: दीनबंधु समाचारपत्र (कृष्णराव भालेकर); 'महात्मा' की उपाधि (1888)
सावित्रीबाई फुले	महाराष्ट्र	प्रथम महिला शिक्षिका; बालहत्या प्रतिबंधक गृह (1863, शिशु-हत्या निवारण गृह)
गोपाल बाबा वलंगकर	महाराष्ट्र	विटाल विध्वंसक (1888) - प्रथम दलित समाचारपत्र; सेना में महारों की भर्ती हेतु याचिका
शाहू महाराज (कोल्हापुर, 1894-1922)	महाराष्ट्र	पिछड़े वर्गों के लिए राज्य सेवाओं में 50% आरक्षण (1902); निःशुल्क शिक्षा; सत्यशोधक; अंबेडकर (मूकनायक) का समर्थन
श्री नारायण गुरु (1856-1928)	केरल	SNDP योगम (1903); 'मनुष्य के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर'; अरुविप्पुरम शिव-प्रतिष्ठा (1888); वाइकोम सत्याग्रह के समर्थक
अय्यंकाली	केरल	पूलया नेता; साधू जन परिपालन संगम (1907); विल्लुवंडी समरम् (1893), सार्वजनिक मार्गों पर चलने का अधिकार; पूलया दास विद्रोह
वाइकोम सत्याग्रह (1924-25)	त्रावणकोर (केरल)	टी.के. माधवन, के. केलप्पन, के.पी. केशव मेनन; वाइकोम महादेव मंदिर के निकट मार्गों में प्रवेश हेतु; पेरियार ई.वी. रामास्वामी ने भाग लिया ('वाइकोम वीर' कहलाए)
गुरुवायूर सत्याग्रह (1931-32)	केरल	के. केलप्पन; मंदिर-प्रवेश; त्रावणकोर मंदिर-प्रवेश उद्घोषणा (1936, चित्तिरा तिरुनाल)
पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर	तमिलनाडु	आत्म-सम्मान आंदोलन (1925); कुडि अरसु (पत्रिका); द्रविड़ कड़गम (1944; पूर्व में जस्टिस पार्टी का रूपांतरण); ब्राह्मण-विरोध एवं तर्कवाद; वाइकोम वीर
जस्टिस पार्टी (साउथ इंडियन लिबरल फेडरेशन, 1916)	मद्रास	टी.एम. नायर, पी. थियागराय चेट्टी, सी. नटेश मुदलियार; प्रथम गैर-ब्राह्मण दल; 1920 का चुनाव जीता एवं 1926 तक मद्रास पर शासन किया (सुब्बारायलु रेड्डियार, फिर पानागल के राजा); सांप्रदायिक सरकारी आदेश (1921) में गैर-ब्राह्मणों हेतु पद आरक्षित
एम. सिंगारवेलु	मद्रास	साम्यवादी अग्रदूत; भारत में प्रथम मई दिवस मद्रास में मनाया (1923); लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान (1923)

नेता / संगठन	क्षेत्र	प्रमुख तथ्य
बी.आर. अंबेडकर (1891-1956)	महाराष्ट्र	मूकनायक (1920), बहिष्कृत भारत (1927), समता (1928), जनता (1930); बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924); महाड़ सत्याग्रह (20 मार्च 1927; चवदार तालाब; मनुस्मृति दहन दिसंबर 1927); कालाराम मंदिर सत्याग्रह (नासिक, 1930-35); स्वतंत्र श्रमिक दल (1936); अनुसूचित जाति संघ (1942); दलित वर्ग सम्मेलन (नागपुर 1930); पूना समझौता (सितंबर 1932); 14 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म (नागपुर)
डॉ. अंबेडकर की गोलमेज भूमिका	लंदन	दलित वर्गों हेतु पृथक निर्वाचन की माँग; गांधी का उपवास; पूना समझौता: प्रांतीय विधानमंडलों में 71 के स्थान पर 148 आरक्षित स्थान, प्राथमिक चुनाव प्रणाली सहित संयुक्त निर्वाचन
गांधी का हरिजन कार्य	अखिल भारतीय	अखिल भारतीय अस्पृश्यता निवारण संघ (1932; सितंबर 1932 में हरिजन सेवक संघ, जी.डी. बिड़ला अध्यक्ष); हरिजन साप्ताहिक (फरवरी 1933); हरिजन यात्रा (1933-34)
महार आंदोलन; मांग एवं चमार	महाराष्ट्र / उत्तर प्रदेश	आदि-हिंदू आंदोलन (स्वामी अछूतानंद, उत्तर प्रदेश, 1920 का दशक); आदि धर्म (पंजाब; मंगू राम मुग्गोवालिया, 1926); नमःशूद्र आंदोलन (बंगाल; हरिचंद ठाकुर, गुरुचंद ठाकुर, 'मतुआ' संप्रदाय); रविदासिया
आदि-आंध्र, आदि-द्रविड़ आंदोलन	आंध्र / मद्रास	भाग्य रेड्डी वर्मा; आदि आंध्र महासभा (1917); आदि द्रविड़ महाजन सभा (1892, इयोथी थास)
नाडार (चन्नार) विद्रोह	त्रावणकोर	निम्न जाति की महिलाओं को शरीर का ऊपरी भाग ढकने का अधिकार (1813-59); मार्तंडम; शाही उद्घोषणा 1859
सेना में महार	महाराष्ट्र	1892 में महारों की सेना में भर्ती पर रोक; वलंगकर एवं अंबेडकर के अभियान; महार रेजिमेंट 1941 में गठित
मुस्लिम सुधार संस्थाएँ	उत्तर भारत	अलीगढ़ (सैयद अहमद खान, 1875), देवबंद (मुहम्मद कासिम नानौतवी, 1866), नदवतुल उलमा (लखनऊ, 1894), अहमदिया (मिर्जा गुलाम अहमद, 1889), फरायजी (हाजी शरीअतुल्लाह), वहाबी (सैयद अहमद बरेलवी)

- **आरक्षण की जड़ें:** कोल्हापुर 1902 (शाहू), मैसूर 1921 (मिलर समिति 1918), मद्रास (सांप्रदायिक सरकारी आदेश, 1921; 1927), भारत शासन अधिनियम 1935 ('अनुसूचित जाति' शब्द)
- **मंदिर-प्रवेश:** वाइकोम (1924-25), गुरुवायूर (1931-32), त्रावणकोर उद्घोषणा (नवंबर 1936), मद्रास मंदिर-प्रवेश प्राधिकरण एवं क्षतिपूर्ति अधिनियम 1939 (राजगोपालाचारी)
- महात्मा गांधी - पूना समझौता (24 सितंबर 1932; यरवदा): सांप्रदायिक पंचाट के विरुद्ध गांधी का आमरण उपवास; हस्ताक्षरकर्ता मदन मोहन मालवीय, अंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद
- गांधी ने 'हरिजन' (ईश्वर के लोग; नरसिंह मेहता द्वारा प्रयुक्त शब्द) को लोकप्रिय बनाया; अंबेडकर ने इस शब्द को अस्वीकार कर 'दलित वर्ग' / 'अनुसूचित जाति' का प्रयोग किया

महिला सुधार आंदोलन

व्यक्ति / घटना	तथ्य
राजा राममोहन राय	सती के विरुद्ध अभियान; बेंटिक का विनियम XVII (4 दिसंबर 1829) ने बंगाल प्रेसीडेंसी में सती समाप्त की; हिंदू महिला अधिकार - उत्तराधिकार
ईश्वरचंद्र विद्यासागर	हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 (कैनिंग, 26 जुलाई 1856); बहविवाह; प्रथम विधवा पुनर्विवाह 7 दिसंबर 1856 (कलकत्ता, श्रीश चंद्र विद्यारत्न); बेथून स्कूल (1849, जे.ई.डी. बेथून; विद्यासागर सचिव)
ज्योतिबा एवं सावित्रीबाई फुले	भिडे वाड़ा, पुणे में कन्या विद्यालय (1848); विधवा गृह; बालहत्या प्रतिबंधक गृह
कर्वे (धोंडो केशव कर्वे)	विधवा विवाह संघ (1893); हिंदू विधवा आश्रम (पुणे, 1896); SNDT महिला विश्वविद्यालय (1916, पुणे; भारत का प्रथम महिला विश्वविद्यालय)
रमाबाई रानाडे; पंडिता रमाबाई	सेवा सदन (1908; रमाबाई रानाडे); पंडिता रमाबाई: आर्य महिला समाज (1882), शारदा सदन (1889, मुंबई / पुणे), मुक्ति मिशन (1896, केडगाँव), द हाई-कास्ट हिंदू व्रमन (1887)
भीकाजी कामा; मैडम कामा	पेरिस इंडियन सोसाइटी; स्टूटगार्ट में वंदे मातरम् ध्वज फहराया (1907); सोफिया कामा
ब्रह्म समाज - केशव चंद्र सेन	देशी विवाह अधिनियम 1872 (नागरिक विवाह; विवाह की आयु कन्या हेतु 14, बालक हेतु 18); कृचबिहार विवाह (1878) से विभाजन (साधारण ब्रह्म समाज, 1878)
सहमति आयु अधिनियम 1891	कन्याओं की सहमति आयु 10 से बढ़ाकर 12; मालाबारी के नोट्स ऑन इन्फैंट मैरिज एंड एन्फोर्सड विडोहड; बी.एम. मालाबारी; तिलक ने विरोध किया; दयाराम गिड़मल
बाल विवाह निरोध अधिनियम (शारदा अधिनियम) 1929	हरबिलास शारदा; न्यूनतम आयु बालकों हेतु 18, कन्याओं हेतु 14 (1930 से प्रभावी); हरबिलास शारदा अजमेर से भी संबद्ध
भारतीय महिला संघ (WIA)	1917, मद्रास (एनी बेसेंट, मार्गरेट कजिन्स, डोरोथी जिनराजदास); स्त्री धर्म पत्रिका
भारत में महिलाओं की राष्ट्रीय परिषद्	1925 (मेहरीबाई टाटा)
अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC)	1927 पूना में (मार्गरेट कजिन्स; सरोजिनी नायडू); प्रथम अधिवेशन पूना; रानी राजवाड़े; राजकूमारी अमृत कौर
महिला मताधिकार	भारत शासन अधिनियम 1919 ने प्रांतों को विस्तार की अनुमति दी; मद्रास प्रथम (1921); भारत शासन अधिनियम 1935 ने विस्तार किया (लगभग 60 लाख महिला मतदाता)
रुक्माबाई	दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना का मामला (1884-88); सहमति आयु संबंधी बहस को जन्म दिया; प्रथम व्यवसायरत महिला चिकित्सकों में से एक
आनंदीबाई जोशी	पाश्चात्य चिकित्सा में योग्यता प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला (1886, फिलाडेल्फिया)
कॉर्नेलिया सोराबजी	बंबई विश्वविद्यालय की प्रथम महिला स्नातक; ऑक्सफोर्ड में विधि पढ़ने वाली प्रथम महिला (बोडलियन, 1892); प्रथम महिला अधिवक्ता (1923 में ही वकालत की अनुमति मिली)
कादंबिनी गांगुली	प्रथम महिला स्नातक (1883; चंद्रमुखी बसु के साथ, दोनों कलकत्ता विश्वविद्यालय से); चिकित्सक; 1890 में INC को संबोधित किया
सरोजिनी नायडू	'भारत कोकिला'; कांग्रेस अध्यक्ष 1925 (कानपुर); प्रथम महिला राज्यपाल (उत्तर प्रदेश, 1947); द गोल्डन थ्रेशोल्ड (1905)
एनी बेसेंट	होमरूल लीग (1916); कांग्रेस अध्यक्ष 1917; सेंट्रल हिंदू कॉलेज (बनारस, 1898)
बेगम रुकैया सखावत हसैन	बंगाल; सुल्ताना'ज डीम (1905); अंजुमन-ए-खवातीन-ए-इस्लाम
कमलादेवी चट्टोपाध्याय	नमक सत्याग्रह; भारतीय सहकारी संघ; अखिल भारतीय महिला सम्मेलन
अरुणा आसफ अली	9 अगस्त 1942 को गोवालिया टैंक (बंबई) पर कांग्रेस ध्वज फहराया - '1942 की नायिका'; उषा मेहता - कांग्रेस रेडियो (गुप्त, 1942)
मातंगिनी हाजरा	तमलुक (बंगाल) - भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में वीरगति
कनकलता बरुआ	असम; ध्वज फहराया; गोली मारी गई (1942)
प्रीतिलता वाद्देदार	चटगाँव; पहाड़तली यूरोपीय क्लब पर आक्रमण; आत्मोत्सर्ग (1932)
रानी गाइदिन्ल्यू	नागा नेता; हेराका आंदोलन; नेहरू द्वारा 'रानी' की उपाधि; 1932 में गिरफ्तार
कैप्टन लक्ष्मी सहगल	रानी झाँसी रेजिमेंट (INA)

व्यक्ति / घटना	तथ्य
रानी अब्बक्का एवं रानी चेन्नम्मा	उल्लाल की अब्बक्का ने पुर्तगालियों से युद्ध किया (16वीं सदी); किन्नर की चेन्नम्मा ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया (1824)

जनजातीय एवं अन्य सुधार तथ्य

- संथाल हूल 1855-56 (सिद्धू एवं कान्हू, राजमहल की पहाड़ियाँ); मुंडा उलगुलान 1899-1900 (बिरसा मुंडा); कोल विद्रोह 1831-32 (छोटानागपुर); रंपा विद्रोह 1879 एवं 1922-24 (अल्लूरी सीताराम राजू, आंध्र); खासी विद्रोह 1829 (तिरोत सिंह); पाइक विद्रोह 1817 (ओडिशा); टाना भगत (जतरा भगत, 1914); भील विद्रोह (1818 से); नागा जेलियांगरोंग आंदोलन (जादोनांग एवं रानी गाइदिन्ल्यू)

अध्याय 59

सामाजिक-धार्मिक सुधार संगठन: संस्थापक, वर्ष एवं रचनाएँ

सुधार संगठन

संगठन	संस्थापक / वर्ष / स्थान	प्रमुख तथ्य एवं रचनाएँ
आत्मीय सभा	राममोहन राय, 1815 (कलकत्ता)	एकेश्वरवाद, जाति एवं मूर्तिपूजा पर चर्चा
ब्रह्म सभा / ब्रह्म समाज	राममोहन राय, 1828 (कलकत्ता); देवेंद्रनाथ टैगोर (तत्त्वबोधिनी सभा 1839; तत्त्वबोधिनी पत्रिका)	एकेश्वरवाद; सती, मूर्तिपूजा, जाति के विरुद्ध; संवाद कौमुदी (1821); मिरात-उल-अखबार (फारसी, 1822); प्रिंसेट्स ऑफ जीसस (1820)
आदि ब्रह्म समाज	देवेंद्रनाथ टैगोर (1866)	केशव चंद्र सेन के प्रगतिशील विचारों के पश्चात् विभाजन
भारतवर्षीय ब्रह्म समाज	केशव चंद्र सेन (1866)	अधिक सुधारवादी; देशी विवाह अधिनियम 1872
साधारण ब्रह्म समाज	आनंद मोहन बोस, शिवनाथ शास्त्री (1878)	केशव की पुत्री के कूचबिहार विवाह के पश्चात्
यंग बंगाल आंदोलन	हेनरी विवियन डेरोजियो (1826-31; हिंदू कॉलेज)	उग्र तर्कवाद; एकेडेमिक एसोसिएशन; पार्थेनन, हेस्पेरस; डेरोजियोवासी
धर्म सभा	राधाकांत देव (1830)	सती-प्रतिबंध के विरुद्ध रूढ़िवादी
मानव धर्म सभा	दुर्गाराम मेहताजी, 1844 (सूरत)	गुजरात
परमहंस मंडली	दादोबा पांडुरंग तर्खडकर, 1849 (बंबई)	जाति के विरुद्ध; गुजरात
प्रार्थना समाज	आत्माराम पांडुरंग, 1867 (बंबई; केशव चंद्र सेन से प्रेरित); एम.जी. रानाडे, आर.जी. भंडारकर	सामाजिक सुधार; विधवा पुनर्विवाह; जाति एवं बाल विवाह के विरुद्ध
आर्य समाज	दयानंद सरस्वती, 1875 (बंबई; लाहौर 1877)	'वेदों की ओर लौटो'; सत्यार्थ प्रकाश (1875); शुद्धि आंदोलन; लाहौर में एंग्लो-वैदिक विद्यालय (1886; लाला हंसराज); गुरुकुल कांगड़ी (स्वामी श्रद्धानंद, 1902); वैदिक संस्कृत; दस सिद्धांत
रामकृष्ण मिशन	विवेकानंद, 1897 (बेलूर मठ); रामकृष्ण परमहंस (1836-86; दक्षिणेश्वर काली मंदिर)	मानव-सेवा; धर्म संसद, शिकागो (1893); प्रबुद्ध भारत, उद्बोधन; अद्वैत
थियोसॉफिकल सोसाइटी	एच.पी. ब्लावात्स्की एवं कर्नल एच.एस. ऑल्कोट, 1875 (न्यूयॉर्क); अऊयार (मद्रास) 1882; एनी बेसेंट (अध्यक्ष 1907)	हिंदू पुनरुत्थान; सेंट्रल हिंदू कॉलेज (बनारस 1898; बेसेंट; 1916 में BHU बना)
सत्य शोधक समाज	ज्योतिबा फ़ुले, 1873 (पूणे)	जाति-विरोधी; गुलामगिरी
अलीगढ़ आंदोलन	सर सैयद अहमद खान (1875, MAO कॉलेज; साइंटिफिक सोसाइटी 1864)	मुसलमानों हेतु आधुनिक शिक्षा; मुहम्मदन शैक्षिक सम्मेलन (1886)
देवबंद (दारुल उलूम)	मुहम्मद कासिम नानौतवी, रशीद अहमद गंगोही (1866, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश)	रूढ़िवादी; कांग्रेस का समर्थन; जमीयत-उल-उलमा-ए-हिंद (1919)
अहमदिया	मिर्जा गुलाम अहमद (1889, कादियान)	मसीहा होने का दावा
नदवतुल उलमा	मुहम्मद अली मुंगेरी; शिबली नोमानी संबद्ध (1894, लखनऊ)	इस्लामी शिक्षा का सुधार
सिंह सभा	अमृतसर (1873), लाहौर (1879); गुरुमुख सिंह	सिख धर्म का पुनरुद्धार; खालसा कॉलेज (1892)

संगठन	संस्थापक / वर्ष / स्थान	प्रमुख तथ्य एवं रचनाएँ
अकाली आंदोलन / SGPC	1920 (गुरुद्वारा सुधार; ननकाना साहिब नरसंहार 1921; गुरुद्वारा अधिनियम 1925; मास्टर तारा सिंह, बाबा खड़क सिंह)	
सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी	गोपाल कृष्ण गोखले, 1905 (पुणे)	सामाजिक सेवा; 'सेवक'; गोखले के शिष्य; श्रीनिवास शास्त्री
सोशल सर्विस लीग	एन.एम. जोशी, 1911 (बंबई)	श्रमिकों में कल्याण कार्य
राधास्वामी सत्संग	शिव दयाल साहब, 1861 (आगरा)	आध्यात्मिक; आगरा में 'स्वामी बाग'
देव समाज	शिव नारायण अग्निहोत्री, 1887 (लाहौर)	नैतिक
भारत धर्म महामंडल	पं. दीन दयाल शर्मा, 1902 (वाराणसी)	सनातन पुनरुत्थान

सुधारक एवं उनकी रचनाएँ

सुधारक	रचनाएँ / पत्र-पत्रिकाएँ
राजा राममोहन राय	तुहफत-उल-मुवहिदीन; संवाद कौमुदी; मिरात-उल-अखबार; प्रिसेप्स ऑफ जीसस; ब्राह्मनिकल पत्रिका (1821); वेदांत ग्रंथ
दयानंद सरस्वती	सत्यार्थ प्रकाश (1875); ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका; ऋग्वेद भाष्य; वैदिक पत्रिका
विवेकानंद	राजयोग, कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, माई मास्टर; उद्बोधन; प्रबुद्ध भारत
ईश्वरचंद्र विद्यासागर	वर्णपरिचय; बह्विवाह; विधवा विवाह; हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856
केशव चंद्र सेन	इंडियन मिरर (पत्र); बामाबोधिनी पत्रिका; प्रार्थना
सर सैयद अहमद खान	आसार-उस-सनादीद (1847); तहजीब-उल-अखलाक (1870); भारतीय विद्रोह के कारण (असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद); हिस्ट्री ऑफ बिजनौर
एनी बेसेंट	न्यू इंडिया (दैनिक 1914); कॉमनवील (साप्ताहिक 1914); हाउ इंडिया रॉट फॉर फ्रीडम (1915); सेंट्रल हिंदू कॉलेज
ज्योतिबा फुले	गुलामगिरी; शेतकऱ्यांचा असूड; तृतीय रत्न (1855, जाति पर प्रथम मराठी नाटक)
एम.जी. रानाडे	राइज ऑफ द मराठा पावर; एसेज ऑन इंडियन इकोनॉमिक्स; इंदु प्रकाश (पत्र); पूना सार्वजनिक सभा
विष्णु शास्त्री पंडित	विधवा पुनर्विवाह संघ (1866)
गोपाल हरि देशमुख ('लोकहितवादी')	शतपत्रे (प्रभाकर); 'हिंदू समाज' सुधार
बाल शास्त्री जांभेकर	दर्पण (1832, प्रथम मराठी समाचारपत्र)
पंडिता रमाबाई	द हाई-कास्ट हिंदू वूमन; मुक्ति मिशन
मुहम्मद इकबाल	शिकवा, जवाब-ए-शिकवा; रिकंस्ट्रक्शन ऑफ रिलीजियस थॉट इन इस्लाम; असरार-ए-खुदी
नारायण गुरु	'एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर'; SNDP
स्वामी श्रद्धानंद	गुरुकुल कांगड़ी; श्रद्धि; हिंदू संगठन; सत्यधर्म प्रचारक
लाला लाजपत राय	आर्य समाजी; सर्वेड्स ऑफ द पीपल सोसाइटी (1921, लाहौर); पंजाबी

अध्याय 60

कांग्रेस-पूर्व राजनीतिक संगठन एवं आरंभिक INC

कांग्रेस-पूर्व संगठन

वर्ष	संगठन	संस्थापक / स्थान
1836	बंगभाषा प्रकाशिका सभा	राममोहन राय के सहयोगी
1838	जमींदारी (भू-स्वामी) संघ - प्रथम राजनीतिक संगठन	द्वारकानाथ टैगोर, कलकत्ता
1839	ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी	विलियम एडम, लंदन
1843	बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी	जॉर्ज थॉम्पसन (द्वारकानाथ टैगोर द्वारा लाए गए)
1851	ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन	राधाकांत देव (अध्यक्ष), देवेन्द्रनाथ टैगोर, कलकत्ता
1852	बंबई एसोसिएशन	दादाभाई नौरोजी एवं अन्य
1866	ईस्ट इंडिया एसोसिएशन	दादाभाई नौरोजी, लंदन
1867	हिंदू मेला	नवगोपाल मित्र (राजानारायण बसु)
1870	नेशनल इंडियन एसोसिएशन	मैरी कारपेंटर (ब्रिस्टल) केशव सेन के साथ
1870	पूना सार्वजनिक सभा	जी.वी. जोशी, एस.एच. चिपलूणकर; रानाडे 1871 से; 1875 में हाउस ऑफ कॉमन्स को याचिका
1872	इंडियन सोसाइटी	आनंद मोहन बोस
1875	इंडियन लीग	शिशिर कुमार घोष
1876	इंडियन एसोसिएशन (26 जुलाई)	एस.एन. बनर्जी, ए.एम. बोस; इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस 1886 में INC में विलीन
1877	सेंट्रल नेशनल मुहम्मडन एसोसिएशन	सैयद अमीर अली, कलकत्ता
1884	मद्रास महाजन सभा	एम. वीरराघवाचारी, जी. सुब्रमण्य अय्यर, आनंद चार्ल्स
1885	बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	फिरोजशाह मेहता, के.टी. तेलंग, बदरुद्दीन तैयबजी (त्रिमूर्ति)
1888	यूनाइटेड इंडियन पैट्रियटिक एसोसिएशन	सैयद अहमद खान एवं बनारस के राजा शिव प्रसाद

- **एस.एन. बनर्जी:** 1869/70 में ICS हेतु चयनित, आयु विवाद पर अयोग्य घोषित, पुनः नियुक्त, 1874 में बर्खास्त; 1895 एवं 1902 में INC अध्यक्ष
- राजा राममोहन राय - प्रथम भारतीय राजनीतिक सुधारक (बी.सी. पाल)
- **कालक्रम:** बंगभाषा प्रकाशिका 1836 - भू-स्वामी संघ 1838 - बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी 1843 - इंडियन लीग 1875

INC की स्थापना

- ए.ओ. ह्यूम (सेवानिवृत्त ICS) - इंडियन नेशनल यूनियन 1884 पूर्ववर्ती; प्रथम अधिवेशन 28-30 दिसंबर 1885, गोकुलदास तेजपाल संस्कृत पाठशाला, बंबई (पूना में नियोजित था, हैजे के कारण स्थानांतरित); 72 प्रतिनिधि; अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी; ह्यूम महासचिव; 'कांग्रेस' नाम नौरोजी ने सुझाया
- **वायसराय डफरिन:** 'सूक्ष्म अल्पसंख्यक'
- INC की ब्रिटिश समिति 1889 (वेडरबर्न), पत्र इंडिया
- **1885 के उद्देश्य:** कार्यकर्ताओं में मित्रता को बढ़ावा, जाति, पंथ, क्षेत्र के पूर्वाग्रह का उन्मूलन; सामाजिक प्रश्नों पर शिक्षित भारतीयों के विचार अभिलिखित करना

अधिवेशन	स्थान	अध्यक्ष
1885	बंबई	डब्ल्यू.सी. बनर्जी
1886	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी
1887	मद्रास	बदरुद्दीन तैयबजी (प्रथम मुस्लिम; 607 प्रतिनिधि; विषय समिति प्रथम बार)
1888	इलाहाबाद	जॉर्ज यूल (प्रथम यूरोपीय)
1895	पूना	एस.एन. बनर्जी
1905	बनारस	जी.के. गोखले
1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी (स्वराज लक्ष्य)
1907	सूरत	रास बिहारी घोष (विभाजन)
1911	कलकत्ता	बी.एन. धर (जन गण मन प्रथम बार 27 दिसंबर 1911 को गाया गया)
1912	बाँकीपूर (पटना)	आर.एन. मुधोलकर
1915	बंबई	एस.पी. सिन्हा (लॉर्ड विलिंगडन उपस्थित)
1916	लखनऊ	ए.सी. मजूमदार (लखनऊ समझौता; उग्रवादियों की वापसी)
1917	कलकत्ता	एनी बेसेंट (प्रथम महिला)
1920	कलकत्ता विशेष	लाला लाजपत राय (असहयोग)
1924	बेलगाम	एम.के. गांधी (एकमात्र बार)
1925	कानपुर	सरोजिनी नायडू (प्रथम भारतीय महिला)
1929	लाहौर	जे.एल. नेहरू (पूर्ण स्वराज)
1938	हरिपुरा	एस.सी. बोस (51वाँ; राष्ट्रीय योजना समिति, नेहरू अध्यक्ष, के.टी. शाह सचिव)
1940-46	रामगढ़ से आगे	अबुल कलाम आजाद
1946	मेरठ	जे.बी. कृपलानी
1948	जयपुर	पट्टाभि सीतारामैया

- **तिलक:** 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' (1916 लखनऊ); अंतिम बार अमृतसर 1919 में उपस्थित
- ह्यूम को 1912 के अधिवेशन में 'कांग्रेस के जनक' कहा गया
- गांधी ने स्वतंत्रता के पश्चात् कांग्रेस के विघटन का सुझाव दिया
- **सरोजिनी नायडू:** उत्तर प्रदेश की राज्यपाल 1947-49
- जन गण मन 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के रूप में अंगीकृत

INC के अन्य तथ्य

- **मुस्लिम प्रतिनिधि:** 2 (1885), 33 (1886), 81 (1887), 221 (1888); 1886 में कुल लगभग 436 प्रतिनिधि
- **मुस्लिम अध्यक्ष:** बदरुद्दीन तैयबजी 1887, रहीमतुल्ला सयानी 1896, सैयद हसन इमाम 1918 (विशेष), अंसारी 1927, आजाद 1923/1940 आदि
- अल्फ्रेड वेब - 1894 मद्रास; आनंद मोहन बोस - 1898 मद्रास; भूपेंद्रनाथ बोस - 1914 मद्रास; अंसारी - 1927 मद्रास
- **मोतीलाल नेहरू:** 1919 अमृतसर एवं 1928 कलकत्ता; सी.आर. दास: गया 1922 (मोतीलाल के साथ 1923 में स्वराज पार्टी; 1921 अहमदाबाद में दास कारागार में थे, हकीम अजमल खाँ ने कार्यभार संभाला); विजयराघवाचारियर: नागपुर 1920 (भाषाई प्रदेश कांग्रेस समितियाँ; रियासतों संबंधी नीति); आजाद: सबसे युवा अध्यक्ष (दिल्ली विशेष 1923, आयु 35); राजेंद्र प्रसाद: बंबई 1934; पटेल: कराची 1931; पी.डी. टंडन: नासिक 1950; नेहरू: लाहौर 1929, लखनऊ अप्रैल 1936 (समाजवाद), फैजपुर दिसंबर 1936
- सुभाष बोस ने हिंदी हेतु रोमन लिपि का समर्थन किया (हरिपुरा 1938)
- **लाजपत राय:** 'सुरक्षा-कपाट' की आलोचना; कांग्रेस 'न जनता से प्रेरित'; लेखक अनहैप्पी इंडिया; साइमन विरोधी लाठीचार्ज के पश्चात् 17 नवंबर 1928 को मृत्यु

- गांधी ने 1919-20 में एन.सी. केलकर एवं आई.बी. सेन के साथ कांग्रेस का संविधान तैयार किया (तिलक, सी.आर. दास का स्थान लिया)
- **अमृतसर 1919 में तिलक:** उत्तरदायी सहयोग; 1 अगस्त 1920 को मृत्यु; अर्थी को गांधी, शौकत अली, किचलू ने कंधा दिया; हसरत मोहानी द्वारा श्रद्धांजलि
- राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष बंबई 1934; कृपलानी मेरठ 1946 (स्वतंत्रता के समय अध्यक्ष)

नरमपंथी बनाम उग्रपंथी (1885-1905 / 1905-1919)

- **नरमपंथी:** नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, वाचा, बनर्जी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, रानाडे, गोखले, ए.एम. बोस; ब्रिटिश न्याय में विश्वास; याचिका, प्रार्थना, विरोध (तिलक / अरविंद की आलोचना); अधिकांशतः नगरीय पेशेवर
- **माँगें:** परिषदों में भारतीयों की भागीदारी, सेवाओं का भारतीयकरण, न्यायपालिका एवं कार्यपालिका का पृथक्करण, शस्त्र अधिनियम का निरसन, भारत में ICS की एक साथ परीक्षा, सैन्य व्यय में कमी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- गोखले एवं वाचा वेल्बी आयोग 1897 के समक्ष; गोखले बंबई परिषद् में 1899, इंपीरियल परिषद् में 1901
- **उग्रपंथी:** लाल-बाल-पाल एवं अरविंद; लक्ष्य स्वराज; निष्क्रिय प्रतिरोध; तिलक - शिवाजी एवं गणपति उत्सव (1893-94), गीता रहस्य मांडले कारागार में लिखा (1908 से 6 वर्ष); 'भारतीय असंतोष के जनक' (वेलेंटाइन शिरोल); 1897 में मैक्स मूलर एवं हंटर की याचिका
- **विदेशी प्रभाव:** अबीसीनिया द्वारा इटली की पराजय 1896 (अडोवा), बॉक्सर विद्रोह 1899-1901, जापान द्वारा रूस की पराजय 1905, आयरिश राष्ट्रवाद
- नौरोजी ने 1904 (एम्स्टर्डम समाजवादी कांग्रेस) एवं 1906 के अध्यक्षीय भाषण में प्रथम बार स्वराज की माँग की; 1906 कलकत्ता परिभाषा: ब्रिटेन / उपनिवेशों जैसा स्वशासन
- सूत्र विभाजन दिसंबर 1907

अध्याय 61

INC के अधिवेशन, अध्यक्ष एवं प्रमुख प्रस्ताव

आरंभिक कांग्रेस (1885-1904)

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	टिप्पणियाँ
1885	बंबई (गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय)	डब्ल्यू.सी. बनर्जी	प्रथम अधिवेशन; 72 प्रतिनिधि; ए.ओ. ह्यूम - संस्थापक महासचिव
1886	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	द्वितीय अधिवेशन; नौरोजी तीन बार अध्यक्ष (1886, 1893, 1906)
1887	मद्रास	बदरुद्दीन तैयबजी	प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष
1888	इलाहाबाद	जॉर्ज यूल	प्रथम अंग्रेज (यूरोपीय) अध्यक्ष
1889	बंबई	सर विलियम वेडरबर्न	चार्ल्स ब्रैडला उपस्थित; कांग्रेस की ब्रिटिश समिति गठित
1890	कलकत्ता	फिरोजशाह मेहता	कादंबिनी गांगुली - कांग्रेस को संबोधित करने वाली प्रथम महिला स्नातक
1891	नागपुर	पी. आनंद चार्लू	-
1892	इलाहाबाद	डब्ल्यू.सी. बनर्जी	भारतीय परिषद् अधिनियम 1892 की अपर्याप्त कहकर आलोचना
1893	लाहौर	दादाभाई नौरोजी	-
1894	मद्रास	अल्फ्रेड वेब	-
1895	पूना	सुरेंद्रनाथ बनर्जी	सामाजिक सम्मेलन विवाद (तिलक ने कांग्रेस मंडप में आयोजन का विरोध किया)
1896	कलकत्ता	रहीमतुल्ला एम. सयानी	कांग्रेस अधिवेशन में टैगोर द्वारा वंदे मातरम् प्रथम बार गाया गया
1897	अमरावती	सी. शंकरन नायर	-
1898	मद्रास	आनंद मोहन बोस	-
1899	लखनऊ	आर.सी. दत्त	इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया के लेखक
1900	लाहौर	एन.जी. चंदावरकर	-
1901	कलकत्ता	डी.ई. वाचा	गांधी ने प्रथम बार कांग्रेस में भाग लिया (कलकत्ता 1901)
1902	अहमदाबाद	सुरेंद्रनाथ बनर्जी	-
1903	मद्रास	लालमोहन घोष	-
1904	बंबई	सर हेनरी कॉटन	-

उग्रपंथी चरण एवं पुनर्मिलन (1905-1919)

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	टिप्पणियाँ
1905	बनारस	जी.के. गोखले	बंगाल हेतु स्वदेशी एवं बहिष्कार का समर्थन
1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	स्वराज (ब्रिटेन अथवा उपनिवेशों जैसा स्वशासन) को लक्ष्य घोषित किया; स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा पर प्रस्ताव
1907	सूरत	रास बिहारी घोष	नरमपंथियों एवं उग्रपंथियों में विभाजन (स्थल नागपुर से बदला गया)
1908	मद्रास	रास बिहारी घोष	नरमपंथी नियंत्रण; कांग्रेस का संविधान बना (कन्वेंशन)
1909	लाहौर	मदन मोहन मालवीय	मॉर्ले-मिंटो सुधारों का आंशिक स्वागत
1910	इलाहाबाद	सर विलियम वेडरबर्न	-
1911	कलकत्ता	बिशन नारायण धर	जन गण मन प्रथम बार गाया गया (27 दिसंबर 1911)
1912	बाँकीपुर (पटना)	आर.एन. मूधोलकर	-
1913	कराची	सैयद मुहम्मद बहादुर	-
1914	मद्रास	भूपेंद्रनाथ बसू	-
1915	बंबई	सत्येंद्र प्रसन्न सिन्हा	सिन्हा - राज्यपाल बनने वाले प्रथम भारतीय (बिहार एवं उड़ीसा 1920)
1916	लखनऊ	ए.सी. मजूमदार	नरमपंथियों एवं उग्रपंथियों का पुनर्मिलन; मुस्लिम लीग के साथ लखनऊ समझौता
1917	कलकत्ता	एनी बेसेंट	प्रथम महिला अध्यक्ष
1918	बंबई (विशेष)	सैयद हसन इमाम	मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट पर विशेष अधिवेशन (नरमपंथी अलग होकर लिबरल फेडरेशन बनाया)
1918	दिल्ली	मदन मोहन मालवीय	-
1919	अमृतसर	मोतीलाल नेहरू	जलियाँवाला बाग (अप्रैल 1919) के पश्चात्

गांधी युग (1920-1947)

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	टिप्पणियाँ
1920	कलकत्ता (विशेष)	लाला लाजपत राय	असहयोग प्रस्ताव पारित (गांधी ने प्रस्तुत किया, सी.आर. दास ने विरोध किया)
1920	नागपुर	सी. विजयराघवाचारियर	लक्ष्य - वैध एवं शांतिपूर्ण साधनों से स्वराज; भाषाई प्रांतीय समितियों पर कांग्रेस का पुनर्गठन; सदस्यता शुल्क 4 आने

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	टिप्पणियाँ
1921	अहमदाबाद	हकीम अजमल खाँ (कार्यवाहक; सी.आर. दास कारागार में)	सविनय अवज्ञा कार्यक्रम; मौलाना हसरत मोहानी ने पूर्ण स्वतंत्रता की माँग की
1922	गया	सी.आर. दास	स्वराजवादी (परिषद् प्रवेश) बनाम अपरिवर्तनवादी (राजगोपालाचारी, अंसारी, राजेंद्र प्रसाद)
1923	दिल्ली (विशेष)	अबुल कलाम आजाद	सबसे युवा अध्यक्ष (35); परिषद् प्रवेश की अनुमति दी
1923	काकीनाडा	मुहम्मद अली	-
1924	बेलगाम	एम.के. गांधी	गांधी की अध्यक्षता वाला एकमात्र अधिवेशन
1925	कानपुर	सरोजिनी नायडू	प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष
1926	गुवाहाटी	एस. श्रीनिवास अयंगर	-
1927	मद्रास	एम.ए. अंसारी	साइमन कमीशन का बहिष्कार; नेहरू द्वारा स्वतंत्रता प्रस्ताव प्रस्तुत
1928	कलकत्ता	मोतीलाल नेहरू	नेहरू रिपोर्ट स्वीकार; एक वर्ष में डोमिनियन स्थिति का अल्टीमेटम
1929	लाहौर	जवाहरलाल नेहरू	पूर्ण स्वराज प्रस्ताव (31 दिसंबर 1929, रावी तट); 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया
1931	कराची	वल्लभभाई पटेल	मौलिक अधिकार एवं आर्थिक कार्यक्रम (नेहरू द्वारा प्रारूपित, गांधी द्वारा प्रस्तुत); गांधी-इरविन समझौते का अनुमोदन
1932	दिल्ली	अमृत रणछोड़दास सेठ	अधिवेशन प्रतिबंधित; अध्यक्ष गिरफ्तार
1933	कलकत्ता	नेल्ली सेनगुप्ता	जे.एम. सेनगुप्ता की अंग्रेज मूल की पत्नी; तृतीय महिला अध्यक्ष
1934	बंबई	राजेंद्र प्रसाद	गांधी कांग्रेस से अलग हुए; कांग्रेस ने परिषद् प्रवेश स्वीकार किया
1936	लखनऊ	जवाहरलाल नेहरू	समाजवादी झुकाव; कांग्रेस से चुनाव लड़ने का आह्वान
1937	फैजपुर	जवाहरलाल नेहरू	गाँव में प्रथम अधिवेशन (महाराष्ट्र)
1938	हरिपुरा	सुभाष चंद्र बोस	नेहरू के अधीन राष्ट्रीय योजना समिति; बोस - 'गांधी के प्रतिद्वंद्वी' निर्विरोध निर्वाचित
1939	त्रिपुरी	सुभाष चंद्र बोस	बोस ने पट्टाभि सीतारामैया को पराजित किया (1580 बनाम 1377); पंत प्रस्ताव; बोस ने त्यागपत्र दिया; राजेंद्र प्रसाद उत्तराधिकारी
1940	रामगढ़	अबुल कलाम आजाद	आजाद 1946 तक अध्यक्ष रहे (सर्वाधिक, 6 वर्ष); व्यक्तिगत सत्याग्रह अक्टूबर 1940 में आरंभ
1946	मेरठ	जे.बी. कृपलानी	स्वतंत्रता-पूर्व अंतिम अधिवेशन; कृपलानी स्वतंत्रता (1947) के समय अध्यक्ष थे

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	टिप्पणियाँ
1948	जयपुर	पट्टाभि सीतारामैया	स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम अधिवेशन

अध्यक्ष: प्रथम एवं कीर्तिमान

- **प्रथम मुस्लिम:** बदरुद्दीन तैयबजी (1887); प्रथम अंग्रेज: जॉर्ज यूल (1888); प्रथम महिला: एनी बेसेंट (1917); प्रथम भारतीय महिला: सरोजिनी नायडू (1925); सबसे युवा: मौलाना आजाद (35 वर्ष, 1923); सर्वाधिक कार्यकाल: मौलाना आजाद (1940-46); तीन बार अध्यक्षता करने वाले एकमात्र: दादाभाई नौरोजी (1886, 1893, 1906); डब्ल्यू.सी. बनर्जी ने भी दो बार अध्यक्षता की (1885, 1892)
- गांधी ने केवल एक बार अध्यक्षता की (बेलगाम 1924); नेहरू ने 1929, 1936, 1937 (तथा बाद में 1951-54) में; सुभाष बोस 1938-39; पटेल केवल 1931
- **नागपुर 1920:** कांग्रेस ने लक्ष्य 'संवैधानिक साधनों से ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन' से बदलकर 'वैध एवं शांतिपूर्ण साधनों से स्वराज' किया; लाहौर 1929: पूर्ण स्वतंत्रता
- **फैजपुर 1937:** गाँव में प्रथम कांग्रेस अधिवेशन; हरिपुरा 1938: नेहरू के अधीन योजना समिति; त्रिपुरी 1939: 'पंत प्रस्ताव' (कार्य समिति गांधी के परामर्श से बने); रामगढ़ 1940: आजाद
- **1930 एवं 1935:** कोई नियमित कांग्रेस अधिवेशन नहीं हुआ (1930 में नेहरू अध्यक्ष बने रहे)

स्मरण सूत्र: कौन-सा अधिवेशन?

1885 बंबई - प्रथम; 1906 कलकत्ता - स्वराज लक्ष्य; 1907 सूरत - विभाजन; 1916 लखनऊ - पुनर्मिलन एवं समझौता
 1920 कलकत्ता विशेष - असहयोग; 1920 नागपुर - शांतिपूर्ण साधन; 1929 लाहौर - पूर्ण स्वराज; 1931 कराची - मौलिक अधिकार
 1937 फैजपुर - गाँव; 1938 हरिपुरा - योजना समिति; 1939 त्रिपुरी - बोस बनाम पट्टाभि; 1946 मेरठ - स्वतंत्रता-पूर्व अंतिम

अध्याय 62

क्रांतिकारी आंदोलन (भारत)

आरंभिक चरण - महाराष्ट्र एवं बंगाल

- चापेकर बंधु (दामोदर, बालकृष्ण, वासुदेव) व्यायाम मंडल, पूना 1896-97: 22 जून 1897 को प्लेग आयुक्त रैंड एवं लेफ्टिनेंट आयर्स्ट की हत्या; मुखबिर द्रविड़ बंधु: दामोदर को फाँसी
- तिलक:** धारा 124-क के अंतर्गत राजद्रोह का आरोप, 18 माह (जुलाई 1897) - 'लोकमान्य' बने; 1908 में केसरी के लेखों हेतु मांडले में छह वर्ष
- मित्र मेला (1899, सावरकर, नासिक) का नाम 1904 में अभिनव भारत सोसाइटी (इंडिया हाउस, लंदन में शाखा 1906); सावरकर ने मैजिनी की जीवनी एवं 'द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' लिखी; मार्सेय में जहाज से कूदे; नासिक षड्यंत्र: कलेक्टर जैक्सन को दिसंबर 1909 में अनंत कान्हेरे ने गोली मारी - कान्हेरे, कर्वे, देशपांडे को फाँसी
- अनुशीलन समिति:** कलकत्ता 1902 (सतीश चंद्र बसु, प्रमथ मित्र, जतींद्रनाथ बनर्जी एवं बारींद्र घोष के साथ); ढाका 1906 (पुलिन बिहारी दास); पटना शाखा 1913 (सचींद्र सान्याल)
- युगांतर साप्ताहिक 1906 (बारींद्र घोष, भूपेंद्रनाथ दत्त); अरविंद की पुस्तिका 'भवानी मंदिर' 1905; वंदे मातरम् में निष्क्रिय प्रतिरोध का सिद्धांत
- जतींद्रनाथ मुखर्जी 'बाघा जतीन' (1879-1915), युगांतर दल, जर्मन योजना; बालासोर में 1915 में वीरगति
- बाराह डकैती 1908 (ढाका; पुलिन बिहारी दास) - प्रथम प्रमुख डकैती
- मुजफ्फरपुर बम 30 अप्रैल 1908:** खुदीराम बोस एवं प्रफुल्ल चाकी ने किंग्सफोर्ड को लक्ष्य बनाया; श्रीमती एवं कुमारी कैनेडी मारी गई; चाकी ने स्वयं को गोली मारी; खुदीराम को फाँसी
- अलीपुर षड्यंत्र केस 1908:** अरविंद एवं बारींद्र; सी.आर. दास ने बचाव किया; नरेंद्र गोसाई की कारागार में कन्हाई लाल दत्ता एवं सत्येंद्र बोस द्वारा हत्या
- लाजपत राय को 1907 में मांडले निर्वासित (कुछ के अनुसार इस काल में अमेरिका); अजीत सिंह; पगड़ी संभाल जट्टा

प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् के क्रांतिकारी

संगठन	वर्ष	नेता
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)	अक्टूबर 1924, कानपुर	सचींद्र सान्याल (अध्यक्ष), राम प्रसाद बिस्मिल, जोगेश चटर्जी, चंद्रशेखर आजाद
काकोरी रेल कार्यवाही	9 अगस्त 1925	8 डाउन सहारनपुर-लखनऊ; 43 गिरफ्तार; बिस्मिल, अशफाकउल्ला, रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी को फाँसी (दिसंबर 1927; अशफाक 19 दिसंबर 1927 फैजाबाद); आजाद बच निकले; अभियोजक जगत नारायण मूल्ता
हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)	सितंबर 1928, फिरोजशाह कोटला, दिल्ली	आजाद, भगत सिंह, सुखदेव, शिव वर्मा, भगवती चरण वोहरा, जयदेव कपूर
सांडर्स हत्या	17 दिसंबर 1928	भगत सिंह, राजगुरु, आजाद (लाजपत राय का प्रतिशोध)
असेंबली बम	8 अप्रैल 1929	भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त (लोक सुरक्षा, व्यापार विवाद विधेयक)
लाहौर षड्यंत्र केस	1929-30	भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को 23 मार्च 1931 को लाहौर में फाँसी (अंत्येष्टि हसैनीवाला, फिरोजपुर); जतीन दास की 63 दिन के उपवास के पश्चात् 13 सितंबर 1929 को मृत्यु
चटगाँव शस्त्रागार लूट	18 अप्रैल 1930	सूर्य सेन 'मास्टर दा' (IRA); कल्पना दत्त, प्रीतिलता वाद्देदार, गणेश घोष; सूर्य सेन को 12 जनवरी 1934 को फाँसी

- आजाद की मृत्यु 27 फरवरी 1931 को अल्फ्रेड पार्क, इलाहाबाद में

- 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा हसरत मोहानी ने गढ़ा; भगत सिंह ने लोकप्रिय बनाया
- 'सरफरोशी की तमन्ना' बिस्मिल अजीमाबादी की रचना (राम प्रसाद बिस्मिल ने लोकप्रिय बनाई); बिस्मिल ने दूध अस्वीकार किया, 'केवल माँ का दूध'
- 'दरो-दीवार पे हसरत की नजर' - वाजिद अली शाह
- **कानपुर बोल्शेविक षड्यंत्र केस 1924:** एम.एन. रॉय, एस.ए. डांगे, मुजफ्फर अहमद, शौकत उस्मानी आदि; मेरठ षड्यंत्र केस 1929 (साम्यवादी)
- शांति घोष एवं सुनीति चौधरी ने कोमिल्ला के मजिस्ट्रेट स्टीवेंस की हत्या की (दिसंबर 1931); बीना दास ने गवर्नर स्टेनली जैक्सन पर गोली चलाई (1932); फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना 3 मई 1939 को बोस ने की
- RSS की स्थापना 27 सितंबर 1925 को के.बी. हेडगेवार द्वारा, नागपुर

स्मरणीय

कालक्रम: कानपुर केस 1924 - काकोरी 1925 - मेरठ 1929 - लाहौर 1929-30

अजीजुद्दीन (मुगल शहजादे) को 1857 में फाँसी - अशफाकउल्ला 20वीं सदी के संघर्ष में फाँसी पाने वाले प्रथम मुस्लिम

षड्यंत्र केस एवं क्रांतिकारी मिलान

केस / संगठन	व्यक्ति
हावड़ा षड्यंत्र	जतींद्रनाथ मुखर्जी
दिल्ली षड्यंत्र (हार्डिंग बम 1912)	मास्टर अमीरचंद (पीछे रास बिहारी बोस)
अलीपुर	अरविंद घोष
नासिक	कान्हेरे
विद्रोही समूह	सूर्य सेन
पंजाब नौजवान भारत सभा (मार्च 1926)	भगत सिंह, भगवती चरण वोहरा, यशपाल

- **सबसे कम आयु में फाँसी:** खुदीराम बोस (18 वर्ष 8 माह, 11 अगस्त 1908); हेमू कालानी को 21 जनवरी 1943 को फाँसी (सिंध); सुखदेव लगभग 23
- बिस्मिल को गोरखपुर कारागार में 19 दिसंबर 1927 को फाँसी; राजेंद्र लाहिड़ी गोंडा (17 दिसंबर 1927); रोशन सिंह इलाहाबाद (नैनी); अशफाकउल्ला फैजाबाद
- गोपीनाथ साहा ने (टेगार्ट के भ्रम में) अर्नेस्ट डे को 12 जनवरी 1924 को गोली मारी, मार्च 1924 में फाँसी
- **काकोरी बचाव समिति:** मोतीलाल नेहरू (जी.बी. पंत, सी.बी. गुप्ता के साथ)
- कल्पना दत्त - आजीवन कारावास (चटगाँव)
- तिलक ने लाठी क्लब, गणपति एवं शिवाजी उत्सव आरंभ किए

विदेशों में क्रांतिकारी

संगठन	वर्ष	नेता	टिप्पणियाँ
इंडियन होमरूल सोसाइटी / इंडिया हाउस	फरवरी 1905 लंदन	श्यामजी कृष्ण वर्मा	द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट (जनवरी 1905); पेरिस, जिनेवा स्थानांतरित
फ्री इंडिया सोसाइटी	1907	सावरकर	अभिनव भारत की लंदन शाखा 1906
गदर पार्टी (हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ द पैसिफिक कोस्ट)	21 अप्रैल 1913, एस्टोरिया, ओरेगन / मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को (युगांतर आश्रम)	सोहन सिंह भकना (अध्यक्ष), लाला हरदयाल (सचिव), करतार सिंह सराभा, रास बिहारी बोस, बरकतुल्ला, राजा महेंद्र प्रताप, भाई परमानंद	साप्ताहिक गदर; हरदयाल 1911 में स्टैनफोर्ड में प्राध्यापक
भारत की अस्थायी सरकार	1 दिसंबर 1915, काबुल	अध्यक्ष राजा महेंद्र प्रताप, प्रधानमंत्री मौलवी बरकतुल्ला (उबैदुल्ला सिंधी के साथ)	जर्मनी / रूस ने मान्यता दी; रेशमी रूमाल षड्यंत्र
बर्लिन समिति / भारतीय स्वतंत्रता समिति	1914-15	वीरेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय (चट्टो), चंपकरमण पिल्लै	प्रथम विश्व युद्ध में जर्मन सहायता

संगठन	वर्ष	नेता	टिप्पणियाँ
कोमागाटा मारू	1914	बाबा गुरदित सिंह	376 यात्री, वैकूबर ने अनुमति नहीं दी; बज-बज दंगा 29 सितंबर 1914, 19-20 मारे गए
मदनलाल ढींगरा	1 जुलाई 1909	इंपीरियल इंस्टीट्यूट, लंदन में कर्जन वायली (एवं डॉ. लालकाका) की हत्या	17 अगस्त 1909 को फाँसी
उधम सिंह	मार्च 1940	कैक्सटन हॉल में माइकल ओ'डायर की हत्या	1940 में फाँसी
मैडम भीकाजी कामा	22 अगस्त 1907	स्टुटगार्ट अंतरराष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस में प्रथम ध्वज फहराया	'भारतीय क्रांति की माता'; जन्म 24 सितंबर 1861; नौरोजी की सचिव; ध्वज सावरकर एवं श्यामजी के साथ निर्मित
इंडियन इंडिपेंडेंस लीग	मार्च 1942 टोक्यो सम्मेलन, जून 1942 बैकॉक	रास बिहारी बोस; सुभाष बोस ने 1943 में कमान संभाली	INA मुख्यालय रंगून

- सावरकर 1910 में मार्सेय में समुद्र में कूदे; सेलुलर जेल

अध्याय 63

बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

विभाजन (1905)

- कर्जन द्वारा 20 जुलाई 1905 को घोषित (प्रस्ताव 19 जुलाई); 16 अक्टूबर 1905 से प्रभावी (शोक दिवस के रूप में मनाया गया; टैगोर का राखी बंधन / रक्षा बंधन - एकता; आमार सोनार बांग्ला)
- पूर्वी बंगाल एवं असम (राजधानी ढाका; राजशाही, चटगाँव मंडल); पश्चिम: बंगाल + बिहार + उड़ीसा; लेफ्टिनेंट गवर्नर बैम्फील्ड फुलर (पूर्वी बंगाल), एंड्रयू फ्रेजर (बंगाल) ने प्रारूप बनाया
- **वास्तविक मंशा:** बंगाल के राष्ट्रवाद को दुर्बल करना; कर्जन: कलकत्ता वह केंद्र है जहाँ से कांग्रेस को संचालित किया जाता है
- **बहिष्कार का प्रथम आह्वान:** कृष्ण कुमार मित्र, संजीवनी 13 जुलाई 1905; बागेरहाट सभा 16 जुलाई 1905
- 7 अगस्त 1905 कलकत्ता टाउन हॉल - बहिष्कार प्रस्ताव, स्वदेशी आंदोलन का औपचारिक आरंभ
- दिसंबर 1911 के दिल्ली दरबार में हार्डिंग द्वितीय द्वारा रद्द

स्वदेशी के नेता एवं विशेषताएँ

- **बंगाल:** एस.एन. बनर्जी, अरविंद घोष, बी.सी. पाल, अश्विनी कुमार दत्त (स्वदेश बांधव समिति, बारीसाल), अब्दुल रसूल, लियाकत हुसैन
- **महाराष्ट्र:** तिलक; पंजाब-उत्तर प्रदेश: अजीत सिंह, लाजपत राय; दिल्ली: सैयद हैदर रजा; मद्रास: वी.ओ. चिदंबरम पिल्लै (स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी, तूतीकोरिन), सुब्रमण्य शिव
- अनुशीलन, युगांतर, स्वदेश बांधव समिति के स्वयंसेवक; राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् 1906; बंगाल केमिकल्स 1901 (पी.सी. राय)
- टैगोर आक्रामक संकीर्ण राष्ट्रवाद के आलोचक थे; अबनींद्रनाथ एवं गगनेंद्रनाथ टैगोर - इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट 1907 (ई.बी. हैवेल)
- एच.डब्ल्यू. नेविनसन - द न्यू स्पिरिट इन इंडिया
- वंदे मातरम् प्रेरक गीत बना; रिजले परिपत्र एवं कार्लाइल परिपत्र ने विद्यार्थियों को राजनीति से प्रतिबंधित किया
- किसानों एवं मुसलमानों की सीमित भागीदारी; ढाका के नवाब सलीमुल्लाह ने विभाजन का समर्थन किया
- **कालक्रम:** स्थायी बंदोबस्त 1793 - सहायक संधि 1798 - व्यपगत 1848 - विभाजन 1905
- **एस.एन. बनर्जी:** विभाजन 'बम की भाँति गिरा'; 16 अक्टूबर 1905: चूल्हे नहीं जले, राखियाँ बाँधी गईं, टैगोर का राखी बंधन, 'आमार सोनार बांग्ला'
- अबनींद्रनाथ टैगोर ने भारत माता का चित्र बनाया (1905)
- 7 अगस्त = राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (स्वदेशी की स्मृति में)
- स्वदेशी ने हथकरघा, वस्त्र मिलों, बैंकों, बीमा, रासायनिक कारखानों को पुनर्जीवित किया; बारीसाल अपवाद, जहाँ कृषक सम्मिलित हुए (अश्विनी कुमार दत्त)
- टैगोर ने बाद में लेख 'द कल्ट ऑफ द चरखा' (1925) में अतिवादी स्वदेशी / गांधीवाद की आलोचना की

अध्याय 64

सूरत विभाजन, मुस्लिम लीग, मॉर्ले-मिंटो सुधार एवं दिल्ली दरबार

कांग्रेस अधिवेशन 1905-07

- **बनारस 1905 (गोखले):** स्वदेशी का समर्थन; उसी वर्ष सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी
- कलकत्ता 1906 (दादाभाई नौरोजी, 'भारत के वयोवृद्ध पुरुष'; अध्यक्ष 1886, 1893, 1906): चार प्रस्ताव - स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा; स्वराज की परिभाषा ब्रिटेन / उपनिवेशों जैसा स्वशासन
- **सूरत दिसंबर 1907:** नरमपंथी रास बिहारी घोष को, उग्रपंथी लाजपत राय (बाद में तिलक) को चाहते थे; जूता फेंका गया; कांग्रेस नरम दल एवं गरम दल में विभाजित; 1916 के लखनऊ पुनर्मिलन (ए.सी. मजूमदार) तक कांग्रेस पर नरमपंथियों का प्रभुत्व रहा; कांग्रेस के 1908 के 'इलाहाबाद कन्वेंशन' संविधान ने उग्रपंथियों को बाहर रखा
- **नौरोजी:** प्रथम भारतीय सांसद (सेंट्रल फिन्सबरी, लिबरल, 1892); रास्त गोप्तार 1851; एल्फिन्स्टन कॉलेज में प्राध्यापक; गोखले: 'यदि मनुष्य में कुछ दिव्य है तो वह नौरोजी में है'
- **गोखले (जन्म 9 मई 1866, रत्नागिरि):** रानाडे के शिष्य, फर्ग्यूसन कॉलेज; इंपीरियल विधान परिषद् 1902; गांधी ने 'महात्मा' कहा; 1905 में 39 वर्ष की आयु में INC अध्यक्ष

मुस्लिम लीग (1906)

- **शिमला प्रतिनिधिमंडल 1 अक्टूबर 1906:** आगा खॉं तृतीय के नेतृत्व में 35 नेताओं ने मिंटो से भेंट कर पृथक निर्वाचन की माँग की
- अखिल भारतीय मुहम्मदन शैक्षिक सम्मेलन, ढाका, दिसंबर 1906 - ढाका के नवाब सलीमुल्लाह खॉं ने अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का प्रस्ताव रखा; आगा खॉं तृतीय प्रथम अध्यक्ष; मोहसिन-उल-मुल्क एवं वकार-उल-मुल्क संयुक्त सचिव; मुख्यालय लखनऊ
- **अधिवेशन:** कराची 1907, अमृतसर दिसंबर 1908 (पृथक निर्वाचन की औपचारिक माँग); लंदन शाखा 1908 (सैयद अमीर अली)
- **उद्देश्य:** ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठा; मुस्लिम अधिकारों की रक्षा; अन्य समुदायों के प्रति शत्रुता की रोकथाम
- डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर 'द इंडियन मुसलमान्स' (1871): संतुष्ट मुसलमान सुरक्षा-दीवार सिद्ध होंगे

मॉर्ले-मिंटो सुधार (भारतीय परिषद् अधिनियम 1909)

- भारत सचिव जॉन मॉर्ले, वायसराय मिंटो द्वितीय
- मुसलमानों हेतु पृथक निर्वाचन (सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व) - मिंटो को 'सांप्रदायिक निर्वाचन का जनक' कहा गया; राजेंद्र प्रसाद ने मिंटो को पाकिस्तान का जनक कहा
- परिषदों का विस्तार; इंपीरियल परिषद् में 60 अतिरिक्त सदस्य; कार्यकारी परिषद् में भारतीय (एस.पी. सिन्हा प्रथम भारतीय सदस्य, 1909)
- **गांधी:** 'मॉर्ले-मिंटो सुधार हमारे पतन का कारण बने'
- भारत शासन अधिनियम 1919 ने सांप्रदायिक निर्वाचन का विस्तार किया

दिल्ली दरबार एवं राजधानी परिवर्तन

- **12 दिसंबर 1911 (हार्डिंग द्वितीय):** जॉर्ज पंचम एवं रानी मेरी; विभाजन रद्द; राजधानी दिल्ली स्थानांतरित (1912 से प्रभावी); बिहार एवं उड़ीसा प्रांत 22 मार्च 1912; असम को पुनः (1874 की स्थिति में) बहाल किया गया; INC कलकत्ता में 27 दिसंबर 1911 को जन गण मन गाया गया
- **दिल्ली षड्यंत्र केस:** चाँदनी चौक में हार्डिंग पर बम, 23 दिसंबर 1912 (रास बिहारी बोस एवं बसंत कुमार बिस्वास; अमीरचंद एवं अवध बिहारी पर मुकदमा)

शीघ्र कालक्रम

1905 विभाजन - 1906 मुस्लिम लीग - 1907 सूरत - 1909 मॉर्ले-मिंटो - 1911 दरबार - 1912 राजधानी स्थानांतरित एवं बिहार-उड़ीसा - 1916 लखनऊ समझौता

अध्याय 65

लखनऊ समझौता, होमरूल लीग एवं आरंभिक गांधी युग

लखनऊ समझौता (दिसंबर 1916)

- कांग्रेस (ए.सी. मजूमदार, 29-31 दिसंबर) एवं मुस्लिम लीग (जिन्ना) की लखनऊ में बैठक; तिलक एवं जिन्ना मुख्य शिल्पकार; सरोजिनी नायडू ने जिन्ना को 'हिंदू-मुस्लिम एकता का दूत' कहा
- कांग्रेस ने प्रथम बार पृथक निर्वाचन स्वीकार किया; दोनों ने डोमिनियन स्थिति / स्वशासन की माँग की
- उग्रपंथी नौ वर्ष पश्चात् पुनः सम्मिलित (एनी बेसेंट एवं तिलक की भूमिका); कांग्रेस-लीग एकता का काल 1916-22 (जिन्ना ने 1920 में कांग्रेस छोड़ी)
- राजकुमार शुक्ल गांधी से 1916 में लखनऊ में चंपारण के संबंध में मिले

होमरूल लीग (1916)

बिंदु	तिलक की लीग	बेसेंट की लीग
स्थापना	अप्रैल 1916, पूना (बेलगाम सम्मेलन)	सितंबर 1916, अड्यार (मद्रास); कॉमनवील / न्यू इंडिया
क्षेत्र	महाराष्ट्र (बंबई को छोड़कर), कर्नाटक, मध्य प्रांत, बरार	शेष भारत
पदाधिकारी	जोसेफ बैटिस्टा अध्यक्ष, एन.सी. केलकर सचिव	जॉर्ज अरुंडेल संगठन सचिव; एस. सुब्रमण्य अय्यर, बी.पी. वाडिया
प्रेस	केसरी, मराठा	न्यू इंडिया, कॉमनवील

- नारा:** 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है'; लक्ष्य ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन (कनाडा / ऑस्ट्रेलिया जैसा डोमिनियन); आयरिश होमरूल से प्रेरणा
- बेसेंट जून 1917 में नजरबंद (ऊटी), तिलक पर प्रतिबंध; मॉन्टेय्यू का 20 अगस्त 1917 का वक्तव्य; सुब्रमण्य अय्यर ने नाइटहुड त्यागा; बेसेंट 1917 में INC अध्यक्ष
- गांधी 1920 में अखिल भारतीय होमरूल लीग के अध्यक्ष बने और उसका नाम स्वराज्य सभा रखा
- एनी बेसेंट (1847-1933):** फेबियन, थियोसॉफी की प्रमुख 1907-33, सेंट्रल हिंदू कॉलेज 1898, 1918 में पटना आई

गांधी का प्रारंभिक जीवन एवं दक्षिण अफ्रीका

- जन्म 2 अक्टूबर 1869 पोरबंदर; पिता करमचंद 'कबा' गांधी, पोरबंदर, राजकोट एवं वांकानेर के दीवान; 13 वर्ष की आयु में कस्तूरबा से विवाह; सामलदास कॉलेज भावनगर 1888; इनर टेंपल, लंदन
- 1893 (24 मई) दादा अब्दुल्ला के लिए डरबन; पीटरमैरित्सबर्ग रेल घटना (जून 1893); दक्षिण अफ्रीका में 21 वर्ष; नेटाल इंडियन कांग्रेस 1894; इंडियन ओपिनियन जून 1903 (गुजराती, हिंदी, तमिल, अंग्रेजी; प्रथम संपादक मनसुखलाल नाजर); जोहान्सबर्ग में विधि कार्यालय 1903; फीनिक्स बस्ती 1904 (डरबन; प्रथम आश्रम, रस्किन की अनटू दिस लास्ट से प्रेरित); टॉल्स्टॉय फार्म 1910; 'सत्याग्रह' शब्द (मगनलाल गांधी के 'सदाग्रह' से); 1901 कलकत्ता INC (वाचा की अध्यक्षता) में सम्मिलित - अफ्रीका प्रस्ताव; गोखले 1912 में दक्षिण अफ्रीका गए; जनवरी 1915 (9 जनवरी) में भारत लौटे
- प्रभाव:** रस्किन (श्रम की गरिमा), टॉल्स्टॉय (ईश्वर का राज्य तुम्हारे भीतर है), थोरो (सविनय अवज्ञा); गोखले राजनीतिक गुरु; सत्याग्रह आश्रम अहमदाबाद (कोचरब) 1915, साबरमती 17 जून 1917
- गांधी दर्शन:** सत्य एवं अहिंसा (राम राज्य के जुड़वाँ सिद्धांत); साधन एवं साध्य; न्यासिता; विकेंद्रीकरण, ग्राम पंचायतें; राज्यविहीन समाज; उपवास 'अग्नि-बाण', हड़ताल अंतिम चरण; आत्म-संयम सर्वोत्तम परिवार-नियोजन; 'सबसे कूर हिंसा निर्धनता है'; 'सच्चे समाजवादी' (लुई फिशर)

भारत में प्रथम प्रयोग (1917-18)

घटना	वर्ष	प्रमुख तथ्य
चंपारण	अप्रैल 1917	राजकुमार शुक्ल का निमंत्रण; तिनकठिया प्रणाली (3/20 भूमि पर नील); तावान; राजेंद्र प्रसाद, जे.बी. कृपलानी, महादेव देसाई, अनुग्रह नारायण सिन्हा, ब्रज किशोर प्रसाद, सी.एफ. एंड्रयूज; रसोइए बतख मियाँ ने उन्हें विष देने से इनकार किया; 25% वापसी; टैगोर ने 'महात्मा' कहा
अहमदाबाद मिल हड़ताल	फरवरी-मार्च 1918	अनसूया साराभाई; प्रथम उपवास; 35% मजदूरी वृद्धि
खेड़ा	मार्च-जून 1918	फसल-हानि; राजस्व न देने का अभियान; वल्लभभाई पटेल, इंदुलाल याज्ञिक

- सुभाष बोस ने गांधी को प्रथम बार 'राष्ट्रपिता' कहा (आजाद हिंद रेडियो, जुलाई 1944); गांधी ने 1934 में कांग्रेस की सदस्यता त्यागी; 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने गोली मारी
- **सहयोगी:** जमनालाल बजाज (वर्धा), प्यारेलाल, सी.एफ. एंड्रयूज 'दीनबंधु', महादेव देसाई

अध्याय 66

गांधी: विविध तथ्य एवं किसान आंदोलन

गांधी - अधिक संभावित तथ्य

- **चंपारण कृषि जाँच समिति (1917):** अध्यक्ष एफ.जी. स्टाई; सदस्य गांधी, डी.जे. रीड, एल.सी. एडमी, राजा हरिहर प्रसाद नारायण सिंह, जी. रेनी, एम.ई.एल. टैनर; गांधी 10 अप्रैल 1917 को चंपारण पहुँचे; प्रथम राष्ट्रीय स्तर का आंदोलन = रॉलट सत्याग्रह (1919)
- **चंपारण में सहयोगी:** राजेंद्र प्रसाद, जे.बी. कृपलानी, महादेव देसाई, सी.एफ. एंड्रयूज, अनुग्रह नारायण सिन्हा, ब्रज किशोर प्रसाद, एच.एस. पोलाक; राजकुमार शुक्ल ने निमंत्रण दिया (1916 में लखनऊ में भेंट)
- **भारत में प्रथम सार्वजनिक भाषण:** बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का उद्घाटन, फरवरी 1916
- **अहमदाबाद हड़ताल:** प्लेग बोनस विवाद; गांधी का प्रथम उपवास; अनसूया साराभाई (मिल-मालिक अंबालाल साराभाई की बहन); 21 दिन पश्चात् समाधान; मध्यस्थता ने 35% दिया
- **खेड़ा:** फसल-हानि / सूखा किंतु राजस्व स्थगित नहीं (स्थायी बंदोबस्त संबंधी कथन गलत है)
- **बारदोली (1928)** का नेतृत्व वल्लभभाई पटेल ने किया (बारदोली की महिलाओं ने 'सरदार' की उपाधि दी); वाइकोम सत्याग्रह 1924-25 (त्रावणकोर, मंदिर-प्रवेश; गांधी केवल अप्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित); राजकोट सत्याग्रह 1939 (गांधी का उपवास, वायसराय के माध्यम से समाधान)
- गांधी यरवदा कारागार को 'मंदिर' कहते थे; छत्तीसगढ़ की प्रथम यात्रा 20 दिसंबर 1920 (धमतरी, शौकत अली के साथ, सुंदरलाल शर्मा के निमंत्रण पर)
- माउंटबेटन ने गांधी को 'एक-व्यक्ति सीमा सेना' कहा (बंगाल, 1947); नेहरू: 'हमारे जीवन से प्रकाश चला गया'; गोखले ने एक वर्ष 'कान खुले, मुँह बंद' रखने का परामर्श दिया
- **जमनालाल बजाज:** AICC कोषाध्यक्ष, 1923 (नागपुर झंडा सत्याग्रह) एवं 1930 में कारावास; 1921 में 'राय बहादुर' की उपाधि त्यागी; गांधी के 'पाँचवें पुत्र'; विनोबा भावे को वर्धा लाए
- जे.बी. कृपलानी - व्यवसाय से शिक्षक; एंड्रयूज - सेंट स्टीफेंस में प्राध्यापक, AITUC अध्यक्ष 1925-27
- **गांधीवादी अर्थव्यवस्था:** केंद्रीकरण का विरोध; कुटीर उद्योग; ग्राम स्वराज; न्यासिता; स्वतंत्रता के समय गांधी कांग्रेस के सदस्य नहीं थे (1934 में त्यागपत्र)
- स्वदेशी आंदोलन (1905-11) का नेतृत्व गांधी ने नहीं किया (वे दक्षिण अफ्रीका में थे)

किसान आंदोलन

आंदोलन	वर्ष	नेता / स्थान	प्रमुख तथ्य
बिजोलिया	1897-1941	साधु सीताराम दास, विजय सिंह पथिक (1915), मेवाड़	प्रथम किसान आंदोलन; सबसे लंबा (~44 वर्ष); अभ्युदय एवं भारत मित्र ने समाचार छापे
उत्तर प्रदेश किसान सभा	फरवरी 1918	गौरी शंकर मिश्र, इंद्र नारायण द्विवेदी, मालवीय का समर्थन	होमरूल कार्यकर्ता; नेहरू नहीं
नाई-धोबी बंद	1919	प्रतापगढ़ (अवध)	भू-स्वामियों का सामाजिक बहिष्कार; झींगुरी सिंह, दुर्गापाल सिंह
अवध किसान सभा	1920	बाबा रामचंद्र	पूर्व गिरमिटिया श्रमिक (फिजी), तुलसी रामायण का पाठ करते थे; प्रतापगढ़; नेहरू ने भ्रमण किया
एका (एकता)	1921-22	मदारी पासी; हरदोई, बाराबंकी, बहराइच, सीतापुर	अभिलिखित लगान से 50% अधिक; ठेकेदार; मार्च 1922 तक कुचल दिया गया
बारदोली	1928	वल्लभभाई पटेल	राजस्व वृद्धि 30%; सरदार की उपाधि
बिहार प्रांतीय किसान सभा	1929	स्वामी सहजानंद सरस्वती	जमींदारी उन्मूलन; पत्र हुंकार; 'किसान-प्राण'
अखिल भारतीय किसान सभा	11 अप्रैल 1936, लखनऊ	अध्यक्ष सहजानंद, महासचिव एन.जी. रंगा	इंद्रलाल याज्ञिक; घोषणा-पत्र ने कांग्रेस के 1937 के कार्यक्रम को प्रभावित किया; फैजपुर अधिवेशन

आंदोलन	वर्ष	नेता / स्थान	प्रमुख तथ्य
तेभागा	सितंबर-नवंबर 1946	बंगाल प्रांतीय किसान सभा	बटाईदारों की दो-तिहाई की माँग
भूदान	18 अप्रैल 1951	विनोबा भावे, पोचमपल्ली (तेलंगाना)	रामचंद्र रेड्डी ने 40 हरिजन परिवारों को 100 एकड़ भूमि दी; 1957 तक 50 लाख एकड़ का लक्ष्य

- **1930 के दशक के क्षेत्र:** सहजानंद - बिहार; खुदाई खिदमतगार (अब्दुल गफ्फार खान) - उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत; स्वामी रामानंद - हैदराबाद; अब्दुल हमीद खान भाशानी - दक्षिण असम

अध्याय 67

गांधीवादी आंदोलन एवं कृषक संघर्ष: तुलनात्मक सारणियाँ

गांधीवादी सत्याग्रहों की तुलना

आंदोलन	वर्ष / स्थान	कारण	प्रमुख तथ्य
चंपारण	1917, बिहार	तिनकठिया प्रणाली (नील-बागान मालिक कृषकों को 3/20 भूमि पर नील उगाने को बाध्य करते थे)	भारत में प्रथम सत्याग्रह; राजकुमार शुक्ल का निमंत्रण; राजेंद्र प्रसाद, जे.बी. कृपलानी, महादेव देसाई, ब्रजकिशोर प्रसाद; चंपारण कृषि अधिनियम 1918 ने तिनकठिया समाप्त की
अहमदाबाद मिल हड़ताल	1918	प्लेग बोनस की वापसी; मजदूरी विवाद (35% वृद्धि की माँग बनाम 20%)	गांधी का प्रथम उपवास; अनसूया साराभाई (मिल-मालिक अंबालाल साराभाई की बहन); 'टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन' (1920)
खेड़ा	1918, गुजरात	फसल-हानि, राजस्व छूट; राजस्व संहिता	वल्लभभाई पटेल, इंदुलाल याज्ञिक, महादेव देसाई; भारत में गांधी का प्रथम असहयोग
रॉलट सत्याग्रह	1919	अराजक एवं क्रांतिकारी अपराध अधिनियम	सत्याग्रह सभा; 6 अप्रैल हड़ताल; जलियाँवाला बाग (13 अप्रैल); 18 अप्रैल को वापस
असहयोग	1920-22	खिलाफत, पंजाब के अत्याचार, स्वराज	न्यायालयों, विद्यालयों, परिषदों का बहिष्कार; तिलक स्वराज कोष (1 करोड़); चौरा-चौरा (फरवरी 1922); बारदोली निर्णय
वाइकोम बारदोली	1924-25 1928, गुजरात	मंदिर-मार्ग प्रवेश भू-राजस्व में 22% वृद्धि; बारदोली तालुका	गांधी ने मार्गदर्शन किया, नेतृत्व नहीं वल्लभभाई पटेल ('सरदार' उपाधि); कुँवरजी मेहता; ब्रूमफील्ड-मैक्सवेल जाँच
सविनय अवज्ञा	1930-34	नमक कर; 11 सूत्री माँग; दांडी मार्च	12 मार्च 1930 को साबरमती से - 78 स्वयंसेवक - 5 अप्रैल दांडी (6 अप्रैल); धरासना (सरोजिनी नायडू, इमाम साहब, मणिलाल गांधी), पेशावर (गप्फार खान, गढ़वाल राइफल्स का इनकार), शोलापुर (मार्च 1930), वेदारण्यम (सी. राजगोपालाचारी), पय्यन्नूर (के. केलप्पन)
व्यक्तिगत सत्याग्रह	अक्टूबर 1940	अगस्त प्रस्ताव का उत्तर	विनोबा भावे प्रथम; नेहरू द्वितीय; ब्रह्म दत्त तृतीय

आंदोलन	वर्ष / स्थान	कारण	प्रमुख तथ्य
भारत छोड़ो	8 अगस्त 1942	क्रिप्स की असफलता	'करो या मरो'; गोवालिया टैंक; अरुणा आसफ अली, उषा मेहता; समानांतर सरकारें - बलिया, तमलुक (जातीय सरकार), सतारा (प्रति सरकार); जे.पी. नारायण का हजारीबाग कारागार से पलायन

किसान आंदोलन

आंदोलन	वर्ष / क्षेत्र	नेता / टिप्पणियाँ
नील विद्रोह	1859-60, बंगाल	दिगंबर बिस्वास एवं विष्णु बिस्वास (नदिया); हरिश्चंद्र मुखर्जी (हिंदू पैट्रियट); दीनबंधु मित्र - नील दर्पण; नील आयोग 1860
पाबना कृषक संघ	1873-76, पूर्वी बंगाल	ईशान चंद्र राय, शंभू पाल; लगान-वृद्धि
दक्कन दंगे	1875	पूना एवं अहमदनगर; साहूकार; दक्कन कृषक राहत अधिनियम 1879
मोपला (मप्पिला) विद्रोह	1836-1921, मालाबार	1921 - खिलाफत से संबंध; अली मूसलियार; वरियमक्त्रथ क़न्हाहम्मद हाजी; वैगन त्रासदी
बिजोलिया आंदोलन	1897-1941, मेवाड़ (राजस्थान)	सीताराम दास, विजय सिंह पथिक, माणिक्य लाल वर्मा
किसान सभा आंदोलन (उत्तर प्रदेश)	1918-22	मदन मोहन मालवीय, गौरी शंकर मिश्र, बाबा रामचंद्र, नेहरू
एका आंदोलन	1921-22 उत्तर प्रदेश	मदारी पासी
तेभागा आंदोलन	1946-47, बंगाल	किसान सभा (साम्यवादी); बटाईदार को दो-तिहाई; इला मित्र
तेलंगाना (हैदराबाद)	1946-51	साम्यवादी; निजाम के जागीरदार; बेगार
पूत्रप्रा-वायलार	1946, त्रावणकोर	साम्यवादी
वर्ली विद्रोह (महाराष्ट्र)	1945-47	गोदावरी परुलेकर
अखिल भारतीय किसान सभा	अप्रैल 1936, लखनऊ	स्वामी सहजानंद सरस्वती (अध्यक्ष), एन.जी. रंगा (महासचिव); प्रथम अध्यक्ष सहजानंद; किसान घोषणा-पत्र 1936; कांग्रेस-किसान संयुक्त सदस्यता का प्रश्न
बिहार प्रांतीय किसान सभा	1929, सोनपुर	स्वामी सहजानंद सरस्वती; बिहटा आश्रम; जमींदारी उन्मूलन की माँग

श्रमिक एवं श्रमिक संघ

- 1890 बंबई मिल हैंड्स एसोसिएशन (एन.एम. लोखंडे, प्रथम श्रमिक संगठन); 1918 मद्रास लेबर यूनियन (बी.पी. वाडिया, प्रथम श्रमिक संघ); AITUC की स्थापना अक्टूबर 1920 बंबई (लाला लाजपत राय प्रथम अध्यक्ष; दीवान चमन लाल महासचिव); 1920 टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन (अहमदाबाद; गांधी)
- व्यापार विवाद अधिनियम 1929 (सार्वजनिक सेवाओं में हड़ताल प्रतिबंधित); लोक सुरक्षा अधिनियम 1929; मेरठ षडयंत्र केस (1929-33; 31 श्रमिक संघवादी, साम्यवादी)
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी:** 1920 ताशकंद में स्थापित (एम.एन. रॉय); कानपुर 1925 (सिंगारवेलु); वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी (1927)
- लेबर पार्टी ऑफ हिंदुस्तान; ILO (1919; भारत संस्थापक सदस्य); श्रम पर शाही आयोग (हिटली, 1929)
- कारखाना अधिनियम:** 1881 (7 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर प्रतिबंध; रिपन), 1891 (लैसडाउन; महिलाओं के कार्य-घंटे, 'विश्राम'), 1911 (हार्डिंग), 1922, 1934; खान अधिनियम 1901

जनजातीय आंदोलन: शीघ्र संदर्भ

विद्रोह	वर्ष	क्षेत्र एवं नेता
चुआर	1766-72, 1795-1800	मिदनापुर (बंगाल); दुर्जन सिंह
पाइक	1817	ओडिशा; बख्शी जगबंधू
कोल	1831-32	छोटानागपुर; बुद्ध भगत; सिंहराय, बिंदराय
संथाल हूल	1855-56	राजमहल; सिद्ध, कान्हू, चाँद, भैरव
खोंड	1837-56	ओडिशा; चक्र बिसोई
मुंडा उलगुलान	1899-1900	राँची; बिरसा मुंडा (धरती आबा; बिरसाइत)
भील	1818-31, 1913	खानदेश; गोविंद गुरु (बाँसवाड़ा)
रंपा	1879, 1922	अल्लूरी सीताराम राजू
खासी	1829-33	तिरोत सिंह; गारो - पा टोगन नेंगमिंजा
नागा	1917-33	जादोनांग; गाइदिन्ल्यू (हेराका)
टाना भगत	1914	जतरा भगत, छोटानागपुर
पॉलीगार	1799-1801	वीरपांड्य कट्टबोम्मन; मरुड़ बंधू
वेलु थंपी	1809	त्रावणकोर

अध्याय 68

श्रमिक आंदोलन, रॉलट एक्ट, जलियाँवाला बाग एवं खिलाफत

श्रमिक संघ एवं साम्यवादी आंदोलन

घटना	वर्ष	प्रमुख तथ्य
मद्रास लेबर यूनियन	1918	बी.पी. वाडिया, वी. कल्याणसुंदरम; प्रथम आधुनिक श्रमिक संघ; बर्किंगम एवं कर्नाटक मिलें
अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन	25 फरवरी 1920	अनसूया साराभाई (अध्यक्ष) एवं गांधी; 1918 की हड़ताल के पश्चात्
AITUC	31 अक्टूबर 1920, बंबई	एन.एम. जोशी; लाजपत राय प्रथम अध्यक्ष; जोसेफ बैटिस्टा उपाध्यक्ष; दीवान चमन लाल महासचिव; ILO (1919) प्रेरक
कम्युनिस्ट इंटरनेशनल (कॉमिन्टर्न)	मार्च 1919	लेनिन; एम.एन. रॉय प्रथम भारतीय सदस्य
ताशकंद में कम्युनिस्ट पार्टी	17 अक्टूबर 1920	एम.एन. रॉय, अबनी मुखर्जी, एवलिन ट्रेट, एम.पी.टी. आचार्य, मुहम्मद अली, मुहम्मद शफीक
कानपुर षड्यंत्र केस	1924	एम.एन. रॉय, एस.ए. डांगे, मुजफ्फर अहमद, शौकत उस्मानी, गुलाम हसन, सिंगारवेलु चेट्टियार, नलिनी गुप्ता, रामचरण लाल शर्मा; आरोप: हिंसक क्रांति द्वारा सम्राट को संप्रभुता से वंचित करना
वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी	1925-28	लेबर स्वराज पार्टी (बंगाल 1925) से WPP बंगाल 1926; बंबई 1927; अखिल भारतीय सम्मेलन कलकत्ता दिसंबर 1928; कांग्रेस के भीतर कार्य किया
नागपुर AITUC	1929	नेहरू ने अध्यक्षता की; विभाजन - नरमपंथियों (एन.एम. जोशी, वी.वी. गिरि, बी. शिव राव) ने इंडियन ट्रेड यूनियन फेडरेशन बनाया
मेरठ षड्यंत्र केस	1929-33	~31-33 नेता, जिनमें दो ब्रिटिश (फिलिप स्प्रेट, बेन ब्रैडली); विश्व प्रचार - आईस्टाइन, एच.जी. वेल्स, लास्की का समर्थन

- **श्रमिक संघवाद का उग्र / क्रांतिकारी चरण:** 1926-39; व्यापार विवाद अधिनियम 1929 एवं लोक सुरक्षा विधेयक
- एम.एन. रॉय ने 1940 में रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी बनाई; सौम्येंद्रनाथ टैगोर ने 1934 में रिवोल्यूशनरी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया बनाई
- पेशावर षड्यंत्र केस (1922-23) भी साम्यवादियों के विरुद्ध

रॉलट एक्ट एवं सत्याग्रह (1919)

- न्यायमूर्ति सिडनी रॉलट के अधीन रॉलट (राजद्रोह) समिति 1917; अराजक एवं क्रांतिकारी अपराध अधिनियम, मार्च 1919 - 'न दलील, न वकील, न अपील'; काला कानून कहलाया; बिना जुरी मुकदमा, बिना मुकदमे के नजरबंदी
- वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-21) के अधीन इंपीरियल विधान परिषद् द्वारा पारित; सभी भारतीय सदस्यों ने विरोध में मत दिया (जिन्ना, मालवीय, मजहरुल हक ने त्यागपत्र दिया)

- गांधी की सत्याग्रह सभा; हड़ताल 6 अप्रैल 1919; रॉलट सत्याग्रह गांधी का प्रथम अखिल भारतीय आंदोलन (मुख्यतः नगरीय); स्वामी श्रद्धानंद ने कर-बंदी अभियान सुझाया; होमरूल लीग का उपयोग
- डॉ. सैफुद्दीन किचलू एवं डॉ. सत्यपाल की 9 अप्रैल 1919 को अमृतसर में गिरफ्तारी से विरोध भड़का; पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'डायर

जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919)

प्रमुख तथ्य

स्थान: अमृतसर; बैसाखी का दिन; ब्रिगेडियर-जनरल आर.ई.एच. डायर ने निहत्थी भीड़ पर बिना चेतावनी गोली चलवाई, निकास मार्ग अवरुद्ध; आधिकारिक मृतक संख्या 379

टैगोर ने नाइटहुड त्यागा (30/31 मई 1919); सर सी. शंकरन नायर ने वायसराय की कार्यकारी परिषद् से त्यागपत्र दिया

हंटर समिति (अव्यवस्था जाँच समिति, अक्टूबर 1919, लॉर्ड विलियम हंटर): भारतीय सदस्य सीतलवाड़, पं. जगत नारायण, सुल्तान अहमद खाँ; डायर की हल्की निंदा की, सैन्य शासन को उचित ठहराया

कांग्रेस जाँच समिति की रिपोर्ट गांधी ने तैयार की (मोतीलाल नेहरू, सी.आर. दास, अब्बास तैयबजी, एम.आर. जयकर भी)

उधम सिंह ने 13 मार्च 1940 को कैक्सटन हॉल, लंदन में माइकल ओ'डायर को गोली मारी

मॉन्टेग्यू ने इसे 'निवारक हत्या' कहा; ब्रिटिश हाउस ऑफ लॉर्ड्स में जनरल डायर की प्रशंसा की गई और उसे 'पंजाब का रक्षक' (Saviour of the Punjab) कहा गया। उसे 'पंजाब का रक्षक' अंकित एक 'सम्मान की तलवार' (Sword of Honour) भी भेंट की गई।

- डायर को कमान से हटाया गया; गांधी ने रॉलट सत्याग्रह वापस लिया (बंबई में हिंसा, 'हिमालय जैसी भूल' का कथन); पंजाब जाते समय गांधी को पलवल में रोका गया
- अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन दिसंबर 1919 (अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू); मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों का सतर्क स्वागत

खिलाफत आंदोलन (1919-22)

- **कारण:** ऑटोमन सुल्तान = खलीफा; ब्रिटिश वचनों का भंग; सेव्र की संधि (1920); 1924 में मुस्तफा कमाल द्वारा खलीफा पद समाप्त (ऑटोमन सल्तनत 1922 में समाप्त)
- **नेता:** अली बंधु (शौकत अली, मुहम्मद अली जौहर), अबुल कलाम आजाद, हकीम अजमल खाँ, हसरत मोहानी, एम.ए. अंसारी; खिलाफत दिवस 17 अक्टूबर 1919; अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन, दिल्ली, 23-24 नवंबर 1919 - अध्यक्षता फजलुल हक, गांधी अध्यक्ष निर्वाचित
- गांधी ने इसे हिंदू-मुस्लिम एकता का स्वर्णिम अवसर माना; हकीम अजमल खाँ ने 'हाजिक-उल-मुल्क' उपाधि त्यागी (1908)
- जिन्ना ने धर्म को राजनीति में मिलाने का विरोध किया (के.एम. मुंशी: गांधी को मुस्लिम धार्मिक कट्टरता से सावधान किया)
- हाजी शरीअतुल्लाह ने फरायजी आंदोलन की स्थापना की (खिलाफत नहीं)

अध्याय 69

असहयोग आंदोलन एवं स्वराज पार्टी

असहयोग की ओर

- गांधी ने खिलाफत समिति को अहिंसक असहयोग का सुझाव दिया; इलाहाबाद खिलाफत सम्मेलन (जून 1920) ने स्वीकार कर उनसे नेतृत्व का अनुरोध किया; आंदोलन 1 अगस्त 1920 को औपचारिक रूप से आरंभ (उसी दिन तिलक की मृत्यु: असहयोग का समर्थन किया किंतु परिषद् बहिष्कार पर संदेह था)
- कलकत्ता विशेष अधिवेशन, सितंबर 1920 (अध्यक्ष लाला लाजपत राय): प्रस्ताव स्वीकृत - सी.आर. दास, मालवीय, जिन्ना, बी.सी. पाल, एनी बेसेंट ने विरोध किया
- नागपुर अधिवेशन, दिसंबर 1920 (अध्यक्ष सी. विजयराघवाचारियर): सी.आर. दास ने स्वयं प्रस्ताव प्रस्तुत किया; कांग्रेस का लक्ष्य शांतिपूर्ण एवं वैध साधनों से स्वराज; गांधी ने एक वर्ष में स्वराज का वचन दिया; कांग्रेस का भाषाई प्रांतीय समितियों पर पुनर्गठन

कार्यक्रम	विवरण
रचनात्मक	राष्ट्रीय विद्यालय / महाविद्यालय, विवाद निपटारे हेतु पंचायतें, खादी / कताई, हिंदू-मुस्लिम एकता, अस्पृश्यता निवारण, तिलक स्वराज कोष (रु. 1 करोड़)
नकारात्मक	उपाधियों एवं मानद पदों का त्याग, परिषदों (1919 अधिनियम के चुनाव), न्यायालयों, विद्यालयों, विदेशी वस्त्र, प्रिंस ऑफ वेल्स की यात्रा (नवंबर 1921) का बहिष्कार
परवर्ती चरण	दमन जारी रहने पर सविनय अवज्ञा एवं कर-अदायगी न करना (बारदोली नियोजित)

- लौटाई गई उपाधियाँ:** गांधी - कैसर-ए-हिंद (1915 में प्रदत्त); जमनालाल बजाज - राय बहादुर
- वकालत छोड़ने वाले अधिवक्ता:** सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, विठ्ठलभाई पटेल, सैफुद्दीन किचलू, आसफ अली
- स्थापित संस्थाएँ:** गुजरात विद्यापीठ (1920), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (1920, अलीगढ़; बाद में दिल्ली), काशी विद्यापीठ (1921), बिहार विद्यापीठ, बंगाल राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ; BHU पहले (1916) स्थापित हो चुका था
- विद्यार्थी:** जे.पी. नारायण परीक्षा में 20 दिन शेष रहने पर पटना कॉलेज छोड़कर बिहार विद्यापीठ में सम्मिलित हुए; राहुल सांकृत्यायन छपरा में सक्रिय; स्वामी विद्यानंद ने बिहार के कृषकों का नेतृत्व किया
- बिहार एवं उड़ीसा सरकार ने मद्य-बहिष्कार का प्रतिकार करने हेतु प्रसिद्ध मद्यपायियों (सिकंदर, सीजर, नेपोलियन, शेक्सपियर) की सूची बाँटी
- विरोध:** जस्टिस पार्टी (मद्रास) ने समर्थन नहीं किया; असहयोग-विरोधी संघ (बंबई के व्यवसायी - जमनादास द्वारकादास, पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास, कावसजी जहाँगीर); टैगोर ने विदेशी वस्त्र दहन को 'निर्मम अपव्यय' कहा और रचनात्मक कार्य चाहा; जिन्ना, मालवीय (खिलाफत पर) असहमत
- ई.वी. रामास्वामी (पेरियार) असहयोग में सम्मिलित हुए, 1925 में कांग्रेस छोड़ी

मोपला विद्रोह (1921)

- मालाबार, केरल (अगस्त 1921); अंग्रेजों द्वारा समर्थित हिंदू जेन्मियों (भू-स्वामियों) के विरुद्ध मोपला काश्तकार; खिलाफत आंदोलन में विलीन; नेता अली मुसलियार, वरियमकुन्नथ कुन्हाहम्मद हाजी; क्रूरतापूर्वक दमन (वैगन त्रासदी, नवंबर 1921 - 60 से अधिक बंदी दम घुटने से मरे)

चौरी-चौरा एवं आंदोलन की वापसी

चौरी-चौरा (4 फरवरी 1922)

स्थान: गोरखपुर जिला, उत्तर प्रदेश; पिकेटिंग कर रहे जूल्स (मद्य-बिक्री) / ऊँचे खाद्य मूल्यों के विरुद्ध पर पुलिस गोलीबारी के पश्चात् भीड़ ने थाना जला दिया

लगभग 22-23 पुलिसकर्मी मारे गए (गोलीबारी में 3 नागरिक भी)

गांधी (तब बारदोली में, व्यापक सविनय अवज्ञा की योजना बनाते हुए) ने आंदोलन स्थगित किया - कार्य समिति का बारदोली प्रस्ताव, 12 फरवरी 1922; AICC दिल्ली 24 फरवरी 1922 - डॉ. बी.एस. मुंजे ने निंदा प्रस्ताव रखा; सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू ने भी स्थगन का विरोध किया

गांधी 10 मार्च 1922 को गिरफ्तार (6 वर्ष; स्वास्थ्य कारणों से फरवरी 1924 में रिहा)

मुकदमे में बचाव: मदन मोहन मालवीय (170 से अधिक को मृत्युदंड; लगभग 151 बचे, 19 को फाँसी)

शताब्दी समारोह का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने 4 फरवरी 2021 को किया

- **'हिमालय जैसी भूल':** लोगों के तैयार होने से पूर्व सविनय अवज्ञा आरंभ करने हेतु गांधी का वाक्यांश (खेड़ा / नडियाद, 1919)
- **परिणाम:** कांग्रेस जन-आंदोलन बनी; हिंदू-मुस्लिम एकता; अंग्रेजों का भय समाप्त; 1923-28 में क्रांतिकारी गतिविधि का पुनरुत्थान (HRA)

स्वराज पार्टी (1923)

- **स्थगन के पश्चात् परिवर्तनवादी (परिषद् प्रवेश:** सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू, विठ्ठलभाई पटेल) एवं अपरिवर्तनवादी (वल्लभभाई पटेल, राजगोपालाचारी, राजेंद्र प्रसाद, एम.ए. अंसारी) में विभाजन
- गया कांग्रेस, दिसंबर 1922 (अध्यक्ष सी.आर. दास) ने परिषद् प्रवेश अस्वीकार किया; दास ने त्यागपत्र देकर मोतीलाल के साथ 1 जनवरी 1923 को (इलाहाबाद) कांग्रेस-खिलाफत स्वराज्य पार्टी बनाई; दास अध्यक्ष, मोतीलाल सचिव; अन्य नेता: एस. श्रीनिवास अयंगर, एन.सी. केलकर, हकीम अजमल खाँ, बिहार शाखा श्रीकृष्ण सिंह द्वारा
- **उद्देश्य:** परिषदों में प्रवेश कर अवरोध उत्पन्न करना (भीतर से ध्वस्त करना); नवंबर 1923 के चुनावों में केंद्रीय विधानसभा की 101 निर्वाचित सीटों में से 42 जीतीं; विठ्ठलभाई पटेल प्रथम निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष (1925); विधानसभा में मोतीलाल की भूमिका - विपक्ष के नेता
- दिल्ली विशेष कांग्रेस (सितंबर 1923, मौलाना आजाद) ने परिषद् प्रवेश की अनुमति दी; काकीनाडा 1923 (मुहम्मद अली); सी.आर. दास = 'देशबंधु' (अलीपुर केस में अरविंद का बचाव; 'फॉरवर्ड' / 'लिबर्टी' पत्र); दास की मृत्यु 1925 में, पार्टी का पतन
- **कालक्रम:** लखनऊ समझौता 1916 - जलियाँवाला 1919 - तिलक की मृत्यु 1920 - स्वराज पार्टी 1923

अध्याय 70

साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, पूर्ण स्वराज एवं सविनय अवज्ञा

लिबरल फेडरेशन एवं इंडिपेंडेंट पार्टी

- नरमपंथी मॉन्टफोर्ड सुधारों (1918) के कारण कांग्रेस से अलग हुए और नेशनल लिबरल फेडरेशन (1918) बनाई - सुरेंद्रनाथ बनर्जी, तेज बहादुर सप्रू, वी.एस. श्रीनिवास शास्त्री, एम.आर. जयकर, सी.वाई. चिंतामणि
- इंडिपेंडेंट कांग्रेस पार्टी (16 दिसंबर 1922) - मदन मोहन मालवीय एवं मोतीलाल नेहरू संबद्ध; हिंदू महासभा के सह-संस्थापक: मालवीय

साइमन कमीशन (1927-30)

- 1919 के अधिनियम में 10 वर्ष पश्चात् सांविधिक आयोग का प्रावधान था; नवंबर 1927 में बाल्डविन की अनुदारवादी सरकार द्वारा नियुक्त (लॉर्ड बर्कनहेड भारत सचिव, वायसराय इरविन); भारतीय सांविधिक आयोग में 7 ब्रिटिश सांसद, अध्यक्ष सर जॉन साइमन (लिबरल), सदस्य क्लेमेंट एटली (लेबर); 'श्वेत आयोग'
- मद्रास कांग्रेस (दिसंबर 1927, अध्यक्ष एम.ए. अंसारी) ने बहिष्कार का निर्णय लिया; मुस्लिम लीग (जिन्ना गुट) और जस्टिस पार्टी (अंशतः) ने भी; शफी गुट ने सहयोग किया
- 3 फरवरी 1928 को बंबई पहुँचा - हड़ताल एवं 'साइमन गो बैक' नारा; दूसरी यात्रा 11 अक्टूबर 1928 - 13 अप्रैल 1929 (प्रथम यात्रा 3 फरवरी - 31 मार्च 1928)
- लाहौर, 30 अक्टूबर 1928:** लाला लाजपत राय ('पंजाब केसरी') लाठीचार्ज में घायल (पुलिस प्रमुख स्कॉट / सांडर्स), 17 नवंबर 1928 को मृत्यु; भगत सिंह दल ने प्रतिशोध लिया (सांडर्स की हत्या दिसंबर 1928)
- रिपोर्ट (1930):** प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति, संघ, बर्मा का पृथक्करण, सिंध एवं उड़ीसा का प्रस्ताव; डोमिनियन स्थिति नहीं; गोलमेज सम्मेलनों का कारण

सर्वदलीय सम्मेलन एवं नेहरू रिपोर्ट (1928)

- सभी को स्वीकार्य संविधान बनाने की बर्कनहेड की चुनौती; सर्वदलीय सम्मेलन दिल्ली फरवरी 1928 (अध्यक्ष एम.ए. अंसारी), लखनऊ मई 1928, मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में समिति (सचिव जवाहरलाल; सदस्य तेज बहादुर सप्रू, सुभाष बोस, एम.एस. अणे, अली इमाम, शुएब कुरैशी, जी.आर. प्रधान, मंगल सिंह)
- रिपोर्ट (अगस्त 1928):** डोमिनियन स्थिति, अल्पसंख्यक आबादी वाले प्रांतों में अल्पसंख्यकों हेतु सीटों के आरक्षण सहित संयुक्त निर्वाचन (पृथक निर्वाचन नहीं), मौलिक अधिकार, भाषाई प्रांत, संघीय प्रणाली जिसमें अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास
- कलकत्ता सर्वदलीय सम्मेलन (दिसंबर 1928) में जिन्ना के संशोधन अस्वीकृत; जिन्ना के चौदह सूत्र (मार्च 1929)
- कलकत्ता कांग्रेस (दिसंबर 1928, अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू): एक वर्ष में डोमिनियन स्थिति स्वीकार करने का अल्टीमेटम, अन्यथा पूर्ण स्वतंत्रता की माँग
- इंडिपेंडेंट्स फॉर इंडिया लीग (1928):** जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस (श्रीनिवास अयंगर अध्यक्ष) - पूर्ण स्वतंत्रता की माँग
- हसरत मोहानी ने 'पूर्ण स्वतंत्रता' की माँग सर्वप्रथम की (अहमदाबाद 1921, कार्यवाहक अध्यक्ष हकीम अजमल खाँ क्योंकि सी.आर. दास कारागार में थे)

लाहौर अधिवेशन (दिसंबर 1929)

पूर्ण स्वराज

अध्यक्ष: जवाहरलाल नेहरू (प्रथम बार; तब 40 वर्ष की आयु में सबसे युवा); वल्लभभाई पटेल के हटने के पश्चात् गांधी ने नामित किया
पूर्ण स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता) का प्रस्ताव पारित; नेहरू रिपोर्ट की योजना अस्वीकृत; गोलमेज का बहिष्कार; कार्य समिति को सविनय अवज्ञा आरंभ करने का अधिकार

31 दिसंबर 1929 को मध्यरात्रि रावी तट पर तिरंगा फहराया गया; 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस (पूर्ण स्वराज दिवस) मनाने का निर्णय - प्रथम बार 1930 में मनाया गया

इरविन की 31 अक्टूबर 1929 की 'घोषणा' में डोमिनियन स्थिति को लक्ष्य एवं गोलमेज सम्मेलन का वचन दिया गया

सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-34)

- गांधी की इरविन को ग्यारह माँगें (31 जनवरी 1930), जिनमें नमक कर की समाप्ति, भू-राजस्व एवं सैन्य व्यय में कमी; फरवरी 1930 में साबरमती में कार्य समिति ने गांधी को अधिकृत किया
- **दांडी मार्च:** 12 मार्च 1930, साबरमती से दांडी (नवसारी जिला, गुजरात), 78-80 स्वयंसेवकों के साथ 24 दिन में 241 मील (32 गुजरात से, 13 महाराष्ट्र से, 8 उत्तर प्रदेश से...); 5 अप्रैल को पहुँचे, 6 अप्रैल 1930 को नमक कानून तोड़ा; बोस ने इसकी तुलना नेपोलियन के एल्बा से पेरिस के मार्च से की; 'राजद्रोह मेरा धर्म बन गया है' (गांधी का भाषण); 'मैं शक्ति के विरुद्ध न्याय के इस संघर्ष में विश्व की सहानुभूति चाहता हूँ'
- **सी. राजगोपालाचारी:** त्रिचिनोपली से वेदारण्यम् मार्च; के. केलप्पन: कालीकट से पय्यन्नूर; तमिलनाडु; ओडिशा (गोपबन्धु चौधरी); धरासना सत्याग्रह (21 मई 1930) - गांधी की गिरफ्तारी (5 मई 1930, यरवदा) के पश्चात् सरोजिनी नायडू, इमाम साहब एवं मणिलाल गांधी के नेतृत्व में; गांधी के पश्चात् अब्बास तैयबजी ने नेतृत्व किया; वेब मिलर ने समाचार दिया
- महिलाओं (सरोजिनी नायडू, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, राजकुमारी अमृत कौर) ने मद्य एवं विदेशी वस्त्र की दुकानों पर पिकेटिंग की
- **पेशावर (अप्रैल 1930):** चंद्र सिंह गढ़वाली के अधीन गढ़वाल राइफल्स ने निहत्थी भीड़ पर गोली चलाने से इनकार किया; अब्दुल गफ्फार खान के खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती)
- **मणिपुर / नागालैंड:** रानी गाइदिन्ल्यू (जेलियांगरोंग, हेराका आंदोलन) 1932 में गिरफ्तार; नेहरू ने उन्हें 'रानी' कहा
- गांधी का 'रचनात्मक कार्यक्रम' चरण; हरिजन सेवक संघ एवं साप्ताहिक हरिजन (1933); अखिल भारतीय अस्पृश्यता निवारण संघ (सितंबर 1932); गांधी ने सितंबर / अक्टूबर 1934 में कांग्रेस छोड़ी
- **नमक कानून तोड़ने पर कारावास:** मालवीय, देवदास गांधी, के.एम. मुंशी, बी.जी. खेर, महादेव देसाई, राजगोपालाचारी, विठ्ठलभाई पटेल

अध्याय 71

गांधी-इरविन समझौता, गोलमेज सम्मेलन एवं पूना समझौता

सविनय अवज्ञा: क्षेत्रीय तथ्य

- **धरासना (गुजरात):** गांधी 5 मई 1930 को गिरफ्तार (यरवदा); अब्बास तैयबजी ने कमान सँभाली, गिरफ्तार हुए; सरोजिनी नायडू ने 21 मई 1930 को धावा बोलने का नेतृत्व किया; अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर ने लाठीचार्ज का समाचार दिया ('ऐसी भयानक घटना कभी नहीं देखी'); वेब मिलर दांडी मार्च के दौरान साबरमती में रुके थे
- विनोबा भावे 1930 में प्रथम बार गिरफ्तार; वेदारण्यम् मार्च: सी. राजगोपालाचारी त्रिचिनोपोली से (अप्रैल 1930) वेदारण्यम्, तंजौर तट तक
- खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती), 1929 में खान अब्दुल गफ्फार खान ('सीमांत गांधी' / बादशाह खान) द्वारा उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में स्थापित; पख्तून एकता, सामाजिक सुधार; पेशावर (23 अप्रैल 1930): चंद्र सिंह गढ़वाली के अधीन गढ़वाल राइफल्स ने गोली चलाने से इनकार किया
- **बिहार:** चौकीदारी कर देने से इनकार (बेगूसराय, मुंगेर); बिहपुर (भागलपुर) नमक सत्याग्रह - महादेव लाल सराफ, दीप नारायण सिंह, रामेश्वर नारायण अग्रवाल, कैलाश बिहारी लाल, जहीरूल हसन हाशमी; महिलाओं में प्रभावती देवी (पटना) एवं राजवंशी देवी
- डॉ. राधाबाई (नागपुर) 13 जून 1932 को द्वितीय चरण में जुलूस का नेतृत्व करते हुए गिरफ्तार

गांधी-इरविन समझौता (दिल्ली समझौता), 5 मार्च 1931

कांग्रेस सहमत हुई	सरकार सहमत हुई
सविनय अवज्ञा स्थगित करना	कांग्रेस के विरुद्ध अध्यादेश वापस लेना, अहिंसक राजनीतिक बंदियों को रिहा करना
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना	तटवर्ती निवासियों को अपने उपयोग हेतु नमक बनाने की अनुमति (कर निरस्त नहीं)
ब्रिटिश माल का बहिष्कार रोकना	मद्य एवं विदेशी वस्त्र की दुकानों पर शांतिपूर्ण पिकेटिंग की अनुमति

- इरविन ने गांधी को 25/26 जनवरी 1931 को रिहा किया; मध्यस्थ तेज बहादुर सप्रू एवं एम.आर. जयकर; सरोजिनी नायडू: 'दो महात्मा'; एलन कैपबेल-जॉनसन ने इसे 'सांत्वना पुरस्कार' कहा; चर्चिल ने व्यंग्य किया 'अर्ध-नग्न फकीर' (1931)
- **जो प्राप्त नहीं हुआ:** भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु की सजा में परिवर्तन (23 मार्च 1931 को फाँसी); पुलिस ज्यादातियों की स्वतंत्र जाँच नहीं; कराची कांग्रेस ने गांधी का काले झंडों से स्वागत किया (गांधी: 'वे मुझे मार सकते हैं, गांधीवाद को नहीं मार सकते')

कराची अधिवेशन (29-31 मार्च 1931)

- अध्यक्ष वल्लभभाई पटेल; गांधी-इरविन समझौते का अनुमोदन; मौलिक अधिकार एवं राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम पर प्रथम प्रस्ताव (जवाहरलाल नेहरू द्वारा एम.एन. रॉय की सहायता से प्रारूपित); पूर्ण स्वराज की परिभाषा; बोस ने इसे 'गांधी की लोकप्रियता का शिखर' कहा
- **क्रम:** गांधी-इरविन समझौता (5 मार्च) - भगत सिंह को फाँसी (23 मार्च) - कराची (29-31 मार्च) - द्वितीय गोलमेज (सितंबर-दिसंबर 1931) - सांप्रदायिक पंचाट (अगस्त 1932) - पूना समझौता (24 सितंबर 1932)

गोलमेज सम्मेलन (लंदन)

सम्मेलन	तिथियाँ	कांग्रेस	टिप्पणियाँ
प्रथम	12 नवंबर 1930 - 19 जनवरी 1931	बहिष्कार (नेता कारागार में)	जॉर्ज पंचम द्वारा उद्घाटन, अध्यक्षता रैम्जे मैकडोनाल्ड; 89 प्रतिनिधि (ब्रिटिश भारत 57, रियासतें 16, दल); सप्रू, जिन्ना, शफी, आगा खॉं, फजलुल हक, मुहम्मद अली जौहर, मुंजे, जयकर, श्रीनिवास शास्त्री, अंबेडकर, के.टी. पॉल (ईसाई), सुंदर सिंह मजीठिया; अंबेडकर ने पृथक निर्वाचन की माँग की; अखिल भारतीय संघ सिद्धांततः स्वीकृत
द्वितीय	7 सितंबर - 1 दिसंबर 1931	गांधी एकमात्र प्रतिनिधि (एस.एस. राजपूताना से यात्रा, लंदन के पूर्वी छोर पर किंग्सले हॉल में ठहरे); सरोजिनी नायडू, मालवीय, जी.डी. बिड़ला, एनी बेसेंट, महादेव देसाई, प्यारेलाल (सचिव) उपस्थित	सांप्रदायिक मुद्दे पर असफल; दलित वर्गों हेतु पृथक निर्वाचन पर अंबेडकर बनाम गांधी; गांधी खाली हाथ लौटे ('हाथ खाली किंतु ध्वज नहीं झुका')
तृतीय	17 नवंबर - 24 दिसंबर 1932	बहिष्कार	केवल 46 प्रतिनिधि; लेबर अनुपस्थित; श्वेत पत्र 1933

- अंबेडकर एवं सप्रू तीनों सम्मेलनों में उपस्थित रहे; ये एक ही सम्मेलन के तीन सत्र थे
- जवाहरलाल नेहरू किसी में भी सम्मिलित नहीं हुए

सांप्रदायिक पंचाट (16 अगस्त 1932) एवं पूना समझौता

- रैम्जे मैकडोनाल्ड का सांप्रदायिक पंचाट:** मुसलमानों, सिखों, भारतीय ईसाइयों, आंग्ल-भारतीयों, यूरोपीयों, महिलाओं हेतु पृथक निर्वाचन; दलित वर्गों हेतु दोहरा मत (20 वर्ष तक पृथक निर्वाचन तथा सामान्य मत); केवल प्रांतीय विधानमंडलों में; दलित वर्गों हेतु 71 आरक्षित सीटें
- गांधी ने 20 सितंबर 1932 को यरवदा कारागार में आमरण उपवास आरंभ किया; पूना समझौता 24 सितंबर 1932 को अंबेडकर एवं हिंदू नेताओं (मदन मोहन मालवीय, राजेंद्र प्रसाद, राजगोपालाचारी, एम.आर. जयकर, टी.बी. सप्रू, जी.डी. बिड़ला, देवदास गांधी, पलवणकर बालू) के बीच हस्ताक्षरित; गांधी ने हस्ताक्षर नहीं किए; 26 सितंबर को उपवास तोड़ा

पूना समझौता

आरक्षित सीटों सहित संयुक्त निर्वाचन: 148 (प्रांतीय) बनाम सांप्रदायिक पंचाट में 71; केंद्रीय विधानमंडल में सामान्य सीटों का 18% आरक्षित सीटें: मद्रास 30, बंगाल 30, बंबई-सिंध 15, पंजाब 8, बिहार-उड़ीसा 18, मध्य प्रांत 20, असम 7, उत्तर प्रदेश 20
दलित वर्गों द्वारा चार प्रत्याशियों के पैनल सहित प्राथमिक निर्वाचन; स्थानीय निकायों एवं सार्वजनिक सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व
हरिजन सेवक संघ (मूलतः अखिल भारतीय अस्पृश्यता निवारण संघ, 30 सितंबर 1932): प्रथम अध्यक्ष जी.डी. बिड़ला; गांधी का साप्ताहिक हरिजन (फरवरी 1933); जगजीवन राम ने अखिल भारतीय दलित वर्ग लीग की स्थापना की (1935); एम.सी. राजा - दलित वर्ग संघ (1926); अंबेडकर - अनुसूचित जाति संघ (1942); बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924)

- अंबेडकर का गांधी से कथन (1931):** 'महात्मा, क्षणभंगुर प्रेतों की भाँति, धूल उड़ते हैं, समतल नहीं करते'

अध्याय 72

समाजवादी, 1937 के मंत्रिमंडल, त्रिपुरी एवं पाकिस्तान की माँग

कांग्रेस समाजवादी पार्टी (1934)

- परिषद् प्रवेश से असंतुष्ट समाजवादियों द्वारा AICC बैठक के दौरान पटना में (मई 1934) गठित; उद्घाटन सम्मेलन बंबई (अक्टूबर 1934), नरेंद्र देव (अध्यक्ष); जयप्रकाश नारायण महासचिव (पटना में संयोजक)
- सदस्य:** अशोक मेहता, अच्युत पटवर्धन, मीनू मसानी, राम मनोहर लोहिया, यूसुफ मेहरअली, पुरुषोत्तम दास त्रिकमदास, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, गंगा शरण सिन्हा; नेहरू औपचारिक रूप से सम्मिलित नहीं हुए
- उद्देश्य:** कांग्रेस के भीतर समाजवादी एजेंडा - जमींदारी उन्मूलन, प्रमुख उद्योगों का राष्ट्रीयकरण; फूलन प्रसाद वर्मा (1931) द्वारा बिहार समाजवादी पार्टी का गठन, जे.पी., रामवृक्ष बेनीपुरी, गंगा शरण सिन्हा, रामानंद मिश्र से संबद्ध
- जे.पी. 'लोकनायक':** भारत छोड़ो में लोहिया एवं अरुणा आसफ अली के साथ भूमिगत; 5 जून 1974 को गांधी मैदान, पटना में 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान; भारत रत्न 1999 (मरणोपरांत); जे.पी. दिवस अप्रैल 1946 (पटना बाँकीपुर मैदान)
- बंबई घोषणा-पत्र (1936):** 21 उद्योगपतियों (टाटा, ठाकुरदास आदि) ने नेहरू के लखनऊ (1936) के समाजवादी विचारों का विरोध किया

1937 के प्रांतीय चुनाव एवं कांग्रेस मंत्रिमंडल

प्रांत	कांग्रेस सीटें	परिणाम
मद्रास	159/215	पूर्ण बहुमत
बिहार	98/152	पूर्ण बहुमत - श्रीकृष्ण सिंह प्रधानमंत्री
उत्तर प्रदेश	134/228	पूर्ण बहुमत - जी.बी. पंत प्रधानमंत्री
मध्य प्रांत एवं बरार	70/112	पूर्ण बहुमत
उड़ीसा	36/60	पूर्ण बहुमत
बंबई	86/175	सबसे बड़ा दल; बी.जी. खेर प्रधानमंत्री
असम	सबसे बड़ा दल	गठबंधन (सादुल्ला), बाद में गोपीनाथ बारदोलोई (सितंबर 1938)
उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत	सबसे बड़ा दल	डॉ. खान साहब का कांग्रेस मंत्रिमंडल
बंगाल, पंजाब, सिंध	बहुमत नहीं	कांग्रेस ने मंत्रिमंडल नहीं बनाया

- भारत शासन अधिनियम 1935 के अंतर्गत 11 प्रांतों में चुनाव, परिणाम फरवरी 1937; जुलाई 1937 में 6 प्रांतों (मद्रास, बंबई, मध्य प्रांत, उड़ीसा, बिहार, उत्तर प्रदेश) में मंत्रिमंडल बने - 28 माह चले
- उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल:** पंत (प्रधानमंत्री), के.एन. काटजू (विधि एवं न्याय), रफी अहमद किदवाई (राजस्व / कारागार) (पुस्तक में वित्त भी सूचीबद्ध); कांग्रेस कार्य समिति ने 1937 में जमींदारी उन्मूलन का संकल्प लिया - उत्तर प्रदेश एवं बिहार में काश्तकारी अधिनियम; बिहार काश्तकारी संशोधन
- बिहार मंत्रिमंडल ने राजनीतिक बंदियों की रिहाई के प्रश्न पर संक्षेप में त्यागपत्र दिया (फरवरी 1938); अक्टूबर 1939 में त्यागपत्र; पृथक बिहार के प्रथम राज्यपाल (1 अप्रैल 1936): सर जेम्स डेविड सिफ्टन
- 22 अक्टूबर 1939 को भारत को परामर्श के बिना द्वितीय विश्व युद्ध में सम्मिलित करने के विरोध में त्यागपत्र (असम, उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत ने नवंबर में); जिन्ना ने 22 दिसंबर 1939 को 'मुक्ति दिवस' मनाया
- 'कांग्रेसी अत्याचारों' पर मुस्लिम लीग की रिपोर्टें: पीरपुर रिपोर्ट (1938), शरीफ रिपोर्ट (मार्च 1939), फजलुल हक की 'कांग्रेस शासन में मुस्लिम पीड़ाएँ' (दिसंबर 1939)

हरिपुरा एवं त्रिपुरी

- **हरिपुरा (गुजरात) फरवरी 1938:** सुभाष बोस अध्यक्ष (निर्विरोध), नेहरू के अधीन राष्ट्रीय योजना समिति
- **त्रिपुरी (जबलपुर, मध्य प्रदेश) मार्च 1939:** बोस ने गांधी के प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैया को पराजित किया (1580 मत बनाम 1377); कार्य समिति की संरचना पर विवाद; बोस ने त्यागपत्र दिया (अप्रैल 1939), राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष बने; बोस ने फॉरवर्ड ब्लॉक बनाया (मई 1939) - 'इंग्लैंड की कठिनाई भारत का अवसर है' (आयरिश कहावत)

देशी रियासतें

- बटलर समिति (इंडियन स्टेट्स कमेटी, 1927; अध्यक्ष सर हारकोर्ट बटलर): सर्वोच्चता का संबंध ताज से है, भारत सरकार से नहीं; सर लेस्ली स्कॉट राजाओं के अधिवक्ता थे
- अखिल भारतीय देशी राज्य लोक सम्मेलन की स्थापना दिसंबर 1927 (बलवंतराय मेहता, मणिलाल कोठारी, जी.आर. अभ्यंकर); नेहरू 1939 में इसके अध्यक्ष (लुधियाना 1939); प्रजा मंडल कश्मीर (शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस), हैदराबाद (स्वामी रामानंद तीर्थ), त्रावणकोर, मैसूर आदि में
- सरदार पटेल के अधीन एकीकरण (रियासत विभाग, वी.पी. मेनन के साथ); विलय-पत्र - रक्षा, विदेश, संचार; जूनागढ़ (जनमत संग्रह फरवरी 1948), हैदराबाद (यथास्थिति समझौता 29 नवंबर 1947; ऑपरेशन पोलो सितंबर 1948), कश्मीर (हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए; शेख अब्दुल्ला प्रधानमंत्री मार्च 1948)
- PEPSU का गठन 1948 (पटियाला एवं पूर्वी पंजाब रियासत संघ) - पंजाब प्रांत ने संयुक्त अस्तित्व की योजना रखी थी

द्वितीय विश्व युद्ध एवं कांग्रेस

- युद्ध 1 सितंबर 1939 को आरंभ; लिनलिथगो ने भारतीय नेताओं से परामर्श किए बिना 3 सितंबर 1939 को भारत को युद्धरत घोषित किया; कांग्रेस ने युद्धोत्तर स्वतंत्रता के बदले सहयोग का प्रस्ताव रखा; ब्रिटिश प्रधानमंत्री: चेम्बरलेन (1937-40), चर्चिल (1940-45, 1951-55)

पाकिस्तान की माँग

मील का पत्थर	विवरण
इकबाल, इलाहाबाद लीग अधिवेशन 1930	अध्यक्षीय भाषण: उत्तर-पश्चिम भारत (पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत, सिंध, बलूचिस्तान) में एकीकृत मुस्लिम राज्य, 'ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर अथवा बाहर'
चौधरी रहमत अली, 1933	केंब्रिज के विद्यार्थी; पुस्तिका 'नाउ ऑर नेवर: आर वी टू लिव ऑर पेरिश फॉरएवर?' में 'पाकिस्तान' शब्द गढ़ा (पंजाब, अफगानिया / उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत, कश्मीर, सिंध, बलूचिस्तान)
लाहौर प्रस्ताव, 22-24 मार्च 1940	जिन्ना की अध्यक्षता में; 23 मार्च को फजलुल हक ने प्रस्तुत किया; सिकंदर हयात खाँ ने प्रारूपित किया; उत्तर-पश्चिमी एवं पूर्वी क्षेत्रों में 'स्वतंत्र राज्यों' की माँग; पाकिस्तान दिवस 23 मार्च; खलीकुज्जमाँ ने अनुमोदन किया

- सरोजिनी नायडू ने जिन्ना को 'हिंदू-मुस्लिम एकता का दूत' कहा; इकबाल का नेहरू से कथन: 'आप देशभक्त हैं, जिन्ना राजनीतिज्ञ हैं' (डिस्कवरी ऑफ इंडिया)
- जिन्ना के चौदह सूत्र (मार्च 1929); जिन्ना का 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' लाहौर भाषण

अध्याय 73

सांप्रदायिकता एवं मुस्लिम राजनीति: कालक्रम

भारत में मुस्लिम राजनीति

वर्ष	घटना
1857-1870 का दशक	वहाबी एवं फरायजी आंदोलन; अलीगढ़ आंदोलन (सर सैयद, 1875)
1885	INC की स्थापना; सर सैयद ने कांग्रेस का विरोध किया (मेरठ भाषण 1888; लखनऊ 1887)
1906	शिमला प्रतिनिधिमंडल (1 अक्टूबर, आगा ख़ाँ, 35 सदस्य) लॉर्ड मिंटो से - पृथक निर्वाचन; अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का गठन (30 दिसंबर 1906, ढाका; नवाब सलीमुल्लाह ख़ाँ, आगा ख़ाँ, नवाब मोहसिन-उल-मुल्क, वकार-उल-मुल्क)
1909	मॉर्ले-मिंटो सुधार - मुसलमानों हेतु पृथक निर्वाचन (मिंटो: 'सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक')
1912	अल-हिलाल (आजाद); जिन्ना लीग में सम्मिलित (1913)
1913	लीग ने स्वशासन का लक्ष्य अपनाया (1913, लखनऊ)
1916	लखनऊ समझौता - कांग्रेस ने पृथक निर्वाचन स्वीकार किया; अल्पसंख्यक प्रांतों में मुस्लिम भारांश
1919-24	खिलाफत आंदोलन; अली बंधू (मुहम्मद अली एवं शौकत अली); खिलाफत समिति (बंबई); जमीयत-उल-उलमा-ए-हिंद
1920	हिजरत आंदोलन; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना (1920)
1923	हिंदू महासभा (मालवीय) एवं शुद्धि / संगठन गतिविधि; कोहाट दंगे (1924); सांप्रदायिक दंगे
1925	RSS की स्थापना (के.बी. हेडगेवार, नागपुर, 27 सितंबर)
1927	दिल्ली मुस्लिम प्रस्ताव (मार्च) - केंद्रीय सीटों के 1/3 के बदले पृथक निर्वाचन; सिंध का पृथक्करण
1928	नेहरू रिपोर्ट (पृथक निर्वाचन अस्वीकृत); जिन्ना के संशोधन अस्वीकृत
1929	जिन्ना के चौदह सूत्र (मार्च 1929)
1930	इलाहाबाद भाषण - उत्तर-पश्चिम भारत में मुस्लिम राज्य का इकबाल का विचार (29 दिसंबर 1930)
1932	सांप्रदायिक पंचाट
1933	चौधरी रहमत अली ने 'पाकिस्तान' शब्द गढ़ा (नाउ ऑर नेवर, कैंब्रिज); पाकिस्तान नेशनल मूवमेंट
1937	चुनाव - कांग्रेस की भारी विजय; लीग का प्रदर्शन खराब; कांग्रेस मंत्रिमंडल; जिन्ना ने गठबंधन अस्वीकार किया (उत्तर प्रदेश)
1938	पीरपुर रिपोर्ट (1938; कांग्रेस शासन में 'अत्याचार'); शरीफ रिपोर्ट (बिहार); फजलुल हक रिपोर्ट ('कांग्रेस शासन में मुस्लिम पीड़ाएँ')
1939	कांग्रेस मंत्रिमंडलों का त्यागपत्र (अक्टूबर-नवंबर); 22 दिसंबर 1939 - 'मुक्ति दिवस'
1940	लाहौर प्रस्ताव (23 मार्च, फजलुल हक ने प्रस्तुत किया; खलीकुज्जमाँ ने अनुमोदन किया) - 'पाकिस्तान प्रस्ताव'; 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत'; हिंदू बहुसंख्यक क्षेत्र
1942	क्रिप्स प्रस्ताव लीग द्वारा अस्वीकृत; राजाजी फार्मूला 1944
1944	गांधी-जिन्ना वार्ता (सितंबर, बंबई)
1945	शिमला सम्मेलन (वेवल योजना; जिन्ना ने सभी मुस्लिम सीटों की माँग की)

वर्ष	घटना
1946	कैबिनेट मिशन (16 मई योजना, समूह क, ख, ग); लीग ने स्वीकार किया, फिर वापस लिया (29 जुलाई); प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (16 अगस्त 1946; कलकत्ता में हत्याएँ; सुहरावर्दी); महान कलकत्ता हत्याकांड; नोआखाली (अक्टूबर 1946; गांधी की शांति यात्रा)
1947	माउंटबेटन योजना (3 जून); विभाजन (15 अगस्त)

हिंदू सांप्रदायिक एवं अन्य समूह

- हिंदू सभा (पंजाब, 1909; यू.एन. मुखर्जी एवं लाल चंद); अखिल भारतीय हिंदू महासभा (1915, हरिद्वार; मालवीय, सावरकर अध्यक्ष 1937-43); आर्य समाज 'शुद्धि'; स्वामी श्रद्धानंद (1926 में अब्दुल रशीद द्वारा हत्या); RSS (1925, नागपुर); भारतीय जनसंघ (1951, श्यामा प्रसाद मुखर्जी)
- मुस्लिम समूह:** खाकसार (अल्लामा मशरिकी, 1931), मजलिस-ए-अहरार (1929, पंजाब), जमात-ए-इस्लामी (मौदूदी, 1941), जमीयत-उल-उलमा, यूनियनिस्ट पार्टी (पंजाब; सिकंदर हयात खॉं, फजल-ए-हुसैन), कृषक प्रजा पार्टी (बंगाल; फजलुल हक), प्रजा पार्टी; मुस्लिम लीग
- सिख:** अकाली दल (1920), SGPC (1920), सिंह सभा (1873); मास्टर तारा सिंह

विभाजन हेतु संवैधानिक प्रस्ताव

योजना	वर्ष	प्रमुख बिंदु
क्रिप्स मिशन	1942	युद्ध के पश्चात् डोमिनियन स्थिति; प्रांत अलग हो सकते थे
सी. राजगोपालाचारी (CR) फार्मूला	1944	लीग अंतरिम सरकार में सहयोग करे; युद्ध के पश्चात् सन्निहित मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में जनमत संग्रह; जिन्ना ने अस्वीकार किया
देसाई-लियाकत समझौता	1945	भूलाभाई देसाई एवं लियाकत अली खॉं (लीग) - कार्यकारी परिषद् में 40:40:20 सूत्र (औपचारिक नहीं)
वेवल योजना	1945	सर्वर्ण हिंदूओं एवं मुसलमानों में समता सहित कार्यकारी परिषद्; लीग के दावे के कारण शिमला सम्मेलन असफल
कैबिनेट मिशन	1946	भारत संघ - 3 समूह (क: हिंदू बहुल प्रांत, ख: पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत, सिंध, बलूचिस्तान, ग: बंगाल एवं असम); दुर्बल केंद्र (रक्षा, विदेश, संचार); संविधान सभा
एटली की घोषणा	20 फरवरी 1947	अंग्रेज जून 1948 तक जाएंगे; माउंटबेटन की नियुक्ति
माउंटबेटन योजना	3 जून 1947	विभाजन; रियासतों को विकल्प; सीमा आयोग
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम	18 जुलाई 1947	दो डोमिनियन; 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन का अंत

अध्याय 74

अगस्त प्रस्ताव, क्रिप्स मिशन एवं भारत छोड़ो

व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940)

- अगस्त प्रस्ताव (8 अगस्त 1940, लिनलिथगो):** डोमिनियन स्थिति लक्ष्य, वायसराय की कार्यकारी परिषद् का विस्तार, परामर्शदात्री युद्ध परिषद्, अल्पसंख्यकों की सहमति का खंड; कांग्रेस द्वारा अस्वीकृत (जिन्ना ने अल्पसंख्यक वीटो के आश्वासन का स्वागत किया)
- व्यक्तिगत सत्याग्रह 17 अक्टूबर 1940 को गांधी द्वारा आरंभ: सीमित, प्रतीकात्मक विरोध; चयनित व्यक्तियों ने युद्ध-विरोधी नारे लगाए; विनोबा भावे प्रथम (पवनार, वर्धा), जवाहरलाल नेहरू द्वितीय, ब्रह्म दत्त तृतीय
- सर्वोदय:** रस्किन की 'अनटू दिस लास्ट' के गांधी द्वारा 1908 में किए गए गुजराती भावानुवाद से लिया गया शब्द; विनोबा ने 1948 में सर्वोदय समाज की स्थापना की
- रामगढ़ कांग्रेस (मार्च 1940):** मौलाना आजाद अध्यक्ष; 1941-45 में कोई अधिवेशन नहीं, अतः आजाद ने 1940-46 (6 वर्ष - स्वतंत्रता से पूर्व सर्वाधिक) अध्यक्षता की; लिनलिथगो (1936-43) सर्वाधिक कार्यकाल वाले वायसराय; वेवल वायसराय 1943-47
- जिन्ना का नारा 'विभाजित करो और जाओ'; पाकिस्तान प्रस्ताव फजलुल हक ने प्रस्तुत किया, खलीकुज्जमाँ ने अनुमोदन किया

क्रिप्स मिशन (मार्च 1942)

- जापान की प्रगति (सिंगापुर, रंगून का पतन), अमेरिका / चीन / ऑस्ट्रेलिया का दबाव; चर्चिल के युद्ध मंत्रिमंडल ने सर स्टैफर्ड क्रिप्स (हाउस ऑफ कॉमन्स के नेता, वामपंथी) को भेजा; 22 मार्च 1942 को पहुँचे; कांग्रेस के वार्ताकार नेहरू एवं आजाद; जिन्ना एवं गांधी से भी भेंट

प्रस्ताव	विवरण
डोमिनियन स्थिति	युद्ध के पश्चात् डोमिनियन, राष्ट्रमंडल छोड़ने को स्वतंत्र
संविधान सभा	प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा निर्वाचित; रियासतें प्रतिनिधि मनोनीत करेंगी
असम्मिलन का अधिकार	कोई भी प्रांत पृथक संविधान सहित संघ से बाहर रह सकता था (पाकिस्तान का बीज); उनके साथ ब्रिटिश संधि
अंतरिम	रक्षा ब्रिटिश के पास रहेगी; वायसराय की परिषद् का विस्तार

- सभी ने अस्वीकार किया:** कांग्रेस ने असम्मिलन एवं रियासतों के मनोनीत प्रतिनिधियों पर आपत्ति की; लीग ने आपत्ति की कि पाकिस्तान स्वीकार नहीं हुआ; गांधी: 'टूबते / दिवालिया बैंक पर उत्तर-दिनांकित चेक' (न कि 'ब्लैकमेल' - लिनलिथगो ने गांधी के दबाव को 'राजनीतिक ब्लैकमेल' कहा); क्रिप्स 12 अप्रैल 1942 को चले गए

भारत छोड़ो आंदोलन (1942)

तिथि	घटना
5-14 जुलाई 1942	वर्धा में कार्य समिति; 14 जुलाई को भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित (आजाद की अध्यक्षता); गांधी ने नेहरू की सहायता से प्रारूपित किया; गांधी: 'करो या मरो'
7-8 अगस्त 1942	गोवालिया टैंक मैदान, बंबई (अब अगस्त क्रांति मैदान) में AICC: प्रस्ताव नेहरू ने प्रस्तुत किया, पटेल ने अनुमोदन किया
9 अगस्त 1942	ऑपरेशन जीरो आवर - गांधी, सरोजिनी नायडू, महादेव देसाई, मीराबेन गिरफ्तार कर आगा खॉं महल, पूना में रखे गए; कार्य समिति सदस्य (नेहरू, आजाद, पंत, पट्टाभि, कृपलानी, सैयद महमूद, पी.सी. घोष) अहमदनगर किले में; राजेंद्र प्रसाद बाँकीपुर कारागार, पटना में; कांग्रेस प्रतिबंधित

- 'भारत छोड़ो' नारा यूसुफ मेहरअली ने गढ़ा (साथ ही 'साइमन गो बैक'); गांधी के पूर्व-आरंभ निर्देश: अधिकारी कांग्रेस के प्रति निष्ठा घोषित करें, सैनिक देशवासियों पर गोली न चलाएँ, राजा अपनी प्रजा की संप्रभुता स्वीकार करें, विद्यार्थी हड़ हों तभी पढ़ाई छोड़ें

- **असमर्थक:** मुस्लिम लीग, कम्युनिस्ट पार्टी (सोवियत संघ के युद्ध में आने के पश्चात् परिवर्तन), हिंदू महासभा, यूनियनिस्ट पार्टी; राजा एवं उदारवादी निर्लिप्त; RSS ने भाग नहीं लिया
- **लिनलिथगो का चर्चिल को पत्र:** '1857 के पश्चात् अब तक का सबसे गंभीर विद्रोह'; वेवल भारत में सेनापति (अक्टूबर 1943 से वायसराय)

भूमिगत एवं समानांतर सरकारें

भूमिगत नेता: अरुणा आसफ अली (9 अगस्त को गोवालिया टैंक पर ध्वज फहराया), राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, अच्युत पटवर्धन, उषा मेहता (14 अगस्त 1942 से कांग्रेस रेडियो, लोहिया के प्रसारण सहित), सुचेता कृपलानी, बीजू पटनायक
जे.पी. दीपावली (9 नवंबर 1942) को योगेंद्र शुक्ल, सूरज नारायण सिंह, गुलाब चंद गुप्ता, जगलाल चौधरी के साथ हजारीबाग कारागार से भागे; नेपाल तराई में बकरी का टापू पर आजाद दस्ता (छापामार बल) बनाया
समानांतर सरकारें: बलिया (अगस्त 1942, चित्तू पांडे), तमलुक / मिदनापुर (तामलिप्त जातीय सरकार दिसंबर 1942-अगस्त 1944; सतीश चंद्र सामंत), सतारा (प्रति सरकार अगस्त 1943-1946, नाना पाटिल, वाई.बी. चव्हाण), तालचेर (उड़ीसा)
शहीद: मातंगिनी हाजरा (73 वर्ष, तमलुक), कनकलता बरुआ (17 वर्ष, गोहपुर, असम), गंगाराम-खीमदेव (अल्मोड़ा गोलीबारी)

- **सर्वाधिक प्रभावित:** बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश (बलिया, आजमगढ़, गोरखपुर), बंगाल (मिदनापुर), महाराष्ट्र (सतारा), उड़ीसा; बिहार: मुंगेर दो सप्ताह कटा रहा; रेल पटरियाँ उखाड़ी गईं; पटना सचिवालय गोलीबारी 11 अगस्त 1942 (सात विद्यार्थी शहीद); श्रीकृष्ण सिंह ('बिहार केसरी') ने भाग लिया; रामप्यारी देवी ने सरकारी नौकरियाँ छोड़ने का आह्वान किया
- हिरासत में गांधी का 21 दिन का उपवास (फरवरी 1943); आगा ख़ाँ महल में कस्तूरबा गांधी एवं महादेव देसाई का निधन; गांधी स्वास्थ्य कारणों से 6 मई 1944 को रिहा; लुई फिशर (अमेरिकी पत्रकार, गांधी के जीवनीकार) सेवाग्राम में एक सप्ताह रहे (जून 1942); पर्ल बक, एडगर स्नो, नॉर्मन थॉमस ने भारत का समर्थन किया
- कार्य समिति सदस्य जून 1945 में रिहा (वेवल योजना); भारत छोड़ो से आजाद हिंद, INA मुकदमे, नौसेना विद्रोह हुए

अध्याय 75

सी. राजगोपालाचारी फार्मूला, INA एवं कैबिनेट मिशन

भारत छोड़ो के पश्चात्

- **सी. राजगोपालाचारी फार्मूला (1944, 'द वे आउट'):** मुस्लिम लीग स्वतंत्रता की माँग का समर्थन करे एवं अंतरिम सरकार में सहयोग करे; युद्ध के पश्चात् उत्तर-पश्चिम एवं पूर्व के मुस्लिम बहुल जिलों के सीमांकन हेतु आयोग तथा पृथक्करण पर जनमत संग्रह; गांधी-जिन्ना वार्ता (बंबई, सितंबर 1944) असफल - जिन्ना द्वि-राष्ट्र आधार चाहते थे
- **'ऑपरेशन रुबिकॉन':** आगा ख़ाँ महल में 1943 के उपवास के दौरान गांधी की मृत्यु होने पर कार्यवाही का ब्रिटिश सांकेतिक नाम
- जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग ने भारत छोड़ो का विरोध किया और अंग्रेजों के निकट गई; भारत छोड़ो ने सत्ता-हस्तांतरण को त्वरित किया

सुभाष चंद्र बोस एवं INA

तिथि	घटना
23 जनवरी 1897	जन्म कटक; स्कॉटिश चर्च कॉलेज (1919); ICS 1920 (1921 में त्यागपत्र); राजनीतिक गुरु सी.आर. दास; टैगोर ने 'देशनायक', गांधी ने 'देशभक्तों के देशभक्त' कहा
1938-39	हरिपुरा एवं त्रिपुरी में कांग्रेस अध्यक्ष; शील भद्र याजी, सरद्वल सिंह कविशर के साथ फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन (मई 1939)
जनवरी 1941	कलकत्ता में नजरबंदी से भागे (वेश बदलकर, काबुल के मार्ग से); 3 अप्रैल 1941 को बर्लिन पहुँचे; फ्री इंडिया सेंटर; रोमेल की अफ्रीका कोर के भारतीय युद्धबंदियों से फ्री इंडियन लीजन (आजाद हिंद रेडियो)
दिसंबर 1941 - सितंबर 1942	मोहन सिंह ने ज्ञानी प्रीतम सिंह एवं जापानी गुप्तचर के मेजर इवाइची फुजिवारा के साथ मलाया में पकड़े गए युद्धबंदियों से प्रथम INA बनाई (दिसंबर 1941); सितंबर 1942 में औपचारिक गठन; जापानियों एवं इंडियन इंडिपेंडेंस लीग से विवाद के पश्चात् दिसंबर 1942 में भंग
2-4 जुलाई 1943	बोस सिंगापुर पहुँचे (जर्मनी से पनडुब्बी द्वारा, फिर जून में टोक्यो); रास बिहारी बोस ने 4 जुलाई को इंडियन इंडिपेंडेंस लीग एवं INA सौंपी
21 अक्टूबर 1943	सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार (अर्जी हकूमत-ए-आजाद हिंद) की घोषणा; 9 देशों (जापान, जर्मनी, इटली, थाईलैंड, बर्मा, फिलीपींस, मंचूको, क्रोएशिया, नानकिंग चीन) द्वारा मान्यता; अंडमान का नाम 'शहीद', निकोबार का 'स्वराज' (दिसंबर 1943)

- **INA:** बाद में मुख्यालय रंगून; ब्रिगेड गांधी, नेहरू, आजाद, सुभाष नाम से; महिलाओं की रानी झाँसी रेजिमेंट (कैप्टन लक्ष्मी स्वामीनाथन, बाद में सहगल); कमांडर - शाह नवाज ख़ाँ, पी.के. सहगल, जी.एस. ढिल्लों, हबीबुर रहमान, ए.सी. चटर्जी; आबिद हसन ने 'जय हिंद' सुझाया; नारे 'दिल्ली चलो', 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा'; इंगल-कोहिमा (1944) में कार्यवाही, मोइरांग (मणिपुर) में ध्वज लगाया; बोस की ताइहोकू में विमान दुर्घटना में मृत्यु का दावा, 18 अगस्त 1945 (विवादित)
- नेहरू ने कार्य समिति इलाहाबाद (1942) में जापान के विरुद्ध छापामार प्रतिरोध का प्रस्ताव कराया

INA मुकदमे (लाल किला, नवंबर 1945)

प्रथम मुकदमा: प्रेम सहगल (हिंदू), गुरबख्श सिंह ढिल्लों (सिख), शाह नवाज ख़ाँ (मुस्लिम) - सम्राट के विरुद्ध युद्ध छेड़ने का आरोप; आजीवन निर्वासन का दंड; अब्दुल रशीद को पृथक 7 वर्ष
 बचाव: भूलाभाई देसाई (प्रमुख अधिवक्ता), तेज बहादुर सप्रू, के.एन. काटजू, आसफ अली, जवाहरलाल नेहरू (25 वर्ष पश्चात् बैरिस्टर का चोगा पहना)
 सेनापति ऑचिनलेक ने दंड माफ किए; INA दिवस 12 नवंबर 1945, INA सप्ताह 5-11 नवंबर 1945; मोहन सिंह पर मुकदमा नहीं चला; मुस्लिम लीग भी आंदोलन में सम्मिलित

- **1945-46 कालक्रम:** वेवल योजना (14 जून 1945) - शिमला सम्मेलन (25 जून - 14 जुलाई 1945) - लेबर (एटली) की विजय 26 जुलाई 1945 - INA मुकदमे नवंबर 1945 - रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह (18-23 फरवरी 1946, बंबई; HMIS तलवार, एम.एस. खान, बी.सी. दत्त)

कैबिनेट मिशन (1946)

मद	विवरण
घोषणा	प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली, 19 फरवरी 1946; 24 मार्च 1946 को दिल्ली पहुँचा; लॉर्ड पेथिक-लॉरेंस (भारत सचिव एवं अध्यक्ष), सर स्टैफर्ड क्रिप्स (बोर्ड ऑफ ट्रेड के अध्यक्ष), ए.वी. अलेक्जेंडर (नौसेना के प्रथम लॉर्ड); वेवल वायसराय; आजाद कांग्रेस अध्यक्ष
योजना	16 मई 1946: विदेश मामले, रक्षा, संचार सहित भारत संघ (ब्रिटिश भारत तथा रियासतें); पाकिस्तान की माँग अस्वीकृत; त्रिस्तरीय संरचना - संघ, समूह, प्रांत
समूह	क: मद्रास, बंबई, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रांत एवं बरार, उड़ीसा (+ दिल्ली, अजमेर-मेरवाड़ा, कुर्ग); ख: पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत, सिंध (+ बलूचिस्तान); ग: बंगाल, असम
संविधान सभा	389 सदस्य (ब्रिटिश भारत से 296 + रियासतों से 93); प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा निर्वाचित (सांप्रदायिक निर्वाचन); 14 सदस्यीय अंतरिम सरकार, सभी भारतीय
प्रतिक्रिया	लीग ने 6 जून को स्वीकार किया; कांग्रेस ने संविधान सभा का भाग स्वीकार किया किंतु समूह-निर्धारण नहीं - नेहरू का 10 जुलाई 1946 का बंबई वक्तव्य कि संविधान सभा संप्रभु है; लीग ने 29 जुलाई 1946 को अपनी स्वीकृति वापस ली; प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस 16 अगस्त 1946 (कलकत्ता में हत्याएँ)

- **गांधी:** 'ब्रिटिश जो सर्वश्रेष्ठ दस्तावेज बना सकते थे'; अंतरिम सरकार 2 सितंबर 1946 को नेहरू के नेतृत्व में गठित; मुस्लिम लीग 13 अक्टूबर 1946 को सम्मिलित; संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 (मुस्लिम लीग ने बहिष्कार किया)

अध्याय 76

संविधान सभा, अंतरिम सरकार एवं स्वतंत्रता

संविधान सभा

- **विचार का विकास:** स्वराज विधेयक 1895 (तिलक से प्रेरित गैर-सरकारी प्रारूप); गांधी 1922 ('स्वराज उपहार में नहीं मिलेगा... भारतीय आवश्यकता के अनुरूप भारतीय संविधान'); मोतीलाल नेहरू की राष्ट्रीय माँग (8 फरवरी 1924, केंद्रीय विधानसभा); एम.एन. रॉय (1934) प्रथम औपचारिक विचार; स्वराज पार्टी रांची 1934 प्रस्ताव; कांग्रेस फैजपुर 1936 ने पुनः पुष्टि की; लखनऊ 1936; अगस्त प्रस्ताव 1940 सिद्धांततः स्वीकृत; कैबिनेट मिशन 1946 ने योजना दी
- **योजना:** प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 1 सदस्य; तीन प्रकार के मतदाता - सामान्य, मुस्लिम, सिख (पंजाब); 389 सदस्य (296 ब्रिटिश भारत + 93 रियासतें); जुलाई 1946 में प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा निर्वाचन

दल	सीटें (296 में से)
कांग्रेस	208
मुस्लिम लीग	73
अन्य / निर्दलीय	15

- प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 (मुस्लिम लीग का बहिष्कार); डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा अस्थायी अध्यक्ष (सबसे वरिष्ठ सदस्य, बिहार से); 11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित; अंबेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष; बी.एन. राव संवैधानिक सलाहकार; नेहरू - संघ शक्ति, संघ संविधान समितियाँ; पटेल - मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक, जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर सलाहकार समिति
- संविधान सभा निर्माण के समय संप्रभु नहीं थी; 14/15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि से संप्रभु डोमिनियन विधानमंडल बनी; संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत; कुछ अनुच्छेद (5-9, 60, 324, 366, 367, 379, 380, 388, 391-394) 26 नवंबर 1949 से प्रभावी; संपूर्ण संविधान 26 जनवरी 1950 से प्रभावी (1930 का पूर्ण स्वराज दिवस)
- **जी.वी. मावलंकर:** केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष (जनवरी 1946 - अगस्त 1947), प्रथम लोकसभा अध्यक्ष (1952-56)
- समाजवादियों (लोहिया, जे.पी.) ने विघटन एवं वयस्क मताधिकार से पुनर्निर्वाचन की माँग की

अंतरिम सरकार (1946)

- वेवल ने नेहरू को आमंत्रित किया (12 अगस्त); 2 सितंबर 1946 को वायसराय की कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष के रूप में शपथ; आजाद सदस्य नहीं; लीग 13 अक्टूबर 1946 को सम्मिलित (5 मनोनीत)

सदस्य	विभाग
जवाहरलाल नेहरू	विदेश मामले एवं राष्ट्रमंडल संबंध
वल्लभभाई पटेल	गृह, सूचना एवं प्रसारण (बाद में रियासतें)
राजेंद्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि
बलदेव सिंह	रक्षा
आसफ अली	रेलवे एवं परिवहन
जगजीवन राम	श्रम
सी. राजगोपालाचारी	शिक्षा
जॉन मथाई	उद्योग एवं आपूर्ति
सी.एच. भाभा	कार्य, खान एवं ऊर्जा
लियाकत अली ख़ाँ	वित्त (व्यवसायियों पर कर लगाने वाला 'गरीब आदमी का बजट')
अब्दुर रब निश्तर	डाक एवं वायु
आई.आई. चंद्रीगर	वाणिज्य
गजनपर अली ख़ाँ	स्वास्थ्य

सदस्य	विभाग
जोगेंद्र नाथ मंडल	विधि

- लीग को स्थान देने हेतु सरत बोस, शफात अहमद खाँ एवं सैयद अली जहीर को हटाया गया
- प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस 16 अगस्त 1946:** कलकत्ता में हत्याएँ (सुहरावर्दी बंगाल के प्रधानमंत्री, लीग मंत्रिमंडल), नोआखाली दंगे अक्टूबर 1946 (गांधी ने नवंबर 1946 - मार्च 1947 भ्रमण किया; सचिव प्यारेलाल; बिहार दंगे अक्टूबर-नवंबर 1946)
- कांग्रेस अध्यक्ष:** जे.बी. कृपलानी (मेरठ अधिवेशन नवंबर 1946 से नवंबर 1947), फिर राजेंद्र प्रसाद (अंतरिम), पट्टाभि सीतारामैया (जयपुर 1948), पी.डी. टंडन (नासिक 1950), नेहरू (1951-54)

विभाजन एवं स्वतंत्रता

तिथि	घटना
20 फरवरी 1947	एटली की घोषणा कि अंग्रेज जून 1948 तक भारत छोड़ देंगे; वेवल के स्थान पर माउंटबेटन
24 मार्च 1947	माउंटबेटन ने अंतिम वायसराय के रूप में शपथ ली (22 मार्च को पहुँचे); 133 भेंट; 'प्लान बाल्कन' (प्रांतों का स्वतंत्र होना) नेहरू की आपत्ति पर अस्वीकृत; वी.पी. मेनन का विकल्प - डोमिनियन स्थिति, शीघ्र हस्तांतरण
31 मार्च 1947	गांधी ने विभाजन टालने हेतु जिन्ना को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने का प्रस्ताव दिया - कांग्रेस ने अस्वीकार किया
3 जून 1947	माउंटबेटन योजना (विभाजन योजना): विभाजन; पंजाब एवं बंगाल के विधानमंडल दो भागों में मतदान करेंगे; उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत एवं सिलहट में जनमत संग्रह; सिंध स्वयं निर्णय करेगा; रियासतें किसी भी डोमिनियन में सम्मिलित होने को स्वतंत्र; स्वतंत्रता 15 अगस्त 1947
14-15 जून 1947	AICC दिल्ली ने विभाजन स्वीकार किया: प्रस्ताव जी.बी. पंत ने प्रस्तुत किया, आजाद ने अनुमोदन किया; कृपलानी अध्यक्ष; खान अब्दुल गफ्फार खान एवं किचलू (कांग्रेस, पंजाब) ने विरोध किया ('राष्ट्रवाद ने सांप्रदायिकता के सम्मुख समर्पण किया')
30 जून 1947	साइरिल रैडक्लिफ के अधीन पंजाब एवं बंगाल सीमा आयोग (प्रत्येक में 4 न्यायाधीश - 2 कांग्रेस, 2 लीग); रैडक्लिफ रेखा की घोषणा 17 अगस्त 1947
4-18 जुलाई 1947	भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम: 4 जुलाई को प्रस्तुत; कॉमन्स 15 जुलाई, लॉर्ड्स 16 जुलाई, शाही स्वीकृति 18 जुलाई; 15 अगस्त 1947 से दो डोमिनियन, रियासतों पर ताज की अधिराज्यता समाप्त; गवर्नर-जनरल की नियुक्ति सम्राट द्वारा; संविधान सभा डोमिनियन विधानमंडल भी
14/15 अगस्त 1947	संविधान सभा का मध्यरात्रि सत्र; नेहरू का 'नियति से साक्षात्कार'; सूचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् (और इकबाल का सारे जहाँ से अच्छा) गाया; गांधी ने 15 अगस्त को कलकत्ता (हैदरी मंजिल) में उपवास एवं प्रार्थना की

- विभाजन परिषद्:** नेहरू एवं पटेल (कांग्रेस), जिन्ना एवं लियाकत (लीग), बलदेव सिंह (सिख); गवर्नर-जनरल: माउंटबेटन (1947-48, भारत के प्रथम), सी. राजगोपालाचारी (जून 1948 - जनवरी 1950, प्रथम एवं अंतिम भारतीय गवर्नर-जनरल); अंबेडकर प्रथम विधि मंत्री; प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद (1950-62), फिर राधाकृष्णन (62-67), जाकिर हुसैन (67-69), वी.वी. गिरि (69-74)
- कथन:** आर. कूपलैंड 'भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश राज की संतान था'; के.एम. पणिक्कर 'ब्रिटिश शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि भारत की एकता है'
- कांग्रेस ने व्यापक सांप्रदायिक हिंसा से बचने के लिए विभाजन स्वीकार किया, द्वि-राष्ट्र सिद्धांत नहीं

अध्याय 77

रियासतों का एकीकरण एवं भारत का पुनर्गठन

विभाजन एवं स्वतंत्रता

घटना	तिथि / विवरण
माउंटबेटन योजना (3 जून 1947)	भारत का विभाजन; प्रांतीय विकल्प; सीमा आयोग; उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत एवं सिलहट में जनमत संग्रह
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	18 जुलाई 1947 को शाही स्वीकृति; रियासतों पर ब्रिटिश सर्वोच्चता 15 अगस्त 1947 को समाप्त; रियासतें भारत अथवा पाकिस्तान में सम्मिलित हो सकती थीं अथवा (तकनीकी रूप से) स्वतंत्र रह सकती थीं
रैडक्लिफ रेखा	साइरिल रैडक्लिफ दोनों सीमा आयोगों के अध्यक्ष; 17 अगस्त 1947 को घोषित
माउंटबेटन	अंतिम वायसराय (मार्च 1947), स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल (जून 1948 तक); राजगोपालाचारी - अंतिम गवर्नर-जनरल (1948-50)
रियासत विभाग	सरदार पटेल (गृह एवं रियासतें), वी.पी. मेनन (सचिव); देशी रियासतें - 565 (15 अगस्त 1947 तक 560 से अधिक सम्मिलित)
विलय-पत्र	केवल तीन विषय: रक्षा, विदेश मामले एवं संचार; शासकों द्वारा हस्ताक्षरित

एकीकरण के प्रमुख प्रकरण

रियासत	शासक	एकीकरण की विधि
जूनागढ़	नवाब महाबत खान (मुस्लिम शासक; हिंदू बहुसंख्यक)	पाकिस्तान में विलय (सितंबर 1947); भारत ने नियंत्रण लिया; फरवरी 1948 के जनमत संग्रह ने भारत का पक्ष लिया; दीवान शाहनवाज भुट्टो; नवाब भाग गया
हैदराबाद	निजाम मीर उस्मान अली खॉं; रजाकार (कासिम रिजवी)	यथास्थिति समझौता (नवंबर 1947); मेजर जनरल जे.एन. चौधरी के अधीन ऑपरेशन पोलो (पुलिस कार्यवाही, 13-18 सितंबर 1948); निजाम ने विलय किया (नवंबर 1948)
जम्मू एवं कश्मीर	महाराजा हरि सिंह	पाकिस्तान समर्थित कबाइली आक्रमण (22 अक्टूबर 1947); विलय-पत्र पर 26 अक्टूबर 1947 को हस्ताक्षर; भारतीय सेना वायुमार्ग से भेजी गई; युद्धविराम 1 जनवरी 1949 (संयुक्त राष्ट्र); अनुच्छेद 370 (1949-2019)
त्रावणकोर	महाराजा चित्तिरा तिरुनाल; दीवान सी.पी. रामास्वामी अय्यर	स्वतंत्रता पर विचार किया; दीवान पर प्राणघातक आक्रमण के पश्चात् जुलाई 1947 में विलय
जोधपुर, जैसलमेर, भोपाल	हनवंत सिंह (जोधपुर), भोपाल के नवाब (हमीदुल्ला खॉं)	दबाव; 1947-49 में विलय
मणिपुर, त्रिपुरा	महाराजा बोधचंद्र	मणिपुर 1949 में विलीन (शिलांग समझौता)
सिक्किम	चोग्याल	संरक्षित राज्य (1950); 1975 में भारत में विलीन (36वाँ संशोधन, 22वाँ राज्य)
गोवा, दमन, दीव	पुर्तगाली	ऑपरेशन विजय (दिसंबर 1961; नेहरू) द्वारा मुक्त; गोवा केंद्रशासित प्रदेश; राज्य 1987

रियासत	शासक	एकीकरण की विधि
पांडिचेरी	फ्रांसीसी	वास्तविक हस्तांतरण 1954; विधिक 1962
दादरा एवं नगर हवेली	पुर्तगाली	स्वतंत्रता सेनानी 1954; केंद्रशासित प्रदेश 1961

- विधियाँ:** विलय-पत्र, विलय समझौते (छोटी रियासतें प्रांतों में विलीन; जैसे उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ की रियासतें), राज्यों के संघ (राजस्थान संघ, PEPSU - पटियाला एवं पूर्वी पंजाब रियासत संघ, मध्य भारत, सौराष्ट्र, त्रावणकोर-कोचीन, मत्स्य संघ), केंद्र शासित (वर्ग ग) - हिमाचल, भोपाल आदि; शासकों को प्रिवी पर्स (1971 में समाप्त, 26वाँ संशोधन)
- सरदार पटेल ('लौह पुरुष'; 'भारत के बिस्मार्क'); वी.पी. मेनन ने 'द स्टोरी ऑफ द इंटिग्रेशन ऑफ द इंडियन स्टेट्स' लिखी

राज्यों का पुनर्गठन

वर्ष	घटना
1948	दार आयोग (एस.के. दार) - भाषाई पुनर्गठन उचित नहीं; जे.वी.पी. समिति (जवाहरलाल, वल्लभभाई, पट्टाभि) - 1948-49, तत्काल विरोध किया
1953	पोट्टी श्रीरामूलू का आमरण उपवास (मद्रास) - मद्रास से आंध्र राज्य बना (1 अक्टूबर 1953; प्रथम भाषाई राज्य)
1953-55	राज्य पुनर्गठन आयोग (SRC) - फजल अली (अध्यक्ष), के.एम. पणिक्कर, एच.एन. कुंजरू; रिपोर्ट 1955
1956	राज्य पुनर्गठन अधिनियम: 14 राज्य एवं 6 केंद्रशासित प्रदेश (1 नवंबर 1956)
1960	बंबई का महाराष्ट्र एवं गुजरात में विभाजन (1 मई 1960)
1963	नागालैंड (16वाँ राज्य)
1966	पंजाब का पुनर्गठन (हरियाणा, चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश, हिमाचल का विस्तार); शाह आयोग
1972	मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा पूर्ण राज्य
1975	सिक्किम - 22वाँ राज्य
1987	गोवा, मिजोरम (23वाँ), अरुणाचल प्रदेश (24वाँ); गोवा (25वाँ)
2000	छत्तीसगढ़ (1 नवंबर), उत्तराखंड (9 नवंबर; तब उत्तरांचल), झारखंड (15 नवंबर)
2014	तेलंगाना (2 जून) - 29वाँ राज्य
2019	जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन: जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश (31 अक्टूबर 2019); अनुच्छेद 370 निरस्त (5 अगस्त 2019)

- उत्तर प्रदेश का अपना इतिहास:** संयुक्त प्रांत का नाम 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश हुआ; 2000 में उत्तराखंड पृथक (9 नवंबर, 27वाँ राज्य)
- प्रथम भाषाई राज्य:** आंध्र (1953); SRC (1956) ने भाषाई एवं प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन की अनुशंसा की (केरल, कर्नाटक (मैसूर) बने)

माउंटबेटन क्रम

1947: वायसराय - 24 मार्च; योजना - 3 जून; स्वतंत्रता अधिनियम - 18 जुलाई; स्वतंत्रता - 15 अगस्त; रैडक्लिफ पंचाट - 17 अगस्त
 1947-48: कश्मीर विलय 26 अक्टूबर 1947; जूनागढ़ जनमत संग्रह फरवरी 1948; हैदराबाद ऑपरेशन पोलो सितंबर 1948
 1950: संविधान - 26 जनवरी 1950; गवर्नर-जनरल का पद राष्ट्रपति से प्रतिस्थापित

अध्याय 78

संवैधानिक विकास: अधिनियम 1773-1935

अवलोकन सारणी

अधिनियम	प्रमुख प्रावधान
रेगुलेटिंग एक्ट 1773	कंपनी पर नियंत्रण का प्रथम चरण; बंगाल का गवर्नर फोर्ट विलियम का गवर्नर-जनरल बना (वारेन हेस्टिंग्स प्रथम) जिसके साथ 4 सदस्यीय परिषद् (क्लैवरिंग, मॉन्सन, बारवेल, फिलिप फ्रांसिस); मद्रास एवं बंबई अधीनस्थ; कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय (1774; मुख्य न्यायाधीश एलिजा इम्पे, न्यायाधीश चैंबर्स, ले मेस्ते, हाइड); निदेशक राजस्व / नागरिक मामलों की रिपोर्ट ताज को देंगे; निजी व्यापार पर प्रतिबंध
1784 का पिट्स इंडिया एक्ट	राजनीतिक मामलों के पर्यवेक्षण हेतु नियंत्रण बोर्ड (6 आयुक्त); द्वैध शासन - व्यावसायिक कार्य हेतु कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स; गवर्नर-जनरल की परिषद् घटाकर 3; प्रेसीडेंसियाँ अधीनस्थ
1786 का अधिनियम	कार्नवालिस को परिषद् की अवहेलना करने एवं सेनापति का पद साथ रखने की अनुमति
चार्टर एक्ट 1793	कंपनी का शासन 20 वर्ष बढ़ाया; कार्नवालिस कोड 1793; राजस्व एवं न्यायिक शक्तियों का पृथक्करण; कलेक्टर की न्यायिक / मजिस्ट्रेट शक्तियाँ समाप्त; जिला न्यायाधीश का सृजन
चार्टर एक्ट 1813	चाय एवं चीन व्यापार को छोड़कर कंपनी का व्यापारिक एकाधिकार समाप्त; शिक्षा हेतु वार्षिक रु. 1 लाख अनुदान; ईसाई मिशनरियों को अनुमति; ताज की संप्रभुता की स्थापना
चार्टर एक्ट 1833	सभी व्यावसायिक कार्य समाप्त (चाय, चीन भी); बंगाल का गवर्नर-जनरल भारत का गवर्नर-जनरल बना (बेंटिक प्रथम); चतुर्थ (विधि) सदस्य जोड़ा गया - मैकाले (प्रथम); विधायन का केंद्रीकरण (विनियमों के स्थान पर अधिनियम); धर्म / जन्म का भेद किए बिना भारतीय पदों हेतु पात्र (लागू नहीं हुआ); विधि आयोग
चार्टर एक्ट 1853	सिविल सेवा हेतु खुली प्रतियोगिता (मैकाले समिति 1854); पृथक विधान परिषद् (12 सदस्य; विधि सदस्य पूर्ण सदस्य); कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स घटाकर 18 (6 ताज द्वारा मनोनीत); बंगाल हेतु पृथक गवर्नर
भारत शासन अधिनियम 1858	विद्रोह के पश्चात्; कंपनी समाप्त, शक्ति ताज को; भारत सचिव सहित भारत परिषद् (15 सदस्य; 8 ताज द्वारा नियुक्त, 7 निदेशकों द्वारा); गवर्नर-जनरल वायसराय बना (कैनिंग प्रथम); रानी की घोषणा (1 नवंबर 1858)
भारतीय परिषद् अधिनियम 1861	कैनिंग के अधीन विभाग प्रणाली; विधायन हेतु वायसराय की परिषद् में 6-12 गैर-सरकारी अतिरिक्त सदस्य (मनोनीत); अध्यादेश शक्ति (6 माह) धारा 23; मद्रास एवं बंबई को विधायी शक्तियाँ पुनः; भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861 - कलकत्ता, बंबई, मद्रास में उच्च न्यायालय (1862)
भारतीय परिषद् अधिनियम 1892	अतिरिक्त सदस्यों में वृद्धि; बजट पर चर्चा का अधिकार (मतदान नहीं) एवं 6 दिन की सूचना पर प्रश्न पृच्छना; अप्रत्यक्ष (अनुशंसा पर मनोनयन) निर्वाचन का सिद्धांत
भारतीय परिषद् अधिनियम 1909 (मॉर्ले-मिंटो)	प्रांतीय परिषदों में निर्वाचित गैर-सरकारी बहुमत किंतु केंद्र में सरकारी बहुमत; मुसलमानों हेतु पृथक निर्वाचन (मिंटो = सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक); बजट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अधिकार; वायसराय की कार्यकारी परिषद् में भारतीय सदस्य (एस.पी. सिन्हा 1909); सबसे अल्पजीवी सुधार

अधिनियम	प्रमुख प्रावधान
भारत शासन अधिनियम 1919 (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड)	मॉन्टेग्यू घोषणा 20 अगस्त 1917 ('उत्तरदायी सरकार की प्रगतिशील प्राप्ति') पर आधारित; प्रांतों में द्वैध शासन (लायनेल कर्टिस 'द्वैध शासन के जनक'): हस्तांतरित विषय (शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय सरकार, कृषि, आबकारी) मंत्रियों के अधीन; आरक्षित (कानून-व्यवस्था, वित्त, न्याय, पुलिस, भू-राजस्व) गवर्नर एवं कार्यकारी परिषद् के अधीन; केंद्र में द्विसदनीय विधानमंडल (राज्य परिषद् 60, विधानसभा 145); केंद्रीय एवं प्रांतीय विषयों का पृथक्करण (केंद्रीय 47; प्रांतीय ~50); लंदन में भारत का उच्चायुक्त (1920); लोक सेवा आयोग (1926); पृथक कृषि बजट; 10 वर्ष पश्चात् सांविधिक आयोग; मताधिकार ~10% वयस्क; सिखों, भारतीय ईसाइयों, आंग्ल-भारतीयों, यूरोपीयों तक पृथक निर्वाचन का विस्तार
भारत शासन अधिनियम 1935	सबसे लंबा (14 भाग, 321 धाराएँ, 10 अनुसूचियाँ); अखिल भारतीय संघ (कभी अस्तित्व में नहीं आया - राजाओं ने अस्वीकार किया); प्रांतीय स्वायत्तता (गवर्नर के पास विशेष शक्तियाँ बनी रहीं); केंद्र में द्वैध शासन (आरक्षित: रक्षा, विदेश मामले); प्रांतीय द्वैध शासन समाप्त; तीन सूचियाँ (संघीय, प्रांतीय, समवर्ती); संघीय न्यायालय (स्थापना 1 अक्टूबर 1937, दिल्ली; सर मौरिस ग्वेयर प्रथम मुख्य न्यायाधीश); संघीय लोक सेवा आयोग (1937); RBI (1935); सिंध बंबई से पृथक, उड़ीसा बिहार से पृथक (1936), बर्मा पृथक (1937); मताधिकार ~14% (10-14% वयस्क); 6 प्रांतों में द्विसदनीय विधानमंडल; भारत परिषद् समाप्त

परीक्षा हेतु प्रमुख बिंदु

- 1935 का अधिनियम साइमन रिपोर्ट एवं गोलमेज सम्मेलनों से बने श्वेत पत्र (1933), संयुक्त प्रवर समिति के आधार पर तैयार; नेहरू: 'मजबूत ब्रेक किंतु इंजन रहित मशीन' एवं 'दासता का चार्टर'; कांग्रेस ने लखनऊ अधिवेशन 1936 (नेहरू अध्यक्ष) में अस्वीकार किया; प्रांतीय भाग 1 अप्रैल 1937 से लागू
- 1935 के अधिनियम में गवर्नरों हेतु अनुदेश-पत्र = 1950 के संविधान में राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व; संघीय सूची में प्रस्तावित 59 मद; उच्च सदन 260 (ब्रिटिश भारत 156, रियासतें 104) एवं निम्न सदन 375 (250 एवं 125)
- 1919 के अधिनियम के अंतर्गत अंतिम केंद्रीय विधानसभा चुनाव: 1945; केंद्रीय विधानसभा चुनाव 1923, 1926, 1930, 1934, 1945; 1937 के प्रांतीय चुनाव 1935 के अधिनियम के अंतर्गत
- मॉर्ले-मिटो पर रैम्जे मैकडोनाल्ड:** 'लोकतंत्र एवं नौकरशाही के बीच अपूर्ण एवं क्षणिक सौदा'

सिविल सेवाएँ एवं प्रशासन

- कार्नवालिस:** सिविल सेवा के जनक; वेलेजली: फोर्ट विलियम कॉलेज (1800); ली आयोग 1924; एचिसन आयोग 1887 (एक साथ परीक्षा के विरुद्ध); भारत में ICS परीक्षा 1922 से (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड); लोक सेवा आयोग 1926; संघीय लोक सेवा आयोग 1937 (1950 में UPSC बना); 1 जनवरी 1941: ICS में 617 भारतीय बनाम 585 यूरोपीय; ICS में प्रथम भारतीय सत्येंद्रनाथ टैगोर (1863); कार्नवालिस, वेलेजली, डलहौजी ने सेवाओं को आकार दिया
- प्रेस कानून:** 1835 मेटकॉफ ने प्रेस को मुक्त किया; 1867 प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम; 1878 वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (लिटन); 1908 समाचारपत्र (अपराध-उत्तेजना) अधिनियम (मिटो)
- उत्तर प्रदेश का क्षेत्र:** आगरा प्रेसीडेंसी 1834 (चार्टर एक्ट 1833) - उत्तर-पश्चिमी प्रांत 1836 (लेफ्टिनेंट गवर्नर) - उत्तर-पश्चिमी प्रांत एवं अवध 1877 - आगरा एवं अवध संयुक्त प्रांत 1902 - उत्तर प्रदेश 24 जनवरी 1950; इलाहाबाद उच्च न्यायालय 1866 (लखनऊ पीठ 1948)
- सौराष्ट्र संघ का गठन 15 फरवरी 1948 को 222 रियासतों के विलय से (राजप्रमुख नवानगर के जाम साहब)
- स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश सम्राट:** जॉर्ज षष्ठम (1936-52)

अध्याय 79

संवैधानिक सुधार 1858-1935: तुलनात्मक सारणियाँ

भारत शासन अधिनियम 1858 से 1935

अधिनियम	प्रमुख प्रावधान
भारत शासन अधिनियम 1858	ईस्ट इंडिया कंपनी का अंत; ताज का शासन; 15 सदस्यीय परिषद् (भारत परिषद्) सहित भारत सचिव; वायसराय ताज का प्रतिनिधि; नियंत्रण बोर्ड एवं कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स समाप्त
भारतीय परिषद् अधिनियम 1861	प्रतिनिधि संस्थाओं का आरंभ; वायसराय की कार्यकारी परिषद् का विस्तार (5 सदस्य; भारतीय गैर-सरकारी मनोनयन; बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा, सर दिनकर राव); विधान परिषद् में 6-12 अतिरिक्त सदस्य; विभाग प्रणाली (लॉर्ड कैनिंग); बंबई एवं मद्रास को (विधायी) विकेंद्रीकरण; वायसराय के अध्यादेश (6 माह तक वैध)
भारतीय परिषद् अधिनियम 1892	अतिरिक्त सदस्य 10-16; अप्रत्यक्ष निर्वाचन (स्थानीय निकायों की अनुशंसा पर मनोनयन); बजट पर चर्चा, प्रश्न (अनुपूरक नहीं) का अधिकार; गैर-सरकारी सदस्य; लैंसडाउन
भारतीय परिषद् अधिनियम 1909 (मॉर्ले-मिंटो)	इंपीरियल विधान परिषद् 60 सदस्य; प्रांतीय परिषदों का विस्तार; प्रांतों में गैर-सरकारी बहुमत (केंद्र में नहीं); मुसलमानों हेतु पृथक निर्वाचन; अनुपूरक प्रश्न, बजट पर प्रस्ताव; वायसराय की कार्यकारी परिषद् में भारतीय (एस.पी. सिन्हा)
भारत शासन अधिनियम 1919 (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड)	प्रांतों में द्वैध शासन (हस्तांतरित विषय - शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय स्वशासन, कृषि - भारतीय मंत्रियों के अधीन; आरक्षित - कानून-व्यवस्था, वित्त, भू-राजस्व - गवर्नर के अधीन); द्विसदनीय केंद्र (राज्य परिषद् 60, विधानसभा 144); प्रत्यक्ष निर्वाचन; सिखों, भारतीय ईसाइयों, आंग्ल-भारतीयों, यूरोपीयों हेतु पृथक निर्वाचन; लंदन में भारत का उच्चायुक्त; लोक सेवा आयोग; 10 वर्ष पश्चात् सांविधिक आयोग; मताधिकार लगभग 3% जनसंख्या
भारत शासन अधिनियम 1935	अखिल भारतीय संघ (कभी साकार नहीं हुआ); प्रांतीय स्वायत्तता (प्रांतों में द्वैध शासन समाप्त, केंद्र में आरंभ; संघीय सूची 59, प्रांतीय सूची 54, समवर्ती सूची 36); 6 प्रांतों (बंगाल, बंबई, मद्रास, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम) में द्विसदनीय; संघीय न्यायालय (1937), रिजर्व बैंक (1935), संघीय लोक सेवा आयोग; बर्मा का पृथक्करण (1937) एवं सिंध तथा उड़ीसा का सृजन; मताधिकार 10% (लगभग 3.5 करोड़); गवर्नर की विशेष शक्तियाँ; वायसराय की विवेकाधीन शक्तियाँ; भारत परिषद् समाप्त
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	दो डोमिनियन; गवर्नर-जनरल नाममात्र; संविधान सभाएँ संप्रभु; भारत सचिव का पद समाप्त; प्रांतों का विकल्प

प्रांतीय स्वायत्तता एवं 1937 के चुनाव

मद	विवरण
चुनाव	फरवरी 1937; 11 प्रांत; कांग्रेस ने मद्रास, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रांत एवं उड़ीसा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया तथा कई अन्य में सबसे बड़ा दल रही; जुलाई 1937 में 7 प्रांतों (बंबई एवं उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत सहित) में मंत्रिमंडल बनाए और बाद में असम में
कांग्रेस मंत्रिमंडल	जुलाई 1937: मद्रास (सी. राजगोपालाचारी), उत्तर प्रदेश (जी.बी. पंत), बिहार (श्रीकृष्ण सिन्हा), बंबई (बी.जी. खेर), मध्य प्रांत (एन.बी. खेर, बाद में आर.एस. शुक्ल), उड़ीसा (विश्वनाथ दास), उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत (डॉ. खान साहब), असम (गोपीनाथ बारदोलोई)
गैर-कांग्रेस	बंगाल - फजलुल हक (कृषक प्रजा पार्टी), पंजाब - यूनियनिस्ट पार्टी (सिकंदर हयात खाँ), सिंध - अल्लाह बख्श
त्यागपत्र	अक्टूबर-नवंबर 1939, वायसराय द्वारा परामर्श के बिना भारत को युद्धरत घोषित करने के पश्चात्; लीग ने 'मुक्ति दिवस' (22 दिसंबर 1939) मनाया

मद	विवरण
प्रमुख उपलब्धियाँ	नागरिक स्वतंत्रताओं की पुनर्स्थापना; बंदियों की रिहाई; बंबई - औद्योगिक विवाद अधिनियम (1938); मद्रास - मंदिर-प्रवेश प्राधिकरण अधिनियम (1939); भूमि सुधार; मद्य-निषेध; वर्धा योजना (बुनियादी शिक्षा; जाकिर हुसैन समिति 1938)

विधायी मील के पत्थर

अधिनियम / घटना	वर्ष
पिट्स इंडिया एक्ट	1784
चार्टर एक्ट 1793	नवीनीकरण; कार्नवालिस
चार्टर एक्ट 1813	व्यापारिक एकाधिकार की समाप्ति (चाय एवं चीन को छोड़कर); शिक्षा हेतु रु. 1 लाख
चार्टर एक्ट 1833	सम्पूर्ण व्यापार की समाप्ति; भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल; विधि सदस्य (मैकाले)
चार्टर एक्ट 1853	पृथक विधान परिषद्; ICS हेतु खुली प्रतियोगिता; अंतिम चार्टर एक्ट
भारत शासन अधिनियम 1858	ताज का शासन
भारतीय परिषद् अधिनियम 1861	विभाग प्रणाली
रॉयल टाइटल्स एक्ट 1876	विक्टोरिया - भारत की साम्राज्ञी
भारतीय परिषद् अधिनियम 1892	अप्रत्यक्ष निर्वाचन
भारतीय परिषद् अधिनियम 1909	पृथक निर्वाचन
भारत शासन अधिनियम 1919	द्वैध शासन
भारत शासन अधिनियम 1935	प्रांतीय स्वायत्तता
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	स्वतंत्रता
केंद्र में द्वैध शासन	1935 के अधिनियम में प्रस्तावित (कभी लागू नहीं हुआ)

अध्याय 80

स्वतंत्रता संग्राम में उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में 1857

केंद्र	नेता	प्रमुख तथ्य
मेरठ	तृतीय देशी घुड़सवार सेना के सिपाही; मंगल पांडे (बैरकपुर, 29 मार्च 1857, 8 अप्रैल को फाँसी)	10 मई 1857 को विस्फोट; दिल्ली की ओर कूच; कारतूस (एनफील्ड राइफल) का प्रश्न
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय; बख्त ख़ाँ	जॉन निकल्सन द्वारा पुनः अधिकृत (सितंबर 1857; निकल्सन की मृत्यु); हडसन ने सम्राट को हुमायूँ के मकबरे में पकड़ा, उसके पुत्रों को गोली मारी
कानपुर	नाना साहेब (धोंडू पंत), तात्या टोपे, अजीमुल्ला ख़ाँ	नाना पेशवा घोषित; सती चौरा घाट (जून 1857), बीबीघर हत्याकांड; हेवलॉक एवं कॉलिन कैपबेल द्वारा पुनः अधिकृत
लखनऊ	बेगम हजरत महल (पुत्र बिरजिस कद्र हेतु)	रेजीडेंसी की घेराबंदी (हेनरी लॉरेंस की मृत्यु); आलमबाग; हेवलॉक एवं आउटम; कॉलिन कैपबेल द्वारा राहत, मार्च 1858 में पुनः अधिकार
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई (दामोदर राव के दत्तक-ग्रहण को डलहौजी ने व्यपगत के अंतर्गत अस्वीकार किया)	ह्यू रोज़ ने घेराबंदी की (मार्च 1858); रानी कालपी, फिर ग्वालियर चली गई; 17-18 जून 1858 को कोटा-की-सराय में वीरगति
बरेली	खान बहादुर ख़ाँ	रुहेलखंड; मई 1858 में कैपबेल द्वारा पराजित
इलाहाबाद	मौलवी लियाकत अली	कर्नल नील द्वारा पुनः अधिकार
फैजाबाद / अवध	मौलवी अहमदुल्ला शाह	पोवायों के राजा जगन्नाथ सिंह द्वारा 1858 में हत्या
आगरा (बिहार)	कुँवर सिंह (80 वर्ष)	उत्तर प्रदेश में नहीं, किंतु अवध के विद्रोहियों के सहयोगी
बाँदा, कालपी	बाँदा के नवाब अली बहादुर द्वितीय	-

- मंगल पांडे (34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री, बैरकपुर, बंगाल) उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गाँव के थे; फैजाबाद के मौलवी अहमदुल्ला शाह = 'विद्रोह के प्रकाश-स्तंभ' (डंका शाह, फैजाबाद के मौलवी)
- अवध के तालुकदार:** विलय (1856) एवं संक्षिप्त राजस्व बंदोबस्त ने अनेक तालुकदारों को बेदखल किया - वे विद्रोह में सम्मिलित हुए; 1858 के पश्चात् अंग्रेजों ने उनकी संपदाएँ लौटा दीं (तालुकदारी बंदोबस्त; ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन ऑफ अवध, 1861)
- कानपुर:** नाना साहेब को बाजीराव द्वितीय (बिटूर) की पेंशन से वंचित किया गया; अजीमुल्ला ख़ाँ - इंग्लैंड में उनके दूत
- आगरा किले ने यूरोपीयों को शरण दी; उत्तर-पश्चिमी प्रांत के लेफ्टिनेंट गवर्नर जॉन कॉल्विन की वहीं मृत्यु हुई (सितंबर 1857)

उत्तर प्रदेश के प्रांत एवं आरंभिक संस्थाएँ

- 1856: अवध का विलय; उत्तर-पश्चिमी प्रांत (राजधानी आगरा) का अवध से विलय कर 1877 में उत्तर-पश्चिमी प्रांत एवं अवध बना; 1902 में आगरा एवं अवध संयुक्त प्रांत नाम (कर्जन); 1937 में संयुक्त प्रांत; स्वतंत्रता के पश्चात् उत्तर प्रदेश (1950)
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय (1866, आगरा से स्थानांतरित); लखनऊ पीठ (1948); इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887); अलीगढ़ MAO कॉलेज (1875 में सर सैयद अहमद खान द्वारा स्थापित, 1920 में AMU के रूप में उन्नत); बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (1916, मदन मोहन मालवीय)
- लखनऊ:** अवध का मुख्य न्यायालय; लखनऊ - कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन (1899, 1916, 1936)
- उत्तर प्रदेश में INC अधिवेशन:** इलाहाबाद (1888, 1892, 1910); लखनऊ (1899, 1916, 1936); बनारस (1905); कानपुर (1925)
- सर सैयद अहमद खान (1817-98):** साइंटिफिक सोसाइटी (गाजीपुर, 1864), अलीगढ़ आंदोलन; तहजीब-उल-अखलाक (पत्रिका, 1870); यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन (1888) एवं मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल डिफेंस एसोसिएशन ऑफ अपर इंडिया (1893, थियोडोर बेक); कांग्रेस का विरोध किया

- राजा शिव प्रसाद 'सितारा-ए-हिंद' (बनारस) अंग्रेज-समर्थक थे; भारतेन्दु हरिश्चंद्र (बनारस) ने हिंदी पुनरुत्थान का नेतृत्व किया (कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र मैगजीन); हिंदू महासभा का गठन 1915 (हरिद्वार कुंभ) - मदन मोहन मालवीय; अभ्युदय (1907) और द लीडर (1909, इलाहाबाद) उनके पत्र थे
- स्वामी दयानंद के उत्तर प्रदेश में भ्रमण; मेरठ / लखनऊ में आर्य समाज; बनारस हिंदू महासभा (1915 हरिद्वार कुंभ; हिंदू महासभा 1915); मदन मोहन मालवीय: पायनियर एवं हिंदुस्तान; हिंदुस्तान टाइम्स, अभ्युदय, लीडर (1909 इलाहाबाद)

उत्तर प्रदेश में क्रांतिकारी गतिविधि

घटना / व्यक्ति	विवरण
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)	अक्टूबर 1924 में कानपुर में सचींद्रनाथ सान्याल, जोगेश चंद्र चटर्जी, राम प्रसाद बिस्मिल द्वारा स्थापित; घोषणा-पत्र 'द रिवोल्यूशनरी'; बिस्मिल की HRA बाद में HSRA (सितंबर 1928, फिरोजशाह कोटला, दिल्ली)
काकोरी रेल कार्यवाही	9 अगस्त 1925; शाहजहाँपुर से लखनऊ जाने वाली गाड़ी; HRA के सदस्यों (बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ, राजेंद्र लाहिड़ी, रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद, मन्मथनाथ गुप्त आदि) ने काकोरी में रोकें; सरकारी खजाना लूटा
काकोरी षड्यंत्र केस	बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ, राजेंद्र लाहिड़ी एवं रोशन सिंह को फाँसी (दिसंबर 1927; लाहिड़ी 17 दिसंबर, अन्य 19 दिसंबर)
चंद्रशेखर आजाद	जन्म भाभरा (अलीराजपुर, मध्य प्रदेश); अल्फ्रेड पार्क (इलाहाबाद) मूठभेड़, 27 फरवरी 1931 - स्वयं को गोली मारी ('आजाद' रहने का प्रण)
राम प्रसाद बिस्मिल	शाहजहाँपुर के कवि-क्रांतिकारी; 'सरफरोशी की तमन्ना' को लोकप्रिय बनाया (रचना बिस्मिल अजीमाबादी की); गेंदा लाल दीक्षित के साथ मैनपुरी षड्यंत्र (1918); HRA के नेता
भगत सिंह	उत्तर प्रदेश में सान्याल एवं आजाद से भेंट; दिल्ली असंबली बम केस (8 अप्रैल 1929); लाहौर षड्यंत्र केस; 23 मार्च 1931 को फाँसी
मैनपुरी षड्यंत्र	1918; गेंदा लाल दीक्षित; 'मातृवेदी' संगठन, 'देशवासियों के नाम' पर्चा

- अशफाकउल्ला खाँ शाहजहाँपुर के; रोशन सिंह (शाहजहाँपुर); राजेंद्र लाहिड़ी (गोंडा कारागार); राम प्रसाद बिस्मिल (गोरखपुर कारागार); ठाकुर रोशन सिंह (नैनी कारागार, इलाहाबाद)
- यशपाल, शिव वर्मा, जयदेव कपूर, भगवती चरण वोहरा - उत्तर प्रदेश से संबद्ध HSRA सदस्य; राजेंद्र लाहिड़ी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से भी संबद्ध थे

उत्तर प्रदेश में गांधीवादी आंदोलन

आंदोलन / घटना	तथ्य
किसान सभा (उत्तर प्रदेश किसान सभा)	1918, गौरी शंकर मिश्र एवं इंद्र नारायण द्विवेदी; मदन मोहन मालवीय का समर्थन; 1920 अवध किसान सभा
अवध किसान सभा	अक्टूबर 1920 प्रतापगढ़; बाबा रामचंद्र, जवाहरलाल नेहरू (जवाहरलाल ने प्रतापगढ़ के गाँवों का भ्रमण किया) - अवध किसान सभा; 'नाई-धोबी बंद' (सामाजिक बहिष्कार); एका आंदोलन (1921-22), हरदोई, बहराइच, सीतापुर
एका (एकता) आंदोलन	1921 का अंत-1922; हरदोई, बहराइच, सीतापुर; मदारी पासी (निम्न जाति के नेता) - लगान घटाने की माँग; 1922 तक दमन
बाबा रामचंद्र	पासी नेता; प्रतापगढ़ के कृषक; अवध किसान सभा; पूर्व गिरमिटिया श्रमिक (फिजी)
चौरी-चौरा (गोरखपुर)	4 फरवरी 1922; भीड़ ने थाना जलाया, 22 पुलिसकर्मी मारे गए; गांधी ने असहयोग स्थगित किया (12 फरवरी 1922, बारदोली निर्णय); सत्र न्यायालय ने 172 को मृत्युदंड दिया, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 19 की फाँसी बरकरार रखी; मदन मोहन मालवीय ने अभियुक्तों का बचाव किया
सविनय अवज्ञा (उत्तर प्रदेश)	गाजियाबाद में नमक सत्याग्रह (कानपुर, इलाहाबाद); आगरा एवं रायबरेली (फूलपुर) में कर-बंदी अभियान; इलाहाबाद - आनंद भवन स्वराज भवन बना (1930 में दान), मोतीलाल नेहरू
उत्तर प्रदेश कांग्रेस मंत्रिमंडल 1937	गोविंद बल्लभ पंत - संयुक्त प्रांत के प्रथम प्रधानमंत्री (जुलाई 1937; कांग्रेस मंत्रिमंडल, 1937-39); चौधरी खलीकुज्जमाँ एवं मुस्लिम लीग का प्रस्ताव (गठबंधन पर बहस)

आंदोलन / घटना	तथ्य
उत्तर प्रदेश में भारत छोड़ो (1942)	बलिया (चित्तू पांडे, 'शेर-ए-बलिया') ने प्रशासन उलट दिया और अगस्त 1942 में कुछ दिन स्वतंत्र सरकार चलाई; आजमगढ़, गाजीपुर भी; तुलना करें सतारा (प्रति सरकार) एवं तमलूक (जातीय सरकार)

- मोतीलाल नेहरू ने पुराने आनंद भवन को स्वराज भवन के रूप में राष्ट्र को दान किया (1930); नया आनंद भवन इंदिरा गांधी ने 1970 में दान किया और अब संग्रहालय है
- मदन मोहन मालवीय ('महामना', BHU के संस्थापक) ने चौरी-चौरा के अभियुक्तों का बचाव किया; भारत रत्न मरणोपरांत प्रदत्त (2014 में घोषित)
- **जवाहरलाल नेहरू की प्रथम राजनीतिक संलग्नता:** प्रतापगढ़ (1920) में किसानों की यात्रा
- **गांधी युग में उत्तर प्रदेश:** गांधी ने गोरखपुर (1921, चौरी-चौरा क्षेत्र), बनारस, कानपुर की यात्रा की; कानपुर - 1925 कांग्रेस (सरोजिनी नायडू); कानपुर कम्युनिस्ट सम्मेलन (दिसंबर 1925, एम. सिंगारवेलु)

उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी - किसने क्या किया

मंगल पांडे - प्रथम सिपाही शहीद; नगवा (बलिया) | चित्तू पांडे - शेर-ए-बलिया, 1942 की समानांतर सरकार
 राम प्रसाद बिस्मिल - काकोरी; अशफाकउल्ला खॉं - काकोरी | चंद्रशेखर आजाद - अल्फ्रेड पार्क, 1931
 गोविंद बल्लभ पंत - उत्तर प्रदेश के प्रथम प्रधानमंत्री (1937) | टंडन - राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन (इलाहाबाद)
 मदन मोहन मालवीय - BHU | आचार्य नरेंद्र देव - कांग्रेस समाजवादी पार्टी | पुरुषोत्तम दास टंडन - राजर्षि, इलाहाबाद

अध्याय 81

उत्तर प्रदेश: प्राचीन एवं मध्यकालीन विरासत

उत्तर प्रदेश के प्राचीन केंद्र

स्थान	महत्त्व
सारनाथ (वाराणसी)	इसिपतन / मृगदाव; बुद्ध का प्रथम उपदेश (धम्मचक्कपवत्तन); अशोक स्तंभ (सिंह शीर्ष - राष्ट्रीय चिह्न), धमेख स्तूप (गुप्तकालीन), मूलगंधकुटी विहार, चौखंडी स्तूप; सारनाथ संग्रहालय
कुशीनगर (कुशीनगर)	बुद्ध का महापरिनिर्वाण (कसया); महापरिनिर्वाण मंदिर एवं रामाभार स्तूप
श्रावस्ती	कोसल की राजधानी; अनाथपिंडक द्वारा दान किया गया जेतवन विहार; बुद्ध ने यहाँ सर्वाधिक वर्षावास (24) बिताए; अंगुलिमाल की कथा
कपिलवस्तु (पिपरहवा, सिद्धार्थनगर)	बुद्ध का बाल्यकाल-गृह (जन्मस्थान लुंबिनी, नेपाल में); पिपरहवा स्तूप के अवशेष
संकिसा (फर्रुखाबाद)	त्रयस्त्रिंश स्वर्ग से बुद्ध का अवतरण; अशोक का हस्ति-शीर्ष स्तंभ
कौशाम्बी (इलाहाबाद)	वत्स की राजधानी (उदयन); अशोक स्तंभ (बाद में इलाहाबाद किले में); घोषिताराम विहार
अयोध्या (साकेत)	कोसल; राम की जन्मभूमि (परंपरा); जैन तीर्थंकर आदिनाथ, अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ एवं अनंतनाथ का जन्म यहाँ हुआ; धनदेव अभिलेख (पृष्मित्र शृंग)
मथुरा	कृष्णों की द्वितीयक राजधानी; मथुरा कला; कृष्ण की जन्मभूमि; बौद्ध, जैन (कंकाली टीला) एवं हिंदू केंद्र; यक्ष प्रतिमाएँ; वृंदावन
कन्नौज (कान्यकुब्ज)	हर्ष की राजधानी; पालों, प्रतिहारों एवं राष्ट्रकूटों के बीच त्रिपक्षीय संघर्ष; गहड़वाल जयचंद 1194 में गोरी से पराजित (चंदावर का युद्ध)
प्रयाग (इलाहाबाद)	संगम; समुद्रगुप्त के अभिलेख (प्रयाग प्रशस्ति) सहित अशोक स्तंभ; कुंभ
वाराणसी (काशी)	सबसे प्राचीन जीवंत नगर; काशी महाजनपद; विश्वनाथ; पार्श्वनाथ का जन्म यहाँ हुआ (जैन 23वें तीर्थंकर); निकट सारनाथ; कबीर, रविदास, तुलसीदास, रामानंद
हस्तिनापुर (मेरठ)	कुरुओं की महाभारतकालीन राजधानी; चित्रित धूसर मृद्भांड; दिगंबर जैन केंद्र; बी.बी. लाल द्वारा उत्खनन
अहिच्छत्र (बरेली)	उत्तर पांचाल की राजधानी; मृण्मूर्तियाँ; गुप्तकालीन मंदिर; PGW स्थल
अतरंजीखेड़ा (एटा)	लौह युग का स्थल; PGW; कांपिल्य (फर्रुखाबाद); द्रौपदी का स्वयंवर; श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज, निषाद राज्य)
देवगढ़ (ललितपुर)	गुप्तकालीन दशावतार मंदिर (विष्णु)
भीतरगाँव (कानपुर)	गुप्तकालीन ईंट का मंदिर (मृण्मूर्तियाँ)
कोलडिहवा एवं महगड़ा (बेलन घाटी, प्रयागराज)	नवपाषाण स्थल; भारत में कृषित चावल के प्राचीनतम साक्ष्य (लगभग 6000 ई.पू.)

- **पिपरहवा:** अवशेषों पर ब्राह्मी में अंकित 'शाक्यों के'; सोहगौरा ताम्रपत्र (गोरखपुर) - अकाल-राहत पर प्राचीनतम मौर्य अभिलेख (ब्राह्मी); लौरिया नंदनगढ़ एवं लौरिया अरराज के स्तंभ बिहार में हैं
- गोरखनाथ मठ (गोरखपुर) - नाथ संप्रदाय; अशोक का संघभेद-विरोधी (भाबू-सारनाथ) अभिलेख सारनाथ, कौशाम्बी एवं साँची के स्तंभों पर मिलता है
- **जौनपुर (शर्की सल्तनत, 1394-1479):** मलिक सरवर (ख्वाजा जहाँ) संस्थापक; अटाला मस्जिद (1408), जामी मस्जिद, लाल दरवाजा; 'शिराज-ए-हिंद' (इब्राहीम शाह शर्की, महान निर्माता एवं विद्वानों के संरक्षक); हुसैन शाह शर्की बहलोल लोदी से पराजित (1479)

उत्तर प्रदेश में मध्यकालीन भक्ति एवं साहित्य

संत	स्थान / रचना
रामानंद	बनारस, 14वीं-15वीं सदी; रामानुज संप्रदाय; उत्तर भारत के प्रथम भक्ति संत; शिष्य कबीर, रविदास, धन्ना, सेना, पीपा
कबीर (1440-1518)	बनारस; मगहर (संत कबीर नगर) में मृत्यु; बीजक, साखी, रमैनी; निर्गुण; हिंदू एवं मुसलमान दोनों; दोहे
रविदास (रैदास)	बनारस; चमार (मोची) संत; मीराबाई के गुरु (परंपरा); रविदासिया संप्रदाय; गुरु ग्रंथ साहिब में पद
तुलसीदास (1532-1623)	राजापुर (चित्रकूट) / सोरों; रामचरितमानस (अवधी, अकबर के काल में 1574 में अयोध्या में आरंभ); विनय पत्रिका, कवितावली; बनारस की रामलीला परंपरा
सूरदास	आगरा / मथुरा (गऊघाट); सूरसागर, सूर सारावली; नेत्रहीन कवि; वल्लभाचार्य के शिष्य (अष्टछाप)
मलिक मुहम्मद जायसी	जायस (अमेठी); पद्मावत (1540; अवधी, रत्नसेन और पद्मिनी की सूफी रूपक कथा); अखरावट
वल्लभाचार्य	पुष्टिमार्ग; मथुरा एवं वृंदावन; कृष्ण-उपासना; शुद्धाद्वैत
मीराबाई	मथुरा वृंदावन; राजस्थान; कृष्ण-भक्त
चैतन्य	बंगाल; वृंदावन की यात्रा की; गोसाइयों (रूप एवं सनातन गोस्वामी) ने वृंदावन का विकास किया
हरिदास (स्वामी हरिदास)	वृंदावन; तानसेन के गुरु; अकबर ने उनके दर्शन किए

- अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली - हिंदी की बोलियाँ; अमीर खुसरो (पटियाली / एटा, उत्तर प्रदेश) फारसी-हिंदवी कवि (खुसरो का जन्म 1253 में एटा के निकट पटियाली में)

उत्तर प्रदेश में मुगलकालीन स्मारक

स्मारक	निर्माता / वर्ष
ताजमहल (आगरा)	शाहजहाँ, 1632-53; उस्ताद अहमद लाहौरी; यूनेस्को 1983; श्वेत संगमरमर, पच्चीकारी (पित्रा दूरा), मूमताज महल
आगरा किला	अकबर (1565-73, लाल बलूआ पत्थर); शाहजहाँ के संगमरमर के निर्माण: मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, खास महल, मुसम्मन बूर्ज, शीश महल
फतेहपुर सीकरी	अकबर, 1571-85; बुलंद दरवाजा (1576, गुजरात विजय), जामा मस्जिद, पंच महल, दीवान-ए-खास, इबादतखाना, जोधाबाई का महल, बीरबल का घर, सलीम चिश्ती का मकबरा; जल की कमी से त्याग दिया गया
सिकंदरा (आगरा)	अकबर का मकबरा, उन्होंने आरंभ किया, जहाँगीर ने पूर्ण किया (1613)
इतमाद-उद-दौला	नूरजहाँ द्वारा पिता हेतु (1622-28); पच्चीकारी सहित श्वेत संगमरमर की प्रथम मुगल इमारत
राम बाग एवं चीनी का रौजा (आगरा)	बाबर का आराम बाग (राम बाग, प्रथम मुगल उद्यान); अफजल ख़ाँ का चीनी का रौजा (चमकीली टाइलें)
इलाहाबाद किला	अकबर, 1583 (इलाहाबास); किले में अशोक स्तंभ (कौशाम्बी स्तंभ)
मथुरा एवं वृंदावन के मंदिर	गोविंद देव मंदिर (मान सिंह, 1590); औरंगजेब द्वारा नष्ट (केशव राय मंदिर, वीर सिंह देव बुंदेला)
लखनऊ (अवध के नवाब)	अवध के नवाब; बड़ा इमामबाड़ा (आसफ-उद-दौला, 1784, किफायतुल्ला, अकाल-राहत; भूलभुलैया), रूमी दरवाजा (1784), छोटा इमामबाड़ा (मुहम्मद अली शाह), रेजीडेंसी, कैसरबाग (वाजिद अली शाह), ला मार्टिनियर (क्लाउड मार्टिन)

- शेर शाह सूरी:** सासाराम (बिहार) का मकबरा; शेर शाह का ग्रांड ट्रंक रोड सोनारगाँव से पेशावर तक; कानपुर एवं इलाहाबाद जी.टी. रोड पर; चौसा (बक्सर) 1539 एवं बिलग्राम / कन्नौज 1540 के युद्ध उत्तर प्रदेश के निकट (बिलग्राम, हरदोई)
- ग्रांड ट्रंक रोड पर सराय (1700 सराय); डाक (डाक-चौकियाँ)

अवध के नवाब एवं क्षेत्रीय शक्तियाँ

शासक	वर्ष	तथ्य
सआदत खाँ (बुरहान-उल-मुल्क)	1722-39	स्वतंत्र अवध के संस्थापक (राजधानी फैजाबाद); फारसी शिया कुलीन; मुगल सूबेदार
सफदरजंग	1739-54	मुगल साम्राज्य का वजीर; मकबरा दिल्ली में; फैजाबाद
शुजा-उद-दौला	1754-75	बक्सर (1764) में लड़ा, पराजित; क्लाइव के साथ इलाहाबाद की संधि (1765); राजधानी फैजाबाद (गुलाब बाड़ी) स्थानांतरित की
आसफ-उद-दौला	1775-97	राजधानी लखनऊ स्थानांतरित की (1775-76); बड़ा इमामबाड़ा; मीर तकी मीर के संरक्षक
सआदत अली खाँ	1798-1814	सहायक संधि (1801, वेल्लेजली) - रुहेलखंड, गोरखपुर एवं निचला दोआब सौंपे
गाजी-उद-दीन हैदर	1814-27	अवध के प्रथम राजा (1819 में हेस्टिंग्स के प्रोत्साहन से बादशाह की उपाधि ली)
वाजिद अली शाह	1847-56	अंतिम नवाब; कवि ('अख्तर'), कथक के संरक्षक, रहस (इंद्रसभा) का मंचन; 1856 में कुशासन के आधार पर पदच्युत; मटियाबुर्ज, कलकत्ता निर्वासित; विद्रोह में बेगम हजरत महल ने शासन किया

- **रुहेलखंड:** अली मुहम्मद खाँ रुहेला (बरेली, 1740 का दशक), हाफिज रहमत खाँ; नजीब-उद-दौला (नजीबाबाद); अवध को ब्रिटिश सहायता से रुहेला युद्ध 1774
- **बुंदेलखंड:** महाराजा छत्रसाल (पन्ना, 1649-1731) - औरंगजेब से संघर्ष; राजा वीर सिंह देव बुंदेला (ओरछा) ने केशव राय मंदिर (मथुरा) बनवाया और अबुल फजल की हत्या की (1602)
- **बनारस:** बलवंत सिंह (अवध के अधीन स्वायत्त जमींदार-राज्य) और चेत सिंह (वारेन हेस्टिंग्स की अतिरिक्त धन की माँग पर 1781 में विद्रोह; हेस्टिंग्स चुनाव भागा)
- हेस्टिंग्स पर 1788 में महाभियोग (मुकदमा 1795 तक चला; एडमंड बर्क ने अभियोजन किया); आरोपों में रुहेला युद्ध, बनारस प्रकरण एवं अवध की बेगमें सम्मिलित थे

अध्याय 82

आधुनिक भारत: युद्ध, अकाल, उद्धारण एवं कालक्रम

अभ्यास

युद्ध एवं संधियाँ - कालक्रम

युद्ध / घटना	तिथियाँ	प्रमुख तथ्य
द्वितीय कर्नाटक (आंग्ल-फ्रांसीसी) युद्ध	1749-54	डूप्ले 1754 में वापस बुलाया गया; पांडिचेरी की संधि
ला बोर्दोने द्वारा मद्रास पर अधिकार	1746	प्रथम कर्नाटक युद्ध; एक्स-ला-शापेल की संधि 1748
वांडिवाश का युद्ध	1760	आयर कूट ने लाली को पराजित किया; तृतीय कर्नाटक युद्ध का निर्णय
इलाहाबाद की संधि	1765	क्लाइव, शाह आलम द्वितीय एवं शूजा-उद-दौला के साथ; दीवानी
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध	1767-69	मद्रास की संधि
नंदकुमार को फाँसी	1775	जालसाजी के आरोप में कलकत्ता में फाँसी (इम्पे, हेस्टिंग्स)
प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध	1775-82	सूरत की संधि 1775, पुरंदर 1776, वडगाँव 1779; सालबाई की संधि (1782); महादजी सिंधिया मध्यस्थ) से समाप्त - 20 वर्ष की शांति
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	1780-84	पोर्तो नोवो का युद्ध 1781; मैंगलोर की संधि 1784
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	1790-92	कार्नवालिस; श्रीरंगपट्टनम् की संधि - टीपू ने आधा क्षेत्र खोया, रु. 3 करोड़
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध	1799	टीपू मारा गया; मैसूर के साथ सहायक संधि
नाना फड़नवीस की मृत्यु	मार्च 1800	मराठा राजनीतिज्ञ
द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध	1803-05	वेल्लेजली; बसीन की संधि 1802
वेल्लेजली की वापसी	1805	कार्नवालिस और तत्पश्चात् बालो उत्तराधिकारी
वेल्लोर विद्रोह	10 जुलाई 1806	वेल्लोर किले (तमिलनाडु) में सिपाही, वेशभूषा / जाति-चिह्न संबंधी आदेश
आंग्ल-नेपाल युद्ध	1814-16	लॉर्ड हेस्टिंग्स; सगौली की संधि (1816)
तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध	1817-18	पिंडारियों का दमन (नेता चीतू, वसील मुहम्मद, करीम खाँ); पेशवा पद समाप्त
प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध	1824-26	यांदबू की संधि - असम, अराकान, तेनासरिम; रु. 1 करोड़ क्षतिपूर्ति
प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध	1839-42	ऑकलैंड की अग्रगामी नीति; तुर्कमानचाय की संधि (1828) के पश्चात् रूसी भय; काबुल से वापसी
प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध	1845-46	मुदकी, फिरोजशाह, अलीवाल, सोबरांव; लाहौर की संधि

युद्ध / घटना	तिथियाँ	प्रमुख तथ्य
द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध	1848-49	चिलियांवाला, गुजरात; डलहौजी द्वारा पंजाब का विलय
द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध	1878-80	लिटन; गंडमक की संधि 1879

- **अन्य युद्ध:** शकरखेड़ा 1724 (निजाम-उल-मुल्क), बेदरा 1759 (क्लाइव के फोर्ड द्वारा डच पराजित)
- **परवर्ती अग्रगामी नीति:** लिटन (वैज्ञानिक सीमा), डूरंड रेखा 1893

अकाल एवं आयोग

अकाल / आयोग	विवरण
उड़ीसा अकाल 1866-67	'विपत्ति का सागर'; ~10 लाख मृत्यु; कैपबेल आयोग (1866) - प्रथम अकाल आयोग
महा-अकाल 1876-78	लिटन; स्ट्रेची आयोग (1880); अकाल संहिता 1883 (स्ट्रेची आयोग की अनुशंसाएँ)
1896-97 एवं 1899-1900	लायल आयोग (1898), मैकडॉनल अकाल आयोग (1900-01)
बंगाल अकाल 1943	~30 लाख मृत्यु; चर्चिल की युद्ध-नीतियाँ; वूडहेड आयोग

- **कर्जन के आयोग:** पुलिस (एंड्रयू फ्रेजर 1902-03), सिंचाई (कॉलिन स्कॉट मॉन्क्रोफ 1901-03), रेलवे (टॉमस रॉबर्टसन 1901), विश्वविद्यालय (रैले 1902); श्रम पर शाही आयोग (हिटली, 1929-31)
- **शासन में पितृसत्तात्मकता:** टॉमस मुनरो, जॉन माल्कम, माउंटस्टुअर्ट एल्फिन्स्टन, चार्ल्स मेटकॉफ

किसने कहा? उद्धरण

उद्धरण	वक्ता
'भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश शासन की संतान था'	आर. कूपलैंड
'ब्रिटिश शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि भारत की एकता है'	के.एम. पणिकर
'उन्होंने साम्राज्यवाद से संघर्ष भी किया और सहयोग भी' (कांग्रेस)	आर. पाम दत्त
'न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड' (1893-94, इंदु प्रकाश)	अरविंद घोष (कांग्रेस की याचक-वृत्ति के आलोचक)
'राजनीतिक स्वतंत्रता राष्ट्र की प्राणवायु है'	अरविंद
'मैं भारत की तरही हूँ...'	एनी बेसेंट
'राजा जनता के लिए बनाए गए हैं'	दादाभाई नौरोजी
'बाकी सब प्रतीक्षा कर सकता है, कृषि नहीं'	नेहरू
'भारत की मुक्ति गांधी के नेतृत्व में नहीं होगी' (द इंडियन स्ट्रगल)	सुभाष बोस
'साम्राज्यवाद डोडो की भाँति विलुप्त है'	एटली
'जब तक तीसरी शक्ति (इंग्लैंड) यहाँ है, सांप्रदायिक भेद हमें परेशान करते रहेंगे'	गांधी का लुई फिशर से
'दलविहीन लोकतंत्र'	जयप्रकाश नारायण
'मुझे क्षमा नहीं माँगनी... भारत शासन अधिनियम 1935 की पुनरावृत्ति'	बी.आर. अंबेडकर
'क्या आप एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचन हो?'	वल्लभभाई पटेल (संविधान सभा)
'जय जवान जय किसान'	लाल बहादुर शास्त्री (1965)

उद्धरण	वक्ता
'विभाजन के लिए अंग्रेज उत्तरदायी नहीं हैं'	एटली (20 फरवरी 1947)

व्यक्तित्व संबंधी तथ्य

- टैगोर (जन्म 7 मई 1861 कलकत्ता, मृत्यु 7 अगस्त 1941): नोबेल 1913 (गीतांजलि); विश्व-भारती (1921, शांतिनिकेतन विद्यालय 1901); गांधी: 'महान प्रहरी'; 1919 में नाइटहुड त्यागा; 'घरे बाइरे' में आर्थिक बहिष्कार की आलोचना की
- **अंबेडकर:** जन्म 14 अप्रैल 1891 महू, मृत्यु 6 दिसंबर 1956; भारत रत्न 1990
- पट्टाभि सीतारामैया चिकित्सक, 1939 में कांग्रेस अध्यक्ष पद हारे; अबुल कलाम आजाद: देवबंद से संबद्ध, इंडिया विन्स फ्रीडम लिखी
- रुक्माबाई प्रकरण 1884-88 (दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना) से सहमति आयु अधिनियम 1891; बेथून स्कूल कलकत्ता (1849) जिसके सचिव विद्यासागर
- बॉय स्काउट भारत में 1909, गाइड 1911 (बैडेन-पोवेल); प्रथम भारतीय सूती मिल फोर्ट ग्लॉस्टर 1818 (असफल); बॉम्बे स्पिनिंग (कावसजी नानाभाई दावर) 1854
- प्रथम सिनेमा प्रदर्शन ल्यूमियर, वॉटसन होटल, बंबई, 7 जुलाई 1896
- किसान मजदूर प्रजा पार्टी (1951, कृपलानी, पी.सी. घोष, टी. प्रकाशम के साथ) 1952 में PSP में विलीन; केरल में साम्यवादी सरकार 1957 (प्रथम निर्वाचित); भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को दत्तोपंत ठेंगड़ी ने कोटा में की
- **आर्चीबाल्ड:** MAO कॉलेज अलीगढ़ के प्राचार्य (1905-09), 1906 के शिमला प्रतिनिधिमंडल के आयोजक
- **कालक्रम अभ्यास:** लखनऊ समझौता 1916 - जलियाँवाला 1919 - खिलाफत 1919-24 - मोपला 1921 - चोरी-चौरा 1922 - स्वराज पार्टी 1923 - साइमन 1928 - लाहौर 1929 - दांडी 1930 - पूना समझौता 1932 - 1937 के चुनाव - भारत छोड़ो 1942 - INA मुकदमे 1945 - कैबिनेट मिशन 1946 - स्वतंत्रता 1947
- गोवा भारत द्वारा मुक्त 1961; ऑपरेशन पोलो 13-18 सितंबर 1948; नेहरू प्रथम प्रधानमंत्री (1947-64); मोरारजी देसाई प्रथम गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री (1977); NAM का प्रथम शिखर सम्मेलन बेलग्रेड 1961

अध्याय 83

राष्ट्रवादी आंदोलन: कालक्रम

मुख्य समय-रेखा (गांधी युग से विभाजन तक)

वर्ष	घटना
1915	गांधी की वापसी (9 जनवरी); सत्याग्रह आश्रम अहमदाबाद
1916	होमरूल लीग; लखनऊ समझौता; BHU का उद्घाटन (फरवरी)
1917	चंपारण; मॉन्टेग्यू घोषणा (20 अगस्त); गिरमिट प्रथा का उन्मूलन (गांधी का दबाव; स्मट्स समझौता 1914 ने 3 पाउंड का कर समाप्त किया)
1918	अहमदाबाद, खेड़ा; उत्तर प्रदेश किसान सभा; मद्रास लेबर यूनियन
1919	रॉलट एक्ट (मार्च); जलियाँवाला (13 अप्रैल); भारत शासन अधिनियम; खिलाफत दिवस (17 अक्टूबर)
1920	असहयोग आंदोलन आरंभ (1 अगस्त); तिलक की मृत्यु; AITUC; कलकत्ता विशेष अधिवेशन (4-9 सितंबर); नागपुर (दिसंबर)
1921	मोपला विद्रोह; प्रिंस ऑफ वेल्स की यात्रा का बहिष्कार; अहमदाबाद अधिवेशन (हसरत मोहानी की पूर्ण स्वतंत्रता की माँग)
1922	चौरी-चौरा (4 फरवरी); बारदोली प्रस्ताव (12 फरवरी); गांधी कारावास में (10 मार्च); गया अधिवेशन
1923	स्वराज पार्टी; काकीनाडा अधिवेशन; बनारस हिंदू महासभा अधिवेशन (मालवीय)
1924	बेलगाम अधिवेशन - गांधी की एकमात्र अध्यक्षता; कानपुर साम्यवादी केस; वाइकोम सत्याग्रह (1924-25)
1925	हिंदू महासभा, RSS (नागपुर, 27 सितंबर, हेडगेवार); CPI (कानपुर, दिसंबर); काकोरी; सी.आर. दास की मृत्यु
1927	साइमन कमीशन की नियुक्ति (नवंबर); मद्रास कांग्रेस; ब्रसेल्स कांग्रेस (नेहरू)
1928	भारत में साइमन (3 फरवरी); बारदोली सत्याग्रह; नेहरू रिपोर्ट; लाजपत राय की मृत्यु (17 नवंबर)
1929	लाहौर कांग्रेस; मेरठ षड्यंत्र; दिल्ली असेंबली बम (8 अप्रैल); इरविन घोषणा
1930	दांडी मार्च; सविनय अवज्ञा आंदोलन; प्रथम गोलमेज (नवंबर); गाइदिन्ल्यू आंदोलन
1931	गांधी-इरविन समझौता (5 मार्च); भगत सिंह को फाँसी (23 मार्च); कराची; द्वितीय गोलमेज
1932	सांप्रदायिक पंचाट (16 अगस्त); पूना समझौता (24 सितंबर); तृतीय गोलमेज
1934	सविनय अवज्ञा औपचारिक रूप से समाप्त - AICC पटना (18-19 मई 1934); कांग्रेस समाजवादी पार्टी; गांधी ने कांग्रेस छोड़ी
1935	भारत शासन अधिनियम
1937	प्रांतीय चुनाव; कांग्रेस मंत्रिमंडल (ज़ुलाई)
1939	त्रिपुरी; द्वितीय विश्व युद्ध; कांग्रेस मंत्रिमंडलों का त्यागपत्र (अक्टूबर)
1940	रामगढ़; पाकिस्तान प्रस्ताव (मार्च); अगस्त प्रस्ताव; व्यक्तिगत सत्याग्रह
1942	क्रिप्स (मार्च); भारत छोड़ो (अगस्त)
1943	बंगाल अकाल; आजाद हिंद सरकार (अक्टूबर)
1944	CR फार्मूला; गांधी-जिन्ना वार्ता

वर्ष	घटना
1945	वेवल योजना, शिमला (25 जून-14 जुलाई); INA मुकदमे
1946	नौसेना (RIN) विद्रोह; कैबिनेट मिशन; प्रत्यक्ष कार्यवाही (16 अगस्त); अंतरिम सरकार (2 सितंबर)
1947	माउंटबेटन; 3 जून की योजना; स्वतंत्रता 15 अगस्त

संघ का मिलान

मद	संबंध
बारदोली सराबंदी (कर-बंदी) अभियान 1928	वल्लभभाई पटेल (पूर्व में मेहता बंधुओं, दयालजी देसाई का समर्थन)
भारतीय किसान विद्यालय	एन.जी. रंगा
कृषक प्रजा पार्टी (बंगाल, 1929)	ए.के. फजलुल हक
बकाशत आंदोलन (बिहार)	स्वामी विद्यानंद / सहजानंद
हिटली आयोग (1929-31)	श्रमिक दशाएँ
एन.एम. जोशी, ILO वाशिंगटन 1919	श्रमिक प्रतिनिधि, बी.पी. वाडिया सलाहकार
अखिल दलीय मुस्लिम सम्मेलन (दिल्ली, 31 दिसंबर 1928)	आगा ख़ाँ ने अध्यक्षता की
बंबई त्रिमूर्ति	फिरोजशाह मेहता, के.टी. तेलंग, बदरुद्दीन तैयबजी (बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन 1885)
रुक्माबाई प्रकरण 1884-88	दांपत्य अधिकार एवं सहमति आयु
अखिल भारतीय महिला सम्मेलन 1927	मार्गरेट कजिन्स (बाद में सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट के साथ)
भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन 1887	एम.जी. रानाडे; बंबई सामाजिक सुधार संघ 1903
मूकनायक (1920), बहिष्कृत हितकारिणी सभा (20 जुलाई 1924), सिद्धार्थ कॉलेज (1946)	बी.आर. अंबेडकर; स्वतंत्र श्रमिक दल 1936; प्रथम विधि मंत्री (रक्षा नहीं)
फ्रैंक मोरेस	नेहरू के जीवनीकार; उत्तर प्रदेश प्रचार विभाग की 'कम्युनिस्टिक लाइक्स एंड डिस्लाइक्स' पुस्तिका
नेहरू: 'मैं समाजवादी एवं गणतंत्रवादी हूँ'; ब्रसेल्स कांग्रेस 1927; 1927 में सोवियत संघ की यात्रा; लखनऊ 1936	नेहरू
मुंजे (1932)	आरोप लगाया कि अंबेडकर का नेतृत्व अंग्रेजों द्वारा थोपा गया था

- **ब्रिटिश कॉमन्स का चुनाव लड़ने वाले प्रथम भारतीय:** लाल मोहन घोष (1885); प्रथम निर्वाचित: दादाभाई नौरोजी (फिन्सबरी सेंट्रल, 1892); ICS में प्रथम भारतीय: सत्येंद्रनाथ टैगोर (1863)
- दीनबंधु मित्र का नील दर्पण | नील-बागान मालिकों के अत्याचार (1860)
- आनंदमठ (1882) | बंकिम; संन्यासी विद्रोह; वंदे मातरम्
- सच्चिदानंद सिन्हा | 'आधुनिक बिहार के निर्माता'; बिहार का पृथक्करण 1912
- खान अब्दुल गफ्फार खान | 'सीमांत गांधी'; बच्चा खान, खुदाई खिदमतगार; भारत रत्न 1987
- कस्तूरबा एवं महादेव देसाई की समाधि | आगा ख़ाँ महल, पुणे
- पट्टाभि सीतारामैया | हिस्ट्री ऑफ द कांग्रेस के लेखक; 1939 त्रिपुरी चुनाव में पराजित
- दया बाई | चरणदास की शिष्या

अधिक कालक्रम अभ्यास

- केसरी (1881) < खुदीराम बोस को फाँसी (अगस्त 1908) < कर्जन वायली की हत्या (1909, मदनलाल दींगरा) < अल-हिलाल (1912)
- चंपारण (1917) < असहयोग आंदोलन (1920-22) < दांडी (1930) < भारत छोड़ो (1942)
- इल्बर्ट बिल (1883) अवध के विलय (1856), नील विद्रोह (1859-60), द्वितीय अफगान युद्ध (1878-80) के पश्चात्

- हिक्की का बंगाल गजट 1780 < एशियाटिक सोसाइटी 1784 < सर्वेडस ऑफ इंडिया सोसाइटी 1905 < गदर 1913
- नाट्य प्रदर्शन अधिनियम 1876 < वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट 1878 < बंगाल काश्तकारी अधिनियम 1885 < उत्तर-पश्चिमी प्रांत एवं अवध अधिनियम 1890
- तिलक की मृत्यु (1 अगस्त 1920) तुर्की शांति शर्तों (14 मई 1920) एवं कांग्रेस की पंजाब रिपोर्ट (25 मार्च 1920) के पश्चात्; कलकत्ता विशेष अधिवेशन 4-9 सितंबर 1920 उसके पश्चात्
- लिनलिथगो का अगस्त प्रस्ताव (1940) रामगढ़ (मार्च 1940) के पश्चात्; क्रिप्स मार्च 1942; कांग्रेस मंत्रियों के त्यागपत्र अक्टूबर 1939 में पहले
- एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण 1953 < SBI (इंपीरियल बैंक का नाम बदला) 1955 < केरल साम्यवादी मंत्रिमंडल 1957 < गोवा मुक्त (ऑपरेशन विजय 19 दिसंबर 1961)
- औद्योगिक नीति प्रस्ताव 6 अप्रैल 1948 (प्रथम नीति; मिश्रित अर्थव्यवस्था)
- **कराची में गांधी:** दिल्ली समझौते के समर्थन पर काले झंडे; पट्टाभि की पराजय (त्रिपुरी) पर 'कांग्रेस की पराजय उनसे अधिक मेरी है'; यरवदा कारागार - सविनय अवज्ञा आंदोलन; सांप्रदायिक पंचाट के विरुद्ध उपवास
- **नेहरू बनाम गांधी:** नेहरू भारी औद्योगीकरण के पक्षधर; गांधी कुटीर उद्योग के; गांधी की 'संघर्ष-विराम-संघर्ष' रणनीति
- **बहिष्कार:** शब्द कैप्टन चार्ल्स बॉयकोट (आयरिश भूमि-एजेंट, 1880) से
- टैगोर ने लगभग 70 वर्ष की आयु में चित्रकारी आरंभ की; 1930 में यूरोप एवं अमेरिका में प्रदर्शनी; फ्रांसिस जेवियर 1542 में गोवा आए, 3 दिसंबर 1552 को सैंथियन द्वीप, चीन में मृत्यु (गोवा में पर्व 3 दिसंबर)
- **कैथरीन मेयो:** मदर इंडिया (1927); विलियम डिग्बी; एल्डस हक्सले; सी.एफ. एंड्रयूज ने ब्रिटिश भारत पर लिखा
- **बिहार:** प्रभावशाली जातियाँ भूमिहार, राजपूत, कायस्थ; त्रिपुरा रियासत: बंगाली क्रांतिकारियों ने शरण ली

अध्याय 84

स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व

महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व: जन्म, मृत्यु एवं संबद्धताएँ

व्यक्ति	जीवनकाल	प्रमुख संबद्धता
दादाभाई नौरोजी	1825-1917	भारत के 'ग्रेंड ओल्ड मैन'; धन-निष्कासन सिद्धांत; 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया'; ब्रिटिश संसद में प्रथम भारतीय (फिन्सबरी सेंट्रल, 1892); रास्त गोप्तार; ईस्ट इंडिया एसोसिएशन (1866); तीन बार INC अध्यक्ष
सुरेंद्रनाथ बनर्जी	1848-1925	'सरेंडर-नॉट'; इंडियन एसोसिएशन (1876); बंगाली; ICS से बर्खास्तगी; कलकत्ता निगम; नरमपंथी; 'ए नेशन इन द मेकिंग'
गोपाल कृष्ण गोखले	1866-1915	गांधी के राजनीतिक गुरु; सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (1905); 1905 में INC अध्यक्ष; नरमपंथी; बजट भाषण
बाल गंगाधर तिलक	1856-1920	लोकमान्य; केसरी एवं मराठा; गणपति एवं शिवाजी उत्सव; होमरूल लीग (अप्रैल 1916, पूना); गीता रहस्य; आर्कटिक होम इन द वेदाज; 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है'
बिपिन चंद्र पाल	1858-1932	लाल-बाल-पाल त्रयी; वंदे मातरम् (1906); न्यू इंडिया (साप्ताहिक); स्वदेशी एवं बहिष्कार; 'मेमोरीज़ ऑफ माई लाइफ एंड टाइम्स'
लाला लाजपत राय	1865-1928	पंजाब केसरी; आर्य समाज; पंजाबी; साइमन कमीशन विरोधी लाठीचार्ज (लाहौर, अक्टूबर 1928) के पश्चात् मृत्यु; सर्वेड्स ऑफ द पीपल सोसाइटी; 'अनहैपी इंडिया'
अरविंद घोष	1872-1950	वंदे मातरम्, कर्मयोगिन; अलीपुर बम कांड (1909 में बरी); पांडिचेरी (1910); 'द लाइफ डिवाइन'
वी.डी. सावरकर	1883-1966	अभिनव भारत; फ्री इंडिया सोसाइटी (लंदन); मित्र मेला; 'इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस'; 'हिंदूत्व'; 'वीर'; अंडमान सेलुलर जेल (1911); हिंदू महासभा के अध्यक्ष (1937-43)
महात्मा गांधी	1869-1948	चंपारण, अहमदाबाद, खेड़ा, असहयोग, दांडी, भारत छोड़ो; 'हिंद स्वराज'; यंग इंडिया, हरिजन; दक्षिण अफ्रीका - नेटाल इंडियन कांग्रेस (1894), फीनिक्स फार्म (1904), टॉल्स्टॉय फार्म (1910)
जवाहरलाल नेहरू	1889-1964	1929 में कांग्रेस अध्यक्ष; 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया'; आत्मकथा; अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद्; प्रथम प्रधानमंत्री
सरदार वल्लभभाई पटेल	1875-1950	बारदोली (1928); कराची अधिवेशन के अध्यक्ष (1931); गृह मंत्री; रियासतों का एकीकरण

व्यक्ति	जीवनकाल	प्रमुख संबद्धता
सुभाष चंद्र बोस	1897-1945	फॉरवर्ड ब्लॉक (मई 1939); INA (सिंगापुर, 1943); आज़ाद हिंद सरकार (21 अक्टूबर 1943); 'द इंडियन स्ट्रगल'
सी. राजगोपालाचारी	1878-1972	CR फार्मूला (1944); वेदारण्यम; प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल
राजेंद्र प्रसाद	1884-1963	चंपारण; संविधान सभा के अध्यक्ष; प्रथम राष्ट्रपति (1950-62); 'इंडिया डिवाइडेड'
बी.आर. अंबेडकर	1891-1956	पूना समझौता; संविधान का प्रारूपण; 'एनिहिलेशन ऑफ कास्ट'
मौलाना आज़ाद	1888-1958	अल-हिलाल (1912), अल-बलाग; 1923 एवं 1940-46 में कांग्रेस अध्यक्ष; 'इंडिया विन्स फ्रीडम'; प्रथम शिक्षा मंत्री
एम.ए. जिन्ना	1876-1948	कांग्रेस से लीग तक; 14 सूत्र (1929); पाकिस्तान; प्रत्यक्ष कार्यवाही; पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर-जनरल
खान अब्दुल गफ्फार खान	1890-1988	सीमांत गांधी; ख़ुदाई खिदमतगार (लाल क़र्ती, 1929); पख़्तून
सरोजिनी नायडू	1879-1949	भारत कोकिला; 1925 में INC अध्यक्ष; धरासना; प्रथम महिला राज्यपाल (उत्तर प्रदेश)
एनी बेसेंट	1847-1933	थियोसोफिस्ट; होमरूल लीग; 1917 में INC अध्यक्ष; न्यू इंडिया
मदन मोहन मालवीय	1861-1946	BHU (1916); हिंदू महासभा; चार बार INC अध्यक्ष (1909, 1918, 1932, 1933)
मोतीलाल नेहरू	1861-1931	स्वराज पार्टी (1923, सी.आर. दास के साथ); नेहरू रिपोर्ट (1928); द इंडिपेंडेंट (1919)
सी.आर. दास	1870-1925	देशबंधु; स्वराज्य पार्टी; अलीपुर केस में बचाव; फॉरवर्ड; फरीदपुर बंगाल समझौता (1923)
भगत सिंह	1907-31	नौजवान भारत सभा; HSRA; सांडर्स की हत्या (दिसंबर 1928); असेंबली बम (8 अप्रैल 1929); लाहौर षड्यंत्र; 23 मार्च 1931 को फाँसी
चंद्रशेखर आज़ाद	1906-31	HRA / HSRA; काकोरी; अल्फ्रेड पार्क
राम प्रसाद बिस्मिल	1897-1927	काकोरी; मैनपुरी
सूर्य सेन	1894-1934	चटगाँव शस्त्रागार लूट (18 अप्रैल 1930); इंडियन रिपब्लिकन आर्मी; 1934 में फाँसी
खुदीराम बोस	1889-1908	मृजफ्फरपुर बम कांड (किंग्सफोर्ड; अप्रैल 1908), सबसे कम आयु (18 वर्ष) में फाँसी पाने वाले
मदन लाल दींगरा	1883-1909	कर्जन वायली की हत्या (लंदन, 1909)
उधम सिंह	1899-1940	माइकल ओ'डायर की हत्या (13 मार्च 1940, कैक्सटन हॉल, लंदन) - जलियाँवाला बाग का प्रतिशोध
श्यामजी कृष्ण वर्मा	1857-1930	इंडिया हाउस (लंदन, 1905); इंडियन होमरूल सोसाइटी; द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट
भीकाजी कामा	1861-1936	स्ट्रटगार्ट में ध्वज फहराया (1907)
लाला हरदयाल	1884-1939	गदर पार्टी (1913, सैन फ्रांसिस्को; सोहन सिंह भकना अध्यक्ष)

व्यक्ति	जीवनकाल	प्रमुख संबद्धता
रास बिहारी बोस	1886-1945	दिल्ली षड्यंत्र (हार्डिंग पर बम, 1912); गदर (1915); जापान में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना (1942); INA का नेतृत्व बोस को सौंपा
मोहन सिंह	1909-89	प्रथम INA (1942, सिंगापुर)
जयप्रकाश नारायण	1902-79	कांग्रेस समाजवादी पार्टी; भारत छोड़ो में भूमिगत गतिविधि; संपूर्ण क्रांति (1974); भूदान
आचार्य नरेंद्र देव	1889-1956	CSP (1934); समाजवादी; काशी विद्यापीठ
राम मनोहर लोहिया	1910-67	CSP; कांग्रेस रेडियो; 'गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज पार्टिशन'
विनोबा भावे	1895-1982	प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही (1940); भूदान (1951; पोचमपल्ली); सर्वोदय
सर सैयद अहमद खान	1817-98	अलीगढ़; 'आसार-उस-सनादीद'
टैगोर	1861-1941	नोबेल 1913; जन गण मन; गीतांजलि; शांतिनिकेतन (1901; विश्व-भारती 1921); नाइटहुड लौटाया (1919, जलियाँवाला बाग)
सर चेट्टूर शंकरन नायर	1857-1934	जलियाँवाला बाग के कारण वायसराय परिषद् से त्यागपत्र; 'गांधी एंड एनार्की' (1922; ओ'डायर मानहानि मुकदमा)

अध्याय 85

दल-समितियाँ

दल एवं संस्थापक

संगठन	संस्थापक / नेता
आजाद मुस्लिम सम्मेलन (1940)	अल्लाह बख्श सूमरो
खाकसार पार्टी	अल्लामा मशरिकी (इनायतुल्ला खाँ)
खुदाई खिदमतगार / लाल कुर्ती	अब्दुल गफ्फार खान
कृषक प्रजा पार्टी	ए.के. फजलुल हक
कूका (नामधारी) आंदोलन	बाबा राम सिंह
नेशनलिस्ट पार्टी (1926)	मदन मोहन मालवीय (लाला लाजपत राय के साथ)
नेशनल लिबरल फेडरेशन	तेज बहादुर सप्रू, सुरेंद्रनाथ बनर्जी
नौजवान भारत सभा (लाहौर, मार्च 1926)	भगत सिंह, भगवती चरण वोहरा
ग्रुनाइटेड इंडियन पैट्रियटिक एसोसिएशन (1888)	सर सैयद अहमद खान, राजा शिव प्रसाद
अवध किसान सभा (प्रतापगढ़, 1920)	बाबा रामचंद्र, नेहरू, माता बदल पांडे एवं केदारनाथ के साथ
होमरूल लीग	तिलक (अप्रैल 1916, बेलगाम सम्मेलन) और बेसेंट (सितंबर 1916)

- मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका में (30 दिसंबर 1906) - नवाब सलीमुल्ला; प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन कलकत्ता 1883 (सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आनंद मोहन बोस)
- बदरुद्दीन तैयबजी:** कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष (मद्रास 1887), मुस्लिम लीग के नहीं; थियोडोर बेक MAO कॉलेज के प्रथम प्राचार्य; इल्बर्ट बिल (1883-84) रिपन के काल में

समितियाँ एवं आयोग

निकाय	विषय
बटलर समिति (1927)	देशी नरेशों का सर्वोच्च सत्ता से संबंध
हार्टोग समिति (1929)	शिक्षा का विकास (साइमन कमीशन की सहायक समिति)
हंटर समिति (1919-20)	जलियाँवाला बाग / पंजाब के उपद्रव; गांधी ने इसे 'लीपापोती' कहा
मडिमन समिति (1924)	1919 के अधिनियम के अंतर्गत द्वैध शासन की कार्यप्रणाली
सैडलर आयोग (1917-19)	कलकत्ता विश्वविद्यालय
द्विटली आयोग (1929)	श्रमिकों की दशाएँ
शारदा अधिनियम 1929	बाल विवाह निरोधक (विवाह की न्यूनतम आयु बालिकाओं की 14, बालकों की 18)
दीपावली घोषणा (31 अक्टूबर 1929, इरविन)	डोमिनियन स्तर लक्ष्य के रूप में तथा गोलमेज सम्मेलन
देसाई-लियाकत समझौता (जनवरी 1945)	कार्यकारी परिषद् पर भूलाभाई देसाई और लियाकत अली खाँ का प्रस्ताव (कांग्रेस और लीग की समान भागीदारी)
ब्रिटिश संसदीय प्रतिनिधिमंडल (जनवरी 1946)	RAIN विद्रोह (फरवरी 1946) एवं कैबिनेट मिशन (मार्च 1946) से पूर्व

स्मरणीय घटना-क्रम

- अगस्त घोषणा (मॉन्टेग्यू, 20 अगस्त 1917); अगस्त प्रस्ताव (लिनलिथगो, 8 अगस्त 1940); अगस्त प्रस्ताव (भारत छोड़ो, 8 अगस्त 1942); प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (जिन्ना, 16 अगस्त 1946)
- भारत शासन अधिनियम 1935 - अगस्त प्रस्ताव 1940 - क्रिप्स 1942 - वेवल योजना 1945; अगस्त प्रस्ताव - क्रिप्स - भारत छोड़ो - देसाई-लियाकत (1945)
- कोमागाटा मारू 1914 - गांधी की वापसी 9 जनवरी 1915 - तिलक की होमरूल लीग 1916; फिरोजशाह मेहता की मृत्यु 5 नवंबर 1915
- रॉलट एक्ट 18 मार्च 1919 - रॉलट हड़ताल 6 अप्रैल 1919 - जलियाँवाला 13 अप्रैल - खिलाफत (अक्टूबर 1919) - अमृतसर INC (26-30 दिसंबर 1919)
- दांडी (1930) - गांधी-इरविन (1931) - सांप्रदायिक पंचाट (अगस्त 1932) - पूना समझौता (सितंबर 1932)
- साइमन (1927 में गठित) - नेहरू रिपोर्ट (1928) - शारदा अधिनियम (1929) - दांडी (1930)
- सती प्रथा पर प्रतिबंध (1829) - बुड का आदेश-पत्र (1854) - वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (1878) - रॉलट एक्ट (1919)
- स्वदेशी 1905 - लीग 1906 - सूरत 1907 - मॉर्ले-मिंटो 1909 - लखनऊ 1916 - होमरूल - खेड़ा 1918
- प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 (कर्जन); हरिपुरा 1938 की अध्यक्षता सुभाष बोस ने की; स्वामी श्रद्धानंद ने रॉलट के विरुद्ध कर-बंदी अभियान का सुझाव दिया
- **महिला शासिकाएँ:** रानी दुर्गावती (गोंडवाना / गढ़ा मंडला), अहिल्याबाई होल्कर (इंदौर), लक्ष्मीबाई (झाँसी), रजिया सुल्तान (दिल्ली)
- स्वदेशी आंदोलन ने अनेक महिलाओं को पर्दे से बाहर निकाला; महिलाएँ असहयोग आंदोलन एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन में
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अकाल 1860-61 (दोआब अकाल); चित्तू पांडे - बलिया

अध्याय 86

योजनाएँ, समझौते एवं स्वातंत्र्योत्तर तथ्य

क्रमानुसार संवैधानिक योजनाएँ

योजना	तिथि	प्रमुख व्यक्ति
अगस्त प्रस्ताव	8 अगस्त 1940	लिनलिथगो
क्रिप्स प्रस्ताव	मार्च 1942	स्टैफर्ड क्रिप्स
CR फार्मूला	जुलाई 1944	सी. राजगोपालाचारी; तत्पश्चात् गांधी-जिन्ना वार्ता सितंबर 1944
वेवल योजना / शिमला सम्मेलन	14 जून 1945 / 25 जून-14 जुलाई 1945	वेवल; जिन्ना के इस आग्रह पर वार्ता विफल रही कि सभी मुस्लिम सदस्यों का मनोनयन केवल लीग करेगी
कैबिनेट मिशन	आगमन 24 मार्च 1946; योजना 16 मई 1946	पेथिक-लॉरेंस
माउंटबेटन योजना	3 जून 1947	माउंटबेटन

- लाहौर पूर्ण स्वतंत्रता प्रस्ताव 31 दिसंबर 1929; पूर्ण स्वराज दिवस 26 जनवरी 1930; दांडी 12 मार्च 1930; द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 7 सितंबर-1 दिसंबर 1931
- मैकडोनाल्ड - सांप्रदायिक पंचाट; लिनलिथगो - अगस्त प्रस्ताव; डलहौजी - व्यपगत का सिद्धांत; चेम्सफोर्ड - द्वैध शासन
- शिक्षा संबंधी निकाय:** वुड का आदेश-पत्र (19 जुलाई 1854) < हंटर आयोग (रिपन, 1882) < सैडलर आयोग (1917) < सार्जेंट योजना (1944)
- जनजातीय विद्रोह:** अहोम विद्रोह 1828 (गोमधर कोंवर), खासी (तिरोत सिंह, 1829-33), कोल (बुद्धू भगत, 1831-32), संथाल (सिद्धू, कान्हू, चाँद, भैरव, 1855-56)
- बॉम्बे क्रॉनिकल (1910, फिरोजशाह मेहता; हॉर्निमैन संपादक); मेहता की मृत्यु 1915
- गदर पार्टी:** 1913 में सैन फ्रांसिस्को में सोहन सिंह भकना, लाला हरदयाल द्वारा स्थापित (लाला लाजपत राय द्वारा नहीं)
- व्यापार विवाद अधिनियम 1929:** सुलह बोर्ड, जाँच न्यायालय, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में बिना सूचना हड़ताल पर प्रतिबंध (साथ ही सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1929)
- मिलान:** एनी बेसेंट - होमरूल; राजेंद्र प्रसाद - चंपारण; नेहरू - लाहौर 1929; ए.सी. मजूमदार - लखनऊ 1916; मदन मोहन मालवीय - BHU; मोतीलाल नेहरू - स्वराज पार्टी; गोखले - सर्वेक्स ऑफ इंडिया सोसाइटी 1905; खाकसार - मशरिकी; सोशलिस्ट पार्टी - जयप्रकाश नारायण; ILP - अंबेडकर; फॉरवर्ड ब्लॉक - बोस
- चंपारण - राजेंद्र प्रसाद; अहमदाबाद - अनुसूया साराभाई (मोरारजी देसाई नहीं); खेड़ा - पटेल एवं इंदुलाल याज्ञिक
- चंद्रशेखर आजाद की शहादत 27 फरवरी 1931 (अल्फ्रेड पार्क, इलाहाबाद) < गांधी-इरविन 5 मार्च < भगत सिंह 23 मार्च < कराची 29-31 मार्च 1931
- बटुकेश्वर दत्त - केंद्रीय असेंबली बम (भगत सिंह के साथ, 8 अप्रैल 1929); पटेल - ऑपरेशन पोलो; इकबाल - इलाहाबाद लीग अधिवेशन 1930; बोस - हरिपुरा
- बटलर समिति ने 16 रियासतों की यात्रा की; प्रतिवेदन 1929
- प्रिवी पर्स का उन्मूलन 26वें संशोधन 1971 द्वारा; ऑपरेशन पोलो सितंबर 1948; शिमला समझौता 1972 (इंदिरा-भुट्टो); ऑपरेशन विजय (कारगिल 1999 - तथा गोवा 1961); किसान दिवस 23 दिसंबर (चरण सिंह)
- हिंद मजदूर सभा का गठन कलकत्ता में दिसंबर 1948 (आर.एस. रुइकर अध्यक्ष, अशोक मेहता महासचिव; समाजवादी)
- प्रथम अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस:** कलकत्ता 27 दिसंबर 1928 (नेहरू ने अध्यक्षता की)
- गोवा 1961 > दलाई लामा का भारत आगमन 1959; खुशेव-बुल्लानिन की यात्रा 1955; चाउ एन-लाई की यात्रा 1960 (अप्रैल)
- राइटर्स बिल्डिंग, कोलकाता (1777) - पश्चिम बंगाल सचिवालय; अलीपुर जेल 1906; तीन मूर्ति भवन - प्रधानमंत्री संग्रहालय (उद्घाटन 14 अप्रैल 2022)
- राष्ट्रगान जन गण मन (टैगोर) 24 जनवरी 1950 को अंगीकृत; वंदे मातरम् (बंकिम, आनंदमठ में)
- नोबेल:** टैगोर 1913 (साहित्य, प्रथम भारतीय), सी.वी. रमन 1930, अमर्त्य सेन 1998, एस. चंद्रशेखर 1983

अध्याय 87

विश्व इतिहास: क्रांतियाँ, युद्ध एवं विचारधाराएँ (आवश्यक तथ्य)

पुनर्जागरण, धर्म-सुधार एवं समुद्री यात्राएँ

विषय	प्रमुख तथ्य
पुनर्जागरण	इटली (फ्लोरेंस, 14वीं सदी) में आरंभ; कारण: कुस्तुंतुनिया का पतन (1453), छापाखाना (गुटेनबर्ग, लगभग 1450), व्यापार; 'मानवतावाद के जनक' - पेट्रार्क; दांते (डिवाइन कॉमेडी), लियोनार्डो दा विंची (मोनालिसा, लास्ट सपर), माइकल एंजेलो (सिस्टीन चैपल), राफेल, मैकियावेली (द प्रिंस), टॉमस मोर (यूटोपिया), इरेस्मस
धर्म-सुधार	मार्टिन लूथर की 95 स्थापनाएँ (1517, विटेनबर्ग); जॉन कैल्विन (स्विट्जरलैंड); हेनरी अष्टम - सर्वोच्चता अधिनियम (1534); प्रति-धर्मसुधार - ट्रेंट की परिषद् (1545-63), जेसुइट (इग्नेशियस लोयोला)
समुद्री अन्वेषण का युग	राजकुमार हेनरी 'नाविक' (पुर्तगाल); वास्को द गामा कालीकट पहुँचा (1498); कोलंबस अमेरिका पहुँचा (1492); मैगलन के अभियान ने विश्व-परिक्रमा की (1519-22); टॉर्डेसिलास की संधि (1494)
वैज्ञानिक क्रांति	कोपरनिकस (सूर्य-केंद्रित सिद्धांत), गैलीलियो (दूरबीन), केप्लर, न्यूटन (प्रिंसिपिया 1687), फ्रांसिस बेकन (अनुभववाद), देकार्त
ज्ञानोदय (प्रबोधन)	वॉल्टेयर, रूसो (सामाजिक अनुबंध), मॉन्टेस्क्यू (स्पिरिट ऑफ लॉज; शक्तियों का पृथक्करण), लॉक, दिदरो (एनसाइक्लोपीडी); एडम स्मिथ (वेल्थ ऑफ नेशंस, 1776)

अमेरिकी क्रांति (1775-83)

- **कारण:** 'प्रतिनिधित्व के बिना कर नहीं'; स्टैंप एक्ट (1765), चाय अधिनियम एवं बोस्टन टी पार्टी (1773); असहनीय अधिनियम
- **स्वतंत्रता की घोषणा:** 4 जुलाई 1776 (टॉमस जेफरसन); प्रथम महाद्विपीय कांग्रेस 1774; जॉर्ज वाशिंगटन सेनापति; पेरिस की संधि (1783) ने स्वतंत्रता को मान्यता दी
- **अमेरिका का संविधान:** फिलाडेल्फिया सम्मेलन 1787; 1789 में लागू; अधिकार-पत्र (1791); लिखित एवं सबसे पुराना संघीय संविधान

फ्रांसीसी क्रांति (1789-99)

तिथि	घटना
5 मई 1789	लुई सोलहवें द्वारा एस्टेट्स-जनरल आहूत
20 जून 1789	टेनिस कोर्ट की शपथ (तृतीय एस्टेट ने राष्ट्रीय सभा बनाई)
14 जुलाई 1789	बास्तील का पतन (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस)
26 अगस्त 1789	मानव एवं नागरिक अधिकारों की घोषणा (स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व)
1791	संवैधानिक राजतंत्र; वारेन्स की उड़ान (जून 1791)
1792	गणराज्य की घोषणा; सितंबर के हत्याकांड; वाल्मी
21 जनवरी 1793	लुई सोलहवें को फाँसी (गिलोटिन); मैरी एंतोइनेट (अक्टूबर 1793)
1793-94	आतंक का राज - रोबेस्पियर (लोक सुरक्षा समिति); जैकोबिन बनाम जिरोदिस्त

तिथि	घटना
1795-99	डायरेक्टरी
1799	नेपोलियन बोनापार्ट का तख्तापलट (18 ब्रूमेर) - प्रथम कौंसल; 1804 में सम्राट

- **नेपोलियन:** नेपोलियन संहिता (1804), महाद्वीपीय व्यवस्था (1806), ट्राफालगर का युद्ध (1805, नेल्सन), आस्टेरलिट्ज (1805), रूसी अभियान (1812), लाइपजिग (1813), वाटरलू (18 जून 1815, वेलिंगटन); सेंट हेलेना में निर्वासित
- **वियना कांग्रेस (1815):** मैटरनिख; यूरोप का समवाय; वैधता एवं शक्ति-संतुलन
- **1830 की क्रांतियाँ (फ्रांस):** जुलाई क्रांति; बेल्जियम की स्वतंत्रता और 1848 की ('राष्ट्रों का वसंत'; मैटरनिख का पतन; कार्ल मार्क्स का कम्युनिस्ट घोषणा-पत्र, फरवरी 1848)

औद्योगिक क्रांति

- **ब्रिटेन में आरंभ (लगभग 1760-1840): कारण:** कोयला एवं लोहा, औपनिवेशिक बाजार, पूँजी, कृषि क्रांति (बाड़ाबंदी), बैंकिंग
- **आविष्कार:** स्पिनिंग जेनी (जेम्स हारग्रीव्स 1764), वाटर फ्रेम (आर्कराइट 1769), स्पिनिंग म्यूल (क्रॉम्पटन 1779), पावरलूम (कार्टराइट 1785), कॉटन जिन (एली व्हिटनी 1793, अमेरिका), भाप इंजन (जेम्स वाट 1769/1776; न्यूकॉमैन पहले), रेल इंजन (जॉर्ज स्टीफेंसन; स्टॉकटन-डार्लिंगटन 1825), तार (मोर्स 1837), टेलीफोन (ग्राहम बेल 1876), बिजली का बल्ब (एडिसन 1879)
- **परिणाम:** कारखाना प्रणाली, नगरीकरण, श्रमिक वर्ग, श्रमिक संघ, पूँजीवाद, साम्राज्यवाद (कच्चा माल एवं बाजार), समाजवाद
- कार्ल मार्क्स (दास कैपिटल 1867); फ्रेडरिक एंगेल्स; कम्युनिस्ट घोषणा-पत्र (1848); काल्पनिक समाजवादी - रॉबर्ट ओवेन, सेंट साइमन, फूरिए

इटली एवं जर्मनी का एकीकरण

देश	नेता / तिथियाँ
इटली	मैजिनी (यंग इटली, 1831), कावूर (पीडमॉन्ट के प्रधानमंत्री), गैरीबाल्डी (लाल कुर्ती; सिसिली 1860), विक्टर इमैनुएल द्वितीय (प्रथम राजा 1861); रोम 1870
जर्मनी	बिस्मार्क ('रक्त और लौह'); डेनमार्क युद्ध (1864), ऑस्ट्रिया-प्रशा युद्ध (1866), फ्रांस-प्रशा युद्ध (1870-71; सेडान); कैसर विलियम प्रथम की घोषणा वर्साय में (जनवरी 1871); जॉलवेराइन (सीमा-शुल्क संघ, 1834)

रूसी क्रांति (1917)

- **पृष्ठभूमि:** जार निकोलस द्वितीय; खूनी रविवार (1905); प्रथम विश्व युद्ध की क्षति; रासपुतिन; ड्यूमा
- **फरवरी क्रांति (मार्च 1917, ग्रेगोरियन):** जार का पदत्याग; अस्थायी सरकार (केरेन्स्की)
- **अक्टूबर क्रांति (7 नवंबर 1917 नवीन शैली):** लेनिन एवं ट्रॉट्स्की के नेतृत्व में बोल्शेविकों ने सत्ता हथियाई; सोवियत; ब्रेस्ट-लितोव्स्क की संधि (मार्च 1918); गृह-युद्ध; युद्ध-साम्यवाद, नई आर्थिक नीति (1921)
- 1922 में USSR का गठन; स्टालिन - पंचवर्षीय योजनाएँ (1928), सामूहिकीकरण, शुद्धिकरण; 26 दिसंबर 1991 को USSR का विघटन (गोर्बाचेव, ग्लासनोस्त, पेरेस्त्रोइका)
- लेनिन की अप्रैल थीसिस (1917); 'शांति, भूमि और रोटी'

चीनी क्रांतियाँ

- **अफीम युद्ध:** प्रथम (1839-42, नानकिंग की संधि - हांगकांग सौंपा गया); द्वितीय (1856-60); ताइपिंग विद्रोह (1850-64); बॉक्सर विद्रोह (1899-1900)
- **1911 की क्रांति:** सन यात-सेन (तीन सिद्धांत - राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, आजीविका) ने मांचू (छिंग) राजवंश को उखाड़ फेंका; गणराज्य (1912); कुओमिन्तांग (च्यंग काई-शेक); लंबी यात्रा (1934-35; माओ त्से-तुंग); 1 अक्टूबर 1949 को जनवादी गणराज्य चीन की घोषणा

प्रथम विश्व युद्ध (1914-18)

मद	तथ्य
कारण	सैन्यवाद, गुटबंदी की प्रणाली (त्रिगुट: जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, इटली बनाम त्रिदेशीय संधि: ब्रिटेन, फ्रांस, रूस), साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा, राष्ट्रवाद; तात्कालिक - सेराजेवो में आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड की हत्या (28 जून 1914), गैवरिलो प्रिंसिप द्वारा
घटनाक्रम	श्लीफेन योजना; पश्चिमी मोर्चे पर खाई-युद्ध; मार्न का युद्ध (1914); वर्दन, सोम (1916); अप्रैल 1917 में अमेरिका का प्रवेश (जिम्मेरमैन तार, अप्रतिबंधित पनडुब्बी युद्ध); 1918 में रूस बाहर हुआ
समाप्ति	युद्धविराम 11 नवंबर 1918; वर्साय की संधि (28 जून 1919; जर्मनी - युद्ध का दोष, क्षतिपूर्ति, उपनिवेशों एवं अल्सेस-लॉरेन की हानि); राष्ट्र संघ (1920, विल्सन के चौदह सूत्र; अमेरिका सदस्य नहीं)
अन्य संधियाँ	सैंट जर्मेन (ऑस्ट्रिया), त्रियानों (हंगरी), न्यूली (बुल्गारिया), सेव्र (तुर्की; बाद में कमाल अतातुर्क के पश्चात् लोज़ान 1923)

- **भारतीय योगदान:** 13 लाख भारतीय सैनिक; मॉन्टेग्यू घोषणा 1917; युद्ध के पश्चात् रॉलट अधिनियम

दो युद्धों के बीच का काल एवं फासीवाद का उदय

- **इटली:** मुसोलिनी के फासिस्ट - रोम कूच (1922); जर्मनी: वाइमर गणराज्य; हिटलर (नाजी पार्टी; 'मीन काम्फ'; चांसलर जनवरी 1933); राइखस्टाग अग्निकांड (1933); न्यूरेमबर्ग कानून (1935)
- महामंदी (1929, वॉल स्ट्रीट का पतन); न्यू डील (एफ.डी. रूजवेल्ट); स्पेन का गृह-युद्ध (1936-39, फ्रांको)
- **जापान:** मेजी पुनर्स्थापना (1868); रूस-जापान युद्ध (1904-05; किसी यूरोपीय शक्ति पर एशियाई देश की प्रथम विजय); मंचूरिया पर आक्रमण (1931)
- **तुष्टीकरण:** म्यूनिख समझौता (सितंबर 1938; चेंबरलेन, हिटलर, मुसोलिनी, दलादिए) - सुडेटनलैंड

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45)

तिथि	घटना
1 सितंबर 1939	जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण; ब्रिटेन एवं फ्रांस ने युद्ध की घोषणा की (3 सितंबर)
जून 1940	फ्रांस का पतन; ब्रिटेन का युद्ध (1940)
जून 1941	ऑपरेशन बारबारोसा - जर्मनी का USSR पर आक्रमण
7 दिसंबर 1941	जापान का पर्ल हार्बर पर आक्रमण; अमेरिका युद्ध में सम्मिलित
1942-43	स्टालिनग्राद (फरवरी 1943), एल अलामीन, मिडवे (जून 1942)
6 जून 1944	डी-डे (नॉरमैंडी अवतरण)
8 मई 1945	जर्मनी का आत्मसमर्पण (VE दिवस)
6 और 9 अगस्त 1945	हिरोशिमा एवं नागासाकी पर परमाणु बम; जापान ने 15 अगस्त को आत्मसमर्पण किया (2 सितंबर को औपचारिक)

- **धुरी शक्तियाँ:** जर्मनी, इटली, जापान; मित्र राष्ट्र: ब्रिटेन, फ्रांस, USSR, अमेरिका, चीन; त्रिपक्षीय संधि 1940; अटलांटिक चार्टर (अगस्त 1941, रूजवेल्ट एवं चर्चिल); याल्टा (फरवरी 1945), पॉट्सडैम (जुलाई 1945); न्यूरेमबर्ग मुकदमे (1945-46); संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर 26 जून 1945 को सैन फ्रांसिस्को में हस्ताक्षर, 24 अक्टूबर 1945 को लागू (संयुक्त राष्ट्र दिवस)

शीत युद्ध एवं उपनिवेशवाद की समाप्ति

विषय	तथ्य
शीत युद्ध (1947-91)	अमेरिका बनाम USSR; ट्रूमैन सिद्धांत (1947), मार्शल योजना (1948), नाटो (1949), वारसा संधि (1955), बर्लिन नाकाबंदी (1948-49), बर्लिन दीवार (1961, पतन 9 नवंबर 1989), क्यूबा मिसाइल संकट (1962), कोरियाई युद्ध (1950-53), वियतनाम युद्ध
गुट-निरपेक्ष आंदोलन	बेलग्रेड 1961 (नेहरू, टीटो, नासिर, सूकर्णो, एनक्रूमा); बांडुंग सम्मेलन 1955
उपनिवेशवाद की समाप्ति	भारत (1947), बर्मा एवं सीलोन (1948), इंडोनेशिया (1949), घाना (1957, प्रथम उप-सहारा देश), अल्जीरिया (1962), 1960 में अनेक अफ्रीकी देश ('अफ्रीका वर्ष'); बांग्लादेश (16 दिसंबर 1971)
अन्य	चीन द्वारा तिब्बत का विलय (1950; दलाई लामा 1959 में भागे); इजराइल का गठन 1948; स्वेज संकट 1956; जर्मनी का पुनर्एकीकरण 3 अक्टूबर 1990; USSR का विघटन 26 दिसंबर 1991

अध्याय 88

प्रमुख सारणियाँ: युद्ध, संधियाँ, यात्री, स्मारक एवं उपाधियाँ

भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण युद्ध

युद्ध	वर्ष	किनके बीच	परिणाम
हाइडेस्पीज (झेलम)	326 ई.पू.	सिकंदर बनाम पोरस	सिकंदर विजयी; पोरस को पुनः राज्य सौंपा
कलिंग युद्ध	261 ई.पू.	अशोक बनाम कलिंग	अशोक के धम्म का कारण बना
प्रथम तराइन	1191	पृथ्वीराज तृतीय बनाम मुहम्मद गोरी	पृथ्वीराज विजयी
द्वितीय तराइन	1192	गोरी बनाम पृथ्वीराज तृतीय	गोरी विजयी; तुर्क शासन की नींव
चंदावर	1194	गोरी बनाम जयचंद गहड़वाल	गोरी विजयी
प्रथम पानीपत	21 अप्रैल 1526	बाबर बनाम इब्राहीम लोदी	बाबर विजयी (तोपखाना, तुलूगमा); मुगल शासन का आरंभ
खानवा	16 मार्च 1527	बाबर बनाम राणा सांगा	बाबर विजयी; 'गाजी' की उपाधि
चंदेरी	1528	बाबर बनाम मेदिनी राय	बाबर विजयी
घाघरा	1529	बाबर बनाम अफगान (महमूद लोदी)	बाबर विजयी
चौसा	1539	शेर खाँ बनाम हुमायूँ	शेर खाँ विजयी ('शेर शाह' की उपाधि)
कन्नौज (बिलग्राम)	1540	शेर शाह बनाम हुमायूँ	हुमायूँ भाग गया
सरहिंद	1555	हुमायूँ बनाम सिकंदर सूर	हुमायूँ ने सिंहासन पुनः प्राप्त किया
द्वितीय पानीपत	5 नवंबर 1556	अकबर (बैरम खाँ) बनाम हेमू	मुगल विजयी; हेमू मारा गया
हल्दीघाटी	18 जून 1576	अकबर (मान सिंह) बनाम राणा प्रताप	मुगल विजय (अनिर्णायक); प्रताप पीछे हट गए
तालीकोटा (राक्षस-तंगड़ी)	1565	दक्कन के सुल्तान बनाम विजयनगर (रामराय)	विजयनगर का पतन
प्लासी	23 जून 1757	क्लाइव बनाम सिराजुद्दौला	बंगाल पर अंग्रेजी नियंत्रण (मीर जाफर का विश्वासघात)
बक्सर	22 अक्टूबर 1764	हेक्टर मुनरो बनाम मीर कासिम, शुजा-उद-दौला, शाह आलम द्वितीय	अंग्रेज विजयी; इलाहाबाद की संधि 1765 (दीवानी)
वांडिवाश	1760	आयर कूट बनाम लाली	अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों को पराजित किया; फ्रांसीसी आशाएँ समाप्त
तृतीय पानीपत	14 जनवरी 1761	अहमद शाह अब्दाली बनाम मराठे (सदाशिव राव भाऊ)	मराठे पराजित
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध	1799	टीपू बनाम वेल्लेजली	टीपू की मृत्यु
असाये	1803	आर्थर वेल्लेजली बनाम सिंधिया एवं भोंसले	अंग्रेज विजयी

युद्ध	वर्ष	किनके बीच	परिणाम
चिलियांवाला	1849	सिख बनाम अंग्रेज (द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध)	अनिर्णायक; अंग्रेजों की भारी क्षति
गुजरात	1849	अंग्रेज बनाम सिख	पंजाब का विलय

संधियाँ एवं उनके पक्ष

संधि	वर्ष	पक्ष
मद्रास की संधि	1769	हैदर अली और अंग्रेज
मैंगलोर की संधि	1784	टीपू और अंग्रेज
श्रीरंगपट्टनम् की संधि	1792	टीपू और कार्नाटलिस
बसीन की संधि	1802	पेशवा बाजीराव द्वितीय और अंग्रेज
अमृतसर की संधि	1809	रणजीत सिंह और चार्ल्स मेटकॉफ
सगौली की संधि	1816	नेपाल और अंग्रेज
यांदबू की संधि	1826	बर्मा और अंग्रेज
लाहौर की संधि	1846	सिख और अंग्रेज
इलाहाबाद की संधि	1765	क्लाइव, शुजा-उद-दौला (अवध) तथा शाह आलम द्वितीय के साथ (बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी कंपनी को)
सालबाई की संधि	1782	मराठे और अंग्रेज
गंडमक की संधि	1879	अफगानिस्तान (याकूब खाँ) और अंग्रेज (लिटन)
वर्साय की संधि	1919	जर्मनी और मित्र राष्ट्र
गांधी-इरविन समझौता	5 मार्च 1931	गांधी और लॉर्ड इरविन
पूना समझौता	24 सितंबर 1932	गांधी और अंबेडकर
नानकिंग की संधि	1842	चीन और ब्रिटेन (अफीम युद्ध)

विदेशी यात्री

यात्री	देश	भ्रमण / कृति
मेगस्थनीज़	यूनान	चंद्रगुप्त मौर्य का दरबार; इंडिका
फा-हियान (फाह्यान)	चीन	चंद्रगुप्त द्वितीय (गुप्त); फो-को-की
ह्वेनसांग (युआन च्वांग)	चीन	हर्ष; नालंदा; सी-यू-की (629-645)
इत्सिंग (यी जिंग)	चीन	नालंदा, 7वीं सदी का उत्तरार्ध
अल-बीरूनी	उज्बेकिस्तान	महमूद गजनवी; किताब-उल-हिंद (तहकीक-ए-हिंद)
इब्र बतूता	मोरक्को	मुहम्मद बिन तुगलक (दिल्ली का काजी); रेहला
मार्को पोलो	वेनिस	पांड्य, काकतीय (रुद्रमादेवी), 1288/1293
निकोलो कोंटी	इटली	विजयनगर, देवराय प्रथम (1420)
अब्दुर रज्जाक	फारस	देवराय द्वितीय (विजयनगर, 1443)
डोमिंगो पेस एवं बारबोसा	पुर्तगाल	कृष्णदेवराय
फर्नाओ नूनिज	पुर्तगाल	अच्युतदेवराय

यात्री	देश	भ्रमण / कृति
अफनासी निकितिन	रूस	बहमनी; मुहम्मद तृतीय (1470 का दशक), 'तीन सागरों के पार यात्रा'
सर टॉमस रो	इंग्लैंड	जहाँगीर, 1615 (जेम्स प्रथम का राजदूत)
विलियम हॉकिन्स	इंग्लैंड	जहाँगीर, 1609
टैवर्नियर, बर्नियर, मनुची	फ्रांस / इटली	शाहजहाँ एवं औरंगजेब; बर्नियर - 'ट्रैवल्स इन द मोगल एम्पायर'; मनुची - 'स्तोरिया दो मोगोर'
पीटर मंडी	इंग्लैंड	शाहजहाँ
राल्फ फिच	इंग्लैंड	अकबर

दुर्ग, महल एवं स्मारक तथा उनके निर्माता

स्मारक	निर्माता / स्थान
कुतुबमीनार	ऐबक, इल्तुतमिश द्वारा पूर्ण (दिल्ली); अलाई दरवाजा - अलाउद्दीन खिलजी
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	ऐबक (दिल्ली); अढ़ाई दिन का झोंपड़ा (अजमेर, ऐबक)
सीरी किला	अलाउद्दीन खिलजी (दिल्ली का दूसरा नगर)
तुगलकाबाद	गयासुद्दीन तुगलक; जहाँपनाह - मुहम्मद बिन तुगलक; फिरोजाबाद (फिरोजशाह कोटला) - फिरोज तुगलक
लाल किला	शाहजहाँ (शाहजहानाबाद, 1638-48); वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहौरी
जामा मस्जिद (दिल्ली)	शाहजहाँ (1650-56)
हुमायूँ का मकबरा	हाजी बेगम (बेगा बेगम), मिरक मिर्जा गियास; दिल्ली; उद्यान-मकबरा; ताजमहल का पूर्वगामी
पुराना किला	हुमायूँ (दीन-पनाह); शेर शाह द्वारा पूर्ण (किला-ए-कुहना मस्जिद)
सफदरजंग का मकबरा	अंतिम मुगल उद्यान-मकबरा
हवा महल (जयपुर)	सवाई प्रताप सिंह (1799)
आमेर किला	मान सिंह प्रथम; जय सिंह द्वितीय ने जयपुर बसाया (1727), जंतर-मंतर (दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, वाराणसी, मथुरा)
स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब), अमृतसर	गुरु अर्जन देव (नींव मियाँ मीर ने रखी); गुरु रामदास ने अमृतसर बसाया; रणजीत सिंह ने स्वर्ण-मंडन कराया
चारमीनार	मुहम्मद कुली कुतुब शाह (हैदराबाद, 1591)
गोल गुम्बद	मुहम्मद आदिल शाह (बीजापुर, 1656; फ़ुसफ़ुसाहट दीर्घा)
बीबी का मकबरा	औरंगजेब के पुत्र आजम शाह (औरंगाबाद); 'दक्कन का ताजमहल'
हम्पी	विट्ठल मंदिर (कृष्णदेवराय), हजारामंदिर
मीनाक्षी मंदिर (मदुरै)	नायक (तिरुमल नायक)
विक्टोरिया मेमोरियल (कोलकाता)	कर्जन ने प्रस्तावित किया (1901); विलियम एमर्सन; 1921 में उद्घाटन
गेटवे ऑफ़ इंडिया (मुंबई)	जॉर्ज विटेट; 1924 (जॉर्ज पंचम की यात्रा, दिसंबर 1911)
इंडिया गेट	एडविन लुटियन्स; 1931 (प्रथम विश्व युद्ध स्मारक)
राष्ट्रपति भवन	लुटियन्स (वायसराय भवन, 1929); नई दिल्ली का उद्घाटन 1931

प्रसिद्ध उपाधियाँ एवं विशेषण

उपाधि	व्यक्ति
शेर-ए-पंजाब	महाराजा रणजीत सिंह (लाला लाजपत राय भी)
मैसूर का शेर	टीपू सुल्तान
सीमांत गांधी (बादशाह खान)	खान अब्दुल गफ्फार खान (खुदाई खिदमतगार, 1929)
सरदार	वल्लभभाई पटेल (बारदोली 1928); भारत के लौह पुरुष
नेताजी	सुभाष चंद्र बोस
लोकमान्य	बाल गंगाधर तिलक
देशबंधु	सी.आर. दास; देशप्रिय - जर्तींद्र मोहन सेनगुप्त
लोकनायक	जयप्रकाश नारायण
गुरुदेव	रवींद्रनाथ टैगोर (गांधी द्वारा दी गई उपाधि 'गुरुदेव'); महात्मा - टैगोर द्वारा गांधी को; 'बापू'
महामना	मदन मोहन मालवीय
राजाजी	सी. राजगोपालाचारी
भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन	दादाभाई नौरोजी
भारत कोकिला	सरोजिनी नायडू
भारतीय नेपोलियन	समूद्रगुप्त (वी.ए. स्मिथ)
शेर शाह	फरीद ख़ाँ (बाघ को मारने के पश्चात्)
आलमगीर	औरंगजेब ('जिंदा पीर')
निर्माताओं का राजकुमार	शाहजहाँ
पीर / मुर्शिद	चिश्ती संत; निजामुद्दीन औलिया (महबूब-ए-इलाही)
मुजद्दिद	शेख अहमद सरहिंदी (नक़्शबंदी; अल्फ-ए-सानी 'द्वितीय सहस्राब्दी के सुधारक')
तृती-ए-हिंद	अमीर ख़सरो (भारत का तोता)

- बारदोली सत्याग्रह (1928) ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी; गांधी ने टैगोर को 'गुरुदेव' कहा; माना जाता है कि टैगोर ने गांधी को 'महात्मा' कहा (1915); 'नेताजी' की उपाधि बोस को जर्मनी में भारतीय सैनिकों ने दी (1942)

प्रसिद्ध नारे

नारा	किसने कहा
स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा	तिलक
करो या मरो	गांधी (8 अगस्त 1942)
भारत छोड़ो	यूसुफ मेहरअली ने गढ़ा; गांधी का आह्वान
दिल्ली चलो; तम मझे खून दो, मैं तम्हें आजादी दूँगा	सुभाष चंद्र बोस
जय हिंद	आबिद हसन सफरानी (INA; बोस के सुझाव पर)
इंकलाब जिंदाबाद	हसरत मोहानी (1921); भगत सिंह ने लोकप्रिय बनाया
वंदे मातरम्	बंकिमचंद्र (आनंदमठ)
साइमन गो बैक	यूसुफ मेहरअली (1928 में गढ़ा); लाला लाजपत राय ने लाहौर के ज़लूस का नेतृत्व किया (30 अक्टूबर 1928)
सरफरोशी की तमन्ना	बिस्मिल अजीमाबादी (राम प्रसाद बिस्मिल ने लोकप्रिय बनाया)
जय जवान जय किसान	लाल बहादुर शास्त्री

नारा	किसने कहा
संपूर्ण क्रांति	जयप्रकाश नारायण (1974)
वेदों की ओर लौटो	दयानंद सरस्वती
उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए	स्वामी विवेकानंद (कठोपनिषद् से)

अध्याय 89

आधुनिक भारतीय इतिहास में प्रथम एवं स्वातंत्र्योत्तर कालक्रम

भारत में प्रथम (आधुनिक)

प्रथम	व्यक्ति / घटना
भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल (चार्टर एक्ट 1833)	विलियम बेंटिक
भारत के प्रथम वायसराय	लॉर्ड कैनिंग (1858)
वायसराय की कार्यकारी परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य	सत्येंद्र प्रसन्न सिन्हा (विधि सदस्य, 1909)
प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल	सी. राजगोपालाचारी (1948-50)
प्रथम भारतीय ICS	सत्येंद्रनाथ टैगोर (1863)
ब्रिटिश संसद के प्रथम भारतीय सदस्य	दादाभाई नौरोजी (1892); चुनाव लड़ने वाले प्रथम: लाल मोहन घोष (1885)
उच्च न्यायालय के प्रथम भारतीय न्यायाधीश	सर टी. मुत्तुस्वामी अय्यर (मद्रास, 1878)
उच्च न्यायालय के प्रथम भारतीय मुख्य न्यायाधीश	सर शाह मुहम्मद सलेमान (इलाहाबाद)
कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष	एनी बेसेंट (1917); प्रथम भारतीय महिला - सरोजिनी नायडू (1925)
कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष	बदरुद्दीन तैयबजी (1887)
प्रथम महिला राज्यपाल	सरोजिनी नायडू (उत्तर प्रदेश, 1947)
प्रथम भारतीय महिला प्रधानमंत्री	इंदिरा गांधी (1966)
स्वतंत्र भारत के प्रथम सेनाध्यक्ष	जनरल के.एम. करियप्पा (1949)
प्रथम फील्ड मार्शल	सैम मानेकशॉ (1973)
भारत के प्रथम राष्ट्रपति	राजेंद्र प्रसाद (1950-62)
प्रथम प्रधानमंत्री	जवाहरलाल नेहरू
लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष	जी.वी. मावलंकर
प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त	सूकुमार सेन
भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश	एच.जे. कानिया
प्रथम महिला राष्ट्रपति	प्रतिभा पाटिल (2007)
नोबेल जीतने वाले प्रथम भारतीय	रवींद्रनाथ टैगोर (साहित्य, 1913)
प्रथम भारतीय समाचार-पत्र	हिक्की का बंगाल गजट (1780; जेम्स ऑगस्टस हिक्की); प्रथम भारतीय-स्वामित्व वाला: बंगाल गजट (गंगाधर भट्टाचार्य, 1816)
प्रथम भारतीय रेलवे	बंबई-ठाणे (16 अप्रैल 1853; 34 किमी)
प्रथम तार	कलकत्ता-डायमंड हार्बर (1851; ओ'शॉघनेसी)
प्रथम जनगणना	1872 (असमकालिक); प्रथम नियमित 1881 (रिपन); तत्पश्चात् प्रत्येक दशक
प्रथम कारखाना अधिनियम	1881
प्रथम विश्वविद्यालय	कलकत्ता, बंबई, मद्रास (1857)
प्रथम छापाखाना	पुर्तगाली, गोवा (1556); भारतीय भाषा में प्रथम पुस्तक - तमिल (थंबिरान वणक्कम 1578)

प्रथम	व्यक्ति / घटना
प्रथम हिंदी समाचार-पत्र	उदंत मार्तंड (1826; जुगल किशोर शुक्ल, कलकत्ता)
प्रथम उर्दू समाचार-पत्र	जाम-ए-जहाँ-नूमा (1822, कलकत्ता)
प्रथम मराठी समाचार-पत्र	दर्पण (1832, बालशास्त्री जांभेकर)
प्रथम भारतीय महिला स्नातक	कादंबिनी गांगुली एवं चंद्रमुखी बसू (1883)
अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय	राकेश शर्मा (1984)
प्रथम INC अधिवेशन	बंबई 1885 (डब्ल्यू.सी. बनर्जी)
विदेश में ध्वज फहराने वाली प्रथम भारतीय	भीकाजी कामा (1907)
प्रथम महिला विश्वविद्यालय	SNDT (1916)
प्रथम भारतीय राजदूत	आसफ अली (अमेरिका)

स्वातंत्र्योत्तर कालक्रम

वर्ष	घटना
1947	स्वतंत्रता; विभाजन; कश्मीर युद्ध (अक्टूबर 1947-जनवरी 1949)
1948	गांधी की हत्या (30 जनवरी); हैदराबाद पुलिस कार्रवाई; राजगोपालाचारी गवर्नर-जनरल
1950	संविधान लागू (26 जनवरी); योजना आयोग (मार्च 1950); उच्चतम न्यायालय
1951	प्रथम पंचवर्षीय योजना (हैरोड-डोमर); प्रथम आम चुनाव (1951-52; 25 अक्टूबर 1951-21 फरवरी 1952); भूदान आंदोलन
1952	सामुदायिक विकास कार्यक्रम (2 अक्टूबर 1952)
1953	आंध्र राज्य; SRC की नियुक्ति
1954	पंचशील (चीन के साथ; अप्रैल 1954); पांडिचेरी का हस्तांतरण
1955	बांड्रंग सम्मेलन; हिंदू विवाह अधिनियम (1955)
1956	राज्य पुनर्गठन; द्वितीय योजना (महालनोबिस; भारी उद्योग); औद्योगिक नीति प्रस्ताव (1956)
1957	द्वितीय आम चुनाव; बलवंत राय मेहता समिति (पंचायती राज)
1959	पंचायती राज का शुभारंभ (नागौर, राजस्थान, 2 अक्टूबर 1959); दलाई लामा भारत में
1961	गोवा मुक्त (दिसंबर); तृतीय योजना; गुट-निरपेक्ष आंदोलन, बेलग्रेड
1962	भारत-चीन युद्ध (अक्टूबर-नवंबर 1962); रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन का त्यागपत्र
1964	नेहरू का निधन (27 मई); शास्त्री प्रधानमंत्री
1965	भारत-पाक युद्ध; ताशकंद घोषणा (जनवरी 1966; शास्त्री का निधन)
1966	इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री; रुपये का अवमूल्यन (जून 1966); पंजाब का पुनर्गठन
1967	चतुर्थ आम चुनाव; कांग्रेस अनेक राज्यों में पराजित; हरित क्रांति (उच्च उपज वाली किस्में)
1969	बैंक राष्ट्रीयकरण (14 बैंक; जुलाई); कांग्रेस का विभाजन
1971	बांग्लादेश युद्ध (दिसंबर 1971; 16 दिसंबर को आत्मसमर्पण); इंदिरा की चुनावी जीत; गरीबी हटाओ; 26वाँ संशोधन (प्रिवी पर्स)
1974	पोखरण-I (18 मई; 'स्माइलिंग बुद्धा'); जेपी आंदोलन; रेल हड़ताल
1975	आपातकाल (25 जून 1975-21 मार्च 1977); सिक्किम का विलय
1977	जनता पार्टी (मोरारजी देसाई); प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार
1980	इंदिरा की वापसी; मंडल आयोग प्रतिवेदन (1980); छठी योजना
1984	ऑपरेशन ब्लू स्टार (जून); इंदिरा की हत्या (31 अक्टूबर); राजीव; भोपाल गैस त्रासदी (दिसंबर)

वर्ष	घटना
1985	दल-बदल विरोधी कानून (52वाँ संशोधन); असम समझौता; पंजाब समझौता
1989	वी.पी. सिंह; मंडल (1990); बाबरी
1991	राजीव की हत्या (21 मई); नरसिम्हा राव; उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण (LPG) सुधार (मनमोहन सिंह)
1992	73वाँ एवं 74वाँ संशोधन (पंचायतें एवं नगरपालिकाएँ)
1998	पोखरण-II (मई)
2005	सूचना का अधिकार अधिनियम
2014	तेलंगाना राज्य; प्रथम भाजपा बहुमत

- **पंचशील के सिद्धांत:** संप्रभुता का परस्पर सम्मान; अनाक्रमण; अहस्तक्षेप; समानता; शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
- **हरित क्रांति:** एम.एस. स्वामीनाथन, नॉर्मन बोरलॉग, सी. सुब्रमण्यम; ऑपरेशन फ्लड (वर्गीज कुरियन, 1970)

अध्याय 90

त्वरित अभ्यास: UPPSC इतिहास के 100 परीक्षोपयोगी तथ्य

प्राचीन (1-30)

1. हड़प्पा लिपि ब्रूस्ट्रोफेडन (दाएँ से बाएँ, फिर बाएँ से दाएँ) एवं अपठित है; अधिकांश मुहरें - सेलखड़ी की; एकशृंगी पशु सर्वाधिक सामान्य आकृति है
2. लोथल (गुजरात) - गोदी (बंदरगाह); कालीबंगा - जुता हुआ खेत, अग्निवेदियाँ; धौलावीरा - त्रिस्तरीय नगर, जलाशय, सूचना-पट्ट (10 चिह्न); राखीगढ़ी (हरियाणा) - भारत में सबसे बड़ा हड़प्पाई स्थल; मोहनजोदड़ो - विशाल स्नानागार, 'अन्नागार'
3. हड़प्पावासी लोहे एवं (संदिग्ध) घोड़े से अपरिचित थे; मंदिर स्पष्टतः चिह्नित नहीं
4. ऋग्वेद - प्राचीनतम; अथर्ववेद - जादू-टोना एवं चिकित्सा; सामवेद - संगीत; यजुर्वेद - यज्ञ-सूत्र
5. 'सत्यमेव जयते' - मुंडकोपनिषद्; 'असतो मा सद्गमय' - बृहदारण्यक
6. **बुद्ध**: जन्म लुंबिनी (563 ई.पू.), ज्ञान-प्राप्ति बोधगया (उरुवेला), प्रथम उपदेश सारनाथ, महापरिनिर्वाण कुशीनगर (483 ई.पू.)
7. **महावीर**: जन्म कुंडग्राम (वैशाली), कैवल्य-प्राप्ति जूँभिकग्राम, मृत्यु पावापुरी (राजगीर)
8. प्रथम बौद्ध संगीति - राजगृह (अजातशत्रु; महाकस्सप); द्वितीय - वैशाली (कालाशोक; सब्बकामी); तृतीय - पाटलिपुत्र (अशोक; तिस्स मोग्गलिपुत्त); चतुर्थ - कुंडलवन (कनिष्क; वसुमित्र एवं अश्वघोष)
9. प्रथम जैन सभा - पाटलिपुत्र (स्थूलभद्र, 300 ई.पू.); द्वितीय - वल्लभी (देवर्षि क्षमाश्रमण, 512 ई.)
10. **मगध का उत्कर्ष**: भूगोल (गंगा, सोन), लौह खानें, हाथी; बिंबिसार (अंग-विजय), अजातशत्रु, उदायिन; महापद्म नंद
11. **अशोक**: शिलालेख (14), लघु शिलालेख, स्तंभ लेख (7), कलिंग शिलालेख; धम्म महामात्र; ब्राह्मी (कंधार में यूनानी एवं अरामाइक); 'देवानांपिय पियदसि'
12. सारनाथ का सिंह-शीर्ष भारत का राष्ट्रीय चिह्न है; अशोक चक्र (24 तीलियाँ) ध्वज पर
13. **मौर्य प्रशासन**: 'सप्तांग', प्रादेशिक, राजुक; मेगस्थनीज़ - इंडिका; अर्थशास्त्र - कौटिल्य
14. कुषाण (कनिष्क) - गांधार कला, चतुर्थ बौद्ध संगीति; सातवाहन - भूमि-अनुदान, ब्रह्मदेय; गुप्त - दीनार; फा-हियान
15. **गुप्त**: प्रयाग प्रशस्ति; मेहरौली लौह स्तंभ; नालंदा; 'स्वर्ण युग'; नवरत्न - कालिदास, अमरसिंह, वराहमिहिर, धन्वंतरि आदि
16. **हर्ष**: हर्षचरित; कन्नौज सभा; प्रयाग महामोक्ष परिषद्; ह्वेनसांग; नर्मदा के तट पर पुलकेशिन द्वितीय से पराजित
17. **संगम युग**: तोलकाप्पियम; शिलप्पदिकारम; पत्तुप्पाट्टु, एट्टुत्तोकै; चेर (वंजी), चोल (उरैयूर), पांड्य (मदुरै); रोम से व्यापार
18. **पल्लव**: महाबलीपुरम; चालुक्य: ऐहोल, बादामी; चोल: बृहदीश्वर; राष्ट्रकूट: एलोरा का कैलास
19. **मंदिर शैलियाँ**: नागर (उत्तर; वक्ररेखीय शिखर), द्रविड़ (दक्षिण; विमान), वेसर (दक्कन; मिश्रित - चालुक्य, होयसल)
20. गांधार (यूनानी-बौद्ध), मथुरा (स्वदेशी), अमरावती (सातवाहन) शैलियाँ
21. कालिदास - शाकुंतलम्; विशाखदत्त - मुद्राराक्षस; बाणभट्ट - हर्षचरित; कल्हण - राजतरंगिणी; जयदेव - गीत गोविंद; बिल्हण - विक्रमांकदेवचरित
22. आर्यभट - आर्यभटीय; ब्रह्मगुप्त - ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त; चरक / सुश्रुत - चिकित्सा; वराहमिहिर - बृहत्संहिता
23. **स्वर्ण सिक्के**: कुषाणों द्वारा बड़े पैमाने पर जारी; गुप्त - दीनार
24. हाथीगुम्फा अभिलेख - खारवेल; इलाहाबाद स्तंभ - समुद्रगुप्त; ऐहोल - पुलकेशिन द्वितीय; जूनागढ़ - रुद्रदामन
25. हेलियोडोरस स्तंभ (बेसनगर) - भागवत धर्म; साँची - बौद्ध; भरहुत - शृंग
26. पाणिनि - अष्टाध्यायी; पतंजलि - महाभाष्य; भास - स्वप्नवासवदत्तम्; शूद्रक - मृच्छकटिक
27. अजंता - बौद्ध चित्रकला; एलोरा - बौद्ध, हिंदू एवं जैन गुफाएँ; एलिफेंटा - शिव
28. शंकराचार्य - अद्वैत; रामानुज - विशिष्टाद्वैत; मध्व - द्वैत
29. अलबिरूनी - किताब-उल-हिंद; इब्र बतूता - रेहला; मेगस्थनीज़ - इंडिका; फा-हियान - फो-को-की
30. नालंदा, विक्रमशिला, ओदंतपुरी, वल्लभी, तक्षशिला - प्राचीन विश्वविद्यालय

मध्यकालीन (31-60)

31. महमूद गजनवी (17 आक्रमण; सोमनाथ 1025-26); अलबिरूनी साथ आया; फिरदौसी - शाहनामा
32. मुहम्मद गोरी - तराइन प्रथम (1191), द्वितीय (1192), चंदावर (1194)
33. कुतुबुद्दीन ऐबक - लाख बख्श; इल्तुतमिश - चाँदी का टंका, चहलगानी; रजिया - प्रथम महिला; बलबन - सिजदा एवं पाबोस, राजत्व का सिद्धान्त; मंगोल आक्रमण
34. अलाउद्दीन खिलजी - बाजार नियंत्रण (शहना-ए-मंडी), दाग और चेहरा, राजस्व की माप; मलिक काफूर; सीरी

- 35. मुहम्मद बिन तुगलक - सांकेतिक मुद्रा, राजधानी का दौलताबाद स्थानांतरण, कराचिल अभियान; फिरोज तुगलक - ब्राह्मणों पर जजिया, नहरें; दीवान-ए-खैरात; दीवान-ए-बंदगाना
- 36. तैमूर का आक्रमण (1398) तुगलकों का अंत करता है; सैयद; लोदी (बहलोल - जौनपुर; सिकंदर - आगरा 1504; इब्राहीम - पानीपत)
- 37. विजयनगर - संगम, सालुव, तुलुव, अरविदु; कृष्णदेवराय - आमुक्तमाल्यद; हम्पी
- 38. बहमनी - गुलबर्गा, बीदर; महमूद गवाँ; पाँच उत्तराधिकारी राज्य - अहमदनगर, बीजापुर, गोलकुंडा, बरार, बीदर
- 39. **भक्ति:** आलवार (वैष्णव; 12) और नायनार (शैव; 63); रामानंद, कबीर, रविदास, नानक, चैतन्य, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, तुकाराम, नामदेव, एकनाथ
- 40. **सूफी मत:** चिश्ती (मुईनुद्दीन, निजामुद्दीन), सुहरावर्दी, कादिरि, नक्शबंदी
- 41. बाबर - पानीपत प्रथम, खानवा, चंदेरी, घाघरा; बाबरनामा (तुर्की)
- 42. हुमायूँ - चौसा, कन्नौज; हुमायूँ-नामा (गुलबदन बेगम)
- 43. शेर शाह - रुपया, ग्रांड ट्रंक रोड, भूमि की माप (जब्ती), पट्टा एवं कबूलियत; रोहतास किला; तारीख-ए-शेरशाही (अब्बास सरवानी)
- 44. अकबर - मनसबदारी, जब्त (टोडरमल), दीन-ए-इलाही (1582), इबादतखाना (1575), महजर (1579), सुलह-ए-कुल; नवरत्न; फतेहपुर सीकरी; अकबरनामा (अबुल फजल; आइन-ए-अकबरी)
- 45. जहाँगीर - न्याय की जंजीर; नूरजहाँ; तुजुक-ए-जहाँगीरी; रो (1615); चित्रकला का चरमोत्कर्ष
- 46. शाहजहाँ - ताजमहल, लाल किला, तख्त-ए-ताउस (बेबादल खाँ); जामा मस्जिद
- 47. औरंगजेब - जजिया (1679); मंदिरों का विध्वंस; दक्कन के युद्ध; आलमगीरनामा; फतवा-ए-आलमगीरी; सतनामी, जाट, सिख, राजपूत विद्रोह
- 48. **मराठे:** शिवाजी (रायगढ़ 1674), अष्टप्रधान, चौथ और सरदेशमुखी; पेशवा; तृतीय पानीपत
- 49. **सिख गुरु:** नानक (संस्थापक), अंगद (गुरुमुखी), अमरदास (लंगर), रामदास (अमृतसर), अर्जन (आदि ग्रंथ; स्वर्ण मंदिर), हरगोबिंद (मीरी-पीरी), हरराय, हरकिशन, तेग बहादुर, गोबिंद सिंह (खालसा 1699; गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु का पद)
- 50. **भू-राजस्व:** जब्त; दहसाला; कनकूत; गल्ला बख्शी; नसक
- 51. **मनसब:** जात और सवार; जागीरदारी; जमींदार
- 52. **सिक्के:** टंका (इल्तुतमिश), जीतल, रुपया (शेर शाह), मोहर (अकबर), दाम
- 53. **स्थापत्य:** कुतुब (ऐबक), अलाई दरवाजा, तुगलकाबाद, हुमायूँ का मकबरा, ताजमहल, फतेहपुर सीकरी, बुलंद दरवाजा
- 54. **फारसी इतिवृत्त:** तबकात-ए-नासिरी (मिन्हाज-उस-सिराज), तारीख-ए-फिरोजशाही (बरनी; अफीफ), फुतूह-उस-सलातीन (इसामी), बाबरनामा, अकबरनामा, मुंतखब-उत-तवारीख (बदायूनी), तुजुक, पादशाहनामा (लाहौरी), आलमगीरनामा (मुहम्मद काजिम)
- 55. **विदेशी यात्री:** मार्को पोलो, इब्र बत्ता, निकोलो कोटी, अब्दुर रज्जाक, बर्नियर, टैवर्नियर
- 56. **पुर्तगाली:** वास्को द गामा (1498), अल्मेइडा (नील-जल नीति), अल्बुकर्क (गोवा 1510); कार्तज प्रणाली; छापाखाना 1556; तंबाकू, आलू, अनन्नास
- 57. **डच:** पुलिकट, चिनसुरा; अंग्रेज: सूरत (1613), मद्रास (1639), बंबई (1668 चार्ल्स द्वितीय से), कलकत्ता (1690 जॉब चार्नोक; फोर्ट विलियम 1700); फ्रांसीसी: पांडिचेरी (1674, फ्रांस्वा मार्टिन)
- 58. फरमान 1717 (फरूखसियर) - बंगाल में मुक्त व्यापार; दस्तक
- 59. **कर्नाटक युद्ध:** तीन (1746-48, 1749-54, 1758-63); डूप्ले, क्लाइव; वांडिवाश (1760)
- 60. प्लासी (1757), बक्सर (1764), दीवानी (1765)

आधुनिक (61-100)

- 61. रेगुलेटिंग एक्ट 1773; 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट; चार्टर एक्ट 1793, 1813, 1833, 1853; भारत शासन अधिनियम 1858, 1919, 1935
- 62. स्थायी बंदोबस्त (कानूनीवालि 1793), रैयतवाड़ी (मुनरो, 1820), महालवाड़ी (1822/1833)
- 63. सहायक संधि (वेल्लेजली); व्यपगत का सिद्धांत (डलहौजी; सतारा 1848 प्रथम)
- 64. **1857 का विद्रोह:** मेरठ 10 मई; दिल्ली; कानपुर (नाना साहेब), लखनऊ (हजरत महल), झाँसी (लक्ष्मीबाई), आरा (कुँवर सिंह); महारानी की घोषणा 1 नवंबर 1858
- 65. ब्रह्म समाज (1828), आर्य समाज (1875), रामकृष्ण मिशन (1897), प्रार्थना समाज (1867), थियोसॉफिकल सोसाइटी (1875)
- 66. अलीगढ़ (1875), देवबंद (1866), सत्यशोधक (1873), SNDP (1903), आत्म-सम्मान (1925)
- 67. **प्रेस:** वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट 1878, निरसन 1882; प्रेस एक्ट 1910; गैरिंग एक्ट 1857; मेटकॉफ 1835
- 68. **शिक्षा:** मैकाले 1835; वुड 1854; हंटर 1882; रैले 1902; सैडलर 1917; हार्टोग 1929; वर्धा 1937; सार्जेंट 1944
- 69. **INC:** 1885 बंबई; विभाजन 1907; लखनऊ 1916; नागपुर 1920; लाहौर 1929; कराची 1931
- 70. बंगाल का विभाजन 16 अक्टूबर 1905; स्वदेशी; रह 1911
- 71. मुस्लिम लीग 1906 (ढाका); हिंदू महासभा 1915; मॉर्ले-मिटो 1909; लखनऊ समझौता 1916
- 72. होमरूल लीग 1916 (तिलक अप्रैल; बेसेंट सितंबर)
- 73. रॉलट (मार्च 1919); जलियाँवाला (13 अप्रैल 1919); हंटर समिति; खिलाफत; असहयोग आंदोलन (अगस्त 1920)
- 74. चौरी-चौरा (4 फरवरी 1922); स्वराज पार्टी (जनवरी 1923); काकोरी (अगस्त 1925)
- 75. साइमन कमीशन (1927-28 की यात्रा); नेहरू रिपोर्ट (अगस्त 1928); बारदोली (1928); लाहौर पूर्ण स्वराज (दिसंबर 1929)

- 76. दांडी मार्च (12 मार्च-6 अप्रैल 1930); गांधी-इरविन समझौता (5 मार्च 1931); गोलमेज सम्मेलन 1930, 1931, 1932; सांप्रदायिक पंचाट (अगस्त 1932); पूना समझौता (सितंबर 1932)
- 77. भारत शासन अधिनियम 1935; चुनाव 1937; मंत्रिमंडल; त्यागपत्र 1939
- 78. लाहौर प्रस्ताव (23 मार्च 1940); अगस्त प्रस्ताव (8 अगस्त 1940); व्यक्तिगत सत्याग्रह (अक्टूबर 1940)
- 79. क्रिप्स (मार्च 1942); भारत छोड़ो (8 अगस्त 1942); INA (1942-45); आजाद हिंद सरकार (21 अक्टूबर 1943)
- 80. वेवल योजना (शिमला 1945); INA मुकदमे (नवंबर 1945); RIN विद्रोह (फरवरी 1946)
- 81. कैबिनेट मिशन (मार्च-जून 1946); प्रत्यक्ष कार्यवाही (16 अगस्त 1946); अंतरिम सरकार (2 सितंबर 1946)
- 82. एटली (20 फरवरी 1947); माउंटबेटन योजना (3 जून); स्वतंत्रता अधिनियम (18 जुलाई); स्वतंत्रता (15 अगस्त 1947)
- 83. संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 (सच्चिदानंद सिन्हा अस्थायी अध्यक्ष); प्रसाद अध्यक्ष 11 दिसंबर; संविधान अंगीकृत 26 नवंबर 1949; लागू 26 जनवरी 1950
- **84. क्रांतिकारी:** अनुशीलन समिति (1902), अभिनव भारत (1904/1906), गदर (1913), HRA (1924), HSRA (1928), चटगाँव (1930)
- **85. समाचार-पत्र:** केसरी, अमृत बाजार पत्रिका, हिंदू, बॉम्बे क्रॉनिकल, बंगाली, यंग इंडिया, हरिजन, अल-हिलाल, हिंदुस्तान टाइम्स, पायनियर, स्टेट्समैन
- **86. नारे:** करो या मरो; दिल्ली चलो; जय हिंद; स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार; इंकलाब जिंदाबाद
- **87. पुस्तकें:** हिंद स्वराज, डिस्कवरी ऑफ इंडिया, पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया, आनंदमठ, गीतांजलि, गीता रहस्य, इंडिया विन्स फ्रीडम
- **88. गांधी:** चंपारण (1917), अहमदाबाद (1918), खेड़ा (1918), रॉलट (1919), असहयोग आंदोलन (1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930), भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
- **89. किसान:** नील (1859), पाबना (1873), दक्कन (1875), मोपला (1921), बारदोली (1928), तेभागा (1946)
- **90. जनजातीय:** संथाल (1855), मुंडा (1899), कोल (1831), भील, रंपा, खासी, नागा
- **91. श्रमिक:** AITUC (1920), हितली आयोग (1929), श्रमिक संघ अधिनियम 1926
- **92. प्रथम:** वायसराय - कैनिंग; भारत के गवर्नर-जनरल - बेंटिक; भारतीय ICS - एस. टैगोर; संसद में भारतीय - नौरोजी
- **93. गवर्नर-जनरल बनाम वायसराय:** हेस्टिंग्स (बंगाल के प्रथम गवर्नर-जनरल), बेंटिक (भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल), कैनिंग (प्रथम वायसराय), माउंटबेटन (अंतिम वायसराय), राजाजी (अंतिम गवर्नर-जनरल)
- **94. अकाल आयोग:** कैपबेल (1866), स्ट्रेची (1880), लायल (1898), मैकडॉनल (1901)
- **95. शिक्षा के अग्रदूत:** मैकाले; वुड; विद्यासागर; फुले; सैयद अहमद; बेसेंट; मालवीय
- **96. दीवान:** सालार जंग (हैदराबाद); एम. विश्वेश्वरैया (मैसूर, 1912-18)
- **97. दिल्ली दरबार:** 1877 (लिटन), 1903 (कर्जन), 1911 (हार्डिंग)
- **98. राजधानियाँ:** कलकत्ता (1911 तक), दिल्ली (1912 से, उद्घाटन 1931)
- **99. देशी रियासतों के संविधान:** मैसूर, बड़ौदा, त्रावणकोर; प्रजा मंडल
- **100. उत्तर प्रदेश:** बलिया (1942), चोरी-चौरा (1922), काकोरी (1925), कानपुर (1857, 1925), इलाहाबाद (स्वराज भवन), लखनऊ (समझौता 1916), बनारस (BHU 1916), अलीगढ़ (1875)

अध्याय 91

पुस्तकें, लेखक एवं पत्र-पत्रिकाएँ

राष्ट्रवादी एवं स्वतंत्रता संग्राम की पुस्तकें

पुस्तक	लेखक
हिंद स्वराज (1909, गुजराती; संसद को 'बाँझ और वेश्या' कहा; अंग्रेजी 'इंडियन होमरूल')	महात्मा गांधी
गोखले: माई पॉलिटिकल गुरु (1955); अनासक्ति योग (गीता का अनुवाद, कौसानी 1929); सत्य के प्रयोग (माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ)	गांधी
द इंडियन स्ट्रगल (बोस)	सुभाष चंद्र बोस
इंडिया विन्स फ्रीडम	मौलाना अबुल कलाम आजाद
इंडिया डिवाइडेड; महात्मा गांधी एंड बिहार: सम रेमिनिसेंसेज; सत्याग्रह एट चंपारण	राजेंद्र प्रसाद
डिस्कवरी ऑफ इंडिया (अहमदनगर जेल 1942-45); आत्मकथा / ट्वर्ड्स फ्रीडम; ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री	जवाहरलाल नेहरू
गीता रहस्य (मांडले जेल, मराठी); आर्कटिक होम इन द वेदाज; द ओरायन	बाल गंगाधर तिलक
अनहैपी इंडिया (1928); द स्टोरी ऑफ माई डिपोर्टेशन; ऑटोबायोग्राफिकल राइटिंग्स; यंग इंडिया (उनकी पुस्तक)	लाला लाजपत राय
पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया	दादाभाई नौरोजी
ए नेशन इन मेकिंग	सुरेंद्रनाथ बनर्जी
न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड (1893-94); द लाइफ डिवाइन; एसेज ऑन द गीता; सिंथेसिस ऑफ योग; आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी	अरविंद घोष
इंडिया फॉर इंडियंस	सी.आर. दास
हिंदूत्व; द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857	वी.डी. सावरकर
एनिहिलेशन ऑफ कास्ट (1936, अप्रस्तुत भाषण)	बी.आर. अंबेडकर
गिल्ली मेन ऑफ इंडियाज पार्टेशन; व्हील ऑफ हिस्ट्री	राम मनोहर लोहिया
द मेन हू डिवाइडेड इंडिया	रफीक जकारिया
फ्रीडम एट मिडनाइट	डोमिनिक लापिएर एवं लैरी कॉलिस
इंडिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड आफ्टर	दुर्गा दास
जवाहरलाल नेहरू - ए बायोग्राफी	फ्रैंक मोरेस
लाइफ ऑफ महात्मा गांधी	लुई फिशर
द ग्रेट डिवाइड: ब्रिटेन-इंडिया-पाकिस्तान	एच.वी. हडसन
एन अमेरिकन विटनेस टू इंडियाज पार्टेशन	फिलिप्स टैलबोट
बंदी जीवन	सर्चींद्रनाथ सान्याल
फिलॉसफी ऑफ द बम	भगवती चरण वोहरा

पुस्तक	लेखक
व्हाई आई एम एन एथीस्ट; इंट्रोडक्शन टू ड्रीमलैंड	भगत सिंह
द स्प्रिंगिंग टाइगर	ह्यू टॉय (बोस पर)
इंडियन अनरेस्ट (तिलक 'अशांति के जनक')	वैलेंटाइन शिरोल
तुहफत-उल-मुवाहिदीन (फारसी, 1809; 'एकेश्वरवादियों को उपहार'); प्रीसेप्स ऑफ जीसस	राजा राममोहन राय
एनल्स एंड एंटीक्रिटीज ऑफ राजस्थान (राजस्थान में सामंतवाद)	जेम्स टॉड
ए जर्नी थ्रू द किंगडम ऑफ अवध 1849-50	डब्ल्यू.एच. स्लीमन
इंपीरियल गजेटियर ऑफ इंडिया; द इंडियन मुसलमान्स	डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर
लैंडमार्क्स इन इंडियन कॉन्स्टिट्यूशनल एंड नेशनल डेवलपमेंट	गुरमुख निहाल सिंह
स्टोरी ऑफ द इटीग्रेशन ऑफ द इंडियन स्टेट्स	वी.पी. मेनन
बापू - माई मदर	मनुबेन गांधी
इग्राइटेड माइंड्स; विंग्स ऑफ फायर	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
साइलेंट स्प्रिंग (कीटनाशक)	रेचल कार्सन
दास कैपिटल	कार्ल मार्क्स (खंड II-III एंगेल्स द्वारा संपादित)

1857 का इतिहास-लेखन

लेखक	पुस्तक
वी.डी. सावरकर	द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857
आर.सी. मजूमदार	द सिपाय म्यूटिनी एंड रिवोल्ट ऑफ 1857
एस.एन. सेन	एटीन फिफ्टी-सेवन
एस.बी. चौधरी	सिविल रिबेलियन इन द इंडियन म्यूटिनीज 1857-59
एरिक स्टोक्स	द पीजेंट एंड द राज
रुद्रांश मुखर्जी	अवध इन रिवोल्ट 1857-58
अशोक मेहता	1857: द ग्रेट रिबेलियन

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास

- ताराचंद:** हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया; के.के. दत्त: हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन बिहार; बंकिम: आनंदमठ (संन्यासी विद्रोह 1763-1800, दुर्गेशनंदिनी); माइकल मधुसूदन दत्त: द कैप्टिव लेडी; टैगोर: गोरा, घरे बाइरे, गीतांजलि (बांग्ला 14 अगस्त 1910; अंग्रेजी नवंबर 1912), आमार सोनार बांग्ला (1905; बांग्लादेश का राष्ट्रगान); सरोजिनी नायडू: द ब्रोकन विंग; दिलीप मुखर्जी: टेररिस्ट; डी.डी. कोसांबी: इंट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ इंडियन हिस्ट्री; के.पी. जायसवाल: हिंदू पॉलिटी; ए.एल. बाशम: द वंडर दैट वाज इंडिया; वी.ए. स्मिथ: अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया; के.एस. लाल: हिस्ट्री ऑफ द खिलजीज; हबीब एवं निजामी: कॉम्प्रिहेंसिव हिस्ट्री ऑफ इंडिया - दिल्ली सल्तनत; लल्लनजी गोपाल: इकोनॉमिक लाइफ ऑफ नॉर्दर्न इंडिया; दशरथ शर्मा: अर्ली चौहान डायनेस्टीज
- टैगोर ने जन गण मन का अंग्रेजी अनुवाद मदनपल्ली में किया (फरवरी 1919); गीतांजलि को नोबेल 1913

समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ

पत्र	संपादक / स्वामी
द बंगाली	सुरेंद्रनाथ बनर्जी

पत्र	संपादक / स्वामी
बंगवासी	जोगेंद्र नाथ बोस
वंदे मातरम्	अरविंद घोष (बिपिन पाल)
अमृत बाजार पत्रिका	मोतीलाल घोष (एवं शिशिर कुमार घोष)
इंडियन सोशियोलॉजिस्ट (लंदन)	श्यामजी कृष्ण वर्मा
न्यू इंडिया (जून 1914) / कॉमनवील (जनवरी 1914)	एनी बेसेंट
केसरी / मराठा	तिलक
अल-हिलाल (1912)	आजाद
यंग इंडिया	गांधी
विटाल विध्वंसक (1888)	गोपाल बाबा वलंगकर (अस्पृश्यों का प्रथम मासिक)
तहजीब-उल-अखलाक	सर सैयद अहमद खान
बॉम्बे क्रॉनिकल	फिरोजशाह मेहता

- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' ने गणेश शंकर विद्यार्थी पर 'प्राणार्पण' और 'आत्मोत्सर्ग' काव्य लिखे; कामायनी (जयशंकर प्रसाद); भारत-भारती (मैथिलीशरण गुप्त, 'राष्ट्रकवि'); मृगनयनी / झाँसी की रानी (वृंदावन लाल वर्मा); बिखरे मोती (सुभद्रा कुमारी चौहान 1932); चेतावणी रा चूंगट्या (केसरी सिंह बारहठ 1903); मानस का हंस (अमृतलाल नागर); ऐ मेरे वतन के लोगो (कवि प्रदीप, संगीत सी. रामचंद्र); सारे जहाँ से अच्छा (इकबाल, जन्म 9 नवंबर 1877 सियालकोट)
- पीपुल्स प्लान (1944) एम.एन. रॉय (इंडियन फेडरेशन ऑफ लेबर) द्वारा, 10 वर्षीय योजना; बॉम्बे प्लान 1944 (टाटा, बिड़ला एवं अन्य)
- **वेरियर एल्चिन:** द बैगा (जनजातीय राष्ट्रीय उद्यान का सुझाव); कल्लर जनजाति (मदुरै) ने विद्रोह किया
- **रमा देवी चौधरी:** उड़ीसा की स्वतंत्रता सेनानी; इंपीरियल गजेटियर हंटर द्वारा; पंचायती राज का नामकरण गांधी ने सुझाया

अध्याय 92

साहित्य एवं लेखक

राष्ट्रवादी साहित्य

कृति	लेखक
नील दर्पण (नील विद्रोह, बांग्ला)	दीनबन्धु मित्र
आनंदमठ (संन्यासी विद्रोह 1763-1800; 'बंगाली देशभक्ति की बाइबिल'; इसी में वंदे मातरम् है); दर्गेशनंदिनी (1865, प्रथम उपन्यास); देवी चौधरानी (1884)	बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
बहुविवाह (हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 उनके प्रयासों का परिणाम)	ईश्वरचंद्र विद्यासागर
देशेर कथा (औपनिवेशिक 'मन की सम्मोहक विजय' के प्रति सचेत किया; स्वदेशी नुक्कड़ नाटकों की प्रेरणा; 'देश' = राष्ट्र)	सखाराम गणेश देउस्कर
भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी	भारतेंदु हरिश्चंद्र
चेतावणी रा चूंगट्या	केसरी सिंह बारहठ
भारत-भारती; साकेत; पंचवटी; यशोधरा	मैथिलीशरण गुप्त
संस्कृति के चार अध्याय; राष्ट्रकवि की उपाधि	रामधारी सिंह दिनकर (पुस्तक); गुप्त (उपाधि)
झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा'	श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'
ऐ मेरे वतन के लोगो (1962 के युद्ध में शहीदों को श्रद्धांजलि)	कवि प्रदीप (रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी)
सारे जहाँ से अच्छा (इकबाल, सियालकोट, जन्म 9 नवंबर 1877)	मुहम्मद इकबाल
फिरंगिया (भोजपुरी)	मनोरंजन प्रसाद सिंह
आमार सोनार बांग्ला (1905; बांग्लादेश का राष्ट्रगान, प्रथम 10 पंक्तियाँ)	टैगोर
सॉन्स फ्रॉम प्रिजन (यरवदा 1932)	गांधी
द गोल्डन थ्रेशोल्ड	सरोजिनी नायडू
टुवर्डस स्ट्रगल; प्रिजन डायरी (1975); संपूर्ण क्रांति 1974	जयप्रकाश नारायण
मदर इंडिया (1927)	कैथरीन मेयो
ए पैसेज टू इंडिया	ई.एम. फोर्स्टर
इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस; इंडियन नेशनल मूवमेंट: लॉन्ग-टर्म डायनेमिक्स; राइज एंड ग्रोथ ऑफ इकोनॉमिक नेशनलिज्म	बिपिन चंद्र
कांग्रेस प्रेसिडेंशियल एड्रेसेज (2 खंड, 1885-1910, 1911-34)	जी.ए. नटेशन
इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया अंडर अर्ली ब्रिटिश रूल	आर.सी. दत्त
इंडियन नेशनलिज्म एंड द अर्ली कांग्रेस	जे.आर. मैक्लेन

कृति	लेखक
इंडियन इकोनॉमिक थॉट: 19th सेंचुरी पर्सपेक्टिव्स	बी.एन. गांगुली
प्लान्ड इकोनॉमी फॉर इंडिया (1934, दस वर्षीय योजना)	एम. विश्वेश्वरैया
वैनगार्ड (प्रवासी साम्यवादी पत्रिका)	एम.एन. रॉय
प्रॉब्लम्स ऑफ द फार ईस्ट	लॉर्ड कर्जन
द अनटोल्ड स्टोरी (1962 का युद्ध)	लेफ्टिनेंट जनरल बी.एम. कौल
मेमोरीज ऑफ माई लाइफ एंड टाइम्स	बिपिन चंद्र पाल
लिविंग एन एरा	डी.पी. मिश्र
प्राइस ऑफ पार्टीशन	रफीक जकारिया
द प्राउडेस्ट डे: इंडियाज लॉन्ग रोड टू इंडिपेंडेंस	एंथनी रीड एवं डेविड फिशर
माउंटबेटन एंड द पार्टीशन ऑफ इंडिया	कॉर्लेस एवं लापिएर
पाकिस्तान: द फॉर्मेटिव फेज	खालिद बिन सईद
मॉडर्न इस्लाम इन इंडिया	डब्ल्यू.सी. स्मिथ
मुस्लिम्स ऑफ ब्रिटिश इंडिया	पीटर हार्डी
रूट्स ऑफ एंशिअंट इंडिया	डब्ल्यू.ए. फेयरसर्विस

मध्यकालीन एवं अन्य साहित्यिक कृतियाँ

- राजनीति रत्नाकर - चंडेश्वर; कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा - विद्यापति; गीत गोविंद - जयदेव; किस्सा राधा कन्हैया - वाजिद अली शाह; शाहनामा - फिरोद्दौसी
- चंद्रकांता - देवकीनंदन खत्री; शतरंज के खिलाड़ी, गोदान, गबन, निर्मला, रंगभूमि, कर्मभूमि, सोज-ए-वतन - प्रेमचंद; देवदास - शरतचंद्र चट्टोपाध्याय
- चिदंबरा, पल्लव, लोकायतन - सुमित्रानंदन पंत (छायावादी); मधुशाला (1935), मधुबाला (1936), मधुकलश (1937) - हरिवंश राय बच्चन
- प्रिय प्रवास - अयोध्या प्रसाद उपाध्याय 'हरिऔध'; इटरनल इंडिया - इंदिरा गांधी; माल्गुडी डेज, द इंग्लिश टीचर - आर.के. नारायण; ऑटोबायोग्राफी ऑफ एन अनजान इंडियन - नीरद सी. चौधरी; कन्फेक्शंस ऑफ ए लवर - मुत्क राज आनंद; इंडिया: ए वुंडेड सिविलाइजेशन - वी.एस. नायपॉल
- गोल्डन गेट (1986) - विक्रम सेठ; सर्किल ऑफ रीजन - अमिताव घोष; क्लियर लाइट ऑफ डे - अनीता देसाई; लव एंड लॉन्गिंग इन बॉम्बे - विक्रम चंद्रा; शो बिजनेस - शशि थरूर; द नेमसेक - झुम्पा लाहिड़ी (पुलित्जर 2000, 'इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज' के लिए)
- इमेजिनिंग इंडिया - नंदन नीलेकणि; घर और अदालत - लीला सेठ; जर्नी थ्रू बाबूडम एंड नेतालैंड - टी.एस.आर. सुब्रमण्यम; पैथोलॉजी ऑफ करप्शन - एस.एस. गिल; इंडिया 2020 - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम; लखनऊ बॉय - विनोद मेहता; बुलेट फॉर बुलेट - जूलियो रिबेरो; प्लानिंग एंड द पुअर - बी.एस. मिन्हास
- सुब्रह्मण्य भारती - तमिल कवि (स्वदेशी गीत); कामायनी - जयशंकर प्रसाद; मानस का हंस - अमृतलाल नागर

अध्याय 93

पारिभाषिक शब्दावली एवं इतिहास-लेखन

प्राचीन एवं पूर्व-मध्यकालीन शब्द

शब्द	अर्थ
जनपद	वैदिक / उत्तर-वैदिक राज्य-व्यवस्था की प्रादेशिक इकाई
सभा, समिति, विदथ	वैदिक सभाएँ
ग्रामणी	ग्राम का प्रधान (ऋग्वैदिक)
बलि	ऋग्वेद में स्वेच्छिक भेंट; बाद में अनिवार्य कर
भाग	उपज का अंश (कर); कर - कर; शुल्क - सीमा-शुल्क / चुंगी; विष्टि - बेगार; हिरण्य - नकद कर
अग्रहार	ब्राह्मणों को दी गई (करमुक्त) भूमि
देवदान	मंदिरों को दी गई भूमि; ब्रह्मदेय - ब्राह्मणों को; शालाभोग - विद्यालयों को; पल्लिचंदम - जैनों को
श्रेणी	शिल्पी-संघ (निगम); सार्थ - कारवाँ; निगम - व्यापारियों का संगठन
दंडनीति	दंड का विज्ञान (अर्थशास्त्र)
धम्म	अशोक की धर्मनिष्ठा की नीति
प्रादेशिक, राजुक, युक्त	मौर्य अधिकारी
सीताध्यक्ष	कृषि का अधीक्षक
अमात्य	मंत्री; महामात्र - उच्च अधिकारी
कुमारामात्य	गुप्तकालीन उच्च अधिकारी; संधिविग्रहिक - विदेश मंत्री
द्रुतक	भूमि-अनुदान का संदेशवाहक
प्रशस्ति	स्तुति-अभिलेख; पट्टल - गुप्तकालीन भूमि-अनुदान पत्र
नगरश्रेष्ठी, सार्थवाह	मुख्य बैंकर; कारवाँ का नेता
शूद्र, अंत्यज, चांडाल	समाज के निम्न स्तर के वर्ग
स्त्रीधन	स्त्री की संपत्ति (कात्यायन)
महासामंत	महान सामंत (राष्ट्रकूट); सामंत - अधीनस्थ शासक
सामंत	सेवा के बदले भूमि धारण करने वाले अधीनस्थ सरदार
नाडू, कोट्टम, मंडलम	चोल प्रशासनिक विभाग
ब्रह्मदेय	ब्राह्मण ग्राम (चोल; सभा द्वारा प्रबंधित)
वेल्लाल	तमिल कृषक अभिजात वर्ग
ऊर	अब्राह्मण कृषकों की ग्राम सभा; नगरम् - व्यापारियों की सभा

मध्यकालीन शब्द

शब्द	अर्थ
इक्ता	सेवा के बदले वेतन हेतु दी गई भूमि (इल्तुतमिश ने संस्थागत किया); इक्तादार / मुक्ती

शब्द	अर्थ
खालिसा	राजकीय भूमि; जागीर - राजस्व-अनुदान (मुगल); इनाम - लगान-मुक्त भूमि
खराज, जकात, जजिया, खुम्स	भूमि कर (खराज), दान (जकात), गैर-मुसलमानों पर कर (जजिया), युद्ध-लूट का पाँचवाँ भाग (खुम्स)
सिजदा, पाबोस	साष्टांग प्रणाम तथा चरण-चुंबन (बलबन)
दीवान-ए-अर्ज	सैन्य विभाग (बलबन); दीवान-ए-रिसालत - धार्मिक विभाग; दीवान-ए-इंशा - पत्राचार; दीवान-ए-कोही - कृषि (मु.बि. तुगलक); दीवान-ए-मुस्तखराज - बकाया (अलाउद्दीन)
बरीद-ए-मुमालिक	गुप्तचर एवं डाक सेवाओं का प्रमुख
सर-ए-जांदा	अंगरक्षकों का प्रमुख
चहलगानी	चालीस तुर्क अमीर (इल्तुतमिश)
शहना-ए-मंडी	बाजार अधीक्षक (अलाउद्दीन)
दाग, चेहरा	घोड़ों को दागना; सैनिकों का विवरण-पत्र
मनसबदार, जात, सवार	पदधारी; व्यक्तिगत पद; घुड़सवार पद
दहसाला (आइन-ए-दहसाला)	अकबर की दस वर्षीय औसत पर आधारित राजस्व प्रणाली
जब्त	माप पर आधारित बंदोबस्त
कनकृत, बटाई / गल्ला-बख्शी	फसल का अनुमान; फसल का बँटवारा
नसक	पूर्व अभिलेखों पर आधारित अनुमान
सराय	मार्गों पर विश्रामगृह; डाक चौकी - डाक-स्टेशन
वजीर, मीर बख्शी, सद्र-उस-सुदूर, मीर सामान	प्रधानमंत्री, सैन्य वेतन, धार्मिक अनुदान, शाही गृहस्थी
दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास	सार्वजनिक दर्शन-कक्ष; निजी दर्शन-कक्ष
झरोखा दर्शन	झरोखे में सम्राट का दर्शन देना (अकबर)
तौहीद-ए-इलाही	दीन-ए-इलाही
महजर (1579)	अकबर की सर्वोच्चता की घोषणा; इबादतखाना (1575)
सुलह-ए-क्ल	सार्वभौमिक शांति (अकबर)
रेख्ता	आरंभिक उर्दू; दक्खिनी
तस्वीरखाना	चित्रकारों का कार्यालय
कारखाना	(शाही) कार्यशाला
पीर, मुरीद, खानकाह, सम'अ, सिलसिला	सूफी: संत, शिष्य, आश्रम, भक्ति-संगीत, संप्रदाय
आलवार, नायनार	तमिल वैष्णव एवं शैव भक्त कवि
वचन	लिंगायत संतों के कन्नड़ उद्गार
अभंग	मराठी भक्ति रचना (वारकरी)
भक्ति, निर्गुण, सगुण	भक्ति; निराकार; साकार
गजल, कव्वाली, ख्याल, ध्रुपद	संगीत की विधाएँ
आइन-ए-अकबरी	अकबरनामा का तृतीय खंड (अबुल फजल; आँकड़े)
चौथ, सरदेशमुखी	मराठा कर (25% और 10%)
मिरासदार, देशमुख, पाटिल	मराठा वंशानुगत भूमिधारक / अधिकारी
अष्टप्रधान	आठ मंत्रियों की परिषद् (शिवाजी)

औपनिवेशिक शब्द

शब्द	अर्थ
दीवानी	राजस्व वसूलने का अधिकार (1765)
निजामत	आपराधिक न्याय एवं पुलिस (नवाब का कार्य)
दस्तक	निशुल्क व्यापार-पास (कंपनी)
फरमान	शाही आदेश (1717)
जमींदार, तालुकदार	भू-स्वामी (स्थायी बंदोबस्त; अवध)
रैयत, लंबरदार, पटवारी	कृषक; ग्राम-प्रधान; ग्राम-लेखाकार
तिनकठिया	3/20 भूमि पर नील की खेती की प्रथा (चंपारण)
दादनी	बूनकरों को अग्रिम भुगतान की प्रणाली
होम चार्ज	ब्रिटेन में भारत सरकार के व्यय
धन-निष्कासन	बिना प्रतिफल के ब्रिटेन को धन का हस्तांतरण
द्वैध शासन	दोहरी सरकार (1919: प्रांतों में; 1935: केंद्र में प्रस्तावित)
सर्वोच्चता	देशी रियासतों पर ब्रिटिश प्रभुत्व
सहायक संधि	वेलेजली की भरण-पोषण के बदले संरक्षण की प्रणाली
व्यपगत का सिद्धांत	प्राकृतिक उत्तराधिकारी न होने पर विलय (डलहौजी)
सत्याग्रह, स्वदेशी, बहिष्कार, हड़ताल, धरना	गांधीवादी एवं स्वदेशी पद्धतियाँ
पूर्ण स्वराज	संपूर्ण स्वतंत्रता (लाहौर 1929)
डोमिनियन स्टेटस (औपनिवेशिक स्वराज)	ताज के अधीन स्वशासी स्थिति
सांप्रदायिक पंचाट	पृथक निर्वाचन (अगस्त 1932, मैकडोनाल्ड)
उत्तरदायी सहयोग	तिलक की (बाद की) / जयकर और केलकर की सरकार से सहयोग की नीति
रचनात्मक कार्यक्रम	गांधी का सामाजिक कार्यक्रम (खादी, ग्रामोद्योग, हिंदू-मुस्लिम एकता)
ग्राम स्वराज	ग्राम गणराज्य (गांधी)

आधुनिक भारत का इतिहास-लेखन

संप्रदाय	प्रमुख इतिहासकार एवं दृष्टिकोण
साम्राज्यवादी (औपनिवेशिक)	मिल, एल्फिन्स्टन, लॉरेंस, स्ट्रेची; ब्रिटिश शासन को परोपकारी एवं सभ्य बनाने वाला माना; 'गोरे व्यक्ति का दायित्व'
कैब्रिज संप्रदाय	अनिल सील, गॉर्डन जॉनसन, जॉन गैलाघर, जूडिथ ब्राउन; राष्ट्रवाद को सत्ता और संरक्षण हेतु अभिजात वर्ग की प्रतिस्पर्धा माना ('इमर्जेंस ऑफ इंडियन नेशनलिज्म', 1968)
राष्ट्रवादी	आर.सी. मजूमदार, ताराचंद, बी.एल. ग्रोवर; अमलेश त्रिपाठी; राष्ट्रीय आंदोलन का महिमामंडन
मार्क्सवादी	आर.पी. दत्त ('इंडिया टूडे', 1940); ए.आर. देसाई ('सोशल बैकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म', 1948); इरफान हबीब; बिपन चंद्र; एस. गोपाल; सुमित सरकार ('मॉडर्न इंडिया', 1983)
निम्नवर्गीय (सबऑल्टर्न)	रणजीत गुहा ('सबऑल्टर्न स्टडीज', 1982); ज्ञानेंद्र पांडेय, शाहिद अमीन, डेविड हार्डिमैन; 'नीचे से' इतिहास
नारीवादी	उमा चक्रवर्ती, कृमकृम सांगरी; राष्ट्रवाद में लैंगिक दृष्टि
उत्तर-औपनिवेशिक	एडवर्ड सईद ('ओरिएंटलिज्म'), पार्थ चटर्जी, होमी भाभा

संप्रदाय	प्रमुख इतिहासकार एवं दृष्टिकोण
प्राचीन इतिहास-लेखन	डी.डी. कोसांबी (मार्क्सवादी), आर.एस. शर्मा ('इंडियन प्यूडलिज्म'), रोमिला थापर ('अशोक एंड द डिक्लाइन ऑफ द मौर्याज'), उपेंद्र सिंह ('ए हिस्ट्री ऑफ एंशिपेंट एंड अर्ली मेडीवल इंडिया'), ए.एल. बाशम, वी.ए. स्मिथ ('अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया'), के.ए. नीलकंठ शास्त्री ('ए हिस्ट्री ऑफ साउथ इंडिया')
मध्यकालीन इतिहास-लेखन	इरफान हबीब ('एंग्रेरियन सिस्टम ऑफ मुगल इंडिया'), सतीश चंद्र, मोहम्मद हबीब, के.ए. निजामी, अतहर अली ('मुगल नोबिलिटी'), जे.एन. सरकार ('औरंगजेब'), डब्ल्यू.एच. मोरलैंड, स्टैनली लेन-पूल

UP-PSC 2026

PRELIMS

SIMULATOR TESTS

Write Your
Prelims before the
Actual Prelims



SCAN TO
REGISTER

ENGLISH &
हिंदी माध्यम

SIMULATOR - 0
25 OCT
2026

SIMULATOR - 1
01 NOV
2026

SIMULATOR - 2
11 NOV
2026

SIMULATOR - 3
22 NOV
2026

SIMULATOR - 4
29 NOV
2026

Know your real All-India
rank and percentile—no
illusions, no comfort zones.

Validate **elimination**
techniques, risk-taking
and accuracy at scale.

**WHY
SIMULATOR
TESTS**

Experience exam - day
pressure before the actual
D-Day.

Identify **blind spots** and
course-correct in time.

ONLINE & OFFLINE TEST AT



DELHI



LUCKNOW



PRAYAGRAJ



VARANASI



KANPUR

UPPSC PRELIMS

QRS QUICK
REVISION
SERIES

OPEN FOR ALL ON



YouTube

SCAN TO
WATCH



30+ Classes

✉ admissions@forumias.academy

🌐 academy.forumias.com



9311740400



9311740404